THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 275 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष कृ.12 2081 शुक्रवार, 27 दिसंबर-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

एक जनवरी से बढ़ेगी रामलला के दर्शन की अवधि

अयोध्या, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। रामनगरी में श्रद्धालुओं की भीड़ तेजी से बढ़ रही है। बुधवार को शाम सात बजे तक 1.05 लाख भक्तों ने रामलला के दरबार में हाजिरी लगाई है। 25 दिसंबर को क्रिसमस की छुट्टी होने के चलते बड़ी संख्या में श्रद्धालु अयोध्या पहुंचे। आलम यह रहा कि वीआईपी दर्शन के सभी स्लॉट सुबह 11:00 बजे तक ही फुल हो गए थे।

नववर्ष यानी एक जनवरी को भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है। इसको देखते हुए एक जनवरी को राम मंदिर ट्रस्ट रामलला की दर्शन अवधि में एक घंटे की वृद्धि करने की योजना बना रहा है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्र ने कहा कि प्रयागराज में आने वाले श्रद्धालुओं की सहूलियत को देखते हुए ट्रस्ट ने निर्णय लिया है।

मनमोहन सिंह का 92 साल की उम्र में निधन

दिल्ली के एम्स में आखिरी सांस ली राहुल, खड़गे कर्नाटक से दिल्ली पहुंचे

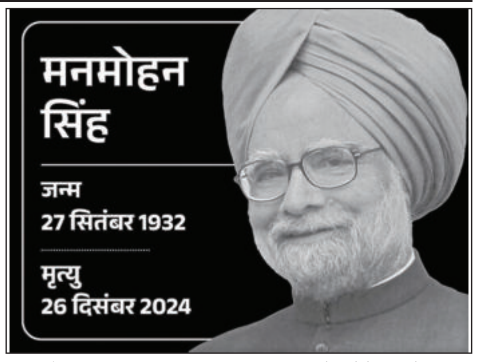

नई दिल्ली, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह का 92 साल की उम्र में निधन हो गया। गुरुवार रात अचानक तबीयत बिगड़ गई थी। उन्हें दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया था। रॉबर्ट वाड्रा, पप्पू यादव, मनोज झा, सलमान खुर्शीद ने उनके निधन के बारे में X पर पोस्ट किया है। इस बीच, कर्नाटक के बेलगावी में चल रही कांग्रेस वर्किंग कमेटी मीटिंग रद्द कर दी गई है। साथ ही 27 दिसंबर को होने वाले सभी प्रोग्राम भी कैंसिल कर दिए गए हैं। राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे बेलगावी से दिल्ली पहुंच गए हैं।

एम्स के बाहर सिक्योरिटी बढ़ा दी गई है। प्रियंका गांधी और सोनिया गांधी भी एम्स पहुंच चुकी हैं।

मनमोहन सिंह देश में उदारीकरण लाए थे

✻ नरसिम्हा राव बोले थे-सफल हुए तो श्रेय हम दोनों को, नाकाम हुए तो आपकी जिम्मेदारी

नई दिल्ली, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह अविभाजित भारत के पंजाब के गाह गांव में पैदा हुए थे। मनमोहन सिंह को भारत की अर्थव्यवस्था में उदारीकरण लाने का श्रेय दिया जाता है। वे पीवी नरसिम्हा राव सरकार (1991-96) में वित्तमंत्री रहे थे। पीवी नरसिम्हा राव ने तब एक आला अफसर पीसी अलेक्जेंडर की सलाह पर वित्तमंत्री बनाया था। नरसिम्हा ने मनमोहन से कहा था कि अगर आप सफल हुए तो इसका श्रेय हम दोनों को जाएगा। अगर आप असफल हुए तो सिर्फ आपकी जिम्मेदारी होगी।

नरसिम्हा राव 1991 में प्रधानमंत्री बने तो वे कई चीजों के एक्सपर्ट बन चुके थे। स्वास्थ्य और शिक्षा मंत्रालय वे पहले देख चुके थे। वो विदेश मंत्री भी रह चुके थे। उनका एक ही विभाग में उनका हाथ तंग था और वो था वित्त मंत्रालय। प्रधानमंत्री बनने से दो दिन पहले कैबिनेट सचिव नरेश चंद्रा ने उन्हें 8 पेज का एक नोट दिया था, जिसमें बताया गया था कि भारत की आर्थिक स्थिति बहुत खराब है। नरसिम्हा राव ने उस समय के अपने सबसे बड़े सलाहकार पीसी अलेक्जेंडर से पूछा कि क्या आप वित्तमंत्री के लिए ऐसे व्यक्ति का नाम सुझा सकते हैं, जिसकी इंटरनेशनल लेवल पर स्वीकार्यता हो। अलेक्जेंडर ने उन्हें रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर रह चुके और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के निदेशक आईजी पटेल का नाम सुझाया। आईजी पटेल दिल्ली आना नहीं चाहते थे, क्योंकि उनकी मां बीमार थीं और वे वडोदरा में थे। फिर अलेक्जेंडर ने ही मनमोहन सिंह का नाम लिया। अलेक्जेंडर ने शपथ ग्रहण समारोह से एक दिन पहले मनमोहन सिंह को फोन किया। उस समय वे सो रहे थे, क्योंकि कुछ घंटे पहले ही विदेश से लौटे थे। जब उन्हें उठाकर इस प्रस्ताव के बारे में बताया गया तो उन्होंने इस पर विश्वास नहीं किया।

2004 में ऐसे आया मनमोहन का नाम

2004 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने यूपीए गठबंधन बनाया और कई दलों के साथ मिलकर सरकार बनाई। सोनिया गांधी 1998 में राजनीति में आई थीं और 2004 में पार्टी की कमान संभाल रही थी। लोकसभा चुनाव के ओपिनियन पोल में भाजपा को दो-तिहाई बहुमत मिलने की भविष्यवाणी की गई थी। भाजपा जीत के भरोसे में थी। नतीजे आए तो बीजेपी 182 सीटों से लुढ़ककर 138 सीटों पर आ गई थी। कांग्रेस 114 से बढ़कर 145 सीटों पर पहुंच गई। हालांकि, पीएम कौन बनेगा, इस बात को लेकर अनिश्चितता थी।

इसलिए ऐतिहासिक माना जाता है 1991 का बजट...

1991 में नरसिम्हा राव की सरकार में वित्तमंत्री रहते हुए उन्होंने बजट में उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण से जुड़ी अहम घोषणाएं की, जिससे भारत की अर्थव्यवस्था को नई रफ्तार मिली। इसके चलते देश में व्यापार नीति, औद्योगिक लाइसेंसिंग, बैंकिंग क्षेत्र में सुधार और प्रत्यक्ष विदेश निवेश (एफडीआई) की अनुमति से जुड़े नियम-कायदों में बदलाव किए गए। यूपीए सरकार में विदेश मंत्री रहे नटवर सिंह अपनी किताब "वन लाइफ इज नॉट एनफ' में लिखते हैं, "उस समय गांधी परिवार पसोपेश में था। राहुल ने अपनी मां से कहा कि वो पीएम नहीं बनेंगी। राहुल अपनी मां को रोकने के लिए कुछ भी करने को तैयार थे। दोनों मां-बेटे के बीच ऊंची आवाज में बातें हो रही थीं। राहुल को डर था कि मां पीएम बनीं तो उन्हें भी दादी और पिता की तरह मार दिया जाएगा।' नटवर लिखते हैं, "राहुल बेहद गुस्से में थे। उस वक्त मैं, मनमोहन सिंह और प्रियंका वहीं थे। बात तब बढ़ गई जब राहुल ने कहा कि मां मैं आपको 24 घंटे का टाइम दे रहा हूं। आप तय कर लीजिए क्या करना है? आंसुओं से भरी मां (सोनिया) के लिए यह असंभव था कि राहुल की बात को वे दरकिनार कर दें।'

18 मई 2004 की सुबह सोनिया गांधी सुबह जल्दी उठीं। राहुल और प्रियंका के साथ चुपचाप घर से बाहर निकल गईं। सोनिया की कार राजीव गांधी की समाधि पहुंची। तीनों थोड़ी देर तक समाधि के सामने बैठे रहे। उसी शाम 7 बजे संसद के सेंट्रल हॉल में कांग्रेस सांसदों की बैठक हुई। सोनिया गांधी ने राहुल और प्रियंका की तरफ देखकर कहा- मेरा लक्ष्य कभी भी प्रधानमंत्री बनना नहीं रहा है। मैं हमेशा सोचती थी कि अगर कभी उस स्थिति में आई, तो अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनूंगी। आज वह आवाज कहती है कि मैं पूरी विनम्रता के साथ ये पद स्वीकार न करूं। इसके बाद दो घंटे तक कांग्रेस के सांसद सोनिया को पीएम बनने के लिए मनाते रहे, लेकिन नाकामी हाथ लगी। इसी दौरान यूपी के एक सांसद ने कहा, 'मैडम आपने वो मिसाल कायम की है, जैसा पहले महात्मा गांधी ने की है। आजादी के बाद जब देश में पहली बार सरकार बनी तो गांधी जी ने भी सरकार में शामिल होने से मना कर दिया था। तब गांधी जी के पास नेहरू थे। अब कोई नेहरू कहां है।

चुनाव आयोग ने जारी किए लोकसभा चुनावों के आंकड़े

नई दिल्ली, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। देश में हो रहे चुनावों में लोग बढ़-चढ़कर भाग ले रहे हैं। चुनाव आयोग ने लोकसभा चुनाव और चार राज्यों में हुए चुनावों से जुड़ा डाटा जारी किया है। इसके अनुसार लोकसभा चुनावों में 64.64 करोड़ मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। खास बात यह है कि इसमें महिला मतदाताओं की संख्या पुरुषों से अधिक थी। आयोग का कहना है कि भारत में लोकतंत्र अन्य देशों के मुकाबले अभूतपूर्व है।

चुनाव आयोग ने गुरुवार को लोकसभा चुनाव के आंकड़ों से जुड़ी 42 और चार राज्य विधानसभा चुनावों (अरुणाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और सिक्किम) की 14-14 रिपोर्ट जारी कीं। आयोग ने कहा कि ये रिपोर्ट दुनिया भर के शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, चुनाव पर्यवेक्षकों के लिए मददगार साबित होंगी। रिपोर्ट में कहा गया कि लोकसभा चुनाव में 64.64 करोड़ मतदाताओं ने मताधिकार का प्रयोग करके विश्व रिकॉर्ड बनाया। 2024 में 12,459 नामांकन दाखिल किए गए, जबकि 2019 में यह संख्या 11,692 थी।

मंदिर-मस्जिद विवाद पर संघ प्रमुख और मुखपत्र की राय अलग

नई दिल्ली, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के अंग्रेजी मुखपत्र ऑर्गनाइजर ने हालिया मंदिर-मस्जिद विवादों पर संघ प्रमुख मोहन भागवत से अलग राय रखी है। पत्रिका ने अपने ताजा अंक में इसे ऐतिहासिक सच जानने और सभ्यतागत न्याय की लड़ाई कहा है। मोहन भागवत ने 19 दिसंबर को पुणे में कहा था कि राम मंदिर के निर्माण के बाद कुछ लोगों को लगता है कि वे नई जगहों पर इस तरह के मुद्दे उठाकर हिंदुओं के नेता बन सकते हैं। हर दिन एक नया मामला उठाया जा रहा है। इसकी इजाजत कैसे दी जा सकती है? भारत को दिखाने की जरूरत है कि हम एक साथ रह सकते हैं। ऑर्गनाइजर के संपादक प्रफुल्ल केतकर ने संपादकीय में लिखा है कि सोमनाथ से लेकर संभल और उससे आगे का ऐतिहासिक सत्य जानने की यह लड़ाई धार्मिक वर्चस्व के बारे में नहीं है। यह हमारी राष्ट्रीय पहचान की पुष्टि करने और सभ्यतागत न्याय की लड़ाई है। उत्तर प्रदेश के ऐतिहासिक शहर की जामा मस्जिद में श्री हरिहर मंदिर के सर्वे से शुरू हुए विवाद ने संवैधानिक अधिकारों पर एक नई बहस को जन्म दिया है। हमें धर्मनिरपेक्षता की झूठी बहस के बजाय समाज के सभी वर्गों को शामिल करते हुए सभ्यतागत न्याय की खोज करने की जरूरत है। कांग्रेस के षड्यंत्र ने मुगल सम्राट बाबर और औरंगजेब जैसे कट्टर शासकों की बड़ी छवि पेश की। इससे भारतीय मुसलमानों में गलत धारणा बनी कि वे अंग्रेजों से पहले यहां के शासक थे। भारत के मुसलमानों को यह समझना चाहिए कि वे शासक नहीं बर्बर इस्लामी आक्रमणों के प्रतीक हैं।

भारतीय मुसलमानों के पूर्वज हिंदुओं के विभिन्न संप्रदायों से हैं इसलिए उन्हें अपनी विचारधारा बदलनी चाहिए। पत्रिका ने कांग्रेस पर चुनावी लाभ के लिए जातियों का शोषण करने का आरोप लगाया।

सोनिया गांधी की सेहत खराब

बेंगलूरू, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी के सूत्रों ने बताया है कि वरिष्ठ पार्टी नेता सोनिया गांधी की सेहत ठीक नहीं है। सेहत से जुड़े कारणों के आधार पर सोनिया कर्नाटक के बेलगावी में आयोजित कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक (सीडब्ल्यूसी) से किनारा कर सकती हैं। उनके सीडब्ल्यूसी बैठक में आने की संभावनाओं को लेकर सूत्रों ने कहा, तबीयत की देखभाल के लिए उनकी बेटी प्रियंका गांधी उनके साथ हैं। ऐसे में अगर सोनिया की सेहत में सुधार नहीं होने की स्थिति में प्रियंका का भी बेलगावी में आयोजित बैठक में जाने का कार्यक्रम टल सकता है।

सीडब्ल्यूसी की बैठक में किन मुद्दों पर बात हो सकती है? इस सवाल पर कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा, बेलगावी की बैठक में पार्टी देश के राजनीतिक घटनाक्रम पर चर्चा करेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस मुद्दों पर मंथन के बाद समाधान पर भी विचार-विमर्श करेगी। इसके अलावा पार्टी संविधान पर भाजपा के कथित हमले का मुकाबला करने के लिए स्पष्ट विचारों के साथ सामने आएगी। वेणुगोपाल ने गुरुवार को बताया कि कांग्रेस की विस्तारित कार्य समिति की बैठक में राजनीतिक घटनाक्रम के अलावा देश के संविधान और इसके निर्माता बीआर आंबेडकर पर भाजपा के कथित हमले पर भी चर्चा होगी।

नाबालिग लड़की का अपहरण-हत्या मामला

मुख्य आरोपी को दो जनवरी तक की पुलिस हिरासत

मुंबई, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में एक 12 वर्षीय बच्ची के अपहरण और हत्या के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी को बुलढाणा से गिरफ्तार कर गुरुवार सुबह ठाणे लेकर आई। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी विशाल गवली के अलावा, उसकी पत्नी और एक अन्य व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया है। अपराध शाखा के एक अधिकारी ने बताया कि विशाल गवली को बुधवार को बुलढाणा के शेगांव से गिरफ्तार किया गया था। उसे गुरुवार की सुबह ठाणे लाया गया। उन्होंने कहा कि औपचारिकताएं पूरी करने के बाद उसे ठाणे शहर में पुलिस हवालात में रखा गया था। बाद में उसे कल्याण की एक अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे दो जनवरी तक के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है।

माकन को तुरंत हटाया जाए

'कांग्रेस को इंडिया गठबंधन से बाहर करने की मांग करेंगे, अगर कांग्रेस ऐसा नहीं करती है तो '

नई दिल्ली, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) में तकरार बढ़ गई है। सीएम आतिशी और आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कांग्रेस नेता अजय माकन पर कार्रवाई की मांग की। सिंह ने कहा, "कांग्रेस नेता अजय माकन ने अरविंद केजरीवाल को राष्ट्र विरोधी कहा है, पार्टी को 24 घंटे में उनके खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। अगर कांग्रेस ऐसा नहीं करती है तो आप इंडिया गठबंधन (भारतीय राष्ट्रीय विकासशील समावेशी गठबंधन) के नेताओं से मांग करेगी कि कांग्रेस को इंडिया गठबंधन से हटाएं।"अजय माकन कांग्रेस के कोषाध्यक्ष और राज्यसभा के सांसद हैं। वो मंत्री भी रह चुके हैं।

बीजेपी ने तैयार की है कांग्रेस की लिस्ट- संजय सिंह

संजय सिंह ने कहा, "ऐसा प्रतीत होता है कि दिल्ली चुनाव के लिए कांग्रेस के उम्मीदवारों की सूची बीजेपी ने तैयार की है; इसका उद्देश्य 'आप' को नुकसान पहुंचाना है।" उन्होंने कहा कि कांग्रेस दिल्ली चुनाव में बीजेपी को जीतने में मदद करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है; कांग्रेस के अजय माकन बीजेपी की लिखी पटकथा पढ़ रहे हैं।

संदीप दीक्षित पर निशाना

संजय सिंह ने कहा कि संदीप दीक्षित ने खुलेआम नोट बांटने वाले प्रवेश वर्मा के खिलाफ कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई...।आखिर क्यों? कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित नई दिल्ली सीट से अरविंद केजरीवाल के खिलाफ चुनावी मैदान में उतरे हैं। वहीं सीएम आतिशी ने कहा, "आप को हराने और बीजेपी को जीताने के लिए कांग्रेस ने सांठगांठ की है। अगर ऐसा नहीं है तो कांग्रेस 24 घंटे में अजय माकन के खिलाफ कार्रवाई करे, यूथ कांग्रेस के खिलाफ कार्रवाई करे, जिन्होंने मेरे और अरविंद केजरीवाल के खिलाफ एफआईआर कराई है।"

अजय माकन ने क्या कहा था?

कांग्रेस ने दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर बुधवार को आम आदमी पार्टी सरकार और केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के नेतृत्व वाली सरकार के के खिलाफ 'श्वेत पत्र' जारी किया था। इस दौरान कांग्रेस के नेता अजय माकन ने कई आरोप लगाए। साथ ही कहा, "पहले केजरीवाल को समर्थन देना गलती थी और गठबंधन भी भूल थी। केजरीवाल भरोसे के योग्य नहीं। उनकी कोई विचारधारा नहीं है। केजरीवाल राष्ट्र विरोधी हैं।" बता दें कि आम आदमी पार्टी और कांग्रेस इंडिया गठबंधन में शामिल है। हालांकि दोनों ही पार्टी ने दिल्ली में अलग-अलग चुनाव लड़ने का फैसला किया है। राष्ट्रीय राजधानी में अगले साल फरवरी में चुनाव हो सकते हैं।

दिल्ली के बाद महाराष्ट्र से 17 बांग्लादेशी गिरफ्तार, एटीएस चला रही है स्पेशल ऑपरेशन

मुंबई, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। देश की राजधानी दिल्ली के बाद अब महाराष्ट्र में मुंबई समेत चार अलग-अलग शहरों में अवैध तौर पर रह रहे 17 बांग्लादेशी नागरिकों को आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बताया कि ये बांग्लादेशी भारत में अवैध रूप से घुसे थे और बिना अनुमति के रह रहे थे। एक अधिकारी ने बताया कि एक विशेष अभियान के तहत ये गिरफ्तारियां की गई हैं। उन्होंने बताया कि एटीएस ने स्थानीय पुलिस की मदद से इस सप्ताह मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे और नासिक शहर में अभियान चलाया। अधिकारी ने बताया, बिना अनुमति के भारत में घुसने और बिना वैध दस्तावेजों के देश में रहने के आरोप में बांग्लादेश के कम से कम 17 नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें 14 पुरुष और तीन महिलाएं शामिल हैं। उन्होंने बताया कि आरोपियों के खिलाफ विदेशी अधिनियम और अन्य संबंधित कानूनों के तहत दस अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं। बता दें कि इससे पहले देश की राजधानी दिल्ली में भी 7 अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। इसके बाद उन्हें अपने मुल्क भेजने की प्रक्रिया शुरू की गई है। गौरलतब है कि दिल्ली एलजी के आदेश में पुलिस अवैध बांग्लादेशी नागिरकों को जांच करने के लिए विशेष अभियान चला रही है। इसके तहत कई जगहों पर पुलिस छापेमारी कर लोगों को पूछताछ कर रही है। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले बांग्लादेशी घुसपैठियों को लेकर चलाए जाए रहे अभियान पर आम आदमी पार्टी और बीजेपी के जुबानी जंग भी शुरू हो चुकी है। मख्यमंत्री आतिशी ने केंद्र सरकार पर अवैध बांग्लादेशी के बॉर्डर पार कर भारत आने को लेकर हमला किया है। इस दौरान आतिशी ने भारत-बंग्लादेश सीमा की सुरक्षा पर भी सवाल खड़ा किया।

अहमदाबाद एयरपोर्ट पर करोड़ों का सोना जब्त

छिपाने के लिए ऐसी जगह चुनी कि अधिकारी भी रह गए दंग

अहमदाबाद, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। गुजरात के सरदार वल्लभ भाई पटेल एयरपोर्ट पर करीब 3 किलो सोना जब्त किया गया है। इस सोने को फ्लाइट के जरिए बैंकॉक से अहमदाबाद लाया गया था। सोने की कीमत 2.35 करोड़ से ज्यादा बताई जा रही है। सोने की तस्करी के लिए जो तरीका इस्तेमाल किया गया था, उसे देखकर अधिकारी भी हैरान रह गए। इस सोने को एक एयर कंप्रेसर के पिस्टन में छिपा दिया गया था। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने मिली टिप के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उस कस्टम एक्ट 1962 के तहत केस दर्ज किया गया है। दरअसल अहमदाबाद और सूरत एयरपोर्ट से कई देशों के लिए डायरेक्ट फ्लाइट उपलब्ध है। ऐसे में यहां बड़े स्तर पर तस्करी का प्रयास किया जाता है। कई बार इन दोनों एयरपोर्ट पर तस्करी के मामले सामने आए हैं। इन्हें रोकने के लिए ही यहां स्पेशल टीमों की तैनाती की गई है। डीआरआई ने बताया कि अहमदाबाद और सूरत इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 2024 में करीब 93 करोड़ सोना जब्त किया गया है, जिसकी कीमत 66 करोड़ रुपये से ज्यादा है। एयरपोर्ट पर सोने की तस्करी करते हुए देश भर के एयरपोर्ट पर लोग पकड़े जाते हैं, लेकिन इनमें फिर भी कमी नहीं आ रही है। कुछ दिन पहले सऊदी अरब के जेद्दा से भारत आने वाली फ्लाइट से एक व्यक्ति सोना लेकर आ रहा था। जांच के दौरान सुरक्षा अधिकारियों को उस पर शक हुआ। व्यक्ति के पास से 72 लाख रुपये का सोना बरामद हुआ था। यात्री ने इसे अपने प्राइवेट पार्ट में छिपा रखा था। वहीं एक अन्य मामले में चाय की फ्लास्क मशीन में छिपाकर 467 ग्राम सोना लाया जा रहा था, जिसे दिल्ली एयरपोर्ट पर जब्त कर लिया गया। वहीं मुंबई हवाई अड्डे पर 1.48 करोड़ रुपये से अधिक का सोना जब्त करने का मामला सामने आने के बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी तारीफ की थी। मुंबई कस्टम विभाग के अधिकारियों ने बताया था कि 18 और 19 दिसंबर को दो अलग-अलग मामलों में करीब 1.48 करोड़ रुपये का सोना जब्त किया गया था। इस सोने का वजन 2 किलोग्राम से अधिक था। एक आरोपी ने सोने को अपने शरीर में छिपा रखा था, वहीं दूसरा व्यक्ति एयरपोर्ट का कर्मचारी पाया गया।

पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया के तीन गुर्गे धरे, पिस्तौल-कारतूस बरामद

जालंधर, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। जालंधर कमिश्नर में पुलिस ने तीन खतरनाक अपराधियों को मुठभेड़ के बाद काबू किया है। एनकाउंटर में पकड़े गए आरोपी गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया गैंग के सदस्य हैं। गैंगस्टर गंभीर घायल हुआ है। बताया जा रहा है कि पुलिस और गैंगस्टर के बीच 15 राउंड फायर हुए हैं। पुलिस ने एनकाउंटर के बाद पकड़े गैंगस्टरों से 6 पिस्तौल, कारतूस बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपी फिरौती, वेपन तस्करी और ड्रग तस्करी में शामिल हैं। मिली जानकारी के मुताबिक पुलिस कमिश्नर स्वपन शर्मा के निर्देशों पर पुलिस टीम ने जग्गू भगवानपुरिया गैंग के सदस्यों को काबू किया। पुलिस द्वारा आरोपी की निशानदेही पर वेपन बरामदगी के लिए एक स्थान पर पहुंची तो इसी बीच गैंगस्टर ने पुलिस पर फायरिंग कर और भाग निकला।

फिटनेस इंफुलेंसर रोहित दलाल

अक्षय दिलावरी और तिलक राज आप में शामिल, अरविंद केजरीवाल रहे मौजूद

नई दिल्ली, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। खेल और फिटनेस से जुड़े इंफ्लुएंसर रोहित दलाल, अक्षय दिलावरी और तिलक राज को अरविंद केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी में शामिल करवाया। इस मौके पर दिल्ली विधानसभा स्पीकर राम निवास गोयल भी मौजूद रहे। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि रेसलर और कोई बॉडी बिल्डर हमारे साथ जुड़ रहे हैं। इन्होंने लोगों को स्वस्थ रखने के लिये अलग-अलग स्तर पर ट्रेनिंग दी है और उनके लिये काम किया है। जल्द ही पूरी दिल्ली के जिम ऑनर हमारे साथ जुड़ेंगे। सरकार बनने के बाद इन सभी की परेशानियों का समाधान कराने का काम करेंगे। वहीं गोयल ने कहा कि अरविंद केजरीवाल के कामों से प्रभावित होकर आम आदमी पार्टी (आप) में शामिल हुए हैं। 10-15 दिनों से बातचीत चल रही थी। उन्होंने कहा, "रोहित दलाल ने बताया कि पार्टी की ईमानदारी, गरीबों की तरफ ध्यान को देखते हुए वो प्रभावित हुए हैं। दिल्ली के जितने जिम हैं, वहां जुड़े हुए जो लोग हैं, उनमें उनका प्रभाव है। वो पार्टी से जुड़ेंगे, इससे लाभ होगा।"

इंफुलेंसर ने क्या कहा?

वहीं तिलक राज ने कहा कि अब तक की सरकारों ने बॉडी बिल्डर्स, जिम और पावर लिफटर्स के बारे में नहीं सोचा। हम आज इसलिए जुड़े हैं, ताकी प्लेयर्स के लिए हम सुविधाएं मांग सकें। हमारे साथ काफी जिम के लोग जुड़े हुए हैं। रोहित दलाल ने कहा कि पार्टी से जुड़ने का मकसद है कि हम दिल्ली में स्पोर्ट्स के लोगों को मदद कर सकें। अक्षय दिलावरी ने कहा कि सरकार से जुड़ने से लोगों को फायदा मिलेगा।

दो पिस्टल और कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

बड़वानी से खरीदे थे हथियार

छिंदवाड़ा, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। छिंदवाड़ा पुलिस ने एक युवक को दो देशी पिस्टल और चार कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया। कोतवाली टीआई उमेश गोल्हानी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि 25 दिसंबर को पुलिस को सूचना मिली थी कि प्रथम बिहार कॉलोनी गुलाबरा में एक युवक लाल रंग की स्कूटी प्लेजर एमपी28एसए7508 में अवैध रूप से पिस्तौल कारतूस के साथ घूम रहा है। उसके बाद तत्काल कोतवाली पुलिस ने उक्त युवक को घेराबंदी कर धर दबोचा। पुलिस के मुताबिक युवक टीनू उर्फ रजत घारू पिता कैलाश घारू उम्र 32 वर्ष निवासी पहाड़े कॉलोनी गुलाबरा में रहता है। आरोपी ने अपनी कमर में एक देशी पिस्टल फंसा कर रखा था, जबकि दूसरी पिस्टल उसकी गाड़ी की डिक्की में थी। आरोपी के विरुद्ध अपराध धारा 25 (1) (ए) आयुध अधिनियम 1959 का पंजीबद्ध कर आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। बताया जा रहा है कि बड़वानी से उसने यह हथियार खरीदे थे। पुलिस के मुताबिक आरोपी पर आर्म्स एक्ट, जुआ एक्ट और अन्य धाराओं में पहले से ही मामले दर्ज थे। एक बार फिर पुलिस ने उसे हथियारों के साथ रंगे हाथों पकड़ा है। बताया जा रहा है कि उसके द्वारा कई राज भी खोले जाएंगे।

एमवाय अस्पताल में भर्ती कैदी ने बाथरुम में फांसी लगाई, रेप के आरोप में बंद था जेल में

इंदौर, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। इंदौर के एमवाय अस्पताल में एक कैदी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह रेप के आरोप में जेल में बंद था। आरोपी भर्ती होने के दौरान भी पुलिस अभिरक्षा में था और उसके हाथ में हथकड़ी रहती थी। उसने आत्महत्या के लिए अस्पताल के बाथरुम को चुना कपड़े से फंदा बनाकर वह फांसी पर लटक गया। बीते एक सप्ताह से वह हर्निया की बीमारी के कारण अस्पताल में भर्ती था। पुलिस के अनुसार राजस्थान के चापड़ा गांव में रहने वाला महेंद्र सिंह रेप के आरोप में बंद था। उसे 16 नवबंर को सेंट्रल जेल भेजा गया था। हर्निया के इलाज के लिए उसे अस्पताल में भर्ती किया गया था। बीती रात उसे तेज दर्द उठा था और दर्द के कारण चीख भी रहा था। इसकी जानकारी वार्ड में तैनात गार्ड ने डाक्टरों को दी थी।

पटना में अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज की प्रियंका गांधी ने की निंदा

कहा- रोजगार मांगने पर हो रहा अत्याचार

नई दिल्ली, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। पटना में बीपीएससी की संयुक्त प्रारंभिक परीक्षा रद्द करने की मांग कर रहे अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज किए जाने पर कांग्रेस नेता और सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने भाजपा पर निशाना साधा है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी का एकमात्र लक्ष्य अपनी कुर्सी बचाना है। यहां जो भी रोजगार मांगता है, उस पर अत्याचार किया जाता है। अपने व्हाट्सएप चैनल पर एक पोस्ट में प्रियंका गांधी ने लिखा कि हाथ जोड़े युवाओं पर लाठीचार्ज करना क्रूरता की पराकाष्ठा है। भाजपा राज में रोजगार मांगने वाले युवाओं को लाठियों से पीटा जाता है। चाहे यूपी हो, बिहार हो या मध्य प्रदेश अगर युवा आवाज उठाते हैं तो उन्हें बेरहमी से पीटा जाता है। उन्होंने लिखा कि दुनिया के सबसे युवा देश के युवाओं के भविष्य के बारे में सोचना और उसके लिए नीतियां बनाना सरकार का काम है। लेकिन भाजपा के पास केवल अपनी कुर्सी बचाने का नजरिया है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि यहां जो भी रोजगार की मांग करता है, उस पर अत्याचार किया जाता है। वहीं कांग्रेस ने अभ्यर्थियों पर पुलिस कार्रवाई की निंदा की है। वहीं पूर्णिया से निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने संयुक्त प्रारंभिक परीक्षा रद्द नहीं किए जाने पर एक जनवरी 2025 को बिहार बंद का आह्वान किया है।

क्या है मामला

बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) द्वारा 13 दिसंबर को संयुक्त प्रारंभिक परीक्षा कराई गई थी। अभ्यर्थियों का आरोप है इसका प्रश्नपत्र लीक हुआ है। जबकि आयोग ने इससे इन्कार किया है। परीक्षा रद्द कराने की मांग कर रहे अभ्यर्थियों पर बुधवार को पुलिस ने लाठीचार्ज किया था। पुलिस कार्रवाई के दौरान कई प्रदर्शनकारी घायल हो गए। प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों का कहना है कि हमलोग लगातार एक सप्ताह से शांति पूर्वक धरना प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन सरकार ने हमारी बात को नहीं सुना। न तो सरकार की तरफ से और ना ही आयोग की तरफ से कोई बात करने आया, ऐसे में जब हमलोग आयोग के पास अपनी बात कहने आये तब पुलिस ने हमलोगों को बर्बरता के साथ पीटा।

कमरा नंबर 602 का खौफ! डर ऐसा कि नहीं जा रहे मंत्री जी, बगल वाले हॉल में डाला डेरा, क्या है रहस्य?

मुंबई, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस की सरकार के मंत्रियों को कमरे आवंटित किए जा रहे हैं। मंत्री शिवेंद्रराजे भोसले को दिया गया मंत्रालय का कमरा नंबर 602 इस समय चर्चा में है। चर्चा यदे भी है कि इस कमरे को लेने से हर मंत्री घबराता है। यह कमरा राजनीतिक अंधविश्वास बना हुआ है। कहा जाता है कि इस कमरे में बैठने वाले के साथ अनहोनी हो जाती है। कोई नहीं समझ पाया है कि उसका रहस्य क्या है? मंत्रालय में कमरा नंबर 602 को लेकर तरह-तरह की बातें कही जा रही हैं, जो राज्य सचिवालय के सबसे विशाल हॉल में से एक है, जिसे लेने से मंत्री कतराते हैं। अतीत की कुछ धारणाओं के कारण यह कमरा बदनाम हो गया है और ऐसा माना जाता है कि इसे अपनाने वाले व्यक्ति को राजनीतिक जीवन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उसे पद से इस्तीफा देना पड़ता है या उसकी जान चली जाती है। मंत्रालय का कमरा नंबर 602 मंत्री शिवेंद्रराजे भोसले को दिया गया है। यह भारतीय जनता पार्टी से विधायक हैं। इस कमरे को लेकर माना जाता है कि पिछले ढाई दशकों में जिन भी मंत्रियों को यह कमरा मिला, उन पर किसी न किसी अनिष्ट का असर पड़ा है। 1999 में यह कमरा तत्कालीन उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री छगन भुजबल को दिया गया था। लेकिन 2003 में वह तेलगी स्टांप पेपर घोटाले में फंस गए थे। उनके बाद अजित पवार को भी सिंचाई घोटाले में नाम आने के बाद इस्तीफा देना पड़ा था।2014 में जब बीजेपी सत्ता में आई तो यह कमरा देवेंद्र फड़णवीस कैबिनेट में मंत्री एकनाथ खडसे को दे दिया गया। बाद में जमीन घोटाले में नाम आने के बाद खडसे को इस्तीफा भी देना पड़ा था। खडसे के बाद यह कमरा भाजपा के एक अन्य मंत्री पांडुरंग फुंडकर को दिया गया, जिनकी 2018 में अचानक दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई। इसके बाद यह कमरा बीजेपी नेता अनिल बोंडे को दे दिया गया, जो 2019 में चुनाव हार गए थे।

हुबली आग हादसे में दो श्रद्धालुओं की मौत, सात घायलों का इलाज जारी

हुबली, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। हुबली के एक शिव मंदिर में एलजीपी सिलिंडर में ब्लास्ट होने से झुलसे दो अयप्पा मालाधारियों (भक्त) की मौत हो गई। जबकि सात घायलों का इलाज चल रहा है। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने गुरुवार को हुबली के कर्नाटक मेडिकल कॉलेज और अनुसंधान संस्थान पहुंचकर घायलों की स्थिति की जानकारी ली। कर्नाटक के हुबली स्थित साईनगर के एक शिव मंदिर में रविवार रात को रसोई गैस सिलिंडर में ब्लास्ट हुआ था। इसमें नौ श्रद्धालु झुलस गए थे। बताया गया था कि हादसे के वक्त श्रद्धालु सो रहे थे। सभी घायलों को इलाज के लिए केसीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। गुरुवार को यहां पर दो श्रद्धालुओं ने दम तोड़ दिया। डॉक्टरों ने बताया कि सात श्रद्धालुओं का इलाज चल रहा है। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने गुरुवार को अस्पताल पहुंचकर घायलों की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने एक्स पर लिखा कि हुबली के साईं नगर में रसोई गैस रिसाव के बाद हुए धमाके से घायल हुए अयप्पा मालाधारी के स्वास्थ्य के बारे में अस्पताल जाकर जानकारी ली।

दो दिन से लापता लोको पायलट का शव बरामद, दोस्त ने हत्या के बाद चांदा घाटी में फेंका था

पन्ना, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। छतरपुर जिले के गढ़ी मलहरा थाना क्षेत्र से लापता हुए जीतेंद्र चौरसिया (32) का शव चांदा घाटी में बरामद हुआ। मृतक के परिजनों ने दोस्त धर्मेंद्र चौरसिया पर शक जताया था। इस आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की तो हत्या खुलासा हुआ। कटनी पुलिस की कड़ी पूछताछ में धर्मेंद्र ने हत्या का खुलासा किया। शव की बरामदगी के बाद सारा मामला स्पष्ट हो गया। छतरपुर जिले के गढ़ी मलहरा थाना अंतर्गत दो दिन पूर्व जीतेंद्र चौरसिया (32 वर्ष) पिता वीरेंद्र चौरसिया घर से लापता हो गया था। परिजनों ने खोजबीन की, लेकिन वह कहीं भी नहीं मिला। इस पर परिजनों ने कटनी थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। परिजनों ने उसके दोस्त पर शक जताया। बताया कि दोस्त धर्मेंद्र चौरसिया निवासी गढ़ीमलहरा के साथ ही जीतेंद्र को अंतिम बार देखा गया था।

बिना डिग्री 'वकील' बनकर पहुंचा नीट का छात्र हाईकोर्ट में लड़ा ऐसा केस, तारीफ करते नहीं थके जज

जबलपुर, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। जबलपुर के 19 वर्षीय अथर्व चतुर्वेदी ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में अपनी याचिका के जरिए एक ऐतिहासिक निर्णय हासिल किया, जिससे अब प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए आरक्षित सीटें सुनिश्चित होंगी। अथर्व ने न केवल यह याचिका दायर की बल्कि खुद इस केस की पैरवी भी की। उनकी दलीलें सुनकर हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत और जस्टिस विवेक कुमार जैन की खंडपीठ ने उनकी तारीफ की। कहा कि तुम गलत फील्ड में जा रहे हो तुम्हें वकील बनना चाहिए। अथर्व, जो कि एक वकील के बेटे हैं, उन्होंने 12वीं की पढ़ाई के बाद नीट में 530 अंक प्राप्त किए थे। उन्हें विश्वास था कि इतने अंकों के साथ वे प्राइवेट मेडिकल कॉलेज में ईडब्ल्यूएस कोटे से प्रवेश पा लेंगे। हालांकि, काउंसलिंग के आखिरी दौर तक भी उन्हें कोई सीट नहीं मिली। जब उन्होंने जांच की तो पाया कि प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों में ईडब्ल्यूएस कोटा लागू ही नहीं था। जबकि, अन्य आरक्षित वर्गों (एससी, एसटी, विकलांग) के लिए सीटें आरक्षित थीं। अथर्व ने इसे अपने पिता मनोज चतुर्वेदी से साझा किया और अदालत में याचिका दायर करने का निर्णय लिया। पहली सुनवाई में उनके पिता ने पैरवी की, लेकिन कुछ तकनीकी गलतियों के कारण अथर्व ने खुद अदालत में अपने पक्ष को रखने का निर्णय लिया। अथर्व ने संविधान और कानून की धाराओं का गहराई से अध्ययन किया। उन्होंने इस केस के संदर्भ में संबंधित न्यायिक फैसले और गजट नोटिफिकेशन पढ़े। कोविड के दौरान अपने पिता को ऑनलाइन सुनवाई करते हुए देखना भी उनके लिए प्रेरणादायक रहा। अथर्व बताते हैं कि यह अनुभव कोर्ट रूम में जजों के सामने अपनी दलीलें रखने से बिल्कुल अलग था। उन्होंने अपनी दलीलों में बताया कि प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों में ईडब्ल्यूएस कोटा लागू न होने के कारण आरक्षण का लाभ उन्हें नहीं मिल पाया।

'आखिरी डेढ़ घंटे में 76 लाख वोट बढ़े और बीजेपी जीत गई'

महाराष्ट्र चुनाव को लेकर उद्धव गुट का बड़ा दावा

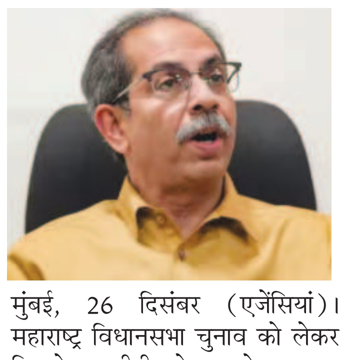

मुंबई, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर शिवसेना-यूबीटी ने अपने मुखपत्र 'सामना' के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और एनडीए सरकार को घेरा है। 'सामना' के संपादकीय में लिखा गया है कि महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के आखिरी चरण में 76 लाख वोट बढ़े। साथ ही लिखा है कि 'जिसकी लाठी उसकी भैंस की तर्ज पर हमारा लोकतंत्र चल रहा है। भारत का चुनाव आयोग लाठी है और यह लाठी फिलहाल पीएम मोदी और अमित शाह के हाथ में है। इसलिए लोकतंत्र की भैंस उनकी ही है।' 'सामना' के मुताबिक, इस बात का क्या रहस्य है कि आखिरी घंटे-डेढ़ घंटे में 76 लाख वोट बढ़ जाते हैं, वोटिंग फीसदी बढ़ जाती है और इस अचानक बढ़े फीसद पर बीजेपी और उनके साथी दल सवा दो सौ सीटें जीतकर महाराष्ट्र में सरकार बनाते हैं? यह सवाल महाराष्ट्र कांग्रेस ने चुनाव आयोग से पूछा, लेकिन चुनाव आयोग ने कांग्रेस की शंकाओं को खारिज कर दिया और फैसला सुनाया कि एक घंटे के भीतर 76 लाख वोट बढ़ना आसानी से संभव है। मुखपत्र में लिखा गया है कि चुनाव आयोग इस बारे में कोई तर्कसंगत स्पष्टीकरण नहीं दे सका कि आखिरी डेढ़ घंटे में यह मतदान कैसे बढ़ गया। एक घंटे के भीतर इतना वोट कैसे बढ़ गया और उसमें भी बीजेपी और उसके सहयोगियों द्वारा जीती गई सीटों पर भी औसतन 25 हजार से 30 हजार तक मतदान अचानक कैसे बढ़ गया?

'यही सवाल हरियाणा चुनाव को लेकर भी उठाया गया'

'सामना' में आगे लिखा है, ये प्रश्न बिल्कुल स्वाभाविक हैं और आम मतदाताओं का भी यही सवाल है। यही सवाल हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर भी उठाया गया। अगर तस्वीर कुछ इस तरह होती कि मतदान केंद्रों के बाहर हजारों लोगों की लंबी कतारें हैं और मतदान करने के लिए मतदान केंद्र पर भीड़ उमड़ पड़ी है, तो इस बढ़े हुए 76 लाख मतदान को वास्तविक माना जा सकता था।

इसी सिलसिले में पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने चुनाव आयोग से मतदान केंद्रों की सीसीटीवी फुटेज मांगी थी। उसके मुताबिक, आयोग को इसे कोर्ट में जमा करना चाहिए था, लेकिन पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट के हरियाणा विधानसभा चुनाव मामले में ऐसे सीसीटीवी फुटेज मांगते ही सरकार के तोते उड़ गए और आदेश जारी कर दिया कि ऐसा कोई भी रिकॉर्ड नागरिकों को नहीं दिया जा सकता। यही संदेहास्पद है। महाराष्ट्र में आखिरी घंटे में 76 हजार मतदान बढ़ा यही अहम मसला है और चुनाव आयोग केवल इतना कह रहा है कि ऐसा हो सकता है। इतने वोटर जमीन से निकले या हवा से उतरे? तो फिर मतदान केंद्रों के सीसीटीवी फुटेज सामने क्यों नहीं लाए जा रहे हैं?

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
मेरा हैदराबाद
शुक्रवार, 27 दिसंबर, 2024

सुविचार
कभी-कभी आपकी एक मुस्कान, मरुस्थल में जल की बूंद जैसी लाभदायक सिद्ध हो सकती है

भारत 'आपदा चेतावनी' में वैश्विक नेता के रूप में उभरा : जितेंद्र सिंह

हैदराबाद, 26 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री तथा प्रधानमंत्री कार्यालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, अंतरिक्ष विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने आईएनसीओआईएस (भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र) में 2004 के हिंद महासागर सुनामी की 20वीं वर्षगांठ मनाते हुए कहा कि भारत आज "आपदा चेतावनी" में वैश्विक नेता के रूप में उभरा है तथा दुनिया भर के अन्य देशों को भी इसकी जानकारी दे रहा है।

मंत्री ने याद दिलाया कि आईएनसीओआईएस की अवधारणा 2004 की दुखद सुनामी के बाद बनाई गई थी तथा 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिले अटूट समर्थन और प्राथमिकता के साथ इसने अपनी तरह के विश्व के सबसे अत्याधुनिक संस्थान के रूप में पहचान बनाने के लिए तेजी से प्रगति की। डॉ. जितेंद्र सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी की अग्रणी समुद्री पहलों की सराहना की, जिसमें 'डीप सी मिशन' भी शामिल है, जिसकी घोषणा उन्होंने स्वतंत्रता दिवस के अपने संबोधन में की थी। उन्होंने समुद्री अनुसंधान और आपदा तैयारियों में भारत की प्रगति पर भी प्रकाश डाला।

मंत्री ने विश्व स्तरीय आपदा चेतावनी प्रणाली प्रदान करने में एक वैश्विक नेता के रूप में देश के उभरने पर जोर दिया, सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा देने में वैज्ञानिक प्रगति की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। भारत में 10,749 लोगों सहित दुनिया भर में 230,000 से अधिक लोगों की जान लेने वाली भयावह सुनामी पर विचार करते हुए, डॉ. जितेंद्र सिंह ने सीखे गए अमूल्य सबक और उसके बाद की परिवर्तनकारी नीतियों पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा, इस त्रासदी ने आईएनसीओआईएस जैसे संस्थानों की स्थापना के लिए उत्प्रेरक का काम किया, जो अब जीवन और आजीविका की सुरक्षा के लिए भारत की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित भारत की सुनामी प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली को देश की आपदा तैयारियों की आधारशिला के रूप में प्रदर्शित किया गया। मंत्री ने यूनेस्को और सुनामी रेडी इनिशिएटिव के साथ चल रहे सहयोग का भी उल्लेख किया, जिसका उद्देश्य संवेदनशील क्षेत्रों में सामुदायिक लचीलापन बढ़ाना है। उन्होंने इस कार्यक्रम के तहत 24 भारतीय समुदायों की पहचान को समुदाय-केंद्रित दृष्टिकोण के प्रमाण के रूप में उद्धृत किया। डॉ. जितेंद्र सिंह ने भारत के "विकसित भारत" बनने की यात्रा में समुद्री अन्वेषण के बढ़ते महत्व को रेखांकित किया। 7,500 किलोमीटर की तटरेखा और प्रचुर समुद्री संसाधनों के साथ, उन्होंने उनके सतत अन्वेषण और संरक्षण की वकालत की। उन्होंने कहा, हमारा गहरे समुद्र का मिशन और बायोई3 (पर्यावरण, रोजगार और अर्थव्यवस्था के लिए जैव प्रौद्योगिकी) जैसी पहल एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र बना रही है जो न केवल जैव विविधता को बढ़ाएगा बल्कि राष्ट्रीय समृद्धि में भी योगदान देगा। भविष्य को देखते हुए, मंत्री ने अंतरिक्ष और समुद्री मिशनों में समवर्ती सफलताओं के बारे में आशा व्यक्त की, एक ऐसे भारत की कल्पना की जो दोनों क्षेत्रों में वैश्विक रूप से अग्रणी हो।

उन्होंने घोषणा की, हम संभवतः 2026 तक गहरे समुद्र में एक भारतीय और अंतरिक्ष में एक और भारतीय को तैनात करने की योजना बना रहे हैं, जो एक ऐतिहासिक मील का पत्थर होगा। उनकी टिप्पणियों में नीति और विज्ञान के बीच तालमेल की भी प्रशंसा की गई, उन्होंने अंतरिक्ष और समुद्र विज्ञान जैसे क्षेत्रों में तेजी से हो रही प्रगति का श्रेय सरकार के सक्रिय समर्थन को दिया। डॉ. जितेंद्र सिंह ने आईएनसीओआईएस के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय सहयोग में भारत की सक्रिय भूमिका पर भी प्रकाश डाला, जो यूनेस्को श्रेणी 2 प्रशिक्षण केंद्र की मेजबानी करता है। यह केंद्र समुद्र आधारित आपदा प्रबंधन पर क्षमता निर्माण और ज्ञान साझा करने के लिए एक केंद्र के रूप में कार्य करता है। उन्होंने महासागर दशक सुनामी कार्यक्रम में आईएनसीओआईएस की सक्रिय भागीदारी का उल्लेख किया, जिसका उद्देश्य 2030 तक वैश्विक स्तर पर 100 प्रतिशत सुनामी-तैयार समुदायों को प्राप्त करना है। उन्होंने टिप्पणी की, इन जैसी पहलों के माध्यम से, हम न केवल वैश्विक साझेदारी को मजबूत कर रहे हैं, बल्कि दुनिया भर में लचीले तटीय समुदायों के लिए मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, मंत्री ने सुनामी चेतावनियों को अन्य महासागर संबंधी खतरों, जैसे तूफानी लहरें और ऊंची लहरों के साथ एकीकृत करने की आवश्यकता को रेखांकित किया, ताकि एक व्यापक बहु-खतरा प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली बनाई जा सके।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस तरह की प्रगति भारत की सुनामी चेतावनी क्षमताओं को बनाए रखेगी और साथ ही समुद्री जोखिमों की बढ़ती जटिलता को भी संबोधित करेगी। उन्होंने कहा, यह दूरदर्शी दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करेगा कि हम संभावित आपदाओं की एक विस्तृत श्रृंखला के खिलाफ जीवन और आजीविका की रक्षा करना जारी रखें। मंत्री ने भारत के विजन 2047 में आईएनसीओआईएस की अभिन्न भूमिका को दोहराया। उन्होंने पुष्टि की, अप्रयुक्त संसाधनों की खोज और आपदा तत्परता सुनिश्चित करके, आईएनसीओआईएस एक आत्मनिर्भर और लचीले भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदानकर्ता है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का तेलंगाना दौरा संपन्न

हैदराबाद, 26 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का तेलंगाना दौरा गुरुवार को संपन्न हो गया। उपराष्ट्रपति और उनकी पत्नी सुदेश धनखड़ को राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा, पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव, राजस्व प्रमुख सचिव नवीन मित्तल, प्रोटोकॉल प्रमुख सचिव वेंकट राव, डीजीपी जितेंद्र, रंगा रेड्डी जिला कलेक्टर सी. नारायण रेड्डी, अतिरिक्त कलेक्टर प्रतिमा सिंह और अन्य ने शमशाबाद स्थित राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विदा किया। उपराष्ट्रपति बुधवार से तेलंगाना के दो दिवसीय दौरे पर रवाना हुए। अपने दौरे के दौरान, उपराष्ट्रपति ने मेदक जिले के तुनिकी गांव में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर)-कृषि विज्ञान केंद्र में प्राकृतिक और जैविक किसानों के शिखर सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

कम यात्रियों के कारण सबरीमाला विशेष ट्रेनें रद्द

हैदराबाद, 26 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने सबरीमाला जाने वाले तीर्थयात्रियों के लिए विशेष ट्रेनों की घोषणा की है, लेकिन गुरुवार को इनमें से कुछ सेवाओं को रद्द कर दिया गया। यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में, एससीआर ने कहा कि सबरीमाला विशेष ट्रेनों में से कुछ को कम यात्रियों के कारण रद्द कर दिया गया है। रद्द की गई सबरीमाला विशेष ट्रेनों में ट्रेन नंबर 07167 मौला-अली-कोट्टायम (24 जनवरी), ट्रेन नंबर 07168 कोट्टायम-मौला अली (25 जनवरी), ट्रेन नंबर 07171 मौला अली-कोल्लम (25 जनवरी), ट्रेन नंबर 07172 शामिल हैं। कोल्लम-मौला अली (27 जनवरी), ट्रेन नंबर 07169 काचीगुडा-कोट्टायम (26 जनवरी), ट्रेन नंबर 07170 कोट्टायम-काचीगुडा (27 जनवरी), ट्रेन नंबर 07157 नरसापुर-कोल्लम (27 जनवरी) ट्रेन नंबर 07158 कोल्लम-नरसापुर (29 जनवरी), ट्रेन नंबर 07065 हैदराबाद-कोट्टायम (28 जनवरी) शामिल हैं। रद्द की गई अन्य सबरीमाला विशेष ट्रेनों में ट्रेन नंबर 07066 कोट्टायम-सिकंदराबाद (29 जनवरी), ट्रेन नंबर 07167 मौला अली-कोट्टायम (31 जनवरी), ट्रेन नंबर 07168 कोट्टायम-मौला अली (01 फरवरी), ट्रेन नंबर 07161 सिरपुर कागजनगर-कोल्लम (24 जनवरी) और ट्रेन नंबर 07162 कोल्लम-सिरपुर कागजनगर (26 जनवरी) शामिल हैं।

हाईकोर्ट ने ग्रुप-1 पद के उम्मीदवारों की याचिका खारिज की

हैदराबाद, 26 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना हाईकोर्ट ने ग्रुप-1 पद के उम्मीदवारों को झटका दिया है। हाईकोर्ट की बेंच ने ग्रुप-1 के नतीजों की घोषणा पर रोक लगाने की मांग करने वाले उम्मीदवारों की याचिका खारिज कर दी। उम्मीदवारों ने आरक्षण समेत कई मुद्दों को लेकर हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। उनकी याचिका पर आज कोर्ट में सुनवाई हुई। ग्रुप-1 की परीक्षाएं पहले ही पूरी हो चुकी हैं।

-1 के उम्मीदवारों ने जीओ नंबर 29 समेत कई आरक्षणों पर आपत्ति जताते हुए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। उम्मीदवारों ने सरकार से आग्रह किया कि जब तक उनकी याचिकाओं पर कोर्ट में सुनवाई नहीं हो जाती, तब तक परीक्षाएं स्थगित कर दी जाएं। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि परीक्षाएं स्थगित करने का सवाल ही नहीं उठता। उम्मीदवारों ने आखिरी समय में सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। सुप्रीम कोर्ट ने भी फैसला सुनाया कि आखिरी समय में परीक्षाएं स्थगित नहीं की जा सकतीं। उसने सुझाव दिया कि हाईकोर्ट में फैसला लिया जाना चाहिए। इसके बाद रेवंत सरकार ने ग्रुप-1 की परीक्षाएं हमेशा की तरह आयोजित कीं। ग्रुप-1 के अभ्यर्थियों की ओर से

दायर याचिका पर आज हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। हाईकोर्ट में भी अभ्यर्थियों के साथ धोखा हुआ है। हाईकोर्ट ने परीक्षा के परिणाम रोकने की अभ्यर्थियों की याचिका खारिज कर दी है। हाईकोर्ट के फैसले के साथ ही ग्रुप-1 के परिणाम हटा दिए गए हैं। इससे पहले अभ्यर्थियों ने ग्रुप-1 की मुख्य परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर हाईकोर्ट की एकल पीठ में याचिका दायर की थी। एकल पीठ ने याचिका खारिज कर दी थी। दो दिन के भीतर अभ्यर्थियों ने एकल पीठ के फैसले को चुनौती देते हुए खंडपीठ में याचिका दायर की। खंडपीठ ने अभ्यर्थियों द्वारा ग्रुप-1 की परीक्षा स्थगित करने की मांग वाली याचिका भी खारिज कर दी। खंडपीठ ने एकल पीठ के फैसले से सहमति जताई। इसके साथ ही तेलंगाना सरकार ने ग्रुप-1 की परीक्षा की बाधाएं दूर करते हुए परीक्षाएं आयोजित करवाईं। इस साल 21 से 27 अक्टूबर तक परीक्षाएं शांतिपूर्ण तरीके से आयोजित की गईं। अभ्यर्थियों ने आरक्षण तय होने तक ग्रुप-1 की परीक्षा के परिणाम पर रोक लगाने की मांग को लेकर फिर से हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। वहां भी उन्हें निराशा ही हाथ लगी। हाईकोर्ट ने आज अभ्यर्थियों द्वारा दायर याचिका खारिज कर दी।

भाजपा को बीसी जाति जनगणना पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए : कविता

हैदराबाद, 26 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी की एमएलसी कलवकुंतला कविता ने मांग की है कि भाजपा बीसी जाति जनगणना पर अपना रुख स्पष्ट करे। कांग्रेस पार्टी द्वारा पिछड़े वर्गों से किए गए वादों और कामारेड्डी घोषणापत्र के कार्यान्वयन पर भाजपा कांग्रेस सरकार के सामने क्यों नहीं खड़ी हो रही है? क्या भाजपा पिछड़े वर्गों पर भरोसा नहीं करती?

उन्होंने पूछा, गुरुवार को कुम्हार समुदाय के नेताओं ने शहर में एमएलसी कविता से उनके आवास पर मुलाकात की। उन्होंने एमएलसी कविता को पिछड़े वर्गों, खासकर जाति आधारित व्यवसायों से जुड़े लोगों की समस्याओं से अवगत कराया। कविता ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस सरकार पिछड़े वर्गों से किए गए वादों को लागू करने में विफल रही है। उन्होंने आरोप लगाया, केसीआर ने हर संभव तरीके से जाति आधारित व्यवसायों का समर्थन किया है, लेकिन कांग्रेस सरकार जाति आधारित व्यवसायों को नुकसान पहुंचा रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने विशेष रूप से पिछड़े वर्गों के कल्याण और विकास की उपेक्षा की है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस सरकार स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़े वर्गों को 42 प्रतिशत आरक्षण देने के अपने वादे की अनदेखी कर रही है और कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि भाजपा ने अभी तक इस मुद्दे पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। कविता ने कहा कि पिछड़ी जातियों की गणना के प्रति सरकार का उदासीन होना ठीक नहीं है।

अगर केंद्र की भाजपा सरकार पूरे देश में जाति गणना के लिए कानून लाती है, तो सभी राज्यों में जाति गणना होगी। लेकिन हमें यह समझना चाहिए कि केंद्र उस दिशा में कदम नहीं उठा रहा है, जिसका मतलब है कि पिछड़ी जातियों के लिए कोई प्यार नहीं है। यूनाइटेड फुले फ्रंट के नेता बोल्ला शिवशंकर, तेलंगाना राज्य शालिवाना संघ के नेता दुगुंटला नरेश, निम्मलुरी श्रीनिवास, रेपका रामबाबू, राओलाकोल एन और तेलंगाना राज्य आरेकटिका संघ के नेता हकीमकारी सुरेंदर, जी.के. जहांगीर, जी.के. परमेश्वर, ए. वेंकटेश्वर, जी. के. अखिला बाई ने भाग लिया।

झील से निकाला गया लापता एसआई का शव

हैदराबाद, 26 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के कामारेड्डी जिले में एक झील से एक महिला पुलिस कांस्टेबल और एक सहकारी समिति में काम करने वाले कंप्यूटर ऑपरेटर के शव बरामद होने के कुछ घंटों बाद गुरुवार को एक सब-इंस्पेक्टर का शव निकाला गया। भिकनूर पुलिस स्टेशन में कार्यरत सब-इंस्पेक्टर साई कुमार का शव सदाशिवनगर मंडल के अदलुर एल्लारेड्डी स्थित झील से निकाला गया।

कांस्टेबल श्रुति (33) और कंप्यूटर ऑपरेटर निखिल (29) के शव बुधवार रात उसी झील से बरामद किए गए चूंकि एसआई का मोबाइल फोन, पर्स और कार झील के पास पाए गए, इसलिए पुलिस ने जलाशय में अपनी खोज जारी रखी और सुबह उसका शव बरामद किया। कामारेड्डी जिले की पुलिस अधीक्षक सिंधु शर्मा ने झील के पास तलाशी अभियान की निगरानी की। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या तीनों व्यक्तियों की मौत आत्महत्या से हुई, या दुर्घटनावश डूबकर हुई या फिर कोई साजिश थी। एसपी ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण पता चलेगा। उन्होंने कहा कि अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। हम अपनी जांच पूरी करने के बाद विवरण बताएंगे। सब-इंस्पेक्टर (एसआई) शादीशुदा थे और उनके दो बच्चे थे। श्रुति ने अपने पति से तलाक ले लिया था।

श्रवण ने रेवंत सरकार की अवैध और दमनकारी कार्रवाइयों की निंदा की

हैदराबाद, 26 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेता डॉ. श्रवण दासोजू ने रेवंत रेड्डी सरकार की अवैध और दमनकारी कार्रवाइयों की कड़ी निंदा की है, जो एक बार फिर न्यायपालिका के सामने विफल हो गई है। तेलंगाना कार्यकर्ता, उस्मानिया विश्वविद्यालय दलित छात्र नेता और पूर्व एससी/एसटी आयोग के अध्यक्ष एरोला श्रीनिवास की रिहाई पर बोलते हुए, जिन्हें अदालतों द्वारा जमानत दी गई थी, डॉ. श्रवण ने कहा कि न्याय और लोकतंत्र के सिद्धांतों के सामने किसी भी तरह की धमकी या पुलिस दमन नहीं टिक सकता। डॉ. श्रवण ने सरकार की आलोचना करते हुए कहा, यह ताकत की सरकार नहीं है, यह भय, भ्रष्टाचार और तानाशाही मानसिकता का शासन है। आम आदमी से लेकर मशहूर हस्तियों तक, सभी को असहमति और लोकतांत्रिक अधिकारों को दबाने के उद्देश्य से दमनकारी रणनीति का सामना करना पड़ा है। अगर बंजारा हिल्स पुलिस ने अपने संवैधानिक कर्तव्य के अनुसार काम किया होता और विधायक द्वारा दर्ज की गई शिकायत को स्वीकार किया होता, तो इस बढ़ते विवाद को टाला जा सकता था।

अपने दायित्व को पूरा करने के बजाय, पुलिस ने शिकायत दर्ज करने से इनकार कर दिया और चौंकाने वाली बात यह है कि डॉ. एरोला श्रीनिवास सहित शिकायतकर्ताओं के खिलाफ अवैध मामला दर्ज कर दिया। यह घटना सत्तारूढ़ सरकार के हाथों की कठपुतली के रूप में काम करने वाली पुलिस का एक ज्वलंत उदाहरण है, जो विपक्ष की आवाज़ों को निशाना बनाने के लिए अपने अधिकार का दुरूपयोग कर रही है। सत्ता का ऐसा खुला दुरूपयोग कानून के शासन को कमजोर करता है और सिस्टम में जनता के विश्वास को खत्म करता है, जिससे तेलंगाना में कानून प्रवर्तन की निष्पक्षता के बारे में गंभीर चिंताएं पैदा होती हैं। एरोला श्रीनिवास की अवैध हिरासत सरकार की गहरी असुरक्षा और सच्चाई की आवाज़ों को दबाने की हताशा का एक और उदाहरण है। डॉ. श्रवण ने कानून के शासन को बनाए रखने और एरोला श्रीनिवास को जमानत देने वाले निर्णायक फैसले को सुनाने के लिए न्यायपालिका को धन्यवाद दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह कानूनी जीत रेवंत रेड्डी सरकार के लिए एक नैतिक झटका है, जिसने असंवैधानिक मामला दायर करने का सहारा लिया है।

बीआरएस विधायक ने श्रीतेज से अस्पताल में की मुलाकात

हैदराबाद, 26 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और विधायक टी हरीश राव के नेतृत्व में बीआरएस नेताओं के एक दल ने गुरुवार को केआईएमएस अस्पताल में श्रीतेज से मुलाकात की, जो संध्या थिएटर भगदड़ में लगी चोटों से उबर रहे हैं। उन्होंने श्रीतेज के परिवार को समर्थन दिया और भगदड़ में अपनी जान गंवाने वाली रेवती के निधन पर संवेदना व्यक्त की।

हरीश राव ने श्रीतेज के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की और असाधारण देखभाल प्रदान करने के लिए डॉक्टरों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने श्रीतेज की मां रेवती के निधन पर भी शोक व्यक्त किया, जो अपने बेटे को बचाने के प्रयास में भगदड़ में मर गईं।

वरिष्ठ बीआरएस विधायक ने इस त्रासदी पर देरी से प्रतिक्रिया देने के लिए मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और कैबिनेट मंत्री की आलोचना की। उन्होंने कहा कि राज्य में जो कुछ भी गलत होता है उसके लिए मुख्यमंत्री हमें दोषी ठहराने की कोशिश करते हैं, जिसके कारण हम दुखद घटनाओं के दौरान भी राजनीति करने के लिए मजबूर हैं। उन्होंने पिछले एक साल में राज्य भर में आवासीय कल्याण विद्यालयों में छात्रों की मौतों पर राज्य सरकार की निष्क्रियता और अनदेखी पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि हरीश राव ने कोंडारेड्डीपल्ली में पूर्व सरपंच साई रेड्डी की आत्महत्या के मामले में निष्क्रियता पर सवाल उठाया, जिन्होंने एक सुसाइड नोट छोड़ा था, जिसमें मुख्यमंत्री के भाइयों को अपनी मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया गया था। उन्होंने जानना चाहा कि कि मुख्यमंत्री दावा करते हैं कि कानून सबके लिए समान है। कोई कार्रवाई या पूछताछ क्यों नहीं हुई?

पूर्व तट रेलवे
नीलामी कैटलॉग नं. MSS-WAT-BCA-007
Seq. नं. AA/1 लॉट नं./वर्ग: MSS-WAT-VSKP-BCA-57-24-1(Misc-Static-Services-Battery Operated Carts with Advertisememt), विवरण: विशाखापट्नम रेलवे स्टेशन में यात्री परिवहन के लिए BOC ऑपरेटर/ चालकों के साथ विज्ञापन (BOCs) द्वारा बैटरी चालित कार्ट की आपूर्ति, प्रचालन एवं रख-रखाव।
दर यूनिट: वार्षिक लाइसेंस शुल्क, ट्रिप/दिवस: 1095, लॉट प्रारंभ होने की तारीख व समय: दिनांक: 04.01.2025 को 1100 बजे, लॉट बंद होने की तारीख व समय: दिनांक: 04.01.2025 को 1130 बजे, न्यूनतम वृद्धि: 0.2%, लॉट स्थिति: प्रकाशित कैटलॉग में नया।
संपूर्ण विस्तृत विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।
वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक/ वाल्टियर
PR-834/P/24-25

बलिया हुआ फिर शर्मशार नाराज हो कर घर से निकली किशोरी के साथ गैंग रेप

मऊ, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। बलिया जिले में बलात्कार की घटनाएं रुकने का नाम ही नहीं ले रहीं। परिजनों से नाराज हो कर घर से निकली एक किशोरी के साथ गैंग रेप का मामला सामने आया है। आपको बता दें कि बलिया जिले की एक किशोरी देर शाम किसी बात से अपने परिजनों से झगड़ा करके घर से निकल गई। रास्ते में किशोरी को अकेले देख दो युवकों मंटू यादव और अमित प्रजापति उसे फुसला कर अपने साथ ले गए। दोनों ने बारी बारी से किशोरी के साथ रेप किया। पुलिस ने पिता की तहरीर पर दोनों युवकों के खिलाफ पॉक्सो एक्ट में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

बिहार में 14 जिलों में मौसम बढ़ाएगा मुश्किलें

बारिश के लिए आया नया अपडेट और अलर्ट

पटना, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। पुरवा हवा के कारण पटना सहित प्रदेश के अधिसंख्य भागों का तापमान सामान्य से ऊपर बने होने के कारण हल्की गर्मी का अहसास लोगों को हो रहा है। हालांकि, दो दिनों के दौरान मौसम में बदलाव की संभावना है। हिमालय के तराई वालों इलाकों में पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता बनने से 29 दिसंबर के दौरान पटना सहित दक्षिणी भागों के बक्सर, भोजपुर, रोहतास, भभुआ, औरंगाबाद, अरवल, गया, नालंदा, शेखपुरा, नवादा, बेगूसराय, लखीसराय व जहानाबाद के कुछ भागों में हल्की वर्षा की संभावना है। इस दौरान अधिसंख्य भागों में आंशिक रूप से बादल छाए रहने के कारण न्यूनतम तापमान सामान्य से ऊपर बना रहेगा। अगले दो दिनों के दौरान दक्षिण पश्चिम भागों में घना कोहरा छाए रहेगा। ऐसे में सावधान रहने की अपील की गई है। मौसम विज्ञान केंद्र पटना के अनुसार 28 दिसंबर को पटना सहित 13 जिलों के भोजपुर, अरवल, रोहतास, बक्सर, भभुआ, औरंगाबाद, गया, नवादा, नालंदा, बेगूसराय, लखीसराय, जहानाबाद में वज्रपात व मेघ गर्जन को लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान कुछ जगहों पर हल्की वर्षा के आसार हैं।

मुजफ्फरपुर का ऐसा रहेगा हाल

मुजफ्फरपुर में भी मौसम में बदलाव का दौर शुरू हो गया। आसमान में बादल छाने से दिन भर धूप और छांव की लुकाछिपी चलती रही। इस बीच पछिया हवा चलने से ठंड का भी अहसास हुआ। मौसम विभाग की ओर से पहले ही अलर्ट जारी कर यह बताया गया था कि मुजफ्फरपुर समेत नौ जिलों में अगले चार से पांच दिनों तक पांच से आठ डिग्री तक तापमान पहुंचेगा। बताया गया था कि पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के बादल रह सकते हैं। इस दौरान मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है। बेगूसराय, वैशाली, समस्तीपुरए, मुजपफरपु, गोपालगंज, दरभंगा, सीतामढ़ी, शिवहर व मधुबनी में न्यूनतम तापमान 5-8 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। अन्य जिलों में इसके 8-10 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।

जीतन राम मांझी का बड़ा बयान

कहा- 'एनडीए के संपर्क में आरजेडी के दर्जन भर नेता'

पटना, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा है कि आरजेडी के दर्जन भर नेता एनडीए के संपर्क में हैं। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में यह बड़ा दावा किया है। एक तरफ 2025 में बिहार में विधानसभा का चुनाव होना है तो दूसरी ओर इस तरह का बयान देकर जीतन राम मांझी ने सियासी गलियारे में नए मुद्दे को हवा दे दी है। दरअसल तेजस्वी यादव के दावे पर मांझी ने जोरदार हमला करते हुए यह बात कही है। उधर दूसरी ओर जीतन राम मांझी ने केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के द्वारा नीतीश कुमार को भारत रत्न दिए जाने की मांग का समर्थन कर दिया है। जीतन राम मांझी ने कहा है कि बिल्कुल नीतीश कुमार को भारत रत्न मिलना चाहिए। जीतन राम मांझी ने यह भी कहा कि नीतीश कुमार 2025 में एनडीए का चेहरा होंगे। यह बात सभी घटक दलों के नेताओं ने कह दिया है। इसमें कोई शक नहीं है।

तेजस्वी यादव पर जमकर साधा निशाना

जीतन राम मांझी से जब पूछा गया कि तेजस्वी यादव ने कहा है कि अमित शाह के इशारों पर बिहार की सरकार चल रही। इस पर जवाब में मांझी ने कहा कि तेजस्वी यादव के पास कुछ नहीं बचा है। उनके पास मुद्दा नहीं है इसलिए अनाप-शनाप बात बोलते हैं। उनका कोई जनाधार तो है नहीं, माता-पिता के बाद वह राजनीति में आ गए हैं। जीतन राम मांझी ने तेजस्वी यादव के दावे को बकवास कहा है। मांझी ने कहा कि नीतीश कुमार का 19 साल का राजनीतिक जीवन हैं उनको कौन चलाएगा? वो बहुत अच्छे से बिहार चला रहे हैं।

6 से की शादी, 7वें दूल्हे संग लेने जा रही थी सात फेरे लेकिन हो गया प्लान फेल

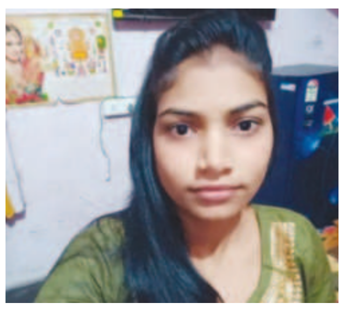

बांदा, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बांदा में पुलिस ने लुटेरी दुल्हनों सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया। ये लोग ऐसे लोगों को ढूंढते थे, जिनकी शादी नहीं हुई हो। उनसे शादी कराने के नाम पर पहले तो पैसा ऐंठते थे। बाद में शादी कराते थे। आरोपी शादी कराने के बाद दुल्हन की विदाई करवा देते थे। वहीं, दुल्हन मौके मिलते नकदी और जेवरात लेकर दूल्हे के घर से रफूचक्कर हो जाती थी। पुलिस ने सभी चार को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया है। बांदा के देहात थाने में रहने वाले एक व्यक्ति ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि कुछ लोग उसके साथ शादी के नाम पर ठगी कर रहे हैं।

पुलिस ने मामले के संज्ञान में आते ही एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी। जांच के दौरान पुलिस ने लोकर इनपुट आधार पर चार लोगों को गिरफ्तार किया, जिसमें दो महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं। पकड़े गए आरोपियों ने पुलिस पूछताछ में बताया कि वह पहले ऐसे लोगों की तलाश करते थे, जिनकी शादी नहीं हुई होती थी।

बांदा के अपर पुलिस अधीक्षक शिवराज ने बताया कि यह गैंग युद्धस्तर पर लोगों के साथ ठगी कर रहा था। पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद गिरोह के चार लोगों को गिरफ्तार किया है। कानपुर का यह गैंग एडवांस पैसे लेकर शादी करवाताथा। पुलिस की जांच में सामने आया है कि एक लड़की ने छह लड़कों से शादी की बात कबूल की है।

पप्पू यादव ने पीड़ित परिवारों को दी आर्थिक मदद

पूर्णिया, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा है कि 2 साल के अंदर पूर्णिया में 20 हजार करोड़ का इंडस्ट्री हब लगेगा। कोको कोला कम्पनी सहित अन्य कारखाने एक साल के भीतर बनकर चालू हो जाएगा। साथ ही 3300 करोड़ रूपए की लागत से अल्ट्राटेक सीमेंट का कारखाना बनेगा। साल भर में ये कारखाना चालू हो जाएगा। सीमेंट कारखाना बनमनखी के बीयाडा क्षेत्र में लगना है। वे पूर्णिया को पूरे एशिया में नंबर वन बनाएंगे। वहीं, धमदाहा के ढोकवा गांव में पिकअप वैन से रौंदकर किए गए 5 लोगों की हत्या मामले को निर्दलीय सांसद ने नरसंहार करार दिया। गांव पहुंचकर पीड़ित

परिवारों का ढाढस बढ़ाया और 20-20 हजार रुपए की आर्थिक मदद की।

पीसी में की कई अनाउंसमेंट

पूर्णिया के अर्जुन भवन स्थित आवास में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए आगे कहा कि इसके लिए डीएम कुंदन कुमार से मुलाकात भी हो चुकी है। पूर्णिया में कोको कोला समेत कई दूसरी बड़ी कंपनियों को चालू कराने को लेकर मैंने 3 बार केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान, 4 बार पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी से मिला। मुलाकात सकारात्मक रही।

जिसके बाद 3300 करोड़ रुपए से अल्ट्राटेक सीमेंट का कारखाना बनमनखी में खोले जाने और रानीपतरा में 100 करोड़ के इनवेस्टमेंट से कुछ कारखाने खुलना तय है। जिले में शराब, ड्रग्स का कारोबार खुलेआम किया जा रहा है। इनमें कौन इन्वॉल्व है, इस कारोबार को चलाने वालों के धंधे पर ताला लगाया जाए। हाल में ही चाइनीज लसहुन पकड़ी गई। ये किस स्तर पर हो रहा है और कौन से लोग इसमें शामिल हैं, उन्हें जल्द से जल्द पकड़ा जाए।

अयोध्या में युवती की हत्या कर बोरी में फेंकी लाश

अयोध्या, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। अयोध्या में 18 साल की लड़की की हत्या कर लाश बोरी में फेंकी गई। मिल्कीपुर के ताजपुर में कस्तूरबा गांधी स्कूल के पास गुरुवार सुबह झाड़ी में लाश मिली है। अभी शव की पहचान नहीं हो सकी है। सुबह स्थानीय लोगों ने लाश देखी तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को मोर्चरी पर रखवाया है। दोना-पत्तल की बड़ी प्लास्टिक की बोरी में लाश पैक की गई थी। लड़की सूट-सलवार पहने है। बोरी लाल रंग के कपड़े की डोरी से बांधी गई थी। लड़की के गले पर रस्सी से कसे जाने के निशान हैं। हालांकि, पुलिस अभी इस पर ज्यादा कुछ बोल नहीं रही है। युवती की कहीं हत्या कर शव बोरी में भरकर यहां फेंके जाने की आशंका जताई जा रही है।

हादसा नहीं, ट्रक ने जानबूझकर मारा टक्कर

एक्सीडेंट में घायल इलाहाबाद यूनिवर्सिटी की पूर्व अध्यक्ष ऋचा सिंह का आरोप

प्रयागराज, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। बीजेपी नेत्री और इलाहाबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी छात्र संघ की पूर्व अध्यक्ष डॉ ऋचा सिंह की कार में एक ट्रक ने टक्कर मार दी। इस हादसे में डॉ ऋचा सिंह मामूली रूप से घायल हुईं हैं। राहत की बात यह रही कि कार का एयरबैग खुलने से ऋचा सिंह को ज्यादा चोट नहीं आई। ऋचा सिंह ने हादसे को हमला बताते हुए कहा कि उन्हें जान से मारने की नियत से ट्रक ने टक्कर मारी थी। बता दें कि रात शहर के नए यमुना पुल पर यह घटना हुई थी। ऋचा के मुताबिक एक माल वाहक वाहन ने उनकी ब्रेजा कर को पीछे से इतनी जोरदार टक्कर मारी कि गाड़ी पलट कर दूसरी तरफ चली गई। कार का अगला हिस्सा धुंआ फेंकने लगा, इससे मौके पर अफरा तफरी मच गई थी। टक्कर मारने के बाद ड्राइवर कुछ दूरी पर वाहन छोड़कर फरार हो गया। टक्कर मारने वाले ट्रक पर जो नंबर लिखा हुआ था वह फर्जी निकला। रात को घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने अस्पताल ले जाकर ऋचा सिंह का इलाज कराया। डॉ ऋचा सिंह ने इस घटना को लेकर पुलिस में शिकायत की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सपा से दो बार लड़ चुकी हैं विधानसभा चुनाव

बता दें समाजवादी पार्टी से निकालने जाने के बाद कुछ महीने पहले ही डॉ ऋचा सिंह बीजेपी में शामिल हुई है। ऋचा सिंह प्रयागराज की शहर पश्चिम सीट से समाजवादी पार्टी के टिकट पर दो बार विधानसभा का चुनाव लड़ चुकी हैं। इतना ही नहीं डॉ ऋचा समाजवादी पार्टी में प्रवक्ता भी रह चुकी हैं।

मुजफ्फरपुर में एनएच 57 पर थार में लगी आग

मुजफ्फरपुर, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। जिले के बेनीबाद थाना क्षेत्र के पिरौछा चौक के समीप हाईवे पर एक थार में अचानक से आग लग गई। गाड़ी में बैठे लोगों ने कूदकर अपनी जान बचाई। जिसके बाद घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस और अग्निशमन टीम मशक्कत के बाद आग पर काबू पाई। बेनीबाद थानाध्यक्ष अभिषेक कुमार ने बताया कि घटना को लेकर मिली जानकारी के अनुसार दरभंगा की ओर जा रही एक थार गाड़ी में अचानक से लग गई। देखते ही देखते एनएच पर गाड़ी धूं-धूं कर जलने लगी। गाडी में बैठे लोगों ने किसी तरह गाड़ी से कूदकर अपनी जान बचाई। बेनीबाद थानाध्यक्ष अभिषेक कुमार ने बताया कि सूचना मिली कि दरभंगा-मुजफ्फरपुर हाईवे एनएच 57 फोर लेन स्थित पीरौछा के पास एक कार में आग लग गई है। पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद गाड़ी में लगी आग को बुझाया गया,

'पन्नू महाकुम्भ में आया तो मारकर भगाया जाएगा

हमने ऐसे सैकड़ों पागल देखे हैं', अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष का बयान

प्रयागराज, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। अखाड़ा परिषद ने सिख अलगाववादी नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू को समुदायों के बीच विभाजन पैदा करने की कोशिश को लेकर आड़े हाथों लिया। उसने एक वीडियो में महाकुम्भ को निशाना बनाने की कथित तौर पर धमकी दी है। सोमवार को पीलीभीत में उत्तर प्रदेश और पंजाब पुलिस के साथ मुठभेड़ में खालिस्तानी जिंदाबाद फोर्स के तीन आतंकवादी मारे गए, जिसके बाद महाकुम्भ में प्रमुख स्नान तिथियों - 14 जनवरी (मकर संक्रांति), 29 जनवरी (मौनी अमावस्या) और तीन फरवरी (बसंत पंचमी) को बाधित करने की धमकी देने वाला एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया। इस वीडियो में आवाज खालिस्तान समर्थक पन्नू की बताई जा रही है। पन्नू प्रतिबंधित संगठन सिख फॉर जस्टिस का सरगना है और उसे भारत सरकार ने आतंकवादी घोषित किया है। यहां महाकुम्भ नगर में अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने कहा, "पन्नू नाम का जो व्यक्ति है, अगर कहीं ये हमारे महाकुम्भ में आया तो इसे मार-मारकर भगाया जाएगा। हमने ऐसे पागल सैकड़ों की संख्या में देखे हैं।"

हम इन पागलों को अधिक गंभीरता से नहीं लेते

महंत रवींद्र पुरी ने कहा, "यह महाकुम्भ का मेला है। जितने भी सिख और हिंदू हैं, सभी एक हैं। पन्नू ने आपस में विभाजन कराने वाली जो बात की है, वह उचित नहीं है। सिख समाज ने ही सनातन धर्म को बचाए रखा है।" अखाड़ा परिषद अध्यक्ष ने कहा, "हमारे यहां नागा साधुओं की तरह उनके (सिखों के) यहां भी नागा साधु होते हैं। ये दोनों एक ही हैं और सनातन के सैनिक हैं। इसलिए हम इन पागलों को अधिक गंभीरता से नहीं लेते।"

स्कूली बच्चों से भरी ई-रिक्शा में डीसीएम ने मारी टक्कर: एक छात्रा सहित दो की मौत

फतेहपुर, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। फतेहपुर स्कूली बच्चों से भरी ई- रिक्शा में तेज रफ्तार डीसीएम ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से ई-रिक्शा उछलकर सड़क पर पलट गया। हादसे में एक बच्ची सहित चालक की मौके पर मौत हो गई। चार बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। घायल बच्चों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे से आक्रोशित परिजनों ने बिंदकी के अंबेडकर चौराहे के पास जाम लगा दिया। कस्बा इंचार्ज संजय सिंह परिहार सहित पुलिस बल लोगों को समझाने में लगा है। जिले के बिंदकी कोतवाली क्षेत्र के रहने वाले रजीपुर गांव के सुनील कुमार ई रिक्शा चालक है। आज सुबह 8 बजे ई रिक्शा लेकर बिंदकी कस्बे के बाराती नगर से सीपीएस स्कूल के पढ़ने वाले छात्र कार्तिकेय गौतम, वैभवी, दैविक गौतम, अदिति, रुद्राश और श्रष्टि को लेकर स्कूल जा रहा था। तभी फरीदपुर मोड़ के पास कानपुर बांदा-मार्ग पर तेज रफ्तार डीसीएम चालक ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद ई रिक्शा डीसीएम में फंसकर तीन सौ मीटर तक घसीटते हुए चला गया।

सपा नेता के होटल में पनीर की जगह चिकन परोसा

काशी में पीस देख वेटर से पूछा तो खुली सच्चाई; हाथ जोड़ने लगा मैनेजर

वाराणसी, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। वाराणसी में सपा नेता के होटल में पनीर की जगह चिकन परोस दिया। खाते वक्त पीस हार्ड लगा तो होटल में रुके लोगों ने वेटर को बुलाकर दिखाया। पूछा कि यह क्या है? जवाब में वेटर ने कहा कि ये तो चिकन है। मैनेजर भी हाथ जोड़कर लोगों से माफी मांगने लगा, लेकिन उन्होंने पुलिस को बुला ली। पुलिस ने किसी तरह से समझाकर मामला शांत कराया। होटल अद्रिका में रुकने वाले 9 लोग कंपनी की मीटिंग के लिए वाराणसी आए थे। इन लोगों ने पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं कराई है। होटल सपा नेता और पूर्व मेयर प्रत्याशी ओपी सिंह का है। मार्च 2024 में वाराणसी डेवलपमेंट अथॉरिटी ने नक्शा पास न होने के आरोप में होटल को सील भी किया था। ओम प्रकाश जायसवाल ने बताया- हम 9 लोग बुधवार रात शिवपुर स्थित होटल अद्रिका में रुके थे, जिसमें से 4 वेजिटेरियन और 5 नॉन वेजीटेरियन थे। नॉन वेजीटेरियन ने बाहर से ऑर्डर कर नॉनवेज मंगवाया। हमने होटल के ही रेस्टोरेंट में खाने का प्लान बनाया। रात 10 बजे हम लोग होटल के रेस्टोरेंट में पहुंचे। पनीर लबाबदार का ऑर्डर किया। ओम प्रकाश ने बताया- खाने के दौरान एक पीस थोड़ा हार्ड लगा। मैंने उसे प्लेट से बाहर निकाला। हमने वेटर को बुलाकर उससे चेक करवाया। उसने कहा- हां सर चिकन है। हमने होटल मैनेजर विनय यादव को बुलाया। उनसे भी पीस को चेक करवाया। उन्होंने भी देखकर बताया कि चिकन है और माफी मांगने लगे। ओम प्रकाश ने बताया- हमने इस पर हंगामा नहीं किया, लेकिन जब हमने होटल का किचन दिखाने को कहा तो वो आनाकानी करने लगे। हम लोग किचन में पहुंचे तो वहां पता चला ये कढ़ाई में चिकन और पनीर दोनों फ्राई कर रहे हैं। ऐसे में वेजीटेरियंस को पाप का भागी बना रहे हैं। महाकुंभ के पहले काशी में ऐसा होना धर्म आस्था पर ठेस है। पुलिस और प्रशासन को चाहिए कि कुंभ के शुरू होने के पहले काशी के सभी होटल के किचन को चेक करें। होटल मैनेजर विनय यादव ने बताया- स्टाफ की गलती से दूसरे का ऑर्डर टेबल पर पहुंच गया। रेस्टोरेंट इंचार्ज ने गलती स्वीकार कर माफी मांगी। उसके खिलाफ कार्रवाई करेंगे।

सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष की कार चोरी: ऑल्टो से आए थे चोर

मथुरा, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। मथुरा में देर रात समाजवादी पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष की गाड़ी को चोरी कर ले गए। श्री कृष्ण जन्मस्थान जैसे हाई सिक्योरिटी जोन में हुई इस चोरी की वारदात ने सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। बुधवार की देर रात चार अज्ञात चोर ऑल्टो गाड़ी से आए। चोरों ने समाजवादी पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष तुलसीराम शर्मा के घर के बाहर गाड़ी रोकी। यहां चोरों ने इधर उधर देखा और उसके बाद घर के बाहर खड़ी टाटा सूमो गोल्ड गाड़ी के ताले तोड़ना शुरू कर दिया। चोरों ने 20 सेकेंड में गाड़ी को अनलॉक कर दिया। ऑल्टो कार से आए चोरों ने गाड़ी को अनलॉक करने के बाद उसे स्टार्ट किया और फिर ले कर रफू चक्कर हो गए। चोर समाजवादी पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष तुलसीराम शर्मा की टाटा सूमो गोल्ड संख्या यूपी 85 बीएम 3705 को चोरी कर ले गए।

संभल में मिला 'मृत्यु कूप', स्कंद पुराण में भी है जिक्र, नक्शे में भी हुआ है ये दावा

संभल, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी के संभल में बीते 5 दिनों की खुदाई में अभी तक सबूतों के पड़ताल में मंदिर, कुआं और बावड़ी मिली है। अब संभल में शाही जामा मस्जिद से 280 मीटर दूर पर ही प्रशासन को संभल के 19 महत्वपूर्ण कूपों में एक मृत्यु कूप मिला है। दरअसल इलाके में कोट पूर्वी के पास में नगरपालिका की टीम कुएं की खुदाई कर रही थी, जहां उन्हें एक नया कूप मिला है। इस कूप का नाम मृत्यु कूप है, जो मृत्यु का कुआं कहा जाता है। संभल के 19 कूपों में से इसे एक कूप माना जाता है। ये कूप महादेव मंदिर के निकट स्थित है। संभल में 68 तीर्थों और 19 कूपों की खोज कर रही संभल प्रशासन को आज संभल में 19 कूपों में से एक मृत्यु कूप मिला है। ये कूप कई सालों पहले विलुप्त हो गया था। जिसे ढककर इस पर कूड़ा फेंका जा रहा था। बता दे की ये ऐतिहासिक

कूप शाही जामा मस्जिद से केवल 280 मीटर दूर पर स्थित है। कूप का वर्णन स्कंद पुराण में भी किया गया है।

स्कंद पुराण में कूप को लेकर क्या लिखा है?

स्कंद पुराण में संभल के इस मृत्यु कूप का जिक्र है। इस कूप के बारे में लिखा गया है कि, विमलेशादुत्तरतः कूपो वै मृत्युसंज्ञकः, अत्र स्नात्वा महाकालार्चनं सकलसिद्धिदम। अर्थात विमलेश के उत्तर में मृत्यु नामक एक कुआं है। यहां स्नान करने और महाकाल की पूजा करने से सभी सिद्धियां प्राप्त होती हैं। संभल के ऐतिहासिक नक्शे में भी इस कूप का जिक्र है। नक्शे में इसे हरि मंदिर से उत्तरी की ओर बताया गया है। ऐसे में सालों से बंद पड़े मृत्यु कूप को खोज कर प्रशासन ने खुदाई का काम शुरू करवा दिया है। कुएं के अवशेष मिलने के बाद से लोगों की भीड़ इसे देखने और पूजा करने के लिए आ रही है।

संभल में अबतक क्या-क्या मिला?

संभल में खोजबीन का यह सिलसिला सबसे पहले प्राचीन शिव मंदिर की खोज से शुरू हुआ। इस मंदिर में लंबे समय से पूजा पाठ बंद थी। हालांकि मंदिर मिलने के बाद उसकी साफ-सफाई कर पूजा अर्चना की गई। बाद में इस मंदिर का नाम संभलेश्वर मंदिर रखा गया। इसके बाद ही मंदिर के नजदीक से दो कुएं भी, जिसमें कई खंडित मूर्तियां मिली। कहानी यहीं खत्म नहीं होती है। इसके बाद मुस्लिम बहुल इलाके से राधा-कृष्ण का मंदिर मिला, जिसमें अब हिंदू समुदाय पूजा अर्चना कर रहा है। संभल में कुल 19 कूपों के बारे में जिक्र है। असल में 1978 के दंगे के बाद हिंदुओं का इस इलाके से पलायन शुरू हो गया था। जिसके चलते मंदिर खंडहर हो गए और कूपों को ढक दिया गया।

जनवरी 2025 में राजद करेगा बड़ी बैठक, चुनाव और संगठन को लेकर क्या चल रही है तैयारी

पटना, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की तैयारी में सभी सियासी दलें जुट चुकी है। राजद ने भी चुनावी तैयारी तेज कर दी है। संगठन की मजबूती और गुटबाजी खत्म करने पर पार्टी के सीनियर नेताओं का जोर है। हाल में ही सदस्यता अभियान की समीक्षा के लिए पटना में बैठक हुई जिसमें तेजस्वी यादव भी शामिल हुए थे और उन्होंने आगामी चुनाव को लेकर अपनी मंशा साफ कर दी थी कि पार्टी में किन नेताओं को तवज्जो दी जाएगी और किनका पत्ता कटना तय है। इधर, नये साल की शुरुआत में राजद की बड़ी बैठक होने जा रही है। जनवरी में राजद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक बुलायी गयी है। हालांकि पार्टी की ओर से इसकी आधिकारिक घोषणा अभी बाकि है।

राजद आलाकमान की मंशा है कि संगठन की नयी टीम के साथ बिहार चुनाव में पार्टी उतरेगी। राजद जून महीने में पार्टी संगठन का चुनाव पूरा करना चाहती है। इसी सिलसिले में जनवरी 2025 में राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक बुलायी गयी। बता दें कि राजद का देशभर में बिहार समेत 22 राज्यों में संगठन है। इन सभी राज्यों में पार्टी संगठन के चुनाव कराए जाएंगे। वार्ड, पंचायत, प्रखंड, जिला अध्यक्ष और उनकी टीम की घोषणा पहले की जाएगी। गौरतलब है कि आगामी चुनाव की तैयारी में आरजेडी जुटा हुआ है। तेजस्वी यादव ने हाल में ही जिलों का दौरा किया और कार्यकर्ताओं और पार्टी नेताओं से मुलाकात की है। उनकी इस यात्रा से पार्टी नेताओं में भी उत्साह दिखा है। वहीं आरजेडी ने सदस्यता अभियान पर जोर दिया है और तेजस्वी यादव ने उन इलाकों में अधिक गंभीरता से अभियान चलाने कहा है जहां पिछले चुनाव में पार्टी के उम्मीदवार बेहद कम अंतर से हारे हैं। तेजस्वी यादव ने पटना में हुई समीक्षा बैठक में कहा है कि पार्टी उन लोगों को ही टिकट देगी जो सदस्यता अभियान मजबूती से चला रहे हैं। वहीं जो लोग पार्टी में गुटबाजी कर रहे हैं उनपर कड़ी कार्रवाई होगी। लापरवाह नेताओं का टिकट काटा जाएगा।

‘पुलिस ठंडी पड़ी है कार्रवाई तब होगी जब सुसाइड कर लूंगी’ फेसबुक लाइव आकर सपा महिला नेता ने दी धमकी-

आगरा, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के आगरा में समाजवादी पार्टी से मेयर पद चुनाव लड़ी जूही प्रकाश ने फेसबुक पर लाइव आकर सुसाइड करने की धमकी दी है। उन्होंने कहा है कि ‘ये मेरा आखिरी लाइव है। मुझे इंसाफ नहीं मिला तो मैं सुसाइड कर लूंगी।’ जूही का आरोप है कि उनके पति ने उनके साथ मारपीट और जान से मारने की धमकी दी। उनकी शिकायत पर मुकदमा दर्ज हुआ, लेकिन पुलिस उन्हें गिरफ्तार नहीं कर रही है। पूर्व मेयर प्रत्याशी का फेसबुक लाइव वीडियो वायरल हो रहा है। 6 मिनट 16 सेकंड के इस वीडियो में जूही ने पुलिस पर कई आरोप लगाए हैं। वीडियो में वह कह रही हैं ‘लगातार मेरा मानसिक उत्पीड़न किया जा रहा है। क्या किसी भी इंसान को न्याय तब मिलता है, जब वह आत्महत्या कर लेता है। कैसे न्याय मिलेगा?’ उन्होंने कहा है कि ‘पुलिस ठंडी पड़ी हुई है। कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। क्या कार्रवाई तब होगी जब मैं सुसाइड कर लूंगी?’

फेसबुक आईडी से किया लाइव

मेयर की पूर्व प्रत्याशी जूही प्रकाश ने बुधवार को अपने फेसबुक आईडी से लाइव किया था। उन्होंने लाइव आकर अपनी समस्याओं को बताया। उन्होंने अपने पति के खिलाफ पुलिस से शिकायत की थी, जिसके बाद उनके पति योगेंद्र प्रताप सिंह पर मुकदमा दर्ज किया गया था। जूही का आरोप है कि दो महीने के बाद भी पुलिस योगेंद्र को गिरफ्तार नहीं कर रही है। जूही का लाइव वीडियो लोग खूब शेयर कर रहे हैं।

प्रदूषण से परेशान लोगों ने की 84 हजार से ज्यादा शिकायतें

एमसीडी ने कितने मामलों का किया समाधान?

नई दिल्ली, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार को इस साल अब तक 'ग्रीन दिल्ली ऐप' के माध्यम से प्रदूषण से संबंधित 84,765 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। दिल्ली नगर निगम एमसीडी, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) और दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) वह नागरिक एजेंसी हैं जो अधिकतर शिकायतों का निस्तारण कर रही है। एमसीडी में सबसे अधिक 54,878 शिकायतें आईं, जिनमें से 46,279 (84.33 प्रतिशत) शिकायतों का समाधान किया जा चुका है, जबकि 8,599 शिकायतें लंबित हैं। पीडब्ल्यूडी को 12,327 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 10,803 (87.64 प्रतिशत) शिकायतों का समाधान किया गया और 1,524 शिकायतें लंबित हैं। डीडीए की ओर से दर्ज की गईं 4,795 शिकायतों में से 4,424 (92.26 प्रतिशत) का निस्तारण कर दिया गया और 371

शिकायतें अब भी लंबित हैं। यह आंकड़े दिल्ली सरकार के पर्यावरण विभाग के अंतर्गत दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) द्वारा बनाए गए 'ग्रीन दिल्ली ऐप' पर उपलब्ध विभागवार शिकायत पर आधारित है।

2020 में शुरू हुआ 'ग्रीन दिल्ली ऐप'

दिल्ली सरकार ने 2020 में 'ग्रीन दिल्ली ऐप' को शुरू किया और इस ऐप के जरिए लोग तस्वीरें या वीडियो अपलोड करते हुए स्थान चिन्हित करके और शिकायत की प्रकृति निर्दिष्ट करके प्रदूषण के मुद्दों की शिकायत कर सकते हैं। समाधान के लिए शिकायतों को संबंधित नागरिक एजेंसी के पास भेज दिया जाता है और उपयोगकर्ता अपनी शिकायतों पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसमें सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग के पास आईं 2,032 शिकायतों में से 91.98 प्रतिशत हल हुईं, राजस्व विभाग के पास आई 1,041 शिकायतों में से 84.53 प्रतिशत का निस्तारण कर दिया गया और दिल्ली जल बोर्ड के पास आईं 3,056 शिकायतों में से 97.94 प्रतिशत हल हो गई हैं। दिल्ली यातायात पुलिस को 362 शिकायतें प्राप्त हुईं, जबकि दिल्ली मेट्रो रेल निगम को 564 शिकायतें प्राप्त हुईं। कुल शिकायतों में से 10,656 को उस श्रेणी में वर्गीकृत किया गया है जिसका समय पर निस्तारण नहीं किया गया है, जिसमें एमसीडी में अकेले ही ऐसे 8,322 मामले हैं।

खाद को लेकर विपक्ष ने कृषि मंत्री को घेरा यूक्रेन युद्ध के कारण देरी से पहुंची खाद?

भोपाल, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में किसानों को खाद मिलने में आने वाली परेशानी को लेकर विपक्ष ने विधानसभा के भीतर भी अपनी आवाज को बुलंद किया। उन्होंने कृषि मंत्री एदल सिंह कंसाना को घेरने की कोशिश की। हालांकि, कृषि मंत्री ने स्पष्ट कहा कि यूक्रेन युद्ध के कारण खाद को लाने में 25 दिन की देरी हो गई। मध्य प्रदेश में खाद की समस्या को लेकर कांग्रेस लगातार भारतीय जनता पार्टी की सरकार को घेरने की कोशिश कर रही है। विधानसभा के भीतर भी नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कृषि मंत्री से जवाब मांगा।

उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश के सीहोर में 60 घंटा तक किसानों को लाइन में लगा पड़ा। इससे एक बुजुर्ग की मौत तक हो गई। इसके अलावा छतरपुर में किसान के पेर की हड्डी टूट गई। छतरपुर में खाद को लेकर काफी मारामारी की स्थिति निर्मित हुई। इसके अलावा दमोह, विदिशा में भी खाद की समस्या को लेकर किसानों ने प्रदर्शन किया। सरकार किसानों को सही समय पर उचित मात्रा में खाद तक उपलब्ध नहीं कर पाई। कृषि मंत्री एदल सिंह कंसाना ने कहा कि यूक्रेन युद्ध की वजह से हाथ को लाने में थोड़ा वक्त अधिक लग गया, जिसकी वजह से किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि पूरे मध्य प्रदेश में स्थिति सामान्य थी। कुछ स्थानों पर जरूर किसानों ने प्रदर्शन किया, मगर सब कुछ नियंत्रित था। उन्होंने कहा कि विपक्ष गलत आरोप लगा रहा है।

दिल्ली में इमाम-मुअज्जिन को 17 महीने से नहीं मिली सैलरी

अरविंद केजरीवाल से मिलने पहुंचे मौलाना

नई दिल्ली, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के अलग-अलग मस्जिदों के मौलाना और मुअज्जिन आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल से मिलने के लिए 5 फिरोज शाह स्थित उनके आवास पर पहुंचे हैं। हालांकि, उनकी अरविंद केजरीवाल से मुलाकात नहीं हो पाई। दिल्ली वक्फ बोर्ड से जुड़े कुल 250 इमाम और मुअज्जिन तनख्वाह को लेकर अरविंद केजरीवाल से मिलना चाहते थे, जो 17 महीनों से नही मिली है। 250 में 185 इमाम हैं। इन सभी मौलवियों के साथ आल इंडिया इमाम एसोसिएशन के साजिद रशीदी भी थे। इन मौलानाओं का आरोप है कि इनको पिछले 17 महीने से मासिक वेतन नहीं मिल रहा है। ये वेतन वक्फ बोर्ड देता था, लेकिन अब वक्फ बोर्ड की तरफ से वेतन नही दिया जा रहा है। इस कारण पिछले 17 महीनों से लगातार जगह-जगह धक्के खा रहे हैं। इनका कहना है कि वेतन न मिलने के कारण इन्हें कर्जा लेकर जीना पड़ रहा है और जीवन जीना मुश्किल हो गया है।

साजिद रशीदी बोले- मजदूरों से कम इमाम की सैलरी

अरविंद केजरीवाल से मुलाकत के पहले मौलाना साजिद रशीदी ने कहा, हम 17 महीनों से लंबित अपने वेतन को जारी करने की मांग को लेकर यहां आए हैं। इससे करीब 250 इमाम परेशान हैं, उनका वेतन मात्र 18000 रुपये प्रति माह है। पिछले 17 महीनों से हमारा वेतन लंबित है। मौलाना साजिद रशीदी का कहना है कि दिल्ली सरकार अपने मजदूरों को 21 हजार रूपये प्रति माह की सैलरी देती है। लेकिन, हम इमामों को महज 18 हजार रुपये दिए जाते हैं। लेकिन, वह भी 17 मीहने से नहीं मिले हैं। इस मांग के साथ वह अरविंद केजरीवाल से मिलने पहुंचे हैं।

नंदीग्राम में टीएमसी कार्यकर्ता का शव बरामद पार्टी ने हत्या के लिए भाजपा को ठहराया जिम्मेदार

कोलकाता, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में हुगली जिले के नंदीग्राम में एक तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) कार्यकर्ता का शव बरामद हुआ। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। मृतक की पहचान 52 वर्षीय महादेव बिशोई के तौर पर की गई है। वह नंदीग्राम ब्लॉक 1 गोकुलनगर पंचायत क्षेत्र का रहने वाला था। उसका शव वृंदावन चौक में मार्केट के अंदर चाय की दुकान के पास मिला। टीएमसी इस हत्या के लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहरा रही है।

उन्होंने पुलिस से जल्ज से जल्द कार्रवाई करने की अपील की। हालांकि, टीएमसी द्वारा लगाए गए आरोपों को भाजपा ने नकार दिया। टीएमसी कार्यकर्ता की हत्या के मामले में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा, ऐसा लग रहा है कि व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या की गई। उसके दोनों पैर टूटे हुए थे। हाथों पर भी चोट के निशान पाए गए। उसके परिवारवालों ने शिकायत दर्ज कराई। मामले की जांच की जा रही है।

सपा सांसद इकरा हसन ने इमरान प्रतापगढ़ी के साथ नाम जुड़ने पर तोड़ी चुप्पी, शादी पर बताई अपनी राय

कैराना, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कैराना से समाजवादी पार्टी की सांसद इकरा हसन सुर्खियों में बनी रहती हैं। इकरा हसन देश की युवा नेताओं में से एक हैं, जो देश के हर मुद्दे पर बड़ी ही बेबाकी के साथ जवाब देती हैं। जहां इकरा हर सवाल का निडरता से जवाब देती हैं, वहीं अपने इमरान प्रतापगढ़ी के साथ नाम जुड़ने पर भी इकरा हसन ने चुप्पी तोड़ी है। इकरा हसन की उम्र महज 30 साल है। काफी यंग एज से ही उन्होंने राजनीति को अपना मकसद बना लिया है। हालांकि, बचपन से ही उनकी पॉलिटिकल साइंस पढ़ने में रुचि थी, लेकिन क्लास से अब संसद तक का सफर उन्होंने तय कर लिया है। अब जब अब वो राजनीति में आ गई हैं तो उन की जिंदगी को लेकर भी कई खबरें सामने आती हैं। सांसद इकरा हसन का नाम कांग्रेस के राज्यसभा सांसद और शायर इमरान प्रतापगढ़ी के साथ जोड़ा जाता रहा है। कुछ लोगों ने तो यहां तक कहा है कि दोनों की जल्द शादी होने वाले हैं। अब इकरा हसन ने इन सारी बातों पर चुप्पी तोड़ दी है।

इकरा हसन ने तोड़ी चुप्पी

इकरा हसन ने हाल ही में एक पॉडकास्ट में इन सवालों पर जवाब दिया। सपा सांसद ने इमरान प्रतापगढ़ी से जोडे.जा रहे अपने नाम और शादी की खबरों पर कहा, इन बातों में बिल्कुल कोई सच्चाई नहीं है। साथ ही उन्होंने कहा, ऐसी गलत अफवाह किसी भी व्यक्ति के लिए किसी भी लड़की के लिए चलाना बहुत गलत है। मुझे यह सब देख कर बहुत अफसोस होता है। मैं गुजारिश करना चाहती हूं कि ऐसी वीडियो बनाना बंद कर दें। मुझे और मेरे परिवार को इन सब से बहुत तकलीफ होती है।

कब करेंगी इकरा हसन शादी

इकरा हसन से जब इंटरव्यू में शादी कब करेंगी यह सवाल पूछा गया तो पहले तो वो मुसकुराने लगी, फिर उन्होंने शादी को लेकर कहा, मेरा अभी शादी करने का कोई ख्याल नहीं है। मुझे भविष्य का नहीं पता लेकिन अभी मुझे कैराना के लोगों ने जो जिम्मेदारी सौंपी है उस पर मेरा ध्यान है। मेरा पूरा ध्यान अभी अपने काम पर, अपनी जिम्मेदारी पर है। साथ ही उन्होंने कहा, बाकी चीजों के लिए न अभी वक्त है, न मेरा इंटरेस्ट है। इकरा हसन ने कहा, शादी जब होनी होगी हो जाएगी लेकिन अभी मैं अपने काम पर फोकस कर रही हूं। अगर शादी नहीं भी होती तो भी कोई बात नहीं।

गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंजा हरियाणा का यमुनानगर, दिनदहाड़े डबल मर्डर

यमुनानगर, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। यमुनानगर का गांव लखा सिंह खेड़ी गुरुवार सुबह गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंज उठा। जिम करके घर लौट रहे तीन युवकों पर बदमाशों ने अंधाधुंध गोलियां चलाई। गोली लगने से दो युवकों की मौत हो गई जबकि एक की हालत नाजुक है। घायल युवक का अस्पताल में इलाज चल रहा है। वारदात सुबह 8. 15 बजे की है।

मर्डर का सीसीटीवी वीडियो सामने आया

जानकारी के अनुसार, तीन युवक जिम करके गाड़ी में बैठकर घर लौट रहे थे। तभी बाइक पर सवार अज्ञात हमलावरों ने उन पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। इस हमले में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। हत्याकांड का एक सीसीटीवी फुटेज पुलिस के हाथ लगी है। सीसीटीवी में 4 से 5 युवक जिम करने आए लोगों को कार से नीचे उतर कर उन पर अंधाधुंध फायरिंग करते दिख रहे हैं। वारदात को अंजाम देकर बदमाश फरार हो गए।

गोली मारने की वजह साफ नहीं

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक राजीव देशवाल मौके पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस की टीम घटनास्थल पर मौजूद है और सबूत जुटाने में लगी है। आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए प्रयास जारी हैं। पुलिस का कहना है कि अभी तक गोलियां चलने के पीछे का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। प्रारंभिक जांच के अनुसार, यह आपसी रंजिश का मामला हो सकता है। मृतकों के परिजनों को घटना की जानकारी दे दी गई है।

मिस ग्रैंड इंटरनेशनल रेचल गुप्ता किसान नेता डल्लेवाल से करेंगी मुलाकात, किसान आंदोलन को लेकर कही ये बात

चंडीगढ, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। किसान आंदोलन पिछले एक साल से जारी है। पिछले एक महीने से किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल आमरण अनशन पर बैठे हुए हैं। उनकी हालत लगातार बिगढ़ती जा रही है। इस बीच मिस ग्रैंड इंटरनेशनल रेचल गुप्ता ने कहा कि वे डल्लेवाल से मुलाकात करने जाएंगी। उन्होंने कहा कि पंजाब में खेती बाड़ी कितनी जरूरी है यह वह जानती है। पंजाब के लोगों को जो रुपए मिलते हैं, वह खेती बाड़ी और कड़ी मेहनत से मिलते है। रेचल गुप्ता ने कहा मैंने पर्सनली देखा है कि उनको कितना इफेक्ट हुआ और पॉलिसी से कितना दुख लगा है। रेचल ने कहा कि हमें आपस में रिस्पेक्ट कभी नहीं भूलना चाहिए और सरकार के लिए हमें रिस्पेक्ट करना चाहिए। सरकार को भी हमारी लिए रिस्पेक्ट करना चाहिए। रेचल ने कहा कि देश को और हमें खाना और अनाज हमारी धरती से मिलता है। उनकी कड़ी मेहनत से मिलता है। बेशक हमारी मदद के लिए और डेवलपमेंट करने सरकार बहुत कुछ करती है,लेकिन कई बार बनाई गई पॉलिसी सूट नहीं करती है और हमें इकट्ठे होकर पॉलिसी बनानी चाहिए। इसी से हल मिलेगा, ना की लड़ने ओर वायलेंस से कोई हाल निकलेगा।

किसान आंदोलन को सपोर्ट करेंगी रेचल

रेचल ने कहा कि वह तो किसानों और सरकार दोनो को रिस्पेक्ट करेंगी। क्योंकि दोनों ही उनके लिए अहम है और जो लोग अपनी वैल्यू के लिए फाइट कर रहे हैं। उनके लिए वह रिस्पेक्ट करती हैं। मैंने पंजाब में आकर देखा है कि इसका इफेक्ट हमारी स्टेट के लिए क्या है। रेचल ने कहा कि मेरी फैमिली भी एग्रीकल्चर का काम करती है, और मुझे पता है कि हमें सही पॉलिसी से कितना सपोर्ट मिलेगा। रेचल ने कहा कि जहां पीसफुल प्रोटेस्ट होगा वह उस प्रोटेस्ट को जरूर करेंगी, क्योंकि उन्होंने पहले भी कई प्रोटेस्ट में हिस्सा लिया है। खासकर वूमेन वायलेंस की केसेस के खिलाफ उन्होंने कई प्रोटेस्ट भी किए हैं ,और लोग मेरी आवाज सुन रहे हैं, तो मेरे लिए जरूरी है कि मैं उन मुद्दों पर आवाज उठाओ जिससे कि लोगों की सहायता हो।

ड्रम में मिले 2 बहनों के शव, शेफ पर किडनैप-रेप और हत्या के आरोप?

मुंबई, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई से सटे पुणे से अपहरण, दुष्कर्म की कोशिश और हत्या का एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक परिवार की 2 मासूम सगी बहनों की लाश घर के पास एक बिल्डिंग में रखे ड्रम के अंदर मिली है। अपनी दोनों बच्चियों की लाश देख परिवार में चीख-पुकार मच गई। मौके पर मौजूद पुलिस ने दोनों नाबालिग लड़कियों के शव को पोस्टमार्टम ससून अस्पताल भेज दिया है। इसके बाद पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। जांच में पता चला कि दोनों बहनों का कत्ल एक शेफ ने किया है, जो उनके घर के ऊपर ही रहता है।

ड्रम में दोनों बहनों की लाश

यह मामला पुणे के राजगुरु नगर शहर के पास का है। यहां कल दोपहर घर के पास खेलते समय अचानक ही 8 और 9 साल की दो सगी बहनें लापता हो गईं। परिवार के लोगों ने दोनों लड़कियों की आसपास खूब तलाश की। तलाश करते हुए परिवार को रात में घर के पास एक इमारत में रखे ड्रम में दोनों बच्चियों की लाश मिली। पुलिस ने दोनों लड़कियों के शव को पोस्टमार्टम के लिए ससून अस्पताल भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस को शुरुआती जांच में पता चला कि पीड़ित परिवार के घर के ऊपर रहने वाले शेफ ने ही इन बहनों की हत्या की है।

दुष्कर्म करने की कोशिश

पुलिस ने बताया कि शेफ ने पहले दोनों बहनों को बहला-फुसला के अपने घर ले गया। यहां उसने एक बहन के साथ दुष्कर्म करने की कोशिश की, लेकिन उस वक्त उसने विरोध किया और चिल्लाने की कोशिश की। अब पकड़े जाने के डर से शेफ ने एक बहन की जान ले ली। फिर डर की वजह से शेफ ने उसी तरह दूसरी बहन की भी जान ले ली। इसके बाद शवों को ठिकाने लगाने के लिए घर के पास वाली बिल्डिंग के पास एक ड्रम में रख दिया।

दिल्ली में रफ्तार का कहर, लैंड रोवर ने इको स्पोर्ट गाड़ी को मारी टक्कर, हादसे में एक शख्स की मौत

नई दिल्ली, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में एक बार फिर रफ्तार का कहर देखने को मिला है। बृहस्पतिवार सुबह तेज रफ्तार काले रंग की लैंड रोवर गाड़ी ने इको स्पोर्ट को टक्कर मार दी। हादसे में इको स्पोर्ट चला रहे शख्स की मौत हो गई। यह हादसा राजधानी के पॉश इलाके चाणक्यपुरी में हुआ।

टक्कर के बाद पलट गई लैंड रोवर

जानकारी के मुताबिक लैंड रोवर सिग्नल तोड़ते हुए काफी तेज रफ्तार में जा रही थी। दोनों गाड़ियों की टक्कर इतनी तेज थी कि इको स्पोर्ट चला रहे शख्स ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। लैंड रोवर भी हादसे के बाद पलट गई। पुलिस ने जब सीसीटीवी फुटेज खंगाला तो इस हादसे की वजह सामने आई। सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि काले रंग की लैंड रोवर सिग्नल तोड़ते हुए तेज रफ्तार से जा रही थी। लैंड रोवर गाड़ी पर हिमाचल का वीआईपी नंबर है। लैंड रोवर गाड़ी चला रहे और उसमें सवार लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है।

शीतलहर से कश्मीर में गिरा पारा

कल से दो दिन प्रदेश के कुछ हिस्सों में बर्फबारी के आसार

जम्मू, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। दो दिन से धूप खिलने से प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में दिन के पारे में सुधार आया है, लेकिन रात को कंपकंपी जारी है। कश्मीर में शीतलहर से जनजीवन प्रभावित है। विश्व विख्यात डल झील सहित अन्य जलाशय जम गए हैं। घाटी के अधिकांश जिलों में रात का तापमान सामान्य से 3 से 5 डिग्री सेल्सियस नीचे चल रहा है। मंगलवार रात भद्रवाह के पहाड़ों पर बर्फबारी हुई। मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर के अनुसार 27 व 28 दिसंबर को प्रदेश के कुछ हिस्सों में बर्फबारी हो सकती है। इस साल के अंत और शुरुआत में भी मौसम में बदलाव आएगा। कश्मीर के अधिकांश जिलों में रात का पारा फिर गिरा है। राजधानी श्रीनगर में दिनभर धूप खिलने के साथ अधिकतम तापमान सामान्य से थोड़ा चढ़कर 7.4 डिग्री दर्ज किया गया। पर्यटन स्थल पहलगाम में दिन का पारा 7.4 और गुलमर्ग में 5.0 डिग्री रहा। जम्मू में दिनभर मौसम साफ रहने से अधिकतम तापमान सामान्य से थोड़ा चढ़कर 21.0 और न्यूनतम तापमान 7.1 डिग्री दर्ज किया गया। बनिहाल में अधिकतम तापमान 12.2, बटोत में 14.3, कटड़ा में 18.8, भद्रवाह में 12.4 और लेह में 0.0 डिग्री दर्ज किया गया।

बुजुर्ग दंपति करने जा रहा था सुसाइड

नगर निगम कर्मचारियों और पुलिस ने बचाया

ठाणे, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। नगर निगम के आपात प्रक्रिया दल और पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उस बुजुर्ग दंपति की जान बचा ली जो आत्महत्या का प्रयास कर रहा था। महाराष्ट्र के ठाणे शहर में कासारवडवली पुलिस को दंपति के रिश्तेदार से बुधवार रात सूचना मिली कि दंपति घोडबंदर रोड पर वाघबिल इलाके में एक इमारत की सातवीं मंजिल पर स्थित अपने घर में आत्महत्या करने की योजना बना रहा है। ठाणे नगर निगम के इमरजेंसी मैनेजमेंट सेल के प्रमुख यासीन तड़वी ने बताया कि पुलिस ने देर रात करीब 11 बजे उनके सेल को इस संबंध में सूचित किया। उन्होंने बताया कि 70 वर्षीय पुरुष और उनकी 65 वर्षीय पत्नी ने स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से परेशान होकर आत्महत्या करने का निर्णय लिया। उन्होंने अपने रिश्तेदार को मोबाइल पर

संदेश भेजकर अपने इरादे की जानकारी दी और इसके बाद भतीजे ने पुलिस को सूचित किया।

कुछ ही मिनट में बचा ली जान

सूचना मिलने के कुछ ही मिनट के भीतर पुलिस, अग्निशमन विभाग एवं टीएमसी आपदा प्रकोष्ठ के कर्मी दंपति के अपार्टमेंट में पहुंच गए जो अंदर से बंद था। अधिकारी ने बताया कि इसके बाद बचावकर्मी पास के ‘फ्लैट’ की खिड़की से ‘अपार्टमेंट’ में पहुंचे और उन्होंने दंपति को आत्महत्या करने से रोक लिया।

हरिद्वार में हृदय विदारक घटना

गुजरात से गंगा स्नान के लिए आए परिवार के 2 बच्चे डूबे; भाई-बहन की मौत से गमगीन हुए श्रद्धालु

हरिद्वार, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड के हरिद्वार में एक हृदय विदारक घटना घटी। गुजरात के एक परिवार के 2 नाबालिग बच्चों की यहां गंगा नदी में डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि हादसा सुबह 10 बजे उत्तरी हरिद्वार के सप्तऋषि क्षेत्र में संतमत घाट पर हुआ। हादसे के बाद परिवार के सदस्यों के आंसू रुकने का नाम नहीं ले रहे।

स्नान के दौरान बह गए भाई-बहन

गुजरात के तापी जिले के बाजीपुरा गांव निवासी विपुल भाई पवार का परिवार गंगा स्नान कर रहा था। इसी दौरान पवार की 13 वर्षीय बेटी प्रत्यूषा और छह वर्षीय बेटा दर्श अचानक गंगा की तेज धार में बहने लगे। परिजन और घाट पर मौजूद अन्य श्रद्धालु बच्चों को बचाने के लिए दौड़े लेकिन तेज बहाव और गहरे पानी के कारण दोनों बच्चे आंखों से ओझल हो गए।

परिवार पर दुखों का पहाड़ टूटा

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जल पुलिस और गोताखोरों की मदद से बच्चों की तलाश शुरू की। कुछ ही देर बाद दोनों को ठोकर नंबर 13 के पास पानी से बेसुध हालत में बाहर निकाला गया। पुलिस ने बताया कि दोनों का तत्काल हरिद्वार जिला अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। बच्चों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए सुरक्षित रखवा दिया गया है। घटना के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। बच्चों की असमय मौत ने घाट पर मौजूद अन्य श्रद्धालुओं को भी गमगीन कर दिया।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 27 दिसंबर- 2024

काबुल पर भारत की नजर

अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव पर भारत की पैनी नजर है। एक ओर जहां तालिबान ने पाकिस्तान के हवाई हमलों का करारा जवाब देने की घोषणा की है, वहीं भारत और तालिबान के बीच बातचीत का सिलसिला बढ़ चला है। काबुल ने भारत को भरोसा दिया है कि उसकी धरती का उपयोग भारत विरोधी गतिविधियों के लिए कदापि नहीं किया जाएगा। बहरहाल, दोनों देशों के तनाव का असर पूरे क्षेत्र के साथ ही यूरेशिया में पड़ सकता है, जहां भारत के कई हित जुड़े हैं। भारत सरकार भी दोनों देशों के बीच चल रहे तनाव से अनजान नहीं है। इसलिए वह दोनों देशों के संबंधों पर नजरें टिकाए है। यह वजह है कि इस्लामाबाद से नाराज काबुल अब नई दिल्ली से रिश्ते मजबूत करने की भरपूर कोशिश कर रहा है। भारत हमेशा से काबुल में एक ऐसी सरकार चाहता रहा है जो पाकिस्तान को अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल करने के लिए लॉन्चपैड न साबित हो। भारत की मंशा हमेशा से यही रही है कि आतंकवादी गुटों के लिए काबुल की धरती पनाहगाह न बने। क्योंकि वहां से भारत विरोधी गतिविधियों को आसानी से संचालित करने की सहूलियत मिल सकती है। एक रणनीति के चलते पिछले एक साल में, भारत ने तालिबान के साथ बातचीत बढ़ाई है, जो पाकिस्तान को रास नहीं आ रहा है। भारत ने अपने प्रतिनिधि को मुंबई में अफगान वाणिज्य दूतावास से काम करने की भी अनुमति दी है। काबुल ने भारत को आश्वासन दिया है कि वह अपनी धरती का इस्तेमाल भारत विरोधी गतिविधियों के लिए नहीं होने देगा। काबुल ने भारत के साथ मानवीय और विकास साझेदारी को बढ़ाने में भी रुचि दिखाई है। यह आश्वासन तब दिया गया था जब विदेश मंत्रालय के एक सीनियर अधिकारी ने नवंबर में काबुल में तालिबान के कार्यवाहक रक्षा मंत्री मोहम्मद याकूब मुजाहिद से मुलाकात की थी। बता दें कि मुजाहिद, मुल्ला उमर के बेटे हैं, जो 1996-2001 के बीच अफगानिस्तान के नेता थे। बहरहाल, तालिबान शासन के तहत अफगानिस्तान में स्थिरता बनी हुई है। इसके बावजूद महिलाओं के अधिकार और शिक्षा अभी भी चिंता का विषय बने हुए हैं। इसके लिए सुधार की जरूरत है। उल्लेखनीय है कि बुधवार को पाकिस्तान ने पूर्वी अफगानिस्तान में कई हवाई हमले किए। इन हमलों में 46 लोग मारे गए। मरने वालों में ज्यादातर महिलाएं और बच्चे थे। पाकिस्तान अब लीपापोती कर रहा है कि ये हमले आतंकवादियों के खिलाफ थे। जबकि अफगानिस्तान ने इस हमले की कड़ी निंदा की है। तालिबान सरकार के उप प्रवक्ता हमदुल्लाह फिरत के अनुसार पाकिस्तान ने पक्तिका प्रांत के बरमल जिले में चार जगहों पर हमले किए। मारे गए लोग शरणार्थी थे। छह लोग घायल भी हुए हैं। इसलिए अब पाकिस्तान को इसका जवाब देना जरूरी हो गया है।

कट्टरपंथी मुस्लिमों के निशाने पर हैं हिन्दू

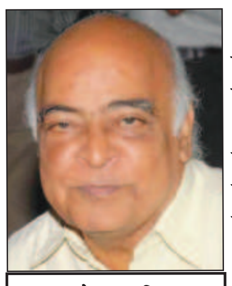

अशोक भाटिया

आज भी हर साल कट्टरपंथियों द्वारा हिंदुओं के त्यौहारों, शोभायात्रा पर अकारण पथराव, मूर्ति विसर्जन के दौरान हिंदुओं को धमकाने, उन पर हमला करने, कावड़ियों पर पत्थरबाजी, आगजनी और मासूमों की हत्या की खबरें सामने आती रहती हैं। यही कारण है कि हिंदू न चाहते हुए भी अपने पूर्वजों की विरासत और अपने पुश्तैनी घरों को छोड़कर पलायन कर रहे हैं। खास बात यह है कि हिंदुओं के मसले पर सेकुलर चुप्पी साध लेते हैं। अवार्ड वापसी गैंग में भी कोई सुगबुगाहट नहीं होती है। मुस्लिम समाज का नेतृत्व करने वाले भी इन कट्टरपंथियों पर चुप हो जाते हैं। मोहब्बत की दुकान लगाने वाले ऐसी घटनाओं पर अपनी दुकान का शटर गिरा देते हैं। इस साल कितनी ही शोभायात्राओं पर हमले हुए, कितने हिंदू परिवारों ने पलायन के पोस्टर लगाएं, लेकिन खामोशी की चादर ओढ़े ये लोग कुछ नहीं बोले। अज़ब विडम्बना है कि भारत में रहने वाले हिंदू इन कट्टरपंथी मुस्लिमों के भय से अपने ही घरों के बाहर पलायन के पोस्टर लगाने को मजबूर हैं।

वे अपने ही देश में डर के साये में जी रहे हैं। हिंदुओं के छोटे से छोटे धार्मिक आयोजन भी बिना पुलिस की सुरक्षा के पूर्ण नहीं हो पाते हैं। हिन्दुओं की आस्था को ठेस पहुंचाना, देवी-देवताओं को अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर अपमानित करना, मूर्तियों को लात मारना, उन्हें खंडित करना इन कट्टरपंथियों का शौक बन गया है। ताजा मामला हरियाणा के फरीदाबाद का है। सुभाष कॉलोनी में एक हिंदू परिवार ने अपने घर के बाहर "यह मकान बिकाऊ है" का पोस्टर लगा दिया है। हिंदू परिवार का आरोप है कि दिवाली पर उनके बच्चे के पटाखे जलाने पर कट्टरपंथी मुस्लिमों ने उन पर हमला कर दिया। उन्होंने पीड़ित परिवार के घर पर ईंट-पत्थर बरसाए और मुख्य दरवाजे को तोड़ दिया। घर की बहन बेटियों से छेड़छाड़ की, उनके कपड़े फाड़ दिए। घर की महिलाओं पर डंडों से हमला भी किया। आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने की वजह से अब वह अपना मकान बेचकर पलायन करने को मजबूर हैं, जिसके चलते हिंदू परिवार के लोगों ने घर के बाहर पोस्टर भी लगा दिया है। पीड़ित परिवार ने पुलिस पर मामले की अनसुनी करने का भी आरोप लगाया है। इस साल मई में उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले में हिंदू समाज के लोगों ने अपने घर के बाहर पलायन के पोस्टर लगाए थे। ये पोस्टर स्वार इलाके के घोसी पूरा पट्टी गांव में हिंदुओं के घरों के बाहर लगाए गए थे।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह मुस्लिम बाहुल्य गांव है। गांव के ही दिनेश कुमार ने पास में रहने वाले मुस्लिम पर आरोप लगाया था कि किसी बात को लेकर कहासुनी होने पर रिजवान ने उसके घर में घुसकर उससे मारपीट की। पुलिस स्टेशन में शिकायत करने के बाद भी आरोपी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर हिंदू समाज के लोगों ने अपने घरों के बाहर पलायन के पोस्टर लगाए थे। हिंदुओं ने इस मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी मदद की गुहार लगाई थी।

इस साल जून में राजस्थान की राजधानी जयपुर से भी हिंदुओं के पलायन की खबर सामने आई थी। यहां शास्त्री नगर में शिवाजी नगर के हिंदुओं ने अपने घरों के बाहर पलायन के पोस्टर लगाए थे। उन्होंने आरोप लगाया था कि वहां रहने वाले कट्टरपंथी मुस्लिम उन्हें परेशान करते हैं। वे मुस्लिम समुदाय की ज्यादतियों से परेशान हो गए हैं। इसलिए हिंदू कॉलोनी छोड़कर जा रहे हैं। उन्होंने सरकार से मांग की थी कि वह यहां गैर हिंदूओं को घर खरीदने से रोकें।

हिंदुओं ने पलायन के पोस्टर में लिखा था कि सनातनियों से अपील, पलायन रोकें। सभी सनातनी भाई बहनों से निवेदन है कि अपना मकान गैर हिन्दू को न बेचें। उनकी बहन-बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। हिंदुओं ने यह भी आरोप लगाया था कि उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। वे पहले भी शिकायत कर चुके हैं। इस इलाके में खौफ का माहौल है। पुलिस से उचित कार्रवाई और सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराने की विनती करते हैं। बिजनौर में भी इस साल ही मकान बिकाऊ है के पोस्टर लगे। घटना अगस्त की है। मुस्लिम युवक ने हिंदू युवती को इंस्टाग्राम पर अश्लील मैसेज भेजे। वह कई दिनों से लड़की को प्रताड़ित कर रहा था।

लड़की ने परिजनों को बताया। पीड़ित लड़की के परिवार ने इस उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाई। इस पर आरोपी ने करीब 300 लोगों की भीड़ इकट्ठा कर ली। भीड़ ने साम्प्रदायिक नारे लगाए और धमकी दी कि यहां बांग्लादेश बना देंगे। इससे डर का माहौल बना। इलाके के कई परिवारों ने अपने घरों की दीवारों पर "यह मकान बिकाऊ है" लिखवाया। बिजनौर पुलिस ने मामला दर्ज किया। पुलिस ने प्रभावित परिवारों से बात कर उनके घरों से "यह मकान बिकाऊ है" लिखे संदेश को भी मिटवाया।

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई कई सालों से बारूद के ढेर पर बैठी है। वास्तव में 1992 और 2012 के बीच तुलना करें तो पता चलता है कि वहां पिछले दो दशकों में हालात बहुत ज्यादा नहीं बदले हैं। दिसंबर 1992 में भीड़ के आक्रोश की पहली लहर काफी हद तक इस बार आजाद मैदान में हुई हिंसा जैसी ही थी।

यदि इस बार असम की हिंसा ट्रिगर प्वाइंट बनी, तो 1992 में बाबरी मस्जिद विध्वंस के चलते हिंसा भड़क गई। दोनों ही प्रकरणों में मुस्लिमों का पुलिस के साथ टकराव हुआ, जहां पर खाकी वर्दीधारियों को पक्षपाती सरकारी मशीनरी के नुमाइंदों की तरह देखा गया। हालांकि इस बार पुलिस के साथ-साथ मीडिया को भी नुकसान झेलना पड़ा। 1992-93 की हिंसा के जवाब में शिवसेना की अगुआई में उग्र प्रतिक्रिया दी गई, जिसने शहर को सांप्रदायिक आधार पर दोफाड़ कर दिया।

शुक्र है इस बार पुलिस ने सराहनीय ढंग से संयम दिखाया, जिससे स्थिति विस्फोटक होने से बच गई। 1992-93 में मुस्लिम समूहों द्वारा किए गए शुरुआती विरोध प्रदर्शन एक तरह से स्वस्फूर्त थे, जबकि 2012 में यह काम कहीं ज्यादा संगठित ढंग से किया गया। यह ज्यादा खतरनाक है। वहां पर अब कट्टरपंथी धार्मिक अल्पसंख्यक समूहों और उनके राजनीतिक रहनुमाओं के साथ-साथ अपराधी-आतंकी माफियाओं का घातक मेल तैयार हो गया है, जो सुरक्षा एजेंसियों के लिए कहीं ज्यादा चिंता की बात है।

1992-93 की हिंसा में अंडरवर्ल्ड ने नापाक भूमिका निभाई थी। आज २४ साल बाद इस्लामिक आतंकी संगठनों के साथ वहां कहीं ज्यादा घातक हथियार आ चुके हैंऔर कट्टरपंथी मुस्लिम समूह अब ज्यादा संगठित हैं ।

यह भी विडम्बना है कि मुंबई में वोट बैंक की राजनीति के चलते राजनीतिक दबदबा रखने वाले किसी भी अल्पसंख्यक नेता को हिंसा भड़काने का आरोपी नहीं बनाया जाता। आजाद मैदान की हिंसा के बाद मुट्ठीभर लोगों को गिरफ्तार किया गया, लेकिन इसके मास्टरमाइंड लोगों को बचाया जाता रहा इसी का नतीजा है कि सांप्रदायिक विभाजन की खाई लगातार चौड़ी होती जा रही है और शहर का धीरे-धीरे 'ध्रुवीकरण' हो रहा है। मीना मेनन की शोधपरक किताब 'रॉयट्स एंड आफ्टर इन मुंबई' में ऐसी कई घटनाओं का जिक्र है जो बताती हैं कि 1992-93 के दंगों के बाद किस तरह बड़े पैमाने पर विस्थापन हुआ और लोग मिश्रित आबादी वाले इलाकों से निकलकर सुरक्षा की तलाश में दूसरी जगह चले गए।

मुंबई में हमेशा से पृथक हिंदू व मुस्लिम इलाके रहे हैं, लेकिन अब इनकी सीमारेखाएं ज्यादा पुख्ता हो गई हैं और ध्रुवीकरण भी कहीं अधिक अपरिहार्य हो गया है। यहां तक कि झुग्गी-बस्तियों में, जहां कभी आर्थिक बंधनों ने धार्मिक वैमनस्य को कमजोर कर दिया था, वहां पर भी अब अदृश्य 'सीमाएं' नजर आने लगी हैं। एक लिहाज से आजाद मैदान की हिंसा महाराष्ट्र की तंद्रा तोड़ने के लिए एक और चेतावनी की घंटी रही है ।अब तो देश के हर प्रदेश को चेतने की व संभलने की जरुरत है क्युकि यह आग कुछ प्रदेशों में नहीं देश के हर शहर में फ़ैल रही है ।

भागवत का कहा मान लिया तो सत्ता और धार्मिक रोज़गार का क्या होगा ?

श्रवण गर्ग

मोहन भागवत जो कह रहे हैं वे अगर उसे हक़ीक़त में बदल कर दिखा दें तो दुनिया का सबसे बड़ा पुरस्कार 'नोबेल पीस प्राइज' उन्हें मिल जाएगा और संघ के नेतृत्व में एक अहम मसले पर विश्व में शांति स्थापित हो जाएगी। जो काम महात्मा गांधी अपनी शहादत के बावजूद पूरा नहीं कर सके बापू के धुर विरोधी संगठन राष्ट्रीय सेवक संघ के शिखर पुरुष अपनी आँखों के सामने होता हुआ देख लेंगे। मोदी और भागवत जब कभी कुछ बोलते हैं आत्माएं झकझोर देते हैं। उनके कहे के अनेक भाष्य होने लगते हैं। इसलिए दोनों से ही लोग उनके न चाहते हुए भी डर-डर कर रहते हैं। मोदी के कारण उनके राजनीतिक विरोधी और भागवत के कारण संघ की नज़रों के कथित 'विधर्मी'। राजनीतिक विरोधी मोदी का मुँह इसलिए ताकते रहते हैं कि प्रधानमंत्री अंग्रेज़ी भाषा के शब्दों की जादूगरी करके 'सबका विकास' का कौन सा नया जुमला जनता को सौंपने वाले हैं और, दूसरी ओर, संघ प्रमुख अल्पसंख्यकों के भारत में भविष्य को लेकर कार्यकर्ताओं को क्या नया मार्गदर्शन देने वाले हैं !

देश की मुस्लिम आबादी फतवों के लिए अब देवबंद की तरफ़ कम और नागपुर की तरफ़ ज़्यादा देखती है। अल्पसंख्यकों को यह भी लगता होगा कि उन्हें लेकर भाजपा और संघ के बीच शायद कोई कंपीटिशन चल रही है। भारत में उनके भविष्य पर दोनों आपस में साथ बैठकर कोई एक स्ट्रेटेजी नहीं तय कर पा रहे हैं। महाराष्ट्र विधानसभा का चुनाव संघ के नेतृत्व में 'कटेंगे तो बटेंगे' की थीम पर लड़ा गया था। योगी के नारे के पीछे संघ की सहमति थी। इसी बीच संभल भी हो गया। नागपुर में फडनवीस सरकार के गठन और मुंबई में विभागों के बंटवारे से फ्री होते ही संघ प्रमुख ने एक नया मंत्र हवा में उछाल कर न सिर्फ़ साधु-संत समाज और संघ-भाजपा के कार्यकर्ताओं के लिए संकट उपस्थित कर दिया, मुस्लिम अल्पसंख्यकों को भी नए सिरे से चिंतित कर दिया। दो साल पहले उत्पन्न हुए 'ज्ञानव्यापी' विवाद के बाद भागवत ने कहा था हर मस्जिद में शिवलिंग क्यों तलाशना चाहिए ? राममंदिर का काम पूरा हो गया है। हमें अब कोई आंदोलन नहीं करना चाहिए। क्या भागवत के कहे का कोई असर हुआ ? या सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के ज़रिये सत्ता की राजनीति करने वाले महत्वाकांक्षियों ने संघ को ही हाशिये पर डाल दिया ? ऐसा नहीं हुआ होता तो भागवत को हाल में दोहराना नहीं पड़ता कि राममंदिर निर्माण के बाद कुछ लोग सोचने लगे हैं कि अगर ऐसे ही विवाद नए स्थानों को लेकर उठाते रहेंगे तो वे हिंदुओं के नेता बन जाएँगे ! 'यह मंज़ूर नहीं'। भागवत का इशारा जिन भी 'लोगों' की तरफ़ रहा हो वे विपक्षी दलों के तो हरगिज़ ही नहीं हो सकते । तो फिर कौन हैं ? नाम लेकर साफ़-साफ़ बोलने से भागवत क्यों कतरा रहे हैं ?

दाएँ-बाएँ की राजनीति कब तक करते रहेंगे ? भागवत इस सच्चाई को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं होंगे कि सांप्रदायिक वैमनस्य के जिस 'जिन्न' को सत्ता-प्राप्ति के हथियार के रूप में इस्तेमाल करने के प्रति नागपुर का इतने सालों से मौन समर्थन रहा है वह वापस बोतल में वापस जाने को तैयार नहीं हैं। वह 'जिन्न' 2002 के गुजरात दंगों के बाद से मनचाही मुरादें पूरी करता रहा है। हक़ीक़त यह है कि वह 'जिन्न' अब अपनी जगह संघ को बोतल में बंद देखना चाहता है।

भागवत के कहे पर साधु-संत समाज की जो प्रतिक्रिया सामने आई है वह उदाहरण है और उसे लेकर संघ प्रमुख को चिंतित होना चाहिए। साधु-संत समाज की प्रतिक्रिया में संघ की भूमिका को लेकर वही कहा गया है जो लोकसभा चुनावों के दौरान जे पी नड्डा ने कहा था और जिसके बाद संघ-भाजपा के बीच तनाव बढ़ गया था। यानी संघ को लेकर भाजपा और साधु-संतों की धारणा अब एक-सी है। संतों के संगठन 'अखिल भारतीय संत समिति' ने भागवत के हाल के वक्तव्यों की आलोचना करते हुए कहा है कि धार्मिक मामलों में फ़ैसले धर्माचार्य ही लेंगे, संघ नहीं जो कि एक सांस्कृतिक संगठन है। समिति के महासचिव स्वामी जितेंद्रानन्द सरस्वती ने कहा है कि धर्माचार्य जो भी तय करेंगे उसे संघ और विश्व हिंदू परिषद स्वीकार करेंगे। समिति के हवाले से यह भी दावा किया गया है कि भागवत द्वारा अतीत में दिये गए इसी तरह के वक्तव्यों के बाद 56 नए स्थानों पर मंदिरों के अवशेषों की पहचान की गई है। समिति के कहे का सार यही समझा जा सकता है कि भागवत के कहे का कोई असर नहीं पड़ने वाला है और जो चल रहा है वही चलता रहेगा। पिछले दो-ढाई दशकों के दौरान विभिन्न राजनीतिक दलों और उनके शीर्ष संगठनों के झंडों तले हज़ारों-लाखों-करोड़ों कार्यकर्ताओं, प्रवचनकारों, साधु-संतों और अखाड़ों के पेड-अनपेड या सेल्फ-हेल्प समूह खड़े हो गए हैं। इन समूहों के लिए मंदिर-निर्माण और मंदिरों के अवशेषों आदि की तलाश करना अपने आपको लाभप्रद तरीक़ों से व्यस्त रखने का बड़ा संसाधन या उद्योग बन गया है।

भागवत का कहा अगर मान लिया गया तो देश में धार्मिक बेरोज़गारी की अराजकता मच जाएगी।कथित विधर्मियों के मर्मस्थलों पर प्रहार करके सत्ता-प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त करने वाले सेनानियों का अकाल पड़ जाएगा।

हिन्दुत्ववादी सरकारों के सामने अस्तित्व का संकट खड़ा हो जाएगा। भागवत के कहे को अगर प्रधानमंत्री का समर्थन नहीं प्राप्त होता है तो संघ-प्रमुख इतना भर तो कर ही सकते हैं कि वे अपने आप को सत्ता के सुरक्षा कवच से और कार्यकर्ताओं को चुनावी राजनीति से पूरी तरह अलग कर लें ! भाजपा को उसके अपने हाल पर छोड़ दें। प्रयोग के लिए दिल्ली और बिहार के चुनाव सामने खड़े हैं। भागवत क्या ऐसा कर पाएँगे ?

http://shravangarg1717.blogspot.com

'जीएसटी' को सरल और व्यावहारिक बनाना होगा

पिछले दशक के सबसे कठिन सुधारों में से एक राष्ट्रीय जीएसटी था, जिसे 2017 में लागू किया गया। इसने विभिन्न केंद्रीय और राज्यों के अप्रत्यक्ष करों की जगह ले ली। संसद के दोनों सदनों के अलावा हर राज्य की विधानसभा को भी जीएसटी विधेयक पारित करना था। इसके कारण लाखों व्यवसायों की पूरी टैक्स प्रणाली को बदलना पड़ा।

ऑनलाइन सिस्टम बनाना पड़ा। केंद्र और राज्यों के बीच राजस्व का विभाजन तय करना पड़ा। विपक्ष की आलोचना सहनी पड़ी। जनता का विश्वास जीतना भी जरूरी था। भारत जैसे देश के लिए यह एक धीमा और कठिन सुधार था।

शायद यही कारण है कि इसे भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार की प्रमुख उपलब्धियों में से एक माना जाता है। जीएसटी का बुनियादी मकसद यह था कि कर-व्यवस्था एक समान, सरलीकृत और बेकार की झंझटों से मुक्त हो।

और इसके बावजूद पिछले हफ्ते इंटरनेट पर कैरेमलाइज्ड-पॉपकॉर्न पर जीएसटी को लेकर मीम्स की धूम मची हुई थी। पता चला कि सादे या नमकीन पॉपकॉर्न पर 5% जीएसटी लगता है, लेकिन कैरेमलाइज्ड पर 18% टैक्स लगता है।

कारण? क्योंकि चीनी वाले स्नैक्स पर 18% जीएसटी लगता है, जबकि नमकीन स्नैक्स पर 5% ही लगता है। चूंकि कैरेमलाइज्ड-पॉपकॉर्न मीठा होता है, इसलिए आपको ज्यादा टैक्स देना पड़ता है। खुद देश की वित्त मंत्री को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस बात को स्पष्ट करना पड़ा।

कुछ महीने पहले, दक्षिण भारत की एक रेस्तरां-चेन के मालिक ने बताया था कि कैसे बन पर कम टैक्स लगता है, क्रीम पर कम टैक्स लगता है, लेकिन अगर क्रीम को बन पर लगाया जाए, तो दोनों पर ज्यादा टैक्स लगता है।

इसका नतीजा यह रहा कि उनके ग्राहक क्रीम और बन अलग-अलग मांगने लगे। यह बात मजाक में कही गई थी, लेकिन यह एक सच्चाई को भी दर्शाती है। यह कि चीजों को सरल बनाने के मकसद से किया गया जीएसटी समय के साथ और जटिल होता जा रहा है।

इस समस्या का मूल कारण नीति-निर्माताओं की मानसिकता है। वे हर चीज को नियंत्रित करने की अपनी इच्छा को नहीं छोड़ सकते, टैक्स में भी अपनी नैतिकता थोप सकते हैं, अतिरिक्त कर-राजस्व की हर बूंद निचोड़ने के लिए 'चतुर' नीतियां बना सकते हैं और जीएसटी के पीछे के इस व्यापक उद्देश्य को देख नहीं पाते कि उसे चीजों को सरल बनाने के लिए लाया गया था। अनेक टैक्स स्लैब, उपकरों और नीति-निर्माताओं के हाथों में अनियंत्रित शक्तियों वाला जटिल जीएसटी, जीएसटी सुधार न होने के बराबर है।

जीएसटी की शुरुआत के समय इसमें चार स्लैब थे : 5%, 12%, 18% और 28%। कुछ वस्तुओं को जीएसटी से छूट दी गई थी, जिससे उन पर 0% स्लैब जुड़ गया। ईंधन जैसी कुछ वस्तुओं को जीएसटी से बाहर रखा गया, जिन पर कर की दरें और अधिक थीं। इससे अतिरिक्त स्लैब बन गया।

इस प्रकार, हमने छह अलग-अलग जीएसटी दरों के साथ शुरुआत की। समय के साथ, कुछ उत्पादों (जैसे लग्जरी कारों) पर कई तरह के उपकर जोड़े गए, जिसका अर्थ है कि इन छह स्लैबों में और भी हेरफेर करके नीति-निर्माता अपनी इच्छानुसार जीएसटी दर तय कर सकते हैं।

कई स्लैब के साथ शुरुआत करने के पीछे जटिल व्यवस्था में सुधार का विचार था। लेकिन जैसे-जैसे हम 2025 के करीब पहुंच रहे हैं, हमें जीएसटी को और सरल बनाना चाहिए। इसे दो स्लैब से अधिक नहीं करना चाहिए और उपकरों को समाप्त कर देना चाहिए। तभी जीएसटी के वास्तविक लाभ महसूस किए जा सकते हैं।

लेकिन अभी तो हम मीठे बनाम नमकीन और उनकी कर-दरों पर बहस में ही उलझे हैं। वैसे, नमकीन स्नैक्स भी पाचन के दौरान शरीर द्वारा शुगर के रूप में ही टूटता है। तो क्या जीएसटी को स्नैक्स को हजम करने के बाद वाली शुगर पर भी टैक्स लगाना चाहिए?

पॉपकॉर्न और क्रीम बन्स ही भारत में अजीबोगरीब कर-वाली वस्तुएं नहीं हैं। झाड़ू पर 0% जीएसटी है, वैक्यूम क्लीनर पर 28% है। 1,000 से कम कीमत वाले जूतों पर 5% कर लगाया जाता है, इससे महंगे जूतों पर 18%। एसी रेस्तरां पर नॉन-एसी से अधिक कर लगाया जाता है।

इनमें से कई नीतियां उदारीकरण से पहले की इस मानसिकता से उपजी हैं कि जो चीज अच्छी, मजेदार, आरामदायक हो, उस पर टैक्स लगा दो। और अगर कोई चीज उच्च गुणवत्ता वाली है या सम्पन्न लोगों द्वारा उपयोग की जाती है तो उस पर और टैक्स लगाया जाना चाहिए। जबकि जीएसटी पहले ही एक परसेंटेज-बेस्ट टैक्स है, जो सुनिश्चित करता है कि ऊंची कीमतों वाले आइटम्स अधिक कर-भुगतान करेंगे।

चुनाव कैसे जीतें

गौरीशंकर दुबे

चुनाव जीतने के लिए हरदम किसी न किसी मुद्दे की जरूरत होती है । अलग-अलग राज्यों में अलग मुद्दे होते हैं। कहीं धर्म का मुद्दा मुख्य विषय होता है तो कहीं अन्य। वैसे अपने देश में मुद्दों की कोई कमी नहीं है। सबको अलग-अलग मुद्दे मिल जाते हैं। विकास का मुद्दा आज मुख्य है। कहीं कोई मुद्दा नहीं होता है। अपनी ईमानदार नीतियों से उन्हें सत्ता मिल जाती है। आज चुनाव कैसे जीते, यह प्रश्न नहीं रहता। चुनाव जीतने के अनेक आसान नुस्खे हैं। यदि आपको किसी बड़े दल की टिकट मिल गई है तो जीत निश्चित है। कुछ दल वाले टिकट वितरण को दलदल बनाने में पीछे नहीं रहते हैं। हर बार उनका मापदंड अलग-अलग होता है। चुनाव के पहले दल में लूट पाट, झंझट शुरू हो जाता है। कोई इसमें गया तो कोई उसमें। एक - दूसरे दलों में आवागमन शुरू हो जाता है। भाजपा वाले भाजपा का पटका पहनाकर स्वागत करते हैं , तो कांग्रेस वाले कांग्रेस का पटका पहनाकर फोटो खिंचवाते हैं। आयाराम- गया राम का दौर खत्म होते ही बैठकों मंत्रणाओं का दौर शुरू होता है। अब अपनी पार्टी के किसी बड़े नेता की अपने पक्ष में रैली करवा दो । पन्द्रह बीस गांव के लोग आने को ऐसे ही तैयार हो जायेंगे। बाकी के लिए लंच पैकेट की तैयारी कर लो। जितना ज्यादा प्रचार – प्रसार, जीत की संभावना उतनी अधिक रैली में भीड़ इकट्ठा करने में वह उतना ही सफल। प्रचार में पीछे नहीं रहना। प्रचार ही जीत का आधार है। प्रचार प्रसार से आपके ही क्षेत्र से नहीं बल्कि दूसरे चुनाव क्षेत्र के प्रत्याशी दल-बल सहित आपके कार्यक्रम को सफल बनाने आ जायेंगे। इसलिए तो खर्च करने में और न प्रचार में पीछे नहीं रहना चाहिए। इसी तरह चुनाव जीतने के लिए कोई न कोई नया नारा तैयार कर लो। आपको न मालूम हो तो अभी हाल में संपन्न विदेशी नारे का भारतीयकरण कर लो। समझो नैया पार है। न कोई छोटा, न बड़ा ,सब होंगे एक समान। न कोई गरीब न अमीर होंगे, सब एक समान। सुंदर राष्ट्र का है सपना, सबको गले लगाना। न कोई हिन्दू न मुसलमान ,सब होंगे एक समान। इसी तरह के नारे से बड़े बड़े चुनाव जीत जाते हैं। नारा बना लेना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि नारों का भी प्रचार प्रसार में योगदान होना चाहिए। नारों का दीवारों पर लेखन करवा देना, बैनर पोस्टर, चारों ओर आप ही आप नजर आओ. यह आपकी सफलता की गारंटी है। दूसरा कोई प्रत्याशी नजर नही आवे। चाहे गांव हो या शहर, प्रचार में कोई कोताही नहीं बरती जानी चाहिए। शहरी मतदाता के साथ- साथ गांव का मतदाता भी सम्मानित है। सभी मतदाता समान हैं। जनसंपर्क के दौरान प्रत्येक गांव के मुखिया , प्रधान या मंडल से मिलकर उस गांव का वोट आपके पक्ष ही पड़े, यह निश्चित कर लेना चाहिए। गांव वालों के लिए वनभोज का आयोजन चुनाव के बाद या पहले करवा देना चाहिए। मतदाता का झुकाव आपके ही प्रति हो। चुनाव जीतने के लिए यह अति आवश्यक है। जैसे शांत तालाब में एक पत्थर फेंकने से लहरें इस छोर से उस छोर पहुंच जाती है , वैसे ही चुनाव शब्द सुनते ही पूरे देश - प्रदेश में हलचल मच जाती है। ठीक उसी तरह जैसे परीक्षा शब्द से बच्चों एवं छात्रों में होती है। कितनी भी अच्छी तैयारी की हो, बच्चे परीक्षा कैसे पास करें, प्रत्याशी चुनाव कैसे जीते। भले ही कितना भी प्रचार - प्रसार किया हो , चढ़ावा चढ़ाया हो, चुनाव क्षेत्र में बंटवाया हो लेकिन विजय श्री का विश्वास नहीं होता। जैसे कितनी भी पढ़ाई या ट्यूशन करने के बाद परीक्षाफल के दिन एक छात्र की जो हालत होती है वैसे ही चुनाव परिणाम के दिन एक उम्मीदवार की होती है। परिणाम क्षण-क्षण में बदलते रहते हैं।

चुनाव जीतना भी एक कला से कम नहीं है। जो प्रत्याशी एक - दो बार चुनाव जीत जाता है , वह इस कला में पारंगत हो जाता है। कुछ प्रत्याशी स्वयं चुनाव जीतते हैं और चुनाव संचालन के कार्यक्रम को अपने हाथ में लेकर औरों को चुनाव जीताते हैं।

बुढ़ापे का दर्द

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

गांव के एक पुराने, लेकिन कभी चहल-पहल से भरे घर के बरामदे में दादा जी बैठे थे। उनकी गोद में एक पुरानी डायरी और हाथ में एक कलम। उम्र ने उनके बालों को सफेद और पीठ को थोड़ा झुका दिया था, लेकिन आंखों में अब भी वह चमक थी, जो अनुभव और किस्सों से आती है। घर में चहल-पहल थी—नाती-पोते खेल रहे थे, बहुएं रसोई में थीं, और बेटा काम पर जाने की तैयारी कर रहा था। पर दादा जी उस शोर से कटे हुए थे, जैसे रेडियो के पुराने बैंड पर बजने वाला बेसुरा गाना।"दादा जी, आप क्यों हर छोटी-बड़ी बात में टांग अड़ाते हैं?" 15 साल का अमन जोर से बोला। दादा जी ने चश्मा उतारा, मुस्कुराए और बोले, "बेटा, जब मैं तुम्हारी उम्र का था, तो मेरे पिता भी मेरी हर बात में टांग अड़ाते थे। तब मुझे भी यही लगता था कि वे बेवजह रोक-टोक करते हैं। लेकिन आज समझ आया कि वे मुझे बचा रहे थे। खैर, तुम तो समझदार हो, अपनी मर्जी करो।" अमन ने कानों पर हेडफोन चढ़ाए और चल दिया। दादा जी ने मन ही मन सोचा, शायद मेरी टांग अड़ाने की उम्र अब निकल गई है। दोपहर का वक्त था। दादा जी खाने की मेज पर बैठे। प्लेट में पराठा और सब्जी थी, पर टेबल पर दवाइयों की लंबी कतार। बहू ने पूछा, "दादा जी, दवाई ली?" "हां, बहू, सुबह का कैप्सूल लिया, अब पेट वाली गोली लेनी है। शाम को घुटने की दवा लूंगा। और अगर सब ठीक रहा, तो डॉक्टर को दिखाने भी जाऊंगा," दादा जी ने चुटकी ली। सब हंस पड़े, लेकिन दादा जी मन ही मन बोले, "कभी एक चाय थकान मिटा देती थी, अब चाय के साथ मेडिकल रिपोर्ट लगती है।" शाम को दादा जी ने सोचा कि नाती-पोतों को अपनी जवानी की कहानी सुनाई जाए। उन्होंने बच्चों को बुलाया, "अमन, कविता, आओ, तुम्हें अपनी शादी के वक्त की एक मजेदार बात सुनाऊं।" अमन ने कहा, "दादा जी, हमारे पास समय नहीं है। अभी गेम खेल रहे हैं।" कविता ने झूठा बहाना बनाया, "दादी बुला रही हैं।" दादा जी चुपचाप अपनी डायरी के पन्ने पलटने लगे। "हमारे सुनाने की चाह बढ़ती जा रही है, और सुनने वाले घटते जा रहे हैं," उन्होंने मन ही मन कहा। अगली सुबह दादा जी पार्क में टहलने गए। वहां उन्होंने एक पुराने दोस्त, मिश्रा जी, को देखा। "कैसे हो, मिश्रा जी?" "बस, जैसे सूखे पत्ते—पेड़ से गिरकर किसी कोने में पड़े हैं।" मिश्रा जी ने कहा। "हमारे बच्चे दौड़ रहे हैं, पर हमारे पास बैठने का वक्त नहीं," दादा जी ने गहरी सांस लेते हुए कहा। दोनों हंसते हुए बोले, "चलो, चाय पीते हैं। यही हमारा 'टी-20 मैच' है।"दोपहर में घर के कोने से दादा जी की आवाज़ आई। वह अपनी डायरी में लिख रहे थे। कविता ने झांककर देखा। "दादा जी, आप क्या लिख रहे हो?" "अपनी जिंदगी की कहानी। जब तुम बड़ी होगी, तो इसे पढ़कर मेरी आवाज सुन सकोगी।" कविता पास आई, "दादा जी, क्या मैं आपकी कहानी सुन सकती हूं?" दादा जी का चेहरा खिल उठा। उन्होंने कहानी सुनानी शुरू की, और कविता ने पूरे ध्यान से सुनी। "शायद बुढ़ापा तभी खूबसूरत बनता है, जब कोई तुम्हारी आवाज सुनने को तैयार हो।"

इन 3 जगहों पर ठहरती हैं मां लक्ष्मी घर बुलाने का उपाय

शास्त्रों में मां लक्ष्मी को धन की देवी कहा गया है। कहते हैं कि अगर किसी के पास अचानक रुपए-पैसे की तंगी हो जाए तो मां लक्ष्मी के पुत्रों के नाम पुकारने से वो खत्म हो जाती है। ज्योतिषी मानते हैं कि तीन स्थानों पर लक्ष्मी जी सदा निवास करती हैं। पहला स्थान वो है जहां विष्णु जी का अभिषेक दक्षिणावर्ती शंख से किया जाता है। दूसरा वो स्थान, जहां गणपति की आराधना की जाती है। और तीसरा वो स्थान जहां लक्ष्मी जी के 18 पुत्रों का नाम जपा जाता है।

क्या हैं मां लक्ष्मी के पुत्रों के नाम?

मां लक्षअमी के कुल 18 पुत्र हैं। जिनके नाम हैं- देवसखा, चिक्लीत, आनन्द, कर्दम, श्रीप्रद, जातवेद, अनुराग, सम्वाद, विजय, वल्लभ, मद, हर्ष, बल, तेज, दमक, सलिल, गुग्गुल, कुरूण्टक।

कैसे घर आएंगी महालक्ष्मी?

शुक्रवार की शाम को स्नान करके लाल या गुलाबी वस्त्र पहनें। पूजा स्थान पर एक चौकी पर लाल कपड़ा बिछाएं। उस पर केसर मिले चंदन से अष्टदल बनाएं एक मुट्ठी चावल रखें। फिर चावल पर जल से भरा कलश रखें। इसके पास हल्दी से कमल बनाएं। कलश के ऊपर मां लक्ष्मी की मूर्ति या प्रतिमा स्थापित करें। देवी के सामने श्रीयंत्र भी रखें, इसके अलावा सोने-चांदी के सिक्के, मिठाई और फल भी रखें। फिर कुमकुम, अक्षत और फूल चढ़ाते हुए मां लक्ष्मी के आठ रूपों की पूजा करें। पूजा करते हुए मां लक्ष्मी के आठ अलग-अलग मंत्रों का जाप करें

मां लक्ष्मी के 8 चमत्कार मंत्र

मां लक्ष्मी का पहला मंत्र- ॐ आद्यलक्ष्म्यै नमः।

मां लक्ष्मी का दूसरा मंत्र- ॐ विद्यालक्ष्म्यै नमः।

मां लक्ष्मी का तीसरा मंत्र- ॐ सौभाग्यलक्ष्म्यै नमः।

मां लक्ष्मी का चौथा मंत्र- ॐ अमृतलक्ष्म्यै नमः।

मां लक्ष्मी का पांचवां मंत्र- ॐ कामलक्ष्म्यै नमः।

मां लक्ष्मी का छठा मंत्र- ॐ सत्यलक्ष्म्यै नमः

मां लक्ष्मी का सातवां मंत्र- ॐ भोगलक्ष्म्यै नमः

मां लक्ष्मी का आठवां मंत्र- ॐ योगलक्ष्म्यै नमः।

अगर विरासत में धन पाना हो

शुक्रवार के दिन लक्ष्मी मां को गुलाबी फूल की माला अर्पित करें। इसके बाद घी का दीपक जलाकर लक्ष्मी जी की आरती करें। आपको आपकी विरासत का हिस्सा प्राप्त हो जाएगा।

अगर कर्ज लेने में मुश्किलें आ रही हों

शुक्रवार के दिन एक नीम की लकड़ी ले आएं। उसे पानी से धोकर साफ़ कर लें। इसके बाद शीशे के बर्तन में नमक मिले पानी में रख दें। आपको कर्ज आसानी से मिल जाएगा।

शकुनि की मृत्यु के बाद कहां गए उसके जादुई पासे

क्या हुआ उनका, कैसे सहदेव ने ज्योतिष नक्षत्र देख मारा उसे

ये सवाल अक्सर पूछा जाता है कि महाभारत में जब शकुनि की मृत्यु हुई तो हमेशा उसके पास रहने वाले जादुई पासों का क्या हुआ। कहा जाता है कि उन पासों में विश्वासघात और छल की एक खास ताकत भरी हुई थी। ये पासा उसने हड्डी से बनाए। ये हड्डी भी किसकी थी, वो एक राज है। कहा जाता है कि शकुनि ही वो शख्स था जिसके कारण पांडवों और कौरवों में ना केवल जबदस्त दुश्मनी हुई बल्कि युद्ध में भारी विनाश हुआ। युद्ध में शकुनि के मरने के बाद उसके पासे किसने पास गए। उनका क्या हुआ, ये एक रहस्य है। वैसे महाभारत में शकुनि की मृत्यु के बाद उसके कुख्यात पासों का बुरा हश्र हुआ। ये पासे उसने अपने पिता की हड्डी से बनाए थे। क्यों बनाए थे और कैसे जादुई होकर छल-विश्वासघात से भर गए, ये हम आगे बताएंगे। विभिन्न व्याख्याओं के अनुसार, इस पासों के जरिए ही उसने कुरु वंश के खिलाफ़ अपने परिवार द्वारा झेले गए कष्टों का बदला लेने की कोशिश की।

ग्रह-नक्षत्रों से गणना करके सहदेव ने की शकुनि की हत्या

कुरुक्षेत्र युद्ध के दौरान पांडव भाइयों में एक सहदेव ने शकुनि की हत्या कर दी। सहदेव ज्योतिष के प्रकांड विद्वान थे। उन्होंने ग्रह-नक्षत्रों की गणना करके पहले ही देख लिया था कि शकुनि का अंत कैसे हो सकता है। दुर्योधन के इस कपटी मामा के अंत को लेकर कृष्ण से लेकर युधिष्ठिर तक सभी चिंतित थे। तब सहदेव ने कहा था कि वह शकुनि को मारेंगे। उन्होंने फिर ऐसा करके दिखाया भी।

कैसे जादुई छल से भरे थे शकुनि से पासे

शकुनि के पासों के धोखे भरे खेल ने पांडवों को भारी नुकसान पहुंचाया था। महाभारत में कहा गया है कि शकुनि ने अपने पासों को जादू से अभिमंत्रित करके इसमें विश्वासघात की शक्ति और छल-कपट का प्रभाव भर दिया था। लेकिन ये प्रभाव उसकी मृत्यु के साथ ही खत्म हो गया। हां ये सवाल जरूर है कि इस पासों का फिर हुआ क्या, जिसे वह हमेशा अपने पास रखता था।

शकुनि के मरने के बाद कैसे नष्ट किया गया पासों को

माना ये जाता है कि शकुनि की मृत्यु के बाद उसके जादुई पासे नष्ट हो गए या खो गए। लेकिन हकीकत ये है कि इन पासों को नष्ट किया गया। फिर उसे नदी में बहा दिया गया। हालांकि ये भी कहा गया कि पहले इन पासों को तोड़ा गया फिर उसे शकुनि के साथ ही दफना दिया गया। हालांकि ये उत्सुकता का विषय है किस मनुष्य की हड्डी से शकुनि ने इस जादुई पासों को तैयार किया था।

किसकी हड्डी से बने थे पासे

कुछ संदर्भों के अनुसार, शकुनि ने ये पासे अपने पिता सुबाला की हड्डियों से बनाए थे। ये पासे कुरु वंश के विरुद्ध बदला लेने की योजना के तहत बनाए गए थे। दरअसल धृतराष्ट्र ने शकुनि के पिता और परिवार को कारावास में डालकर उनके खिलाफ अत्याचार किया था। पिता की हड्डी से पासा बनाने के बाद शकुनि ने जब इसे तंत्र-मंत्र से ताकत दी तो उससे पासों को एक भ्रामक शक्ति मिली, फिर शकुनि का पासा ऐसा हो गया कि उससे वह हर चौसर का गेम जीत लिया करता था।

शकुनि के प्रतिशोध के पीछे क्या कहानी

गांधार के राजकुमार शकुनि ने धृतराष्ट्र और कौरवों के कामों के कारण अपने परिवार के दुखद विनाश को देखा। उनके पिता सुबाला के साथ शकुनि और उनके भाइयों के साथ कैद कर लिया गया, जहां उन्हें भूख से मरना पड़ा। उन्हें खाने के लिए रोज केवल एक मुट्ठी चावल ही दिया जाता था। शकुनि के जीवित रहने को सुनिश्चित करने के लिए, सुबाला ने उसे अपना और बाकी बेटों का ये खाना देना शुरू किया। सभी मर गए और शकुनि ही जिंदा बचा रहा।

शकुनि के पिता क्यों चाहते थे कुरु वंश का विनाश

जब सुबाला मर रहे थे, तो उन्होंने शकुनि को कौरवों से उनके परिवार की पीड़ा का बदला लेने का निर्देश दिया। उन्होंने शकुनि से कहा कि वह उनकी हड्डियों का उपयोग करके ऐसा शक्तिशाली उपकरण बनाएं, जिससे कुरु वंश नष्ट हो सके। इसी के चलते शकुनि ने अपने पिता की हड्डियों से जादुई पासों की एक जोड़ी बनाई, जिसके बारे में कहा जाता था कि यह हमेशा भाग्य के खेल में उसके लिए अनुकूल परिणाम देता था। ये पासे शकुनि की चालाकी और धोखेबाज़ प्रकृति के प्रतीक बन गए।

कैसे चौसर के खेल में हारे युधिष्ठिर

जब दुर्योधन ने युधिष्ठर को चौसर खेलने के लिए बुलाया तो साजिश के तहत शकुनि ने चौसर का खेल युधिष्ठिर के खिलाफ खेला। उन पासों ने शकुनि की मनचाही मदद और युधिष्ठिर अपना राज्य, धन और सबकुछ हार गए। उन्होंने वनवास और अज्ञातवास पर जाना पड़ा। इस खेल के दौरान ही जब युधिष्ठिर हारने लगे तो उन्होंने द्रौपदी को भी दांव पर लगा दिया। हार गए तो द्रौपदी के साथ वस्त्रहरण के रूप में बदसलूकी हुई। इसने पांडवों को कौरवों के खिलाफ गुस्से से भर दिया।

कौन सा दर्द छिपा था शकुनि के अंदर

शकुनि को अक्सर एक चालाक और चालाक चरित्र के रूप में चित्रित किया जाता है। उसका कौरव भाइयों में सबसे बड़े अपने भतीजे दुर्योधन पर खासा प्रभाव था। अपने नकारात्मक चित्रण के बावजूद, शकुनि को एक दुखद व्यक्ति के रूप में भी देखा जाता है, जो बदला लेने की इच्छा और अपनी बहन के प्रति वफादारी से प्रेरित है।

अमीर बनने के लिए अपनाएं ये वास्तु टिप्स

वास्तु शास्त्र में घर में सकारात्मक ऊर्जा को बनाए रखने और आर्थिक संवृद्धि के लिए खास उपाय बताए गए हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश मुख्य द्वार से होता है। इसलिए मुख्य द्वार से जुड़े वास्तु दोष को कभी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। वास्तु शास्त्र के जानकार बताते हैं कि वास्तु के कुछ आसान उपाय आर्थिक संकट को दूर कर सकते हैं। आइए जानते हैं वास्तु के उन खास उपायों के बारे में।

स्वास्तिक चिह्न

घर के मुख्य द्वार पर अपने धर्म के मुताबिक, शुभ चिह्न लगाना अच्छा माना गया है। आप चाहें तो घर के मुख्य द्वार के दोनों तरफ स्वास्तिक का चिह्न लगा सकते हैं। यह शुभ प्रभाव देता है।

उत्तर-पूर्व दिशा

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में कभी भी उत्तर-पूर्व दिशा में भारी सामान नहीं रखना चाहिए। इसके अलावा इस दिशा में कबाड़ इत्यादि भी नहीं रखना चाहिए।

पूर्व दिशा की खिड़कियां

घर के उत्तर और पूर्व दिशा की खिड़कियों को खोलकर रखना चाहिए। इसके अलावा शनिवार के दिन स्टील के लोटे में जल लेकर और उसमें कच्चा दूध मिलाएं और फिर उसे पीपल के वृक्ष में अर्पित कर दें। ऐसा करने आर्थिक स्थिति अच्छी होती है।

पूजा-मंदिर

अगर बेडरूम में पूजा-मंदिर है तो उसे हटाकर पूर्व दिशा वाले कमरे में लगाएं। साथ ही घर से सभी सूखे फूल हटा दें। हर व्यक्ति को अपने घर का मंदिर ना दिखाएं।

पितरों की तस्वीर

घर के दक्षिण-पश्चिम दिशा की खिड़कियों पर पीले रंग का पर्दा लगाएं। इसके साथ ही पितरों की तस्वीर घर की दक्षिण दिशा में लगाएं।

बुद्ध ने लोगों से कहा, जागो समय निकल रहा है

गौतम बुद्ध की सीख – व्यक्ति अपनी बुद्धि के अनुसार ही सभी चीजों को समझता है

गौतम बुद्ध अधिकतर समय यात्राएं करते थे और यात्रा के बीच में जहां-जहां ठहरते थे, वहां भी अपने शिष्यों को और लोगों को उपदेश दिया करते थे। ऐसे एक बार जब वे प्रवचन दे रहे थे उन्होंने प्रवचन खत्म करते हुए कहा कि जागो, समय हाथ से निकला जा रहा है। इतना कह अपने प्रवचन खत्म कर दिए। प्रवचन खत्म करने के बाद गौतम बुद्ध ने अपने शिष्य आनंद से कहा कि चलो थोड़ा घूम आते हैं। आनंद तुरंत बुद्ध के साथ चल दिया। बुद्ध और आनंद दोनों ही प्रवचन स्थल के मुख्य द्वार तक पहुंचे और एक किनारे रुके और वहीं खड़े हो गए। प्रवचन सुनने के बाद लोग वहां से बाहर निकल रहे थे। इसलिए वहां भीड़ सी लग गई थी।

अचानक भीड़ में से एक महिला निकल कर आई और उसने गौतम बुद्ध ने कहा कि तथागत मैं एक नर्तकी हूं। आज एक सेठ के यहां मेरे नृत्य का कार्यक्रम है, लेकिन मैं ये भूल गई थी। आपने जब कहा कि समय निकला जा रहा है तो मुझे तुरंत याद आया कि मुझे कार्यक्रम में जाना है। आपकी वजह से मुझे ये बात याद आ गई, इसके लिए धन्यवाद। इतना बोलकर वह महिला वहां से चली गई।कुछ देर बाद एक व्यक्ति बुद्ध के पास पहुंचा। उसने कहा, तथागत मैं आपसे मेरा रहस्य नहीं छिपाऊंगा। मैं एक डकैत हूं, मैं भूल गया था कि आज मुझे एक जगह डाका डालने जाना है, आज आपका उपदेश सुनते ही मुझे अपनी योजना याद आ गई। इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

उस डकैत के जाने के बाद धीरे-धीरे चलता हुआ एक वृद्ध बुद्ध के पास पहुंचा। वृद्ध ने कहा कि तथागत, जीवनभर दुनिया की चीजों के पीछे भागता रहा। अब मौत का सामना करने का दिन नजदीक आता जा रहा है, अब मुझे लगता है कि सारा जीवन यूं ही बेकार हो गया। आपके उपदेश सुनकर मुझे मेरी गलतियां समझ आ गईं। अब मैं अपने सारे मोह छोड़कर सिर्फ आत्म कल्याण और परमात्मा का ध्यान करूंगा। इतना बोलकर वह भी चला गया।

गौतम बुद्ध की सीख

जब सभी लोग वहां से चले गए, तब बुद्ध ने आनंद से कहा कि मैंने तो प्रवचन में एक ही बात कही थी, लेकिन सभी ने उसे अपनी-अपनी बुद्धि के अनुसार समझा।

जिसकी जैसी बुद्धि होती है, वह वैसे ही बातों को समझता है। जिसकी झोली जितनी बड़ी होती है, वह उतना ही दान समेट पाता है।

हमें अपने कल्याण के लिए अपने मन की झोली में शुद्ध और पवित्र बनाना चाहिए, ताकि हम ज्यादा से ज्यादा अच्छी बातें अपने जीवन में उतार सके।

संजीवनी बूटी लाते वक्त इस मंदिर में रुके थे हनुमान जी, बंटता था अमृत वाला दूध

भगवान राम को खुश करने के लिए पहले हनुमान जी को प्रसन्न करना जरूरी माना जाता है। अगर आप भी भगवान हनुमान को खुश करना चाहते हैं तो यूपी के इस मंदिर में पूजा जरूर करें। यही वो मंदिर है जहां भगवान हनुमान संजीवनी बूटी लाते वक्त ठहरे थे। आपके सारे बिगड़े और रुके हुए काम इस मंदिर में पूजा करने के बाद बन जाएंगे।

उत्तर प्रदेश के गोंडा नगर उदासीन आश्रम हनुमान मंदिर स्थित है, जिसका इतिहास त्रेता युग से जुड़ा हुआ है। लोगों का कहना है कि संजीवनी ले जाते समय इस मंदिर पर हनुमान जी 2 मिनट रुक कर कामधेनु गाय के दूध का प्रसाद ग्रहण किया था।

त्रेता युग से जुड़ा हुआ है इतिहास

मंदिर के महंत रामजी दास बताते हैं कि यह मंदिर त्रेता युग से जुड़ा हुआ है। इस मंदिर में अयोध्या के राजा दशरथ का गौशाला हुआ करता था। महंत रामजी दास बताते हैं कि इस मंदिर का इतिहास काफी पुराना है, यह मंदिर त्रेता युग से जुड़ा हुआ है, इस मंदिर परिसर में अयोध्या के राजा दशरथ का दूध का भंडार हुआ करता था। इसी मंदिर से पर दूध इकट्ठा होकर अयोध्या भेजा जाता था।

क्या है कामधेनु गाय का इतिहास

मंदिर के महंत राम जी दास बताते हैं कि यहां पर कामधेनु गाय त्रेता युग में रहती थी, जिसका दूध अमृत के समान था। इस कामधेनु गाय का दूध लोगों को प्रसाद के रूप में दिया जाता था। यदि किसी को किसी भी प्रकार की समस्या होती थी तो वह दूर हो जाती थी। फिर धीरे-धीरे दूध का अमृत खत्म हो गया।

कुछ ऐसी है कहानी

महंत जी का कहना है कि कामधेनु के सपने में भगवान आकर बताते हैं कि हनुमान जी इसी रास्ते से संजीवनी लेकर लंका जा रहे हैं। यदि आप उनको यहां पर रोक लेती हैं तो आपका दूध फिर से अमृत समान हो जाएगा। फिर कामधेनु गाय ने हनुमान जी से प्रार्थना की और हनुमान जी ने यहां पर 2 मिनट रुक कर कामधेनु गाय के दूध का प्रसाद ग्रहण किया और संजीवनी को भी दोस्त से नहलाया और कामधेनु की गाय का दूध फिर कम करने लगा।

महाकुंभ में स्नान के बाद इस शक्तिपीठ के करें दर्शन यहां पालने के रूप में की जाती है माता की पूजा

महाकुंभ का मेला साल 2025 में प्रयागराज में लगेगा। इस दौरान करोड़ों की संख्या में भक्त प्रयागराज में पवित्र डुबकी लगाने आएंगे। दिव्य घाट में डुबकी लगाने के साथ ही कई ऐसे मंदिर भी हैं जिनका दर्शन भक्त कर सकते हैं। इन्हीं मंदिरों में से एक है उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में स्थित अलोप देवी का मंदिर। यह मंदिर शक्तिपीठों में से एक है और इसकी पहचान हिंदू धर्म में अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। इस मंदिर का नाम "अलोप" इस मान्यता पर आधारित है कि देवी मां का अंतिम अंग यहां पर "अलोप" यानि कि अदृश्य हो गया था। यानि माता सती का आखिरी अंग यहीं गिरा था, उसके बाद उनके शरीर का कोई भी हिस्सा भगवान शिव के पास नहीं था। आइए जानते हैं इस मंदिर का महत्व और कुछ प्रमुख बातों के बारे में।

शक्तिपीठ का हिस्सा है अलोपी देवी का मंदिर

मान्यता है कि जब माता सती का शरीर भगवान शिव के त्रिशूल पर था, तो उनके शरीर के अंग 51 अलग-अलग स्थानों पर गिरे। इनमें से प्रयागराज का यह स्थान भी शामिल है। मान्यताओं के अनुसार यहां माता का पंजा गिरा था और उनके शरीर पूरी तरह अदृश्य हो गया था। इस वजह से इसे "अलोपशंकरी" या "अलोप देवी" के नाम से जाना जाता है।

इस तरह होती है माता की पूजा

माता के इस अनूठे मंदिर में कोई प्रतिमा नहीं है। यहां एक पालकी (डोली) है जिसे माता का रूप मानकर श्रद्धालु उसकी पूजा करते हैं। यही बात इस मंदिर को माता के अन्य मंदिरों से अलग और अद्वितीय बनाती है।

कहां स्थित है मंदिर?

यह मंदिर प्रयागराज के त्रिवेणी संगम के निकट ही स्थित है। यहीं पर गंगा, यमुना और सरस्वती नदियों के संगम का स्थान भी है। संगम में स्नान करने के साथ ही इस मंदिर के दर्शन करने का भी बड़ा महत्व है। 2025 में कुंभ के दौरान अगर आप डुबकी लगाने वाले हैं तो उसके बाद माता के इस मंदिर में अवश्य जाएं। माना जाता है कि, पवित्र डुबकी के बाद यहां पर मांगी गई हर मुराद पूरी हो जाती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, माता अलोपी भक्तों के सभी कष्टों को दूर करने वाली हैं।

पालकी की पूजाः

अलोपी मंदिर में माता की मूर्ति नहीं बल्कि पालकी की पूजा होती है। इस पालकी को चमत्कारी माना जाता है। नवरात्रि के दौरान इस मंदिर में विशेष रौनक देखने को मिलती है। इसके साथ ही महाकुंभ के दौरान भी बड़ी संख्या में भक्त माती की पालकी को पूजने आते हैं। मात के इस मंदिर को सिर्फ शक्तिपीठ ही नहीं बल्कि प्रयागराज की धार्मिक धरोहर का भी अभिन्न अंग माना जाता है। यहां पूजन करने के लिए मंदिर सुबह से लेकर रात तक भक्तों के लिए खुला रहता है। मंगलवार और शुक्रवार के दिन अलोपी मंदिर में भक्तों की संख्या अन्य दिनों के मुकाबले अधिक रहती है।

शादी क्यों नहीं करना चाहतीं श्रुति हासन? अभिनेत्री ने आखिरकार कर दिया खुलासा

श्रुति हासन जल्द ही फिल्म 'कुली' में नजर आने वाली हैं। अपनी खूबसूरती से लाखों दिलों पर राज करने वाली श्रुति ने हाल ही में खुलासा किया है कि आखिर वह शादी क्यों नहीं करना चाहती हैं? श्रुति हासन अक्सर अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में बनी रहती हैं। उनसे शादी को लेकर हमेशा सवाल पूछे जाते हैं। अब अभिनेत्री ने आखिरकार इन सवालों का जवाब दे दिया है। उन्होंने हाल ही में यह साफ किया कि वह शादी के बजाय रिलेशनशिप में रहना पसंद करती हैं।

शादी क्यों नहीं कर रहीं श्रुति?

जब श्रुति से उनके शादी न करने के बयान के बारे में पूछा गया तो इस पर जवाब देते हुए उन्होंने अपनी स्थिति को फिर से स्पष्ट किया। श्रुति ने कहा, मुझे नहीं पता। मुझे रिलेशनशिप बहुत पसंद हैं और मुझे रोमांस भी पसंद है। मैं रिश्ते में रहना पसंद करती हूं, लेकिन किसी से इतना ज्यादा जुड़ना मुझे थोड़ा डराता है।

कई सफल शादी देखी, फिर भी नहीं बदला नजरिया

श्रुति ने यह भी कहा कि उनका शादी के प्रति यह दृष्टिकोण उनके व्यक्तिगत विश्वासों पर आधारित है, न कि किसी अतीत के अनुभवों पर। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने अपने दोस्तों के सफल विवाह देखे हैं, लेकिन इन सकारात्मक उदाहरणों के बावजूद उनका नजरिया नहीं बदला।

फैंस पूछ चुके हैं कई बार सवाल

यह पहली बार नहीं है जब श्रुति ने शादी पर बात की है। एक बार इंस्टाग्राम पर एक प्रशंसक ने उनसे शादी के प्लान के बारे में पूछा तो उन्होंने मजाक में जवाब देते हुए कहा था, यह सवाल पूछना बंद करें।

श्रुति ने कुछ समय पहले ही अपने बॉयफ्रेंड संतानु हजारिका से अपना रिश्ता समाप्त किया था। ऐसा कहा जाता था कि दोनों लिव-इन रिलेशनशिप में थे। वर्क फ्रंट की बात करें तो श्रुति जल्द ही 'कुली' फिल्म में रजनीकांत के साथ नजर आएंगी।

यह फिल्म लोकेश कनगराज निर्देशित कर रहे हैं। इसमें नागार्जुन अक्किनेनी, उपेन्द्र राव, सौबिन शाहिर प्रमुख भूमिकाओं में हैं। इसके अलावा उनके पास बहुप्रतीक्षित 'सालारः पार्ट 2 शौर्यंगा पर्वम' भी है, जिसमें प्रभास और पृथ्वीराज सुकुमारन अहम भूमिका में हैं।

फिल्म 'बरोज' के लिए मिल रही तारीफ से दमकीं कलीरॉय, परिवार संग क्रिसमस मनाने ग्रीस पहुंची

सिनेमा के दो कलाकारों की एक अनोखी प्रेम कहानी आपने शायद नहीं ही सुनी होगी। ये प्रेम कहानी है अभिनेता गुलशन देवैया और उनकी पत्नी कलीरॉय जियाफेटा की। दोनों दशक भर पहले मिले, तलाकशुदा हुए और अब फिर एक हो गए हैं। कलीरॉय जियाफेटा इस हफ्ते रिलीज हुई मलयालम फिल्म 'बरोज' की हीरोइन हैं। फिल्म हिंदी में भी डब होकर रिलीज हो रही है।

'ओमर्टा', 'बार्ड ऑफ ब्लड' और 'द एम्पायर' में काम करने के साथ साथ मैंने हिंदुस्तान के बारे में काफी कुछ जाना है। लेकिन, मेरी अपनी जन्मभूमि (एथेंस, ग्रीस) मुझे क्रिसमस और नया साल मनाने के लिए बुलाती रहती है और मैं वहीं जा भी रही हूं लेकिन मुझे अपनी कर्मभूमि मुंबई से भी बेहद प्यार है। मेरा परिवार दुनिया के तमाम अलग अलग देशों में हैं और हम सब क्रिसमस पर ही एक साथ एक जगह इकट्ठा होते हैं।

मेरी इस हफ्ते रिलीज हुई फिल्म 'बरोज' का निर्देशन मलयालम सिनेमा के महान अभिनेता मोहनलाल ने किया है। उनके साथ एक ही जगह पर खड़े होना ही अलग अनुभव है और फिर उनके निर्देशन में फिल्म करने की अनुभूति जैसी रही है, मैं बता नहीं सकती। फिल्म चूंकि एक फंतासी फिल्म है लिहाजा इसकी शूटिंग के दौरान हमें काल्पनिक किरदारों को अपने सामने होने की कल्पना करके ही अभिनय करना पड़ा।

मेरे किरदार का नाम इस फिल्म में टेरेसा डि गामा है। मुझे अक्सर एक पूरी तरह से भले इंसान का किरदार करने के मौके कम ही मिले हैं।

देखा जाए तो विदेशी कलाकारों के लिए विविधता लिए हुए किरदार लिखे भी भारतीय सिनेमा में कम ही जाते हैं। तो फिल्म 'बरोज' का ये किरदार एक ताजी हवा के झोंके जैसा आया और मैंने इसे तुरंत लपक लिया।

कॉस्ट्यूम्स यानी परिधान एक ऐसी चीज है, जिससे हर लड़की को प्यार होता ही है। बचपन में हमारे माता-पिता हमें बार्बी डॉल जैसा सजाते हैं, फिर बड़े होकर हम खुद किसी की प्रिंसेज होने का ख्वाब संजोते हैं। इस बार मुझे बड़े परदे पर ऐसा ही कुछ करने का मौका मिला और सजना, संवरना किस युवती को अच्छा नहीं लगता, खासकर त्यौहारी मौसम में।

पहले दिन ही 'बेबी जॉन' का हुआ बंटाधार ओरिजनल फिल्म 'थेरी' जितनी भी नहीं हुई कमाई

वरुण धवन की फिल्म 'बेबी जॉन' का दर्शकों को लंबे समय से इंतजार था, लेकिन यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर उम्मीदों के हिसाब से बिल्कुल भी नहीं चल पाई। क्रिसमस के खास मौके पर रिलीज होने के बावजूद फिल्म ने पहले दिन केवल 12.5 करोड़ का कलेक्शन किया। फिल्म के बजट के मुकाबले कमाई के ये आंकड़े निराश कर देने वाले हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार 'बेबी जॉन' का बजट लगभग 180 करोड़ के आसपास का है।

मुफासा-पुष्पा से भी रही पीछे

फिल्म की कमाई ने न केवल वरुण धवन के फैंस को निराश किया, बल्कि यह फिल्म अन्य बड़ी फिल्मों से भी पीछे रही। 'बेबी जॉन' ने जहां 'मुफासाः द लायन किंग' और 'पुष्पा 2' से कम कलेक्शन किया। वहीं यह मूल फिल्म तमिल फिल्म 'थेरी' को भी पछाड़ नहीं पाई।

ओरिजनल फिल्म से कम रहा कलेक्शन

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक साल 2016 में रिलीज हुई 'थेरी' ने केवल तमिल संस्करण में ही 13.1 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। एटली के निर्देशन में बनी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी।

रीमेक देखने नहीं पहुंचे दर्शक

'बेबी जॉन' के निर्माताओं को इस फिल्म से काफी ज्यादा उम्मीदें थीं, लेकिन इस फिल्म का पहले दिन का कलेक्शन इस ओर इशारा कर रहा है कि जिन फिल्मों के हिंदी डब पहले से ही इंटरनेट पर मौजूद हैं उन्हें देखने में दर्शकों को कोई दिलचस्पी नहीं है।

फिल्म पर गहराए संकट के बादल

पहले दिन के कलेक्शन के बाद अब यह सवाल उठ रहे हैं कि पहले सप्ताहांत में यह फिल्म सम्मानजनक कलेक्शन कर पाएगी भी या नहीं? फिल्म का बजट ज्यादा होने की वजह से अब इस पर संकट के बादल भी मंडराने लगे हैं।

'मैं आस-पास की महिलाओं के प्रति आकर्षित हो सकता हूं...,' बोनी कपूर के बयान ने बढ़ाई हलचल

बोनी कपूर हमेशा अपने पारिवारिक संबंधों के बारे में मुखर रहे हैं और अपने निजी जीवन के उतार-चढ़ाव के बारे में बात करने से कभी नहीं कतराते हैं। हाल ही में, निर्माता ने अपनी दिवंगत पत्नी और दिग्गज अभिनेत्री श्रीदेवी के प्रति अपने अटूट प्यार के बारे में बात की। उन्होंने कबूल किया कि वह अन्य महिलाओं के प्रति आकर्षित हो सकते हैं, लेकिन उनका प्यार और जुनून हमेशा उनकी दिवंगत पत्नी के लिए रहेगा।

बोनी कपूर ने किया श्रीदेवी को याद

एक हालिया इंटरव्यू में बोनी कपूर ने श्रीदेवी के साथ अपने सफर के बारे में बताया। फिल्म निर्माता ने उल्लेख किया कि यह उनके लिए सबसे बड़ी खुशी थी कि सबसे अधिक बिजी, चहेती और खूबसूरत दिखने वाली पहली महिला सुपरस्टार ने उन्हें पति के रूप में चुना। उन्होंने अपने बंधन को अटूट बताया और साझा किया कि श्रीदेवी उनके लिए सबकुछ थीं।

आखिरी सांस तक करूंगा प्यार- बोनी कपूर

अनिल कपूर ने स्वीकार किया कि वह अपने जीवन के आखिरी दिन तक श्रीदेवी से प्यार करते रहेंगे। उन्होंने उल्लेख किया कि उन्होंने कभी भी उन्हें धोखा नहीं दिया। फरवरी 2018 में उनके निधन के बाद भी श्रीदेवी के दिल में एक स्थायी स्थान रखती हैं। हालांकि, उन्होंने मानवीय भावनाओं की वास्तविकता पर चर्चा की।

बोनी कपूर ने दिया बड़ा बयान

बोनी कपूर ने स्वीकार किया, 'आज भी, मेरी (महिला) दोस्त हो सकती हैं। मैं अपने आस-पास की

महिलाओं के प्रति आकर्षित हो सकता हूं, लेकिन जहां तक उसका सवाल है, जुनून और प्यार कभी खत्म नहीं होगा।' बोनी ने यह भी कहा कि रिश्ते विकसित होते हैं, खासकर शादी में। उन्होंने साझा किया कि समय के साथ पार्टनर एक-दूसरे को जानने लगते हैं और ऐसा कुछ भी करने से बचते हैं जो उनके पार्टनर को नापसंद हो। उन्होंने उनका और उनकी दिवंगत पत्नी का उदाहरण दिया।

जोड़े की हैं दो बेटियां

बोनी कपूर ने कहा कि वह नॉर्थ इंडियन बैकग्राउंड से आते हैं, जबकि उनकी पत्नी श्रीदेवी साउथ इंडियन थीं।

अलग-अलग संस्कृतियों और मूल्यों के बावजूद, उन्होंने एक-दूसरे के बैकग्राउंड के बारे में अधिक जानने की कोशिश की और एक-दूसरे का सम्मान किया। बोनी कपूर ने 2 जून 1996 को शिरडी में एक निजी समारोह में श्रीदेवी से शादी की। हालांकि, उन्होंने अपनी शादी को तब सार्वजनिक किया जब श्रीदेवी प्रेग्नेंट थीं, और उन्होंने जनवरी 1997 में सार्वजनिक रूप से शादी कर ली। इस जोड़े की दो बेटियां जान्हवी कपूर खुशी कपूर हैं।

अक्षय के बाद अब कार्तिक आर्यन की होगी 'भूल भुलैया' से छुट्टी? समानांतर कहानी पर चल रहा काम

इस साल होली के तुरंत बाद जिस एक फिल्म के रंग सबसे ज्यादा हिंदी सिनेमा में बिखरने की उम्मीद दर्शकों को रही, वह फिल्म थी 'अर्जुन उस्तरा'। फिल्म 'चंदू चैंपियन' की रिलीज से पहले निर्माता साजिद नाडियाडवाला ने अपने चहीते कलाकार कार्तिक आर्यन के साथ ये तीसरी फिल्म बनाने का फैसला किया था लेकिन 'चंदू चैंपियन' ने जिस तरह साजिद के पैसे बॉक्स ऑफिस पर डुबोए, उसके बाद ही फिल्म 'अर्जुन उस्तरा' से कार्तिक की छुट्टी कर दी गई। सुनने में आया है कि टी सीरीज की फिल्म 'भूल भुलैया 4' भी बिना कार्तिक आर्यन के बन सकती है।

कार्तिक आर्यन बीते कुछ साल की तरह इस साल भी दिसंबर महीने में पुरस्कार बटोरने में लग गए हैं। उन्हें जो भी पुरस्कार मिल रहे हैं, उनकी खबरें वह अपने सोशल मीडिया पर चमकते चेहरे के साथ साझा कर रहे हैं। लेकिन, ऐसे हर कार्यक्रम से पहले कार्यक्रम आयोजकों और कार्तिक आर्यन की टीम के बीच जमने वाली जुगलबंदी की कहानियां खूब चटखारे लेकर लोग अब मुंबई में सुना रहे हैं।

फिल्म 'धमाका' को पूरी तरह नकार दिए जाने के बाद कार्तिक आर्यन के अभिनय की तारीफ सीधे ओटीटी पर रिलीज हुई उनकी दूसरी फिल्म 'फ्रेडी' को लेकर हुई थी। लेकिन, इसके बाद

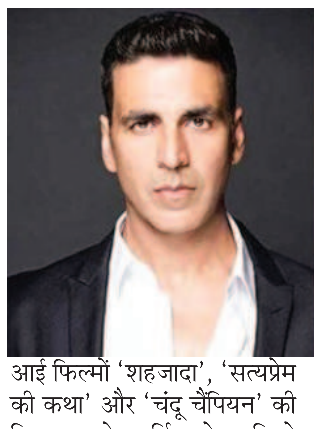

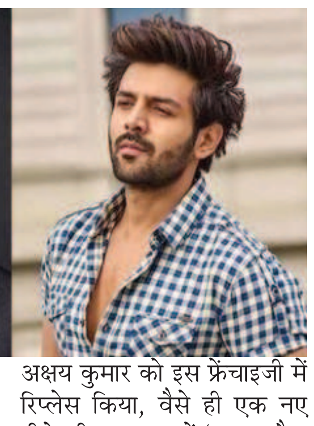

आई फिल्मों 'शहजादा', 'सत्यप्रेम की कथा' और 'चंदू चैंपियन' की विफलता ने कार्तिक के करिश्मे पर खूब पानी फेरा। फिल्म 'शहजादा' के लिए जब टी सीरीज ने उनकी मुंहमांगी रकम देने से इन्कार किया तो वह इस फिल्म के निर्माता भी बने। टी सीरीज की इसके पहले बनी फिल्म 'भूल भुलैया 2' के प्रचार के समय तब्बू के साथ कार्तिक की अनबन भी खूब चर्चा में रही।

और, अब बताते हैं कि फिल्म 'भूल भुलैया 3' की रिलीज और उसके बाद कार्तिक आर्यन और तृप्ति डिमरी के आपसी समीकरण इतने बिगड़े कि तृप्ति ने उनके साथ फिल्म 'आशिकी 3' में काम करने से ही मना कर दिया है। ये फिल्म वैसे तो अपने अदालती विवादों के चलते भले ही बने लेकिन टी सीरीज के भीतर चर्चा इस बात की भी है कि फिल्म 'भूल भुलैया 4' की एक कहानी बिना कार्तिक आर्यन के किरदार के भी तैयार हो रही है। जैसे कार्तिक ने अक्षय कुमार को इस फ्रेंचाइजी में रिप्लेस किया, वैसे ही एक नए हीरो की तलाश उन्हें 'भूल भुलैया 4' में रिप्लेस करने की अंदरखाने चल रही है।

'आशिकी 3' अब करीब करीब बंद हो चुकी फिल्म है। इसके पहले हंसल मेहता की फिल्म 'कैप्टन इंडिया' और करण जौहर की फिल्म 'दोस्ताना 2' भी बंद हो ही चुकी हैं।

जानकारी के मुताबिक कार्तिक आर्यन इन दिनों अपने फेवरिट निर्देशक लव रंजन के फिर से करीब होने की कोशिश कर रहे हैं। कार्तिक चाहते हैं कि उनकी फ्रेंचाइजी 'प्यार का पंचनामा' का नया सीक्वेल लव रंजन बनाएं और वो मुमकिन न हो तो 'सोनू के टीटू की स्वीटी' का सीक्वेल तो बन ही सकता है। लेकिन, 'सोनू के टीटू की स्वीटी' के समय जिन सस्ते होटलों में कार्तिक रुका करते थे, उनसे वह अब मीलों दूर निकल आए हैं, लौट कर वह उसी माहौल में जा पाएंगे या नहीं इसी पर इस फिल्म का सीक्वल टिका है।

विवादों के बीच अल्लू अर्जुन ने किया पोस्ट : पुष्पा 2 की तारीफ के लिए यशराज फिल्म्स का जताया आभार

अल्लू अर्जुन इन दिनों अपनी फिल्म पुष्पा 2 को लेकर सुर्खियों में हैं। इसी बीच उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने यशराज फिल्म्स के प्रति अपना आभार जताया। दरअसल, यशराज फिल्म्स ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए फिल्म की तारीफ की थी।

यशराज फिल्म्स ने अपनी पोस्ट में लिखा, 'रिकॉर्ड टूटने के लिए ही बनते हैं और नए रिकॉर्ड्स हर किसी को बेहतर काम करने के लिए प्रेरित करते हैं। इतिहास को फिर से लिखने के लिए पुष्पा 2 की टीम को बधाई। फायर नहीं, वाइल्ड फायर।'

अल्लू अर्जुन ने इस पोस्ट का जवाब देते हुए लिखा, 'धन्यवाद... बहुत सुंदर। आपकी शुभकामनाओं का आभारी हूं। उम्मीद है कि यह रिकॉर्ड जल्द ही एक दिल छू लेने वाली YRF फिल्म तोड़ देगी और हम सभी एक साथ आगे बढ़ेंगे।'

'पुष्पा 2' की रिलीज के बाद से विवादों में हैं अल्लू अर्जुन

अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा 2 जहां कमाई के मामले में सभी रिकॉर्ड्स तोड़ रही है, तो दूसरी ओर 4 दिसंबर को हैदराबाद में पुष्पा 2 के प्रीमियर के दौरान भगदड़ में एक महिला की मौत हो गई थी, जिसके बाद से ही एक्टर के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इसके अलावा, हाल ही में उनके घर के बाहर तोड़फोड़ भी हुई थी।

वहीं, अल्लू अर्जुन से मंगलवार, 24 दिसंबर को करीब 3 घंटे से ज्यादा पूछताछ की गई। हैदराबाद सेंट्रल जोन डीसीपी के नेतृत्व वाली टीम ने एक्टर से सवाल किए।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, अल्लू अर्जुन से पूछा गया कि क्या वे घटनास्थल पर मौजूद थे और उन्होंने हालात को कैसे संभाला। इस पर उन्होंने कहा, मुझे महिला की मौत की जानकारी अगले दिन मिली।

अनुराग कश्यप ने की मलयालम सिनेमा की तारीफ : बोले- वहां स्टार सिस्टम नहीं होता है, बॉलीवुड के एक्टर्स को बताया घमंडी

प्रोड्यूसर-डायरेक्टर अनुराग कश्यप बतौर एक्टर मलयालम सिनेमा में फिल्म 'राइफल क्लब' से कदम रख रहे हैं। हाल ही में यह फिल्म रिलीज हुई है, जिसमें अनुराग कश्यप के लुक और किरदार की काफी तारीफ हो रही है। एक इंटरव्यू के दौरान अनुराग ने बताया कि उन्हें मलयालम सिनेमा से बहुत प्यार है। बॉलीवुड की तुलना में उन्होंने मलयालम सिनेमा को बेहतर बताया।

इंटरव्यू के दौरान अनुराग कश्यप ने मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में अपने काम करने के अनुभव शेयर किए। उन्होंने कहा- मैं 'राइफल क्लब' में काम करने के लिए काफी उत्साहित था। जब डायरेक्टर आशिक अबू ने फिल्म की अनाउंसमेंट की थी तो मैं खुद उनके इंस्टाग्राम पेज पर गया और उनके पोस्ट पर लिखा था कि क्या आपको हिंदी भाषी एक्टर चाहिए? इस तरह से मैं इस फिल्म का हिस्सा बना और आज इसे कर बहुत खुश हूं।

अनुराग कश्यप ने मलयालम फिल्म इंडस्ट्री की बॉलीवुड से तुलना करते हुए मलयालम फिल्म इंडस्ट्री को बॉलीवुड से बेहतर बताया है। उन्होंने बॉलीवुड पर कटाक्ष करते हुए कहा कि मलयालम फिल्मों में स्टार सिस्टम नहीं होता है। अलग से किसी स्टार्स के लिए वैनिटी वैन नहीं आती है। सभी एक साथ घुल मिल कर रहते हैं। जबकि बॉलीवुड में एक स्टार खुद को अलग समझता है और बाकी लोगों से अलग-थलग रहता है। वह अपने घमंड में रहता है।

बता दें कि हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अनुराग कश्यप ने बॉलीवुड में स्टार्स के बढ़ते फीस और वैनिटी वैन के कल्चर पर बात की थी। अनुराग कश्यप ने कहा था- बॉलीवुड में जिस तरह से स्टार्स के फीस बढ़ रहे हैं, उससे फिल्म का बजट काफी बढ़ जाता है। इसके अलावा उनकी सबसे खराब डिमांड यह होती है कि उनका शेफ खाना बनाएगा। जो रोजाना बनाने के लिए 2 लाख रुपए लेता है। कुछ एक्टर्स के पास 5 वैनिटी वैन होती हैं। जिसमें जिमिंग, कुकिंग, खाने, नहाने और लाइन प्रैक्टिस करने के लिए अलग होता है। ये पागलपन है। कोई पागल ही होगा, जो 5 वैनिटी वैन लेकर चलता है।

'नई पीढ़ी कॉन्फिडेंस के साथ काम करती है' : एक्टर-राइटर अतुल कुलकर्णी ने यंग एक्टर्स की तारीफ की

एक्टर अतुल कुलकर्णी इन दिनों वेब सीरीज 'बंदिश बैंडिट्स' के सीजन 2 में नजर आ रहे हैं। इस सीरीज में उनके अलावा ऋत्विक भौमिक, तमन्ना शर्मा, यशस्विनी दयामा, रोहन गुरबक्सानी जैसे कई उभरते एक्टर्स भी शामिल हैं।

अतुल ने नई पीढ़ी के एक्टर्स के साथ काम करने के अनुभव पर बात की। साथ ही उन्होंने बताया कि सीजन 1 को कोरोना के कारण ठीक से प्रमोट नहीं किया जा सका। हालांकि, अब सीजन 2 के प्रमोशन में काफी दिलचस्पी है।

अतुल ने बताया, 'चार साल पहले, कोरोना की वजह से सीजन 1 को हम अच्छे से प्रमोट नहीं कर पाए थे। लेकिन अब सीजन 2 के साथ हम इस पूरे प्रोसेस को एन्जॉय कर रहे हैं। मुझे लगता है कि हम जब नाटक करते थे, तब भी ऐसा ही होता था, हम दिन में 11-12 शो कर लेते थे। आज हम उसी तरह से प्रमोट भी कर रहे हैं। मुझे बहुत खुशी होती है जब अपना काम लोगों तक पहुंचता है। इस दौरान यह बताने का मौका मिलता है कि मैंने कितनी मेहनत की है और किस तरह से तैयारी की है। यह वो प्रोसेस है जिसे मैं हमेशा एन्जॉय करता हूं।'

एक्टर ने आगे यह भी कहा कि आजकल की यंग जेनरेशन बहुत स्मार्ट है। उन्होंने बताया, 'नई पीढ़ी हमसे कहीं ज्यादा जानती है और उनमें कॉन्फिडेंस है। वो बहुत जल्दी काम को कर जाते हैं, जो हमें शुरूआत में बहुत मुश्किल लगता था। हमारी जेनरेशन में 'इंफीरियॉरिटी कॉम्प्लेक्स' था। जबकि यंग जेनरेशन में जो 'इक्वलिटी कॉम्प्लेक्स' है, वो बहुत जरूरी है। हमारे समय में बड़ों के सामने हमेशा खड़े होकर बात करने का तरीका था, लेकिन अब नई पीढ़ी अपनी सोच और कॉन्फिडेंस के साथ काम करती है। अगर सीखना है तो हमेशा यंग जेनरेशन से ही सीखना चाहिए।'

जब उनसे पूछा गया कि क्या वह यंग एक्टर्स को सेट पर कुछ सलाह देते हैं, तो उन्होंने खुलकर कहा, 'सच कहूं तो मैं खुद को कभी सलाह नहीं देता। जो सलाह हमें सीनियर एक्टर्स से मिलती थी, वो अब हम यंग जेनरेशन को नहीं देते। फिर उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, 'सेट पर ऋत्विक बहुत सलाह देता है, सच कहूं तो उसकी सलाह से मैं थक चुका हूं।'

कथित बॉयफ्रेंड शिखर संग पार्टी करती दिखीं जान्हवी, वेदांग संग दिखीं खुशी

जान्हवी कपूर और शिखर पहाड़िया जब भी पब्लिक प्लेस पर प्रशंसकों के सामने आते हैं उनका दिल जीत लेते हैं। दोनों को एक साथ देखकर प्रशंसक हमेशा ही खुश नजर आते हैं। प्रशंसकों की इस खुशी को ओरी ने और भी बढ़ा दिया है। ओरी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर जान्हवी और शिखर की कई शानदार तस्वीरें शेयर की हैं, जिन्हें देखकर उनके प्रशंसक बेहद खुश हैं।

ऑरी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर कुछ बेहद ही खास तस्वीरें शेयर की हैं। इसमें जान्हवी कपूर, ऑरी, वेदांग रैना और खुशी कपूर नजर आए। वे एक बड़े और खूबसूरती से सजाए गए क्रिसमस ट्री के इर्द-गिर्द सोलो शॉट्स में बीट्स मैच करते दिखाई दिए।

जान्हवी कपूर ने भी एक तस्वीर में शिखर के साथ पोज दिया। फर डिटेलिंग वाली डेनिम

जैकेट, सफेद टी-शर्ट और जींस में जान्हवी बेहद खूबसूरत दिख रही हैं। वहीं, शिखर भी कुछ कम हैंडसम नहीं दिख रहे हैं।

काम की बात करें तो जानहवी कपूर बॉलीवुड अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ पहली बार किसी रोमांटिक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'परम सुंदरी' में स्क्रीन स्पेस शेयर करती नजर आएंगी।

हाल ही में फिल्म निर्माताओं ने परम सुंदरी का मोशन पोस्टर शेयर किया है, जिसने सभी प्रशंसकों को क्रिसमस के मौके पर बहुत बड़ा सरप्राइज दिया है। रिलीज की तारीख की भी घोषणा भी की जा चुकी है। यह फिल्म 25 जुलाई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सिद्धार्थ और जान्हवी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर मोशन पोस्टर शेयर किया और लिखा, नॉर्थ का स्वैग, साउथ की ग्रेस- दो दुनियाएं टकराती हैं और चिंगारी उड़ती हैं।

दिनेश विजन प्रस्तुत परमसुंदरी, तुषार जलोटा द्वारा निर्देशित एक प्रेम कहानी, जो 25 जुलाई 2025 को सिनेमाघरों में आ रही है। परम के रूप में सौम्य सिद्धार्थ मल्होत्रा और सुंदरी के रूप में जीवंत जान्हवी कपूर से मिलें।

'कृष 4' के प्रशंसकों के लिए आई बड़ी खबर बताया कब शूटिंग शुरू करेंगे ऋतिक रोशन?

'कृष' फ्रेंचाइजी की चौथी किस्त का इंतजार दर्शकों को लंबे समय से है। बीते साल से ही फिल्म से जुड़े कई अपडेट प्रशंसकों का उत्साह बढ़ा रहे हैं। ऋतिक रोशन अभिनीत 'कृष 4' को लेकर सामने आई नई रिपोर्ट खुश करने वाली है। आइए जान लेते हैं कि अभिनेता अपनी इस बहुप्रतीक्षित फिल्म की शूटिंग कब शुरू करेंगे-

कब शुरू होगी 'कृष 4' की शूटिंग?

जानकारी के मुताबिक, बॉलीवुड सुपरस्टार ऋतिक रोशन 2025 की गर्मियों में 'कृष 4' की शूटिंग शुरू करेंगे। यह खबर 2013 में 'कृष 3' की रिलीज के एक दशक बाद आई है। 'कृष 4' के लिए ऋतिक रोशन अपने पिता और निर्माता राकेश रोशन और निर्देशक करण मल्होत्रा के साथ सहयोग करेंगे।

'वॉर 2' की शूटिंग में व्यस्त हैं ऋतिक रोशन

'कृष 4' से पहले, ऋतिक रोशन, जूनियर एनटीआर के साथ

'वॉर 2' की शूटिंग में व्यस्त हैं। अयान मुखर्जी के निर्देशन में बन रही ये फिल्म अप्रैल 2025 तक पूरी हो जाएगी। अयान ने आखिरी चरण के लिए कुछ महत्वपूर्ण एक्शन सीक्वेंस बचाए हैं। अयान यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि एक्शन सेट-पीस 2019 की ओरिजनल फिल्म में प्रदर्शित किए गए सीन से आगे निकल जाए।

13 साल बाद साथ आएंगे करण मल्होत्रा-ऋतिक रोशन

'वॉर 2' का अप्रैल का शेड्यूल लड़ाई और स्टंट के लिए समर्पित होगा जिसके बाद जासूसी थ्रिलर की शूटिंग पूरी हो जाएगी। 'वॉर 2' खत्म करने के बाद ऋतिक रोशन अपना ध्यान 'कृष 4' पर लगाएंगे। 'अग्निपथ' (2012) में साथ काम करने के 13 साल बाद करण मल्होत्रा के साथ यह उनका पुनर्मिलन होगा।

'कृष 4' पर अधिक अपडेट का इंतजार

करण मल्होत्रा दो साल से अधिक समय से राकेश रोशन के साथ स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं। इसमें ऋतिक रोशन भी रचनात्मक प्रक्रिया में शामिल हैं। शूटिंग मुंबई और यूरोप के कुछ हिस्सों में होगी। फिल्म से जुड़ी अधिक जानकारी आने वाले दिनों में आने की उम्मीद है।

साल 2024 में सिनेमा में चला इनका सिक्का अगले साल भी क्या बरकरार रहेगी चमक?

इस साल श्रद्धा कपूर, करीना कपूर, तृप्ति, डिमरी और रश्मिका मंदाना ने जैसी बॉलीवुड और साउथ की एक्ट्रेसेस ने एंटरटेनिंग, हिट फिल्में दी हैं। इनके नाम को देखकर दर्शक थिएटर तक चले आए। आने वाले साल में भी ये एक्ट्रेसेस अलग-अलग जॉनर की फिल्में करेंगी। जानिए, इन एक्ट्रेसेस की अगले साल के फिल्म प्रोजेक्ट्स के बारे में।

श्रद्धा कपूर

इस साल श्रद्धा कपूर की फिल्म 'स्त्री 2' ने बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया। यह मल्टीस्टारर फिल्म थी, इसके बावजूद श्रद्धा के अभिनय की खूब चर्चा हुई। आने वाले साल में भी श्रद्धा के खाते में कई बड़ी फिल्में हैं। अगले साल फिल्म स्त्री 3 भी रिलीज हो सकती है। फिल्म के डायरेक्टर, राइटर कहानी लिख चुके हैं और श्रद्धा भी इस फिल्म का हिस्सा बनने को तैयार हैं।

तृप्ति डिमरी

'एनिमल' फिल्म से चर्चा में आई तृप्ति डिमरी की इस साल तीन फिल्में रिलीज हुई, 'बैड न्यूज' और 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' और 'भूल भुलैया 3' हैं। तीनों ही फिल्मों को अच्छा रेस्पॉन्स मिला। साथ ही तृप्ति इस साल मोस्ट सर्च एक्ट्रेस की लिस्ट में भी शामिल हुई। अगले साल भी तृप्ति फिल्म 'धड़क 2' में नजर आएंगी। उम्मीद है कि दर्शकों को उनकी यह फिल्म भी पसंद आएगी।

करीना कपूर

करीना कपूर इस साल फिल्म 'क्रू' और 'सिंघम अगेन' का हिस्सा बनीं। फिल्म 'क्रू' वूमेन सेंट्रिक फिल्म रही, वहीं सिंघम फ्रेंचाइज की फिल्म 'सिंघम अगेन' में उन्होंने अजय देवगन की पत्नी का ही रोल किया। दोनों फिल्मों में करीना ने अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीता। अगले साल भी करीना कपूर खान कुछ फिल्मों में नजर आएंगी, इनमें से एक फिल्म 'दायरा' भी है।

रश्मिका मंदाना

फिल्म 'पुष्पा 2' के कारण रश्मिका मंदाना अब तक चर्चा में बनी हुईं है। अगले साल फरवरी में उनकी विजयदेवरकोंडा के साथ एक फिल्म 'गर्लफ्रेंड' भी रिलीज होगी। इसके अलावा रश्मिका बॉलीवुड फिल्मों का भी हिस्सा अगले साल बनेंगी। फिल्म 'कॉकटेल 2' के लिए उनका नाम फाइनल हो चुका है।

पाकिस्तानी अभिनेत्री हानिया आमिर का अमेरिकी कार्यक्रम में अपमान बीच में छोड़ी फैन मीट

जानी-मानी पाकिस्तानी अभिनेत्री हानिया आमिर ने हाल ही में डलास में मंच के पीछे हुए विवाद को संबोधित किया, जिसके कारण उन्हें एक फैन मीट कार्यक्रम से अचानक प्रस्थान करना पड़ा, जिससे उनके प्रशंसक निराश हो गए। इस घटना ने सोशल मीडिया पर नई-नई अटकलों को जन्म दिया। कई प्रशंसकों ने फैन मीट को छोड़ने के लिए हानिया की आलोचना की। जवाब में, अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा किया। इसमें उन्होंने अपने समर्थकों का आभार व्यक्त किया और मामले पर अपनी सफाई दी।

हानिया आमिर को देनी पड़ी सफाई

हानिया ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर परिस्थितियों को समझाते हुए लिखा, 'मैं आप सबसे बहुत प्यार करती हूं, लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इसे इतने अचानक में खत्म करना पड़ा।' उन्होंने खुलासा किया कि प्रशंसकों के साथ तस्वीरें लेने के बाद मंच पर जाते समय उन्होंने एक व्यक्ति को उनके मैनेजर को गाली देते हुए सुना। परेशान होकर उन्होंने ऑर्गेनाइजर से कहा, 'आप उससे इस तरह बात नहीं कर सकते।'

प्रशंसकों से मांगी माफी

हालांकि, स्थिति तब बिगड़ गई जब ऑर्गेनाइजर ने उन्हें नाम से पुकारना शुरू कर दिया और सुरक्षा प्रोटोकॉल भी रद्द कर दिया। हानिया और उनकी टीम को आखिरकार प्रमोटर आरिफ खान के जरिए

कार्यक्रम स्थल से बाहर ले जाया गया, जिन्होंने होटल में उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की।

हानिया ने कहा, 'सबसे पहले, आपकी स्थिति चाहे जो भी हो, बड़ी या छोटी, यह आपको किसी का अनादर करने का कोई अधिकार नहीं देती है।' उन्होंने घटना के कारण हुई असुविधा के लिए प्रशंसकों से माफी मांगते हुए अपनी पोस्ट समाप्त की।

फहाद की प्रतिक्रिया का इंतजार

हानिया का यह पोस्ट तब आया है जब कई प्रशंसकों ने अभिनेताओं के अचानक कार्यक्रम स्थल से चले जाने के बाद सोशल मीडिया पर अपनी निराशा व्यक्त की। फहाद ने अभी तक इस मुद्दे पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। हानिया और फहाद दोनों को पाकिस्तानी नाटक 'कभी मैं कभी तुम' में शारजीना और मुस्तफा के रूप में उनके प्रदर्शन के लिए दुनिया भर से अपार प्यार मिल रहा है।

सोनू सूद को मिल चुके हैं सीएम सहित कई बड़े राजनीतिक पदों के ऑफर, इस वजह से अभिनेता ने कर दिया इनकार

सोनू सूद अपने नेक कामों की वजह से नेशनल हीरो बन चुके हैं। दिन हो या रात जरूरतमंदों की मदद के लिए वे हमेशा तैयार रहते हैं। साल 2020 में कोविड लॉकडाउन के दौरान उन्होंने प्रवासी श्रमिकों की मदद की। इतना ही नहीं, उस मुश्किल वक्त में देश-दुनिया में फंसे लोगों की मदद के लिए अभिनेता ने अपनी प्रॉपर्टी तक गिरवी रख दी थी। हाल ही में सोनू सूद ने खुलासा किया है कि उन्हें राजनीति में आने के लिए प्रस्ताव मिल चुके हैं। मगर, खुद उन्होंने ही इसके लिए इनकार कर दिया।

कई बढ़िया राजनीतिक पदों का मिला प्रस्ताव

अभिनेता सोनू सूद ने हाल ही में खुलासा किया कि उन्हें मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री तक बनने के ऑफर मिल चुके हैं। हाल में ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे के साथ बातचीत में सोनू सूद ने जिक्र किया कि उन्हें पॉलिटिक्स में आने के लिए कई बढ़िया पेशकश हुई हैं। सीएम और डिप्टी सीएम के ऑफर के अलावा उन्हें राज्यसभा में भी सीट का भी प्रस्ताव पेश किया गया। लेकिन, उन्होंने साफ इनकार कर दिया। इसकी वजह भी उन्होंने बताई है।

बोले- यह जिंदगी का रोमांचक दौर है

सोनू सूद ने खुलासा किया कि उनसे कई बड़े और महत्वपूर्ण राजनीतिक पदों के लिए संपर्क किया गया। एक्टर ने कहा, 'मुझे मुख्यमंत्री का पद ऑफर किया गया है। जब मैंने मना कर दिया, तो उन्होंने कहा, 'तो फिर उपमुख्यमंत्री बन जाओ'। ये देश के बहुत प्रभावशाली लोग थे जिन्होंने मुझे राज्यसभा में सीट देने की भी पेशकश की। उन्होंने मुझसे कहा,

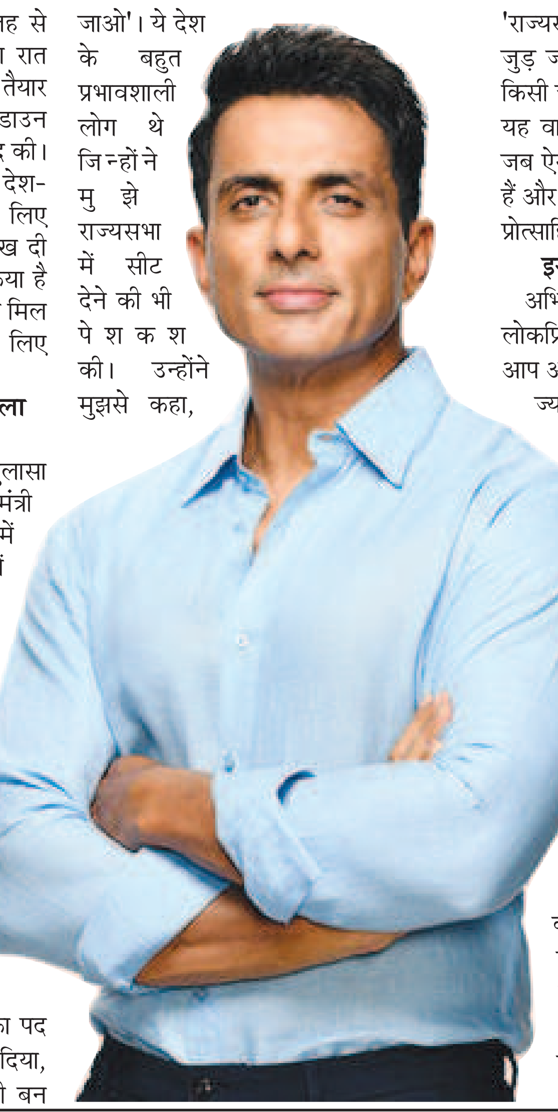

'राज्यसभा की सदस्यता ले लो। हमारे साथ जुड़ जाओ। तुम्हें राजनीति में आने के लिए किसी चीज के लिए लड़ने की जरूरत नहीं है। यह वाकई एक रोमांचक दौर है जिंदगी का, जब ऐसे ताकतवर लोग आपसे मिलना चाहते हैं और आपको दुनिया में बदलाव लाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं'।

इस डर से राजनीति में नहीं आ रहे

अभिनेता का कहना है जब आपको लोकप्रियता मिली शुरू होती है तो जिंदगी में आप और ऊपर उठने लगते हो, लेकिन जितनी ज्यादा ऊंचाई पर जाएंगे, वहां ऑक्सीजन का स्तर कम होता है। हम ऊपर उठना चाहते हैं, ये ठीक है लेकिन हम वहां कितनी देर टिके रह सकते हैं? लोगो ने मुझसे कहा कि बड़े-बड़े कलाकार ऐसे प्रस्तावों का सपना देखते हैं और तुम इनकार कर रहे है। सोनू सूद ने राजनीति में कदम न रखने की वजह भी बताई। उन्होंने कहा, 'लोग दो कारणों से पॉलिटिक्स में आते हैं। एक सत्ता के लिए और या पैसा कमाने। मुझे इनमें रुचि नहीं। अगर लोगों की मदद करने की बात है तो वो मैं पहले से ही कर रहा हूं। राजनीति में आने के बाद मुझे किसी के प्रति जवाबदेह होना पड़ेगा और मेरी स्वतंत्रता खो जाएगी। सिर्फ यही बात है जिससे मैं डरता हूं'।

शाहरुख खान से लेकर अक्षय कुमार तक 2025 में रिलीज होंगी बड़े सितारों की ये फिल्में

साल 2024 अब खत्म होने वाला है, इस साल सिनेमा प्रेमियों के लिए कई धमाकेदार फिल्में आईं. साथ ही अगले साल की तैयारी भी शुरू कर दी गयी है. आइए आपको बताते हैं, अगले साल आने वाली फिल्मों के बारे में...

वॉर 2 - ऋतिक रोशन

अभिनेता ऋतिक रोशन की फिल्म 'कृष' के अगले हिस्से का इंतजार फैंस कर रहे हैं। इसके अलावा फैंस को अगले साल 'वार 2' का अगला हिस्सा देखने को मिलेगा। यह अयान मुखर्जी की एक्शन थ्रिलर फिल्म है।

किंग - शाहरुख खान

वहीं अगले साल शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' भी सिनेमाघरों में रिलीज होगी। शाहरुख के साथ उनकी बेटी सुहाना भी इस फिल्म में नजर आने वाली हैं।

सिकंदर - सलमान खान, रश्मिका मंदाना और काजल अग्रवाल

सिकंदर में सलमान खान इस फिल्म में डबल रोल में दिखेंगे, इसमें रश्मिका मंदाना और काजल अग्रवाल नजर आएंगी। यह फिल्म अगले साल 2025 ईद पर रिलीज होगा।

अल्फा - आलिया भट्ट और शरवरी वाघ

वहीं, फिल्म अल्फा भी मनोरंजन का डोज फैंस के लिए लाने वाली है. इसमें आलिया भट्ट और शरवरी वाघ नजर आने वाली हैं।

जॉली एलएलबी 3 - अरशद वारसी-अक्षय कुमार

अक्षय कुमार और अरशद वारसी की फिल्म जॉली एलएलबी 3 भी फैंस के लिए मनोरंजन का धमाका करने वाली है। खबरों की मानें तो फिल्म में हुमा करैशी और अमृता राव नजर आने वाली हैं।

एक्शन करने वाले अजित कुमार जबर्दस्त डांस करते आए नजर, सोशल मीडिया पर छाया वीडियो

अजित कुमार की गिनती तमिल फिल्मों के सबसे बड़े सितारों में होती है। हाल ही में वह एक शादी समारोह में शामिल हुए थे, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। अभिनेता अपनी एक्शन फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, लेकिन इस बार उन्होंने अपने डांस से तहलका मचा दिया है।

जमकर थिरके अजित कुमार

वायरल वीडियो में अजित कुमार को 'ओ अंटावा' गाने पर जबर्दस्त डांस करते हुए देखा जा सकता है। वीडियो में अजित शादी के आयोजन में शिरकत करते हुए दिल खोलकर नाचते दिख रहे हैं। उन्होंने शादी के इस मौके पर ब्लैक टक्सीडो पहना था।

वीडियो ने फैंस को किया खुश

इस वीडियो में अजित ने 'पुष्पा' के गाने पर समंथा और अल्लू अर्जुन की ऊर्जा को अपनाया और उसमें अपना खास स्टाइल ऐड किया। अजित के साथ शादी में शामिल अन्य मेहमान भी उनके साथ डांस करते हुए दिखे। इस वीडियो ने अजित, अल्लू अर्जुन, समंथा और 'पुष्पा' फ्रेंचाइजी के फैंस को खुश कर दिया है।

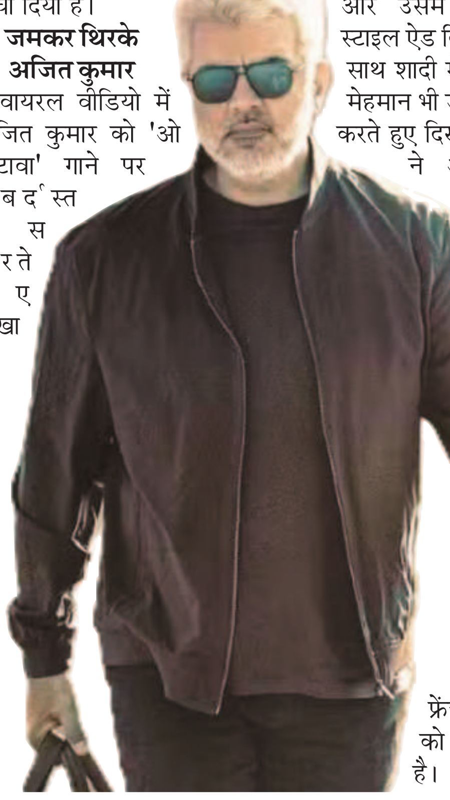

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने व्यापार विशेषज्ञों-हितधारकों के साथ बजट पूर्व बैठक की

नई दिल्ली,26 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को केंद्रीय बजट 2025-26 की तैयारी के लिए निर्यात, व्यापार और उद्योग क्षेत्रों के हितधारकों और विशेषज्ञों के साथ चौथी प्री-बजट परामर्श बैठक की अध्यक्षता की।

वित्त मंत्रालय ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय बजट 2025-26 के संबंध में निर्यात, व्यापार और उद्योग क्षेत्रों के हितधारकों और विशेषज्ञों के साथ चौथी बजटपूर्व परामर्श बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, वित्त सचिव, आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव,दीपम (निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग) के सचिव और भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार शामिल हुए। इस सप्ताह की शुरुआत में मंगलवार को, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नीति आयोग परिसर में केंद्रीय बजट 2025-26 की तैयारी के लिए प्रख्यात अर्थशास्त्रियों और विचारकों के एक समूह के साथ बातचीत की। इससे पहले वित्त मंत्री सीतारमण ने 20 दिसंबर को जैसलमेर में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के वित्त मंत्रियों के साथ बजट-पूर्व बैठक की अध्यक्षता की थी। बैठक में राज्य मंत्री पंकज चौधरी के साथ गोवा, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, मेघालय और ओडिशा के मुख्यमंत्री, अरुणाचल प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और तेलंगाना के उप-मुख्यमंत्री भी शामिल हुए। बैठक में राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के वित्त मंत्री, आर्थिक मामलों और व्यय विभागों के सचिव और वित्त मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। सीतारमण ने अब तक एमएसएमई, किसान संघों और अर्थशास्त्रियों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ कई बैठकें की हैं। वित्त मंत्रालय सालाना विशेषज्ञों, उद्योग जगत के नेताओं, अर्थशास्त्रियों और राज्य के अधिकारियों के साथ कई बजट-पूर्व परामर्श बैठकें आयोजित करता है। अगले वित्तीय वर्ष के लिए वार्षिक बजट तैयार करने की औपचारिक कवायद शुरू हो चुकी है। परंपरा के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025-26 का बजट 1 फरवरी, 2025 को पेश किया जाएगा। 2025-26 का बजट निर्मला सीतारमण का आठवां बजट होगा। सभी की निगाहें मोदी सरकार की तीसरी पारी के शेष कार्यकाल के लिए प्रमुख घोषणाओं और सरकार के आर्थिक दिशा-निर्देशों पर रहेंगी।

गांवों में अब ले सकेंगे लोन, पीएम मोदी बांटेंगे 50 लाख प्रॉपर्टी कार्ड

नई दिल्ली,26 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय पंचायती राज मंत्रालय ने कहा कि स्वामित्व योजना के जरिए लोन पाने के लिए 1.37 लाख करोड़ रुपये की ग्रामीण आवासीय संपत्तियों का मुद्रीकरण किया जा सकता है। स्वामित्व योजना ग्रामीण इलाकों में संपत्तियों का सीमांकन करने के लिए ड्रोन आधारित किया गया एक सर्वेक्षण है।मंत्रालय ने कहा कि पहले कई राज्यों में गांवों के आबादी वाले क्षेत्रों की मैपिंग नहीं की गई थी। इस कारण से वहां संस्थागत लोन लेने में कमी आई थी। हालांकि, इस सर्वेक्षण के बाद से, कई संपत्ति मालिक अपने प्रॉपर्टी कार्ड से बैंक लोन को सुरक्षित कर सकते हैं, इसके लिए अब कानूनी आधार मौजूद हैं।ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक प्रगति के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2020 में गांवों का सर्वेक्षण और यहां सुधारित तकनीक के साथ मैपिंग (या स्वामित्व) योजना शुरू की थी। अब तक, लगभग 3 लाख 17 हजार गांवों और कुल लक्ष्य 3 लाख 44 हजार गांवों का 92% सर्वेक्षण किया जा चुका है। इनमें से एक लाख 36 हजार गांवों में लोगों को उनके संपत्ति कार्ड मिल चुके हैं। अब 27 दिसंबर को, पीएम मोदी पूरे भारत में पांच मिलियन संपत्ति कार्ड के वितरण का शुभारंभ करेंगे। हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, पेरू के अर्थशास्त्री हर्नांडो डी सोटो ने कहा कि विकासशील देशों में पूंजीवाद काम नहीं करता। इसके पीछे का कारण है कि यहां जमीन का मालिक स्पष्ट नहीं है। पंचायती राज मंत्रालय के सचिव विवेक भारद्वाज ने कहा कि स्वामित्व योजना ग्रामीण आबादी वाले क्षेत्रों से जुड़ी हुई।

हिमाचल प्रदेश में 13 साल में प्रति हेक्टेयर 50% तक घट गया सेब का उत्पादन

शिमला,26 दिसंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में पिछले 13 साल में सेब उत्पादन में लगातार गिरावट आ रही है। बागवानी विभाग के आंकड़ों में यह चौकाने वाला खुलासा हुआ है। विभाग के मुताबिक हिमाचल में सेब उत्पादन में प्रति हेक्टेयर 50 फीसदी की गिरावट आई है। 2010-11 में जहां प्रदेश में 8.7 मीट्रिक टन प्रति हेक्टेयर सेब उत्पादन हुआ था, वहीं 2023-24 में यह आंकड़ा घटकर 4.3 मीट्रिक टन प्रति हेक्टेयर रह गया। इसका मुख्य कारण मौसम में हो रहे बदलाव और रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों पर अत्यधिक निर्भरता से मिट्टी की उपजाऊ शक्ति का खत्म होना माना जा रहा है। वैज्ञानिकों के अनुसार कभी ज्यादा बारिश और ओले पड़ने और कभी दो से तीन महीने तक लगातार सूखा पड़ने से फसलों के उत्पादन पर गहरा प्रभाव पड़ रहा है। हिमाचल में फल उत्पादन करीब 76 फीसदी क्षेत्र में होता है। 46 प्रतिशत में सेब की खेती की जाती है। बढ़ती जनसंख्या और संतुलित आहार के प्रति जागरूकता के कारण भारत में फलों की मांग तेजी से बढ़ रही है। इस मांग को पूरा करने के लिए मौजूदा बगीचों में उत्पादन में सुधार करना आवश्यक है। कुछ वर्षों में राज्य में सेब उत्पादकता में काफी गिरावट आई है। खराब प्रबंधन पद्धतियां, रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों पर

अत्याधिक निर्भरता के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभाव हिमाचल प्रदेश के एक समय फलते-फूलते सेब उद्योग के लिए गंभीर चुनौती बन गए हैं। उद्यान विभाग के निदेशक विनय सिंह ने कहा कि सेब उत्पादकता में गिरावट का मुख्य कारण जलवायु परिवर्तन है। विभाग एचपी एचडीपी के तहत उच्च घनत्व वाले बगीचों को बढ़ावा दे रहा है और इसके परिणाम जल्द आएंगे। समय-समय पर उचित प्रबंधन के लिए उचित दिशा निर्देश जारी किए जाते हैं। कृषि विज्ञान केंद्र शिमला की प्रभारी डॉ. उषा शर्मा ने बताया कि प्राकृतिक पद्धतियों में स्वस्थ मृदा पारिस्थितिकी तंत्र फलों की दृढ़ता, स्वाद, शर्करा की मात्रा और रंग को बढ़ाकर फलों की गुणवत्ता को बढ़ाता है। रासायनिक पदार्थों के उपयोग को समाप्त करके, प्राकृतिक खेती पर्यावरण प्रदूषण को कम करती है। किसान स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्री जैसे गाय का गोबर, गोमूत्र, दरैक के पत्ते आदि का उपयोग करके अपना खुद का जैविक मिश्रण तैयार कर सकते हैं।

भारत के पास 20 साल का समय, फिर नहीं मिलेगा मौका-वर्ल्ड बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री ने क्यों कहा ऐसा?

नई दिल्ली,26 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे बड़ी तेजी से बढ़ रही इकॉनमी है। वर्ल्ड बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री इंदरमीत गिल का मानना है कि भारत के लिए कई चीजें अच्छी हैं। डेमोग्राफी से लेकर जियो-पॉलिटिकल्स तक और बड़े घरेलू बाजार से लेकर निजी क्षेत्र में कम कर्ज स्तर तक। उन्होंने टीओआई को दिए इंटरव्यू में बताया कि भारत को दक्षता, आर्थिक स्वतंत्रता तथा क्वालिटी एजुकेशन पर फोकस करके और एफडीआई तथा व्यापार को खुला रखकर अपनी ग्रोथ के 6% से बढ़ाकर 8% तक ले जाने का प्रयास करना चाहिए। गिल ने कहा कि जनरल मिडिल इनकम वाली अर्थव्यवस्था की तुलना में भारत बहुत अधिक भाग्यशाली है। अगले दो दशकों तक, इसकी डेमोग्राफी असाधारण रूप से अनुकूल रहेगी। चीन से दूर विविधता लाने की चाह रखने वाले उन्नत अर्थव्यवस्थाओं के निवेशकों को यह आकर्षक लगता है। यह एक बड़ा और तेजी से बढ़ता हुआ बाजार है, इसलिए विदेशी कंपनियां भारत में परिचालन स्थापित करने में और भी अधिक रुचि लेंगी। इसके प्राइवेट सेक्टर पर बहुत ज्यादा कर्ज नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत की इकॉनमी चीन की तुलना में अधिक संतुलित है। इसमें जीडीपी के लिए खपत का अनुपात सामान्य है, इसलिए यह विदेशी खपत पर कम निर्भर

करता है और इसका आर्थिक विकास उतना खतरनाक नहीं होगा जितना कि पिछले दो दशकों के दौरान चीन का विकास था। यहां तक कि भू-राजनीति भी भारत के लिए काफी अनुकूल है। अगले दो दशकों में भारत अपनी क्षमता के चरम पर होगा। दूसरे शब्दों में कहें तो भारतीय अर्थव्यवस्था फिर कभी उतनी वृद्धि नहीं कर पाएगी जितनी अगले दो दशकों में कर सकती है। भारत यह सुनहरा अवसर नहीं गंवा सकता। गिल ने कहा कि भारत अब से लेकर 2047 के बीच अपनी क्षमता के चरम पर होगा। सवाल यह है कि उस क्षमता को कैसे साकार किया जाए। भारत की संभावित वृद्धि दर लगभग 6% है। इसे बढ़ाकर 8% किया जाना चाहिए। भारत को पूंजी, कुशल श्रम और ऊर्जा के उपयोग में अधिक कुशल बनने की आवश्यकता है। दक्षता बढ़ाने के लिए कुछ गंभीर संरचनात्मक सुधारों की आवश्यकता है। शिक्षा में भी उसे उतना ही काम करना होगा जितना उसने डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर और सड़कों में किया है।

आज सोने-चांदी के दाम में तेजी : सोना 411 रुपए बढ़कर 76,285 रुपए पर पहुंचा

चांदी 87,900 रुपए किलो बिक रही

नई दिल्ली,26 दिसंबर (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 26 दिसंबर को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट गोल्ड का भाव 411 रुपए बढ़कर 76,285 रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले सोने की कीमत 75,874 रुपए प्रति दस ग्राम थी। चांदी का भाव भी आज 389 रुपए बढ़कर 87,900 रुपए पर पहुंच गया है। कल चांदी 87,511 रुपए प्रति किलोग्राम थी। वहीं, 23 अक्टूबर को चांदी ने 99,151 रुपए और 30 अक्टूबर को सोने ने 79,681 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

4 महानगरों सोने की कीमत

10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,160 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,610

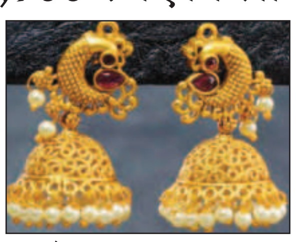

रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,010 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,460 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 71,010 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 77,460 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,010 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,460 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,300 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,780 रुपए है।

हैदराबाद :सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 77,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 71,010 रुपये है।

सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें

हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड रहता है। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर यानी एचयूआईडी कहते हैं। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक, यानी कुछ इस तरह होता है- AZ4524। हॉलमार्किंग के जरिए ये पता करना संभव है कि कोई सोना कितने कैरेट का है।

कीमत क्रॉस चेक करें

सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।

268 मीटर लंबाई, 43 मीटर चौड़ाई, 7,000 कंटेनर उठाने की क्षमता, अडानी के पोर्ट पर आया समुद्र का बाहुबली

नई दिल्ली,26 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत और एशिया के दूसरे बड़े रईस गौतम अडानी के मुंद्रा पोर्ट पर एलएनजी से ऑपरेट होने वाले किसी जहाज ने पहली लंगर डाला है। 268 मीटर लंबाई और 43 मीटर चौड़ाई वाला यह पोत 7,000 कंटेनरों की क्षमता वाले एलएनजी-ऑपरेटेड जहाजों की सीरीज का तीसरा शिप है। सीएमए सीजीएम फोर्ट डायमंट नाम के इस जहाज ने मुंद्रा पोर्ट के कंटेनर टर्मिनल-सीटी4 पर लंगर डाला है। अडानी पोर्ट एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन (एपीएसईजेड) ने एक बयान में यह जानकारी दी। इससे ग्लोबल ट्रेड में बढ़ोतरी होगी। कंपनी ने बताया कि सिमेक्स 2के/एएस-1 सेवा पर परिचालन करते हुए यह पोत भारतीय उपमहाद्वीप को चीन से जोड़ता है। एपीएसईजेड ने कहा कि मुंद्रा बंदरगाह पर इस जहाज का सफलतापूर्वक लंगर डालना अडानी पोर्ट्स की इनोवेशन, सस्टेनेबिलिटी और ऑपरेशनल एक्सीलेंस के प्रति प्रतिबद्धता को दिखाता है। अडानी का मुंद्रा बंदरगाह भारत का सबसे बड़ा बंदरगाह है और एपीएसईजेड का प्रमुख बंदरगाह है। यह 21 मीटर की गहराई तक के जहाजों को संभालने के लिए अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे से लैस है। यह

राजमार्गों, रेल गलियारों और समर्पित माल गलियारे (डीएफसी) के माध्यम से मजबूत कनेक्टिविटी देता है।

13 बंदरगाहों का संचालन

ईंधन स्रोत के रूप में एलएनजी को अपनाना शिपिंग इंडस्ट्री की कार्बन उत्सर्जन को कम करने की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। एलएनजी से चलने वाले जहाज पारंपरिक समुद्री ईंधन के लिए एक स्वच्छ, हरित विकल्प प्रदान करते हैं। मुंद्रा पोर्ट ने पहले भारत में डॉक करने वाले कुछ सबसे बड़े कंटेनर जहाजों की मेजबानी की है। इनमें एमएससी अन्ना और एपीएल रैफल्स शामिल हैं। एपीएसईजेड भारत में सबसे बड़ा कमर्शियल पोर्ट ऑपरेटर संचालक है। इसके पास गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, केरल, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और ओडिशा में 13 बंदरगाह हैं।

छोटे बिजनेस रोजगार देने में आगे, पर महंगाई निगलती जा रही वेतन!

नई दिल्ली,26 दिसंबर (एजेंसियां)। देश में सबसे ज्यादा रोजगार के अवसर छोटी कंपनियां मुहैया करा रही हैं. मौजूदा वर्ष 2024 में सितंबर महीने तक मैन्युफैक्चरिंग से लेकर, ट्रेड और सर्विसेज से जुड़े छोटे बिजनेस ने 11 मिलियन यानी 1.10 करोड़ नौकरियां दी है जिसके चलते इन छोटी कंपनियों में काम करने वालों की संख्या पिछले वर्ष 2022-23 में रहे 109.6 मिलियन (10.96 करोड़) से बढ़कर 120.6 मिलियन (12.06 करोड़) तक जा पहुंची है. रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक ज्यादा महंगाई के होने का असर इन कर्मचारियों के वेतन बढ़ोतरी पर देखने को मिला है. भारतीय अर्थव्यवस्था के 7 फीसदी के दर से ग्रोथ दिखाने के बाद भी प्रधानमंत्री नरेंद्र

मोदी की अगुवाई वाली सरकार के लिए बेरोजगारी से पार पाना सबसे बड़ी चुनौती रही है. इसी हफ्ते 24 दिसंबर 2024 को सरकार ने एक रिपोर्ट जारी किया है. इस रिपोर्ट के मुताबिक स्मॉल मैन्युफैक्चरिंग बिजनेस जिसमें गार्मेंट्स बनाने वाली कंपनियों से लेकर ऑटो कॉम्पोनेंट बनाने वाली कंपनियों और फूड प्रोसेसिंग कंपनियां शामिल हैं उनकी संख्या 2022-23 में 17.83 मिलियन (1.783 करोड़) से बढ़कर 2023-24 में 20.15 मिलियन (2.015 करोड़) पर जा पहुंची है. जबकि मैन्युफैक्चरिंग, ट्रेड और सर्विसेज से जुड़े छोटे बिजनेस करने वालों की संख्या 65 मिलियन (6.5 करोड़) से बढ़कर 73.4 मिलियन (7.34 करोड़) पर जा पहुंची है. सांख्यिकी मंत्रालय के सचिव सौरभ गर्ग ने कहा, अनइनकॉरपोरेटेड नॉन-एग्रीकल्चरल सेक्टर जिसमें छोटी मैन्युफैक्चरिंग बिजनेस, ट्रेड और दूसरी सर्विसेज आती हैं वे अर्थव्यवस्था को गति देने के साथ रोजगार के अवसर मुहैया कराने में बड़ी भूमिका अदा करते हैं. उन्होंने बताया कि अक्टूबर 2023 से सितंबर 2024 के दौरान छोटे बिजनेस की संख्या में 12.84 फीसदी का उछाल आया है जबकि रोजगार के अवसर में 10 फीसदी की बढ़ोतरी आई है

ग्रामीण या स्लम इलाकों में होते हैं छोटे बिजनेस

रिपोर्ट के मुताबिक महंगाई के चलते लोगों के वेतन बढ़ोतरी पर असर पड़ा है. जिन लोगों को नौकरी दी गई नॉमिनल टर्म्स के आधार पर 2023-24 में उनका वेतन 13% के दर से बढ़कर 141,071 रुपये (1656 डॉलर) रहा है जो करीब 5.5% की सालाना औसतन महंगाई दर के मुकाबले मामूली बढ़ोतरी है. इस प्रकार के छोटे बिजनेस ज्यादातर शहरों में झुग्गी वाले इलाकों में या फिर ग्रामीण इलाकों में होते हैं।

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बाद सपाट क्लोजिंग, सेंसेक्स 78472 और निफ्टी 23750 पर थमा

नई दिल्ली,26 दिसंबर (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार में गुरुवार को बेंचमार्क सूचकांक हरे और लाल निशान के बीच झूलते दिखे। निकट भविष्य के लिए सकारात्मक संकेत न मिलने और विदेशी पूंजी निकासी जारी रहने के बीच गुरुवार को बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में सुस्त कारोबार हुआ। बीएसई का 30 शेयरों वाला प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 0.39 अंक गिरकर 78,472.48 अंक पर बंद हुआ। सुबह के कारोबार में यह 425.5 अंक या 0.54 प्रतिशत बढ़कर 78,898.37 अंक पर पहुंच गया था। एनएसई निफ्टी वायदा कारोबार की मंथली एक्सपायरी के दिन 22.55 अंक या 0.1 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,750.20 अंक पर पहुंच गया। 30 ब्लू-चिप शेयरों में टाइटन, एशियन पेंट्स, नेस्ले, टेक महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, जोमैटो, लार्सन एंड टूब्रो और बजाज फिनसर्व पिछड़ गए। अदाणी पोर्ट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति, सन फार्मा, भारती एयरटेल और टाटा मोटर्स लाभ में रहे। गुरुवार के कारोबारी सत्र के दौरान अदाणी पोर्ट्स के शेयरों में 5% तक की बढ़त दर्ज की गई।

वहीं, स्विगी के शेयर दो फीसदी तक टूट गए। एशियाई बाजारों में टोक्यो और शंघाई सकारात्मक दायरे में बंद हुए जबकि सियोल में गिरावट दर्ज की गई। क्रिसमस के अवसर पर बुधवार को अमेरिकी बाजार बंद रहे। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 2,454.21 करोड़ रुपये मूल्य की इक्विटी बेची। क्रिसमस के कारण बुधवार को भारतीय शेयर बाजार बंद रहे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.53 प्रतिशत बढ़कर 73.97 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। मंगलवार को 30 शेयरों वाला बीएसई सूचकांक 67.30 अंक गिरकर 78,472.87 अंक पर आ गया था। निफ्टी 25.80 अंक या 0.11 प्रतिशत गिरकर 23,727.65 अंक पर आ गया था। रुपया गुरुवार को डॉलर के मुकाबले 12 पैसे की गिरावट के साथ 85.27 रुपये के नए सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति

सूर्य-	धनु	मे
चंद्र-	तुला	मे
मंगल	कर्क	मे
बुध-	वृश्चिक	मे
गुरु-	वृष	मे
शुक्र-	मकर	मे
शनि-	कुंभ	मे
राहु-	मीन	मे
केतु-	कन्या	मे

लग्नारंभ समय

धनु----	05-57	बजे
मकर...	08-03	बजे
कुंभ -	09-54	बजे
मीन-	11-32	बजे
मेष---	13-08	बजे
वृष---	14-53	बजे
मिथुन	16-54	बजे
कर्क...	19-06	बजे
सिंह---	21-18	बजे
कन्या---	23-25	बजे
तुला----	01-30	बजे
वृश्चिक..	03-40	बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-**2081**
शक संवत- **1946** सूर्य - उत्तरायणे - ऋतु - शिशिर
महावीर निर्वाण संवत -**2051**,हिजरी सन् -**1444**
कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426875**
कलियुग संवत् -**5125** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -**1972949125**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885125**

सूर्योदय - 06-48
सूर्यास्त. - 17-46

दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- द्वादशी . **02-28** तक उपरान्त त्रयोदशी
मास - पौष कृष्ण , शुक्रवार **27 December**
नक्षत्र - विशाखा **20-28** तक उपरान्त अनुराधा
योग - धृति **22-36** तक उप शूल
करण- कौलव **13-39** तक उप तैतिल
विशेष:-
व्रत -त्योहार - **मातंग योग**

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 10:31 से 11:50 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल	06:38 - 07:54	शुभ	रोग	17:06 - 18:45	अशुभ
लाभ	07:54 - 09:13	शुभ	काल	18:45 - 20:27	अशुभ
अमृत	09:13 - 10:31	शुभ	लाभ	20:27 - 22:08	शुभ
काल.	10:31 - 11:50	अशुभ	उत्पात	22:08 - 23:50	अशुभ
शुभ	11:50 - 13:08	शुभ	शुभ.	23:50 - 02:31	शुभ
रोग	13:08 - 14:27	अशुभ	अमृत.	01:31 - 03:13	शुभ
उत्पात	14:27 - 15:45	अशुभ	चंचल	03:13 - 04:54	शुभ
चंचल.	15:45 - 17:06	शुभ	रोग	04:54 - 06:38	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,): आप अपने सभी लक्ष्यों को समय पर पूरा करेंगे और कार्य क्षेत्र में शांति का माहौल रहेगा , लेकिन व्यापार के मामलों में किसी भी समझौते पर हस्ताक्षर करने से पहले कानूनी विशेषज्ञों से परामर्श करें। धोखाधड़ी की संभावना है। यदि संभव हो तो अपनी व्यापारिक सौदों को दूसरे दिन पर ठाले और अपने सहयोगियों की विश्वसनीयता का मूल्यांकन करे ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,): आज आपको अपने कार्यालय पर संचार और बातचीत कौशल का विशेष उपयोग करने की जरूरत है। आपको सावधान रहना होगा की जोर से शिकायत या किसी के पैरो में गिरने की जरुरत नहीं है , इसके बजाय आपको कूटनीति और कुशलता से दबाव के समय में कार्य करने की आवश्यकता होगी ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,): अपने सहयोगियों के साथ तालमेल और कदम से कदम बढाकर चलने का ये एक अच्छा समय है। समीक्षा और हताशा का लम्बा समय अब समाप्त होने की और अग्रसर है इसलिए इस खुशी में आप दोस्तों और परिवार और अपने ऊपर कुछ व्यय भी कर सकते है पर कोशिश करे की ये ज्यादा से ज्यादा एक दिन के लिए हो ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,): आप सफलतापूर्वक अपने रचनात्मक कार्यो को खत्म करने में सक्षम होंगे । इस जश्न को मनाने के लिए आप एक पार्टी की मेजबानी की योजना भी बना सकते हैं और जिन्होंने भी इस यात्रा में आप का समर्थन किया एवं अपने विरोधियों को भी समारोह में आमंत्रित करें । अपनी कमाई और खर्च के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए भी प्रयास करते रहे ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,): अनुशासन और कड़ी मेहनत आपके विशिष्ट गुण हैं । आज अपने कार्य क्षेत्र से आपका मोहभंग हो सकता है , क्योकि आपको लगेगा की आपका करियर रुक सा गया है । हालांकि, कड़ी मेहनत हमेशा साथ देती है । आप सही रास्ते पर हैं ।अब महत्वपूर्ण है की इस पथ के साथ आप रहे । चमकती हुई परियोजनाओं में निवेश न करे या ज्यादा उत्साह में न आए क्यों की आपका निर्णय गलत साबित हो सकता है ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): छात्रों के लिए, यह किसी भी परीक्षा में उतरने लिए एक अच्छा दिन है। सफलता आपके साथ है। पेशेवरों के लिए, आपके कार्य स्थल पर एक सकारात्मक दिन होगा। लंबित मुद्दों का हल मिलेगा । अगर आपको लगता है की वेतन वृद्धि के लिए आज का दिन उपयुक्त है तो अपने उच्च अधिकारियो से बात करने का दिन आज अच्छा है ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,): रोजगार और आय के नए अवसर आज आपको मिल सकते है । आपको आगे बढ़ने के काफी अवसर मिलेंगे जिसको लेकर आप समझ नहीं पाएंगे की कौन सा विकल्प आपके लिए अच्छा है , जिसे लेकर आप आगे बढ़ सकते है । आज परिवार और कार्य क्षेत्र में संतुलन बिठाना मुश्किल हो सकता है और आप अपने कार्य क्षेत्र को परिवार की तुलना में ज्यादा महत्व देंगे ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,): आपके वित्तीय संसाधनो का विस्तार होगा जिसका लाभ लेने के लिए आप पूरी तरह तैयार है । आप आज अपने घर , व्यवसाय या वाहन के लिए भी ऋण के लिए आवदेन कर सकते है जो की आराम से मंजूर हो जायेगा । जिन विद्यार्थियों ने शिक्षा ऋण के लिए आवदेन किआ हुआ है उन्हें भी शुभ सन्देश की प्राप्ति होगी । आज का दिन शेयर बाजार में निवेश के लिए उत्तम है ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे): आप में अति आत्मविश्वास पैदा होगा क्योकि आपके सारे कार्य बड़ी खूबसूरती के साथ क्रियान्वयन हो रहे है। आज समय है की आप अपना कदम पीछे ले और सोचे की वास्तव में आप के लिए क्या आवश्यक है , उसका मूल्यांकन करे और ध्यान दे की आप अपनी क्षमताओ से क्या हासिल कर सकते हैं । आपको ध्यान रखना है की आपकी जितनी चादर है उतना ही पाव फैलाये ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी): आप ने हमेशा अपना कार्य भकूबी के साथ किया है और आज आप अपने वरिष्ठ अधिकारियों का समर्थन और अनुमोदन भी जीतेंगे। आपकी ईमानदारी, रचनात्मकता और काम के प्रति समर्पण देखा जायेगा और आपको इसका पुरस्कार ,फल या उपहार भी मिलेगा । आज का दिन अपने कार्य से संबंधित प्रतिबद्धताओं का पूरा करने में व्यस्त रहेगा , लेकिन फिर भी आप खुश और ऊर्जावान महसूस करेंगे ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,): आप सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन आपकी प्रगति रुक सकती है। अगर आपने किसी भी गैजेट या कुछ रचनात्मक वस्तु का उत्पादन किया है, तो उसे जल्द से जल्द उस पर क़ानूनी एकाधिकार करवा ले । लोग ये साबित करने की कोशिश कर सकते हैं की ये वस्तु उन्ही की है , हालांकि वास्तविकता में वे शायद ही कोई भी उत्पाद की एक प्रतिकृति के निर्माण में आपके करीब आ सकते हैं।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची): आप सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन आपकी प्रगति रुक सकती है। अगर आपने किसी भी गैजेट या कुछ रचनात्मक वस्तु का उत्पादन किया है, तो उसे जल्द से जल्द उस पर क़ानूनी एकाधिकार करवा ले । लोग ये साबित करने की कोशिश कर सकते हैं की ये वस्तु उन्ही की है , हालांकि वास्तविकता में वे शायद ही कोई भी उत्पाद की एक प्रतिकृति के निर्माण में आपके करीब आ सकते हैं।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

प्रिंस खान के पांच शागिर्द अरेस्ट

विदेश में बैठकर नेटवर्क ऑपरेट करता है गैंगस्टर

धनबाद, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड पुलिस की एसआईटी टीम ने वासेपुर के कुख्यात गैंगस्टर प्रिंस खान के पांच शागिर्दों को गिरफ्तार किया है। पांचों अपराधियों को एसआईटी की टीम ने पलामू, हजारीबाग और बेरमो के बोकारो थर्मल इलाके से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों की निशानदेही पर पुलिस झारखंड के अलावा कई राज्यों में छापेमारी कर रही है। प्रिंस खान के पांच गुर्गों की गिरफ्तारी को पुलिस बड़ी कमियाबी मान रही है। फिलहाल गिरफ्तार सभी पांच अपराधियों से धनबाद के राजगंज थाना में पूछताछ की जा रही। हम आपको बताएं कि हाल के दिनों में गैंगस्टर प्रिंस खान के गुर्गे धनबाद के कई डॉक्टर समेत आम लोगों को लगातार रंगदारी के लिए धमकियां दे रहा था, जिसके बाद इन अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए धनबाद एसएसपी हृदीप पी. जनार्दनन ने एसआईटी गठित की थी। इसके बाद एसआईटी टीम को यह कमियाबी मिली है। बताया जा रहा है कि गिरफ्तार

प्रिंस खान

प्रिंस के पांचों गुर्गों से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस की कई टीमें दूसरे राज्य में भी छापेमारी कर रही है। हालांकि पुलिस की इस कार्रवाई में कोई खलल न पड़े इस लिहाज से पुलिस अभी खुलकर कुछ नहीं बता रही है कि झारखंड के अलावा और किस राज्य में छापेमारी की जा रही है।

एसआईटी ने बोकारो थर्मल के बरवाबेड़ा रेलवे लाइन के किनारे स्थित मल्लाह टोला से बिट्टू निषाद को दबोचा। उसके पास से एक लाख रुपये जब्त करने की चर्चा है। बोकारो थर्मल के किसी रोहित निषाद ने बिट्टू को हीरालाल निषाद ऊर्फ कोका मल्लाह के पुत्र विकास निषाद के घर में छिपाया था। पुलिस रोहित की तलाश कर रहा है। बिट्टू ने ही दो दिसंबर को तेतुलमारी गया पुल के पास चल रहे रेलवे के निर्माण कार्य स्थल पर फायरिंग कर ठेकेदार को प्रिंस के नाम पर धमकाया था। उसी की निशानेदही पर एसआईटी ने पलामू में छापेमारी की। बताया जा रहा है कि एक अक्टूबर को असर्फी अस्पताल के पास पांडरपाला में रहने वाले जमीन कारोबारी शहाबुद्दीन सिद्दीकी की हत्या में इन्हीं अपाधियों की भूमिका थी। इसके अलावे बरवाअड्डा में जमीन कारोबारी चेतन साव पर हुई फायरिंग, सिंदरी माशलिंग के अंडरपास के निकट रेल लाइन किनारे नाला निर्माण कर रही कंपनी के मुंशी प्रमोद सिन्हा पर हुई फायरिंग के अलावा धनबाद के लोगों को रंगदारी के लिए धमकी देने में इन्ही लोगों का हाथ बताया जा रहा है। फिलहाल धनबाद पुलिस बुधवार को रातभर इन लोगों से पूछताछ की है। संभावना जताई जा रही है कि जल्द ही इन सभी मामलों का उद्भेदन जल्द हो जायेगा। इसके अलावा गैंगस्टर प्रिंस खान का भी सही ठिकाना मिलने की संभावना है।

धनबाद पुलिस अबतक यही अनुमान लगा रही है कि गैंगस्टर प्रिंस खान दुबई में बैठकर धनबाद और बोकारो के कारोबारियों डॉक्टरों और अन्य लोगों को रंगदारी के लिए धमकी देता रहा। लेकिन धनबाद पुलिस आज तक ठीक से यह पता नहीं लगा पा रही है कि प्रिंस खान दुबई में ही है या किसी अन्य देश में है। पुलिस प्रिंस की गिरफ्तारी के लिए इंटरपोल के भी संपर्क में है। अब प्रिंस के इन गुर्गों की गिरफ्तारी से संभावना है कि प्रिंस खान का सही लोकेशन मिल सकती है।

धनबाद के कारोबारियों को प्रिंस खान अजरबेजान समेत अन्य कई अरब देशों के नंबर से देता रहा है धमकी। जानकारी के अनुसार धनबाद में जितने भी व्यवसाई या डॉक्टर को प्रिंस खान या उसके गुर्गों से रंगदारी के लिए जो धमकी मिली है।

44 साल में दूसरी बार रघुवर की बीजेपी में एंट्री

विशेष विमान से पहुंचे रांची, आज करेंगे सदस्यता ग्रहण, पार्टी में 3 संभावनाओं पर चर्चा

रांची, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड के पूर्व सीएम रघुवर दास 44 साल में दूसरी बार बीजेपी की सदस्यता लेने वाले हैं। वो कल प्रदेश कार्यालय में पार्टी की सदस्यता ग्रहण करेंगे। इससे पहले वह 80 के दशक में जनता पार्टी से बीजेपी में शामिल हुए थे। ओडिशा के राज्यपाल पद से इस्तीफा देने के बाद वे गुरुवार शाम रांची पहुंचे।

उनके सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम के मौके पर क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र नाथ त्रिपाठी, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह और प्रदेश सदस्यता अभियान संयोजक राकेश प्रसाद समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। संगठन की ओर से उन्हें बड़ी जिम्मेदारी देने की तैयारी हो रही है।

ओडिशा के राज्यपाल पद से इस्तीफा देने के दूसरे दिन बुधवार को रघुवर दास पुरी पहुंचे। उन्होंने जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की। उन्होंने कहा कि राजनीति में उनकी आगे की भूमिका पर भाजपा फैसला लेगी। ओडिशा में उनका अनुभव सुखद रहा।

ओडिशा उनके लिए यादगार रहेगा। वे ओडिशा के लोगों के जुनून को सलाम करते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि 2036 में ओडिशा अपने गठन के 100 साल पूरे करेगा तो वह विकसित राज्य के तौर पर अपनी पहचान बनाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ओडिशा में डबल इंजन की सरकार गरीबों के विकास के लिए काम कर रही है।

पार्टी में अगली भूमिका संबंधी सवाल पर रघुवर दास ने कहा कि मेरी भूमिका पार्टी तय करेगी। मैं मजदूर परिवार से आता हूं। 1980 में भाजपा का सदस्य बन कर बूथ स्तर से लेकर मंडल, प्रदेश और फिर राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी का काम किया। पांच साल तक मुख्यमंत्री के रूप में झारखंड की जनता की सेवा की। सदस्यता ग्रहण करने के बाद संगठन मुझे जो भी निर्देश देगा, उसी के अनुरूप काम करेंगे। मैं पार्टी का सिपाही हूं। पार्टी ने मुझे अब तक जो भी दायित्व सौंपा है, उसका शत-प्रतिशत पालन किया है। आगे भी उसी समर्पण भाव से काम करेंगे।

रघुवर दास को लेकर 3 संभावनाओं पर चर्चा

प्रदेश अध्यक्ष : रघुवर दास के बारे में पहली संभावना है कि उन्हें प्रदेश अध्यक्ष बनाया जा सकता है। विधानसभा चुनाव में पार्टी के लचर प्रदर्शन को देखते हुए संगठन एक बार फिर रघुवर दास को अध्यक्ष पद की कुर्सी सौंप सकता है। इसके पहले भी वे प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं।

राष्ट्रीय अध्यक्ष : रघुवर दास को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने की भी चर्चा है। जेपी नड्डा का कार्यकाल पूरा हो चुका है। ऐसे में राष्ट्रीय अध्यक्ष की खोज जारी है। संभावना है कि दो बार राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रह चुके रघुवर दास पर संगठन दांव खेल सकता है।

राष्ट्रीय महामंत्री : उन्हें राष्ट्रीय महामंत्री बनाने की भी बात सामने आ रही है। कुछ लोगों का कहना है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के लिए राष्ट्रीय महामंत्री का अनुभव होना बहुत सहयोग करता है। इन तीनों संभावनाओं के बारे में पार्टी आरएसएस के केंद्रीय पदाधिकारियों से सहमति चाहेगी।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी बुधवार को दिल्ली गए। सदस्यता अभियान को लेकर आयोजित बैठक में वे भाग लेंगे। इस दौरान वे पार्टी के वरीय नेताओं के साथ मुलाकात भी करेंगे। यही वजह है कि वह रघुवर दास के सदस्यता कार्यक्रम के दौरान मौजूद नहीं रहेंगे।

साइबर ठगों ने बैंक अकाउंट से उड़ाए 20 हजार रुपए

मोबाइल पर मैसेज आने पर पता चला ठगों ने खाता में छोड़ा 4 रुपए 20 पैसे

कोडरमा, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। कोडरमा में साइबर ठगों ने एक युवक से 20 हजार रुपए की ठगी कर ली है। मोबाइल पर मैसेज आने के बाद युवक को इस ठगी का पता चला। युवक ने तिलैया थाना में आवेदन दिया है।

हथुआ धारण निवासी पिंटू ने बताया कि 23 दिसंबर को उसके मोबाइल पर मैसेज आया कि उसके बैंक खाते से अलग-अलग 9 ट्रांसेक्शन में कुल 20 हजार 105 रुपए की निकासी कर ली गई है। पिंटू के बैंक खाते से सभी ट्रांसेक्शन 23 दिसंबर को हुए। इसमें बारी-बारी से 550, 2500, 2000, 500, 3560, 3507, 5500 और 2000 रुपए की निकासी की गई। वहीं, उसके खाते में केवल 4 रुपए 20 पैसे शेष रह गए हैं।

विधायक जयराम का बेरमो में क्वार्टर पर कब्जा

आधी रात पुलिस और अधिकारियों के साथ भिड़े, वीडियो वायरल

रांची/बेरमो, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। डूमरी विधायक जयराम महतो बीते कुछ दिनों से अपने लहजे की वजह से चर्चा में हैं। आए दिन उनका वीडियो वायरल हो रहा है। कभी कंपनियों के अधिकारी से भिड़ जा रहे हैं तो कभी मीडिया वालों से बहस कर बैठते हैं।

कभी पुलिस-प्रशासन को हड़काते नजर आ रहे हैं। ऐसा ही ताजा मामला बोकारो के बेरमो से आ रहा है। बुधवार की देर रात यहां पुलिस अधिकारियों से उलझने का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है।

वीडियो में दिख रहा है कि सफेद रंग की स्कॉर्पियो की बोनट पर बैठे जयराम पास खड़े पुलिस अधिकारी से तेज आवाज में बात कर रहे हैं। कभी अंग्रेजी तो कभी हिंदी में वे पुलिस अधिकारी से पेपर दिखाने की बात कर रहे हैं।

बताया जा रहा है कि जब पुलिस अधिकारियों से बात नहीं

बनी तो वे गाड़ी की बोनट पर ही कंबल तान कर सो गए। जयराम का यह वायरल वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। जानकारी के मुताबिक वह रात करीब 1.30 बजे घटनास्थल पहुंचे और तीन बजे तक अधिकारियों से उलझते दिखे। बेरमो अनुमंडल के ढोरी कोल एरिया में जयराम महतो सीसीएल प्रबंधन से एक डी टाइप क्वार्टर की मांग कर रहे थे। इसके लिए कुछ दिनों पहले उन्होंने प्रबंधन को आवेदन दिया था। प्रबंधन के मुताबिक अभी इस मामले पर विचार किया जा रहा था। इसी बीच जेएलकेएम के कुछ कार्यकर्ताओं ने क्षेत्र के एक डी टाइप को बिना अनुमति के अपने कब्जे में ले लिया। जिसकी शिकायत प्रबंधन को मिली। इसके बाद क्वार्टर खाली कराने बेरमो थाना, मकोली ओपी और चंद्रपुरा थाना की पुलिस के साथ सीसीएल के अधिकारी और सीआईएसएफ के जवान पहुंचे। क्वार्टर में पहले से ही जेएलकेएम के कार्यकर्ता मौजूद थे। उन्होंने पुलिस बल का विरोध किया। इसकी सूचना जयराम को भी दी। विधायक जयराम रात करीब डेढ़ बजे वहां पहुंचे। अधिकारियों से काफी देर उलझते रहे। फिर वे तीन बजे के करीब वहां से निकले।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बहस के दौरान वे बार-बार अधिकारी से कागज की मांग कर रहे थे। जिस क्वार्टर में कब्जा को लेकर बहस चल रही है, उस पर अभी भी उन्हीं का कब्जा है। सूत्रों की माने तो जयराम अब सीसीएल प्रबंधन से पूरे एरिया के क्वार्टरों का ब्योरा मांग रहे हैं। पूरी लिस्ट की मांग कर रहे हैं कि किसके नाम से कौन-सा क्वार्टर है।

हजारों युवाओं के सपनों को लगा बड़ा झटका

सरकार ने रद्द की आरक्षक भर्ती परीक्षा, एसआईटी करेगी जांच

राजनांदगांव, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में हजारों युवाओं के सपनों को बड़ा झटका लगा है। छत्तीसगढ़ सरकार ने राजनांदगांव जिले में आरक्षक भर्ती पर रोक लगा दी है। सरकार ने यह फैसला आरक्षक भर्ती में गड़बड़ी और एक कॉन्सटेबल के सुसाइड के बाद लिया है। सीएम विष्णुदेव साय के निर्देश पर डेप्युटी सीएम और गृहमंत्री विजय शर्मा ने लिया है। वहीं, इस मामले में एसआईटी का भी गठन किया गया है। दुर्ग आईजी दीपक कुमार झा ने जांच के लिए एसआईटी टीम बनाई है। यह टीम 10 दिनों में अपनों जांच रिपोर्ट सौंपगी।

जानकारी के अनुसार, भर्ती में करीब 3 हजार कैंडिडेट्स के अंकों की गलत एंट्री की गई है। भर्ती परीक्षा में गड़बड़ी के मामले में 4 कॉन्स्टेबल समेत अब तक 7 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। वहीं, भर्ती प्रक्रिया रद्द होने

के बाद राज्य के मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने सरकार पर हमला बोला है। कांग्रेस ने कहा कि इस मामले की जांच एसआईटी से नहीं सीबीआई से करवानी चाहिए। राजनांदगांव जिले में 16 नवंबर, 2024 से 528 पदों पर पुलिस भर्ती की प्रक्रिया शुरू हुई थी। इस भर्ती परीक्षा में फिजिकल टेस्ट के दौरान नंबरों में गड़बड़ी का मामला सामने आया था। जिसके बाद लालबाग थाने में 16 दिसंबर को अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। राजनांदगांव आरक्षक भर्ती प्रक्रिया रद्द होने के बाद कांग्रेस ने बीजेपी पर हमला बोला है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा- गृहमंत्री को इस्तीफा देना चाहिए। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि इस मामले की सीबीआई जांच के साथ राजनांदगांव के आरक्षक भर्ती घोटाला के लिये नैतिक जिम्मेदारी लेते हुये गृह मंत्री विजय शर्मा इस्तीफा दें। पुलिस विभाग में भर्ती घोटाला हुआ है और पुलिस के ही अधिकारी एसआईटी के माध्यम से जांच करेंगे। विभाग के मंत्री गृह मंत्री जांच के आदेश दे रहे हैं।

मृतक दामोदर यादव के परिजनों से मिले मंत्री

सुदिव्य सोनू ने परिजनों को बंधाया ढांढस, हर संभव मदद की जाएगी

गिरिडीह, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू गुरुवार को गिरिडीह के चिलगा गांव पहुंचे। यहां उन्होंने मृतक दामोदर यादव के परिजनों से मुलाकात की। परिजनों से बातचीत कर उन्हें ढांढस बढ़ाया। उन्होंने कहा- मृतक के परिजनों की हर संभव मदद की जाएगी।

चार दिन पूर्व मुफस्सिल थाना क्षेत्र के कबरीबाद माइंस के पास चिलगा निवासी दामोदर यादव की निर्मम हत्या कर दी गई थी। इधर, झामुमो की ओर से पीड़ित परिवार को 50 हजार रुपए की आर्थिक मदद की गई। साथ ही सीसीएल की ओर से ढाई लाख की मदद की गई। मंत्री ने यह भी कहा कि मृतक के परिजनों को अंबेडकर आवास भी दिया जाएगा।

मंत्री सुदिव्य सोनू ने कहा कि इस मामले को लेकर उनकी पार्टी और वे खुद काफी गंभीर हैं। एक सप्ताह के अंदर दामोदर यादव के पुत्र को सीसीएल डीएवी स्कूल में नौकरी लगवाई जाएगी।

परिवार के लिए पक्का मकान बनाया जाएगा। दामोदर यादव की बेटी रामगढ़ में रहकर पढ़ाई कर रही है। उसे गिरिडीह कॉलेज में एडमिशन करवा कर उसकी पढ़ाई पूरी करवाई जाएगी।

उन्होंने कहा कि वह इस मामले को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से भी बातचीत करेंगे। राहत आपदा कोष से पीड़ित परिजनों को मुआवजा भी दिलाया जाएगा।

रायपुर-गरियाबंद और पीजीएम में मंडल अध्यक्षों की नियुक्ति रद्द

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बोले–24 घंटे में सब सॉल्व होगा, 30 दिसंबर तक मंडल–जिला अध्यक्ष होंगे तय

रायपुर, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ भाजपा के 450 से अधिक मंडलों में चुनाव चल रहे हैं। कुछ जगहों पर अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर बवाल भी हुआ। बीजेपी के कार्यकर्ता अपने ही बड़े नेताओं से भिड़ गए। विधायकों पर अपने लोगों को तरजीह देने कार्यकर्ताओं का अपमान करने का आरोप लगा। इसलिए भाजपा ने कुछ जगहों पर मंडल अध्यक्षों की नियुक्ति को रद्द कर दिया है।

डिप्टी सीएम अरुण साव और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरणदेव ने कहा कि, जहां भी विवाद हुआ है, वहां उसे जल्द ही सुलझा लिया जाएगा। रायपुर, गरियाबंद और गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में मंडल अध्यक्षों की नियुक्तियों को लेकर विवाद के चलते रद्द कर दिया गया है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि, करीब 477 मंडल हैं। सभी की बैठक लेकर चुनाव की प्रक्रिया शुरू की गई। चुनाव पार्टी के अनुशासन के अनुरूप ही हुआ है। कुछ जगह पर छोटी-मोटी घटना हुई है। एकाद घटना को संगठन ने गंभीरता से लिया है, लेकिन अधिकांश स्थानों पर सर्वानुमति से चुनाव मंडल अध्यक्ष नियुक्त हुए हैं।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष किरणदेव ने कहा कि, मंडल अध्यक्षों का चुनाव बहुत ही स्मूदली शांतिपूर्ण और समन्वय के साथ हुआ है। उनका गठन हो चुका है। स्वाभाविक रूप से एक दो तीन जगहों पर कहीं ना कहीं ऐसी प्रॉब्लम आती है। बड़ा परिवार है। लेकिन एक चीज मैं बता दूं, हमारे संगठन में बैठकर समन्वय स्थापित किया जाएगा। जो अच्छा होगा, जो पार्टी के हित में होगा, जो कार्यकर्ता के हित में होगा वह निर्णय तुरंत ले लिया जाएगा। इसलिए भारतीय जनता पार्टी को पार्टी विद डिफरेंट कहा जाता है। कहीं छोटी-मोटी बातें आती हैं, तो उसे सॉल्व भी 24 घंटे के भीतर कर लिया जाता है।

कांग्रेस के बयानों पर किरणदेव ने कहा कि, उनसे पूछिए संगठन चुनाव कराए हैं क्या, हर मुद्दे पर टीका टिप्पणी करना जरूरी नहीं है। जिस मुद्दे पर कोई लेना देना नहीं है। आपने कभी इस तरीके से संघटनात्मक गतिविधि नहीं की। हमारे परिवार में जो बात आई है। उसे ठीक करना हमारा काम है हम कर लेंगे।

किरणदेव ने कहा कि, हमें 30 तारीख तक मंडल और जिला अध्यक्षों की घोषणा करनी है, वो निश्चित समय अवधि में हो जाएगा। मेरा दायित्व है कि सभी कार्यकर्ताओं को उचित सम्मान दूं। चाहे वह रात को 2 बजे आए मैं प्रयास करता हूं उनकी बात को सुनता हूं। हमारी टीम पूरी तरह से तैयार है नगरीय निकाय चुनावों में भी हमें जीत मिलेगी।

निगम मंडल चुनाव को लेकर किरणदेव ने कहा कि, प्रदेश के पदाधिकारी या प्रदेश अध्यक्ष का उसमें इंवॉल्वमेंट नहीं है। हमारा जो नीचे से जो फीडबैक आता है, उस पर काम होता है। हमारी परंपरा है कि जिले में बैठकर मंडल के अध्यक्षों से मंडल के लोगों से बात करना, जो सर्वाधिक उपयुक्त हो पार्टी की दृष्टि से वह नाम आते हैं और उनकी घोषणा होती है।

प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि, भाजपा में गुटबाजी के कारण मंडल चुनावों में कार्यकर्ताओं में जूतम पैजार मचा हुआ है। बस्तर से लेकर राजधानी तक कार्यकर्ता एक दूसरे के कपड़े फाड़ रहे हैं।

नए साल में बिक सकती है 50 करोड़ की शराब

रांची, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। नए साल के स्वागत में झारखंड में 50 करोड़ रुपए का शराब बिक सकता है। इसके लिए उत्पाद विभाग की ओर से पूरी तैयारी की जा रही है। विभाग की ओर से दुकानों में तमाम पॉपुलर ब्रांड उपलब्ध रखने पर जोर दिया जा रहा है। इसके लिए तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। उत्पाद विभाग की माने तो इस साल पिछले साल के मुकाबले अधिक शराब की बिक्री होगी। इस साल रिकॉर्ड टूटने वाला है। न केवल झारखंड बल्कि राजधानी रांची में भी शराब बिक्री के सारे रिकॉर्ड टूटने वाले हैं। बीते साल 31 दिसंबर की रात और एक जनवरी को झारखंड में 45 करोड़ रुपए के करीब की शराब बेची गई थी। 31 दिसंबर की रात 31 दिसंबर को राज्य भर में 24 करोड़ रुपए की शराब की बिक्री हुई थी। जबकि, एक जनवरी 2024 को लगभग 21 करोड़ की शराब की बिक्री हुई थी। राजधानी रांची के आंकड़े बताते हैं कि बीते साल राजधानी रांची में लोगों ने लगभग 7.53 करोड़ की शराब पी थी। जिसमें 31 दिसंबर को रांची में 4.53 करोड़ रुपए और एक जनवरी को लगभग तीन करोड़ रुपए से अधिक की शराब की बिक्री हुई थी। राजधानी रांची में एक दिन में इतनी शराब की बिक्री नहीं हुई थी। विभाग इस साल रांची में भी सारे रिकॉर्ड तोड़ने की बात कह रहा है। इस साल रांची में यह आंकड़ा 9 करोड़ रुपए के पार जा सकता है। इस साल विभाग अपना टारगेट पूरा कर सके, इसके लिए आवश्यक तैयारियां पूरी की जा रही हैं। दुकानों में पॉपुलर ब्रांड लोगों को आसानी से मिल जाए, इसकी तैयारी अपने अंतिम रूप में है। वहीं, शराब की बिक्री एमआरपी में ही हो इसे लेकर जिलों को निर्देश दिए गए हैं।

डायन के शक में महिला की हत्या

कुल्हाड़ी से काटकर किया पूर्व मुखिया की पत्नी का मर्डर, आरोपी गिरफ्तार

गुमला, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। गुमला के कुरकुरा थाना क्षेत्र में डायन शक में पूर्व मुखिया की पत्नी की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। घटना बुधवार को कुलबुरु गयाटोली की है।

मृतका की पहचान पूर्व मुखिया स्व. चोड़या मुंडा की पत्नी एतवारी मुंड़ाईन (55) के रूप में की गई। वर्ष की हत्या कुल्हाड़ी से मारकर किया गया।

एतवारी सुबह में शौच करने के लिए खेत की ओर जा रही थी। उसी दौरान गांव सुनील आईंद (24) कुल्हाड़ी से एतवारी के सिर पर वार कर दिया। इससे उसकी मौत घटनास्थल पर ही हो गई। सूचना पर कुरकुरा के थाना प्रभारी मनीष कुमार पूर्ति घटनास्थल पर पहुंचे।

इसके बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल गुमला भेज दिया। इधर, पुलिस सुनील आईंद को उसके घर से गिरफ्तार कर थाना ले आई। आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसे शक था कि एतवारी डायन है और उसके जीवन में जो भी बूरा हुआ, उसकी जिम्मेदार वही है। इसलिए उसकी हत्या कर दी।

उधार के 3 हजार नहीं देने पर दोस्त को मार-डाला

भिलाई, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। भिलाई के खुर्सीपार इलाके में उधार के 3 हजार रुपए नहीं देने पर युवक ने अपने ही दोस्त को मार डाला। आरोपी अजय यादव उर्फ टंगिया ने प्लानिंग के तहत लोकेश्वर बंजारे को शराब पीने के लिए वीरांगना अवंती बाई भवन के पास नहर किनारे बुलाया। दोनों ने मिलकर शराब पी। अजय ने फिर लोकेश्वर से उधार की रकम मांगी। लोकेश्वर ने रकम देने से मना कर दिया, जिसके बाद उसने पास पड़े पत्थर को उठाकर लोकेश्वर के सिर में पटक दिया। इससे भी वो नहीं मरा तो पत्थर से उसके सिर में कई वार किए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद से अजय फरार था। 6 दिसंबर की रात हुई वारदात के बाद बुधवार देर शाम अजय को गिरफ्तार कर लिया गया। अजय को घटनास्थल पर लेजाकर क्राइम सीन रिक्रिएट करवाया। नहर किनारे खून से लथपथ लाश मिलने की खबर के बाद से पुलिस जांच में जुटी थी।

संदेह के आधार पर दो आरोपियों को पहले ही हिरासत में लिया गया था। पूछताछ में दोनों ने बताया कि घटना वाले दिन उन्होंने लोकेश्वर को अजय के साथ जाते देखा था। पुलिस ने जब आसपास लगे सीसीटीवी खंगाला तो इसकी पुष्टि हो गई। अजय और लोकेश्वर दोनों साथ में जाते हुए नजर आए। जिसके बाद से पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली की अजय उर्फ टंगिया कवर्धा में छिपा हुआ है।

नए साल से पहले बारिश-ओले का अलर्ट

रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, बस्तर, सरगुजा संभाग के जिले भीगेंगे, फिर लौटेगी कड़ाके की ठंड

रायपुर, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में नए साल से पहले कई जिलों में 27 और 28 दिसंबर को ओला और बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। रायपुर, बिलासपुर, सरगुजा, दुर्ग और बस्तर संभाग के जिलों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। बंगाल में बने सिस्टम के असर के कारण बारिश की स्थिति बन रही है। 4 दिनों तक न्यूनतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन होने के आसार नहीं है। 31 दिसंबर से न्यूनतम तापमान में गिरावट का दौर शुरू होगा और फिर कड़ाके की ठंड लौटेगी। बुधवार को प्रदेश में सबसे ठंडा अंबिकापुर रहा यहां रात का तापमान 11 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

सीबीआई-ईडी का डर दिखाकर छात्रा से 10 लाख की ठगी

वीडियो कॉल कर साइबर ठग बोला–ड्रग्स तस्करी में आया है नाम, फर्जी दस्तावेज भेजकर वसूले पैसे

बिलासपुर, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। बिलासपुर में साइबर ठगों ने एक कॉलेज छात्रा को ड्रग तस्करों से कनेक्शन होने का डर दिखाकर 10 लाख रुपए की ठगी कर ली। ठगों ने उसे वीडियो कॉल कर केस की सीबीआई-ईडी जांच चलने और तस्करों से नाम मिलने की धमकी दी। जिसके बाद ठगों ने उसे कुछ फर्जी दस्तावेज भी भेजे। इससे डरी-सहमी छात्रा ने परिजनों से उधार लेकर पैसे ट्रांसफर कर दिए। अब धोखाधड़ी की शिकार छात्रा ने साइबर रेंज थाने में शिकायत की है, जिस पर पुलिस ने केस दर्ज किया है। दरअसल, 24 वर्षीय छात्रा के मोबाइल पर अनजान नंबर से कॉल आया। फोन करने वाले ने छात्रा को बताया कि उनके बैंक अकाउंट से करोड़ों रुपए का लेनदेन हुआ है। जिसकी जांच चल रही है। ड्रग्स तस्करों ने उनके आधार कार्ड का उपयोग किया है, जो सीबीआई की गिरफ्त में हैं। इस केस की जांच सीबीआई के साथ ही ईडी और केंद्रीय एजेंसी कर रही है। इस दौरान ठगों ने छात्रा को वीडियो कॉल भी किया और इसकी जानकारी साझा करने से मना किया। छात्रा ने अपनी शिकायत में बताया कि, ठगों ने उसे डराने के लिए वीडियो कॉल किया, जिसके बाद उसे तसल्ली दिलाने के लिए मोबाइल में वॉट्सऐप पर गिरफ्तारी और जांच संबंधी फर्जी दस्तावेज भी भेजे। जालसाजों ने इस पूरी बातचीत और जांच की जानकारी किसी को देने से मना भी किया था। छात्रा के डर का फायदा उठाते हुए जालसाजों ने उनके बैंक डिटेल की जानकारी मांगी। इसके बाद जांच के नाम पर उनसे रुपए मांगे गए। डरी हुई छात्रा ने अपने परिचित और परिजनों से उधार में पैसे लेकर ठगों के अलग-अलग अकाउंट में पैसे ट्रांसफर किए। करीब 10 लाख रुपए देने के बाद भी जब ठगों ने उससे और पैसों की मांग की। जिस इस पर छात्रा ने और रुपए के लिए अपने परिचित से बात की। इससे उन्हें ठगी का अहसास हुआ। तब परिचित ने उन्हें रुपए देने से मना कर दिया। साथ ही पूरे मामले की शिकायत थाने में करने के लिए कहा। इसके बाद छात्रा ने पूरे मामले की शिकायत रेंज साइबर थाने में की।

बांग्लादेश के सचिवालय में आग लगी

आग वाली बिल्डिंग में 7 मंत्रालयों के ऑफिस, 6 घंटे बाद आग पर काबू, एक दमकल कर्मी की मौत

ढाका, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की राजधानी ढाका के सेगुनबागीचा इलाके में बुधवार देर रात करीब 2 बजे सचिवालय में आग लग गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आग सचिवालय की बिल्डिंग नंबर 7 में 6वीं मंजिल पर लगी थी, जो बाद में 7वीं और 8वीं मंजिल पर फैल गई। इस बिल्डिंग में ट्रांसपोर्ट समेत 7 मंत्रालयों के ऑफिस हैं।

आग की खबर मिलते ही दमकल विभाग ने मौके पर 8 यूनिट भेज दी थी। हालांकि आग को काबू में करने के लिए बाद में दमकल की 10 और यूनिट मौके पर भेजी गई। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत से 6 घंटे बाद आग पर काबू पा लिया।

दमकल की मीडिया सेल के अधिकारी शाहजहां शिकदर के मुताबिक दमकल विभाग को रात 1:52 बजे आग लगने की जानकारी मिली थी, जिसके बाद 1:54 पर दमकल कर्मी मौके पर पहुंच गए थे। आग पर सुबह 8:05 बजे काबू पा लिया गया।

दमकल विभाग ने बताया कि आग पर काबू पाने के दौरान एक दमकलकर्मी टैंकर की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौत हो गई। रिपोर्ट के मुताबिक वह टैंकर में पाइप लगाने जा रहा, तभी उसे एक दूसरे टैंकर ने टक्कर मार दी। इसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया जहां उसकी मौत हो गई। मृतक दमकल कर्मी का नाम सोहनूर जमान नयन है। वह तेजगांव फायर स्टेशन में दमकल विभाग का कर्मी था। इसके अलावा एक दूसरे दमकल कर्मी हबीबुर रहमान को पैर में चोट आई है। अंतरिम सरकार में गृह मंत्रालय के एडवाइजर जहांगीर आलम चौधरी ने कहा कि आग की जांच के लिए एक हाई लेवल कमेटी का गठन किया जाएगा। इस कमेटी में 5 से 11 मेंबर्स होंगे। फिलहाल आग लगने की वजह पता नहीं चल पाई है। चौधरी ने बताया कि इस संबंध में कैबिनेट सेक्रेटरी और होम सेक्रेटरी को निर्देश दे दिए गए हैं। ढाका का सचिवालय बांग्लादेश की सरकार का प्रमुख प्रशासनिक मुख्यालय है। इसमें कुल 8 बिल्डिंग्स हैं। आग की शुरुआत जिस 7 नंबर बिल्डिंग से हुई थी, उसमें वित्त, ट्रांसपोर्ट, श्रम और जल मंत्रालय जैसे प्रमुख मंत्रालयों के दफ्तर हैं।

ट्रांसपोर्ट मंत्रालय की जिम्मेदारी अवामी लीग के महासचिव ओबेदुल कादर के पास है। इससे पहले 2019 में सचिवालय की बिल्डिंग नंबर 6 में आग लगी थी।

आतंकी मसूद अजहर को अफगानिस्तान में हार्ट अटैक आया

पाकिस्तान के मिलिट्री अस्पताल में शिफ्ट हुआ, संसद और पुलवामा अटैक का मास्टरमाइंड रह चुका

इस्लामाबाद, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद चीफ और भारत के मोस्ट वांटेड आतंकी मसूद अजहर को हार्ट अटैक आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार मसूद अजहर अफगानिस्तान के खोस्त प्रांत में आतंकियों को ट्रेनिंग दे रहा था। वहीं पर उसे दिल का दौरा पड़ा। फिलहाल उसे बेहतर इलाज के लिए पाकिस्तान लाया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक मसूद अजहर का इलाज कराची के मिलिट्री हॉस्पिटल में हो रहा है। हालांकि उसकी हालत को लेकर कोई जानकारी नहीं मिली है। इलाज के लिए इस्लामाबाद से कार्डियोलॉजिस्ट भी आ रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक जल्द ही उसे रावलपिंडी भेजा जा सकता है। हाल ही में मसूद अजहर का स्पीच वायरल हुआ था। यह स्पीच 3 दिसंबर को जैश के डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुआ था।

यूक्रेन को हथियारों की सप्लाई बढ़ाएगा अमेरिका

बाइडेन बोले- यूक्रेनी लोगों को शांति से जीने का हक, क्रिसमस पर रूस ने दागीं 78 मिसाइलें

कीव, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने बुधवार को यूक्रेन पर हुए रूसी मिसाइल और ड्रोन हमले की निंदा की है। बाइडेन ने आरोप लगाया कि रूस ने मिसाइल और ड्रोन हमले के जरिए यूक्रेन की एनर्जी ग्रिड को निशाना बनाया है। इसके जरिए रूस सर्दी में यूक्रेनी लोगों की बिजली सप्लाई काटना चाहता है। बाइडेन ने यूक्रेन को मदद देने की बात भी दोहराई। बाइडेन के मुताबिक अमेरिका ने पिछले कुछ महीनों में यूक्रेन को सैकड़ों मिसाइलें दी हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका यूक्रेन को हथियारों की सप्लाई बढ़ाएगा। यूक्रेन को जल्द ही मिसाइलों की नई खेप दी जाएगी। इसके लिए अमेरिकी रक्षा विभाग को मिसाइलों की सप्लाई तेज करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने दुनिया के दूसरे देशों से भी यूक्रेन की मदद करने के लिए कहा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि यूक्रेन के लोगों को शांति और सुरक्षा के साथ जीने का अधिकार है। बाइडेन ने कहा कि हम यूक्रेन का तब तक समर्थन करते रहेंगे,

जब तक वह रूस के खिलाफ जीत हासिल न कर ले। रूस ने अपने हमले में यूक्रेन के कई शहरों को निशाना बनाया। यूक्रेनी एयरफोर्स के मुताबिक रूस हमले के लिए 78 मिसाइलों और 106 ड्रोन्स का इस्तमाल किया। इस हमले में 1 शख्स की मौत हुई, जबकि 21 घायल हुए हैं। यूक्रेनी मीडिया के मुताबिक सबसे बड़ा हमला खार्किव शहर पर किया गया। इसके अलावा निप्रो, क्रेमेनचुक, क्रिवी रिह और इवानो-फ्रैंकिवस्क पर भी हमले हुए। यहां एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर समेत रिहायशी इलाकों को निशाना बनाया गया।

लोकल मीडिया के मुताबिक रूस ने बैलिस्टिक मिसाइल से भी हमले किए हैं। रूस ने ब्लैक सी से ये मिसाइलें दागीं। खार्किव के गवर्नर ने बताया कि रूस ने उनके शहर पर कम से कम 7 मिसाइलें दागीं जिसमें 6 लोग घायल हुए हैं। यूक्रेन के कई शहरों ने हमले के बाद बिजली सप्लाई बंद कर दी गई है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने इसे 'अमानवीय' करार दिया है। उन्होंने कहा कि पुतिन इंसान नहीं हैं। उन्होंने जानबूझकर हमले के लिए क्रिसमस का दिन चुना। वहीं, यूक्रेन की सबसे बड़ी निजी ऊर्जा कंपनी डीटीईके ने कहा कि रूस का यूक्रेनी एनर्जी सिस्टम पर 13वां बड़ा हमला है। रूस ने राष्ट्रपति जेलेंस्की के होम टाउन क्रिवी रिह पर भी मिसाइल हमले किए हैं। एक अपार्टमेंट पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला हुआ, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और 15 लोग घायल हो गए। वहीं, यूक्रेन के एक और शहर निप्रो पर भी मिसाइल हमले हुए। इससे पहले रूसी वायु सेना कहा था कि उन्होंने 24-25 दिसंबर की रात में यूक्रेन के 59 ड्रोन को मारकर गिराया। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने यूक्रेनी हमले को लेकर चेतावनी दी है।

उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा कि यूक्रेनी सरकार आम नागरिकों को निशाना बना रही है। लावरोव ने चेतावनी दी कि यूक्रेन का ये हमला जारी रहा तो रूस और ज्यादा कड़े कदम उठाएगा।

कनाडा ने कड़े किए इमिग्रेशन के नियम

जॉब ऑफर की अहमियत अब जीरो भारतीयों के लिए कैसे बढ़ी मुश्किल?

ओटावा, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। कनाडा ने अपने इमिग्रेशन नियमों में बदलाव किया है, जिससे वहां भारतीय छात्रों के मुश्किल बढ़ सकती है। कनाडा की जस्टिन ट्रूडो सरकार अपने एक्सप्रेस एंट्री सिस्टम में बदलाव कर रही है। ये बदलाव 2025 में लागू हो जाएंगे। इन बदलावों के तहत नौकरी का ऑफर होने पर उम्मीदवारों को अतिरिक्त अंक नहीं मिलेंगे। कनाडा सरकार का कहना है कि यह कदम धोखाधड़ी को रोकने के लिए उठाया जा रहा है। इससे एलएमआईए (लेबर मार्केट इम्पैक्ट असेसमेंट) की अवैध खरीद-बिक्री रुकेगी। कनाडा के आव्रजन मंत्री मार्क मिलर ने कहा कि यह कदम आव्रजन प्रणाली की ईमानदारी को मजबूत करेगा। साथ ही यह सुनिश्चित करेगा कि कनाडा कुशल लोगों को आकर्षित करता रहे। मिलर ने कहा कि हम धोखाधड़ी कम करने के लिए जरूरी कदम उठा रहे हैं। साथ ही हम यह भी सुनिश्चित कर रहे हैं कि हमारी अर्थव्यवस्था को जरूरी कुशल लोग मिलते रहें। एलएमआईए एक तरह का परमिट होता है, जिससे नौकरी मिलने की संभावना बढ़ जाती है। यह बदलाव सभी आवेदकों पर लागू होगा। जिन लोगों को पहले ही आवेदन करने का निमंत्रण मिल गया है, उन पर यह लागू नहीं होगा। एक्सप्रेस एंट्री कनाडा का स्थायी आव्रजन के लिए मुख्य आवेदन सिस्टम है। इसमें फेडरल स्किल्ड वर्कर प्रोग्राम, फेडरल स्किल्ड ट्रेड्स प्रोग्राम और कैनेडियन एक्सपीरियंस क्लास जैसे प्रोग्राम शामिल हैं। यह कनाडा की आर्थिक प्राथमिकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसमें कुशल कामगारों के साथ प्रमुख क्षेत्रों का समर्थन करना भी शामिल है।

कनाडा सरकार ने जोर देकर कहा कि आर्थिक विकास और सफलता के लिए आव्रजन जरूरी है लेकिन इसमें धोखाधड़ी को रोकना भी जरूरी है।

कनाडा के रास्ते अमेरिका में भारतीयों की ह्यूमन ट्रैफिकिंग

250 से ज्यादा कनाडाई कॉलेज शक के घेरे में, ईडी की भारत में कई जगह छापेमारी

ओटावा, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत की केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को शक है कि कनाडा के रास्ते अमेरिका में भारतीयों की ह्यूमन ट्रैफिकिंग की जा रही है। ईडी ने इस मामले में कनाडा के 260 कॉलेज की भी संदिग्ध भूमिका पाई है। ईडी ने बुधवार को बताया कि एक इंटरनेशनल सिंडिकेट द्वारा इस वारदात को अंजाम दिया जा रहा है। दरअसल, 3 साल पहले 2022 में एक गुजराती परिवार की अवैध तरीके से कनाडा के रास्ते अमेरिका में घुसते वक्त मौत हो गई थी। बॉर्डर पार करवाने वाले तस्करों ने इन्हें माइनस 37 डिग्री सेल्सियस के बर्फीले तूफान के बीच छोड़ दिया था। अहमदाबाद पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज की थी। इस एफआईआर में भवेश अशोकभाई पटेल और कुछ अन्य लोगों को प्रिवेंटिव मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत आरोपी बनाया था। ईडी के

अहमदाबाद रीजनल ऑफिस ने इसे लेकर 10 और 19 दिसंबर को मुंबई, नागपुर, गांधीनगर और वडोदरा में 8 जगहों पर सर्च ऑपरेशन चलाया। ईडी की जांच में पता चला है कि ये तस्कर पहले कनाडा के कॉलेजों में एडमिशन दिलाने के लिए आवेदन करते हैं। इसके बाद जब कोई इंसान कनाडा पहुंच जाता है तो वो उसे अवैध तरीके से बॉर्डर पार करवा कर अमेरिका पहुंचा देते हैं। एजेंसी ने बताया कि ये आरोपी इस सारे काम के लिए प्रति व्यक्ति 55 से 60 लाख रुपए तक वसूलते हैं। तलाशी के दौरान पता यह भी चला कि मुंबई और नागपुर में दो एजेंट हर साल लगभग 35,000 लोगों को अवैध तरीके से विदेश भेजते हैं।

अकेले गुजरात में 1700 और पूरे भारत में लगभग 3,500 एजेंट इस रैकेट में शामिल थे। इन पर एक्शन के बाद अभी भी 800 से ज्यादा एजेंट इस काम में लगे हुए हैं। कनाडा के लगभग 260 कॉलेज भी इस रैकेट में हिस्सेदार हैं। हर साल हजारों भारतीय अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, यूके जाने के लिए अवैध तरीका अपनाते हैं। पॉपुलर टर्म में इसे डंकी रूट कहा जाता है।

पूर्व सीरियाई राष्ट्रपति की पत्नी को ब्लड कैंसर

बचने की उम्मीद सिर्फ 50%, रूस में कड़े प्रतिबंधों में रह रहा असद का परिवार

मास्को/दमिश्क, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद की पत्नी अस्मा अल-असद गंभीर बीमारी से जूझ रही हैं। द टेलीग्राफ के मुताबिक, अस्मा को ब्लड कैंसर यानी ल्यूकेमिया है। डॉक्टरों ने उनके बचने की संभावना सिर्फ 50% बताई है। ब्रिटिश मूल की अस्मा अल-असद को 2019 में ब्रेस्ट कैंसर का पता चला था। इलाज के बाद उन्होंने खुद को कैंसर मुक्त घोषित किया था। फिलहाल, उन्हें आइसोलेशन में रखकर इलाज किया जा रहा है। अस्मा ने दिसंबर 2000 में असद से शादी की थी। अस्मा और असद के तीन बच्चे हैं, जिनके नाम हाफिज, जीन और करीम हैं। अस्मा का जन्म 1975 में लंदन में सीरियाई माता-पिता के यहां हुआ था। उनके पास ब्रिटेन और सीरिया की दोहरी नागरिकता है। 2011 में सीरिया में शुरू हुए गृह युद्ध और विद्रोह के बाद हालात बिगड़ते गए। हाल ही में विद्रोही

समूह हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) के 11 दिनों के हमले के बाद बशर अल-असद और उनका परिवार सीरिया छोड़कर रूस चला गया। अब वे मास्को में शरण लिए हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, रूस ने असद को कड़ी शर्तों के साथ शरण दी है। वे मास्को से बाहर नहीं जा सकते और किसी भी राजनीतिक गतिविधि में भाग लेने पर प्रतिबंध है। इसके अलावा, उनकी संपत्तियां भी फ्रीज कर दी गई हैं।

रिपोर्ट्स के अनुसार, अस्मा अल-असद खुश नहीं हैं और उन्होंने अपने बच्चों के साथ लंदन में बसने की इच्छा जताई है। कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि उन्होंने बशर अल-असद से तलाक के लिए भी अर्जी दी है। साथ ही, रूस छोड़ने के लिए विशेष अनुमति मांगी है। यह मामला फिलहाल रूसी अधिकारियों के पास लंबित है। हालांकि, क्रेमलिन ने इन दावों को खारिज किया है।

बांग्लादेश में क्रिसमस पर 17 ईसाइयों के घर जलाए

त्योहार मनाने पड़ोस के गांव गए थे, मौके का फायदा उठाकर उपद्रवियों ने आग लगाई

ढाका, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में क्रिसमस से एक दिन पहले ईसाई समुदाय से जुड़े लोगों के 17 घर जला दिए गए। यह घटना बंदरबन जिले के चटगांव पहाड़ी इलाके में हुई। पीड़ितों का दावा है कि जब वे क्रिसमस के मौके पर प्रार्थना करने के लिए चर्च गए थे, तब मौके का फायदा उठाकर उनके घरों में आग लगाई गई। ईसाई समुदाय के लोगों ने बताया कि इस घटना में उनका 15 लाख टका (बांग्लादेशी करंसी) से ज्यादा का नुकसान हुआ है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने तुरंत घटनास्थल का दौरा किया। पुलिस ने कहा कि बुधवार दोपहर तक आगजनी के संबंध में कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं की गई है, लेकिन शिकायत मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के मुताबिक त्रिपुरा समुदाय के 19 परिवार बंदरबन (चटगांव पहाड़ी इलाका) के लामा सराय के एसपी गार्डन में रहते थे। यह गार्डन हसीना सरकार में बड़े अधिकारी रहे

बेनजीर अहमद का है। 5 अगस्त के बाद बेनजीर अहमद और उनके परिवार के लोग यह इलाका छोड़कर चले गए थे। इसके बाद यहां त्रिपुरा समुदाय के 19 परिवार आकर रहने लगे। कल शाम जब सभी लोग क्रिसमस के मौके पर पड़ोस के चर्च में प्रार्थना करने गए तो उपद्रवियों ने खालीपन का फायदा उठाकर घरों को जला दिया। वहीं, ईसाई समुदाय से जुड़े लोगों ने बताया कि ये उनकी ही जमीन है। पहले इस इलाके का नाम तंगझिरी पारा था। इस पर बेनजीर अहमद के लोगों ने कब्जा कर लिया था और यहां का नाम बदलकर एसपी गार्डन कर दिया था। पीड़ित परिवार के सदस्य गंगा मणि त्रिपुरा ने कहा कि उन्हें 17 नवंबर से ही इलाका खाली करने को कहा जा रहा था। वे यहां रहने के लिए बड़ी रकम की मांग कर रहे थे। गंगा ने कहा कि उसने स्टीफन त्रिपुरा समेत 15 लोगों के खिलाफ लामा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन पुलिस ने कोई एक्शन नहीं लिया।

अब कार्यवाहक राष्ट्रपति हान पर चलेगा महाभियोग

विपक्षी पार्टी ने संसद में पेश किया प्रस्ताव

सियोल, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। दक्षिण कोरिया की मुख्य विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी अब कार्यवाहक राष्ट्रपति हान डक-सू के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लेकर आई है। गुरुवार को संसदीय सत्र के दौरान विपक्षी पार्टी ने प्रस्ताव पेश किया। मुख्य विपक्षी पार्टी ने यह प्रस्ताव कार्यवाहक राष्ट्रपति के न्यायाधीशों की नियुक्ति को लेकर लिए गए फैसले के बाद उठाया है।

कार्यवाहक राष्ट्रपति हान डक-सू ने अपने फैसले में कहा था कि जब तक विपक्षी दल राजनीतिक समझौते पर सहमत नहीं हो जाते, तब तक संविधानिक कोर्ट में न्यायाधीशों की नियुक्ति नहीं की जाएगी। वहीं विपक्षी दल का कहना है कि अगर कार्यवाहक राष्ट्रपति न्यायाधीशों की नियुक्ति नहीं करेंगे तो हम उनके खिलाफ महाभियोग चलाएंगे। डेमोक्रेटिक पार्टी अब इस प्रस्ताव पर सदन में मतदान कराएगी। क्योंकि

महाभियोग प्रस्तुत किए जाने के 24 से 72 घंटे के भीतर मतदान कराया जाना जरूरी है। विपक्षी पार्टी के प्रवक्ता चूं जोंग-कुन ने कहा कि इस महाभियोग कारण यह है कि हान देश में महाभियोग का सामना कर रहे राष्ट्रपति यून सुक येओल व उनकी पत्नी के खिलाफ विपक्ष द्वारा निर्धारित समय सीमा के भीतर स्वतंत्र जांच की मंजूरी नहीं दे पाए। सांसदों ने सर्व सम्मति से निर्णय को अपनाया और प्रस्ताव को संसदीय सत्र में पेश किया गया।

राष्ट्रपति योल के खिलाफ पारित हो चुका महाभियोग

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सूक योल के खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव पारित हो चुका है। इसके बाद उनको पद से हटा दिया गया था। उनके खिलाफ 204 वोट पड़े, जबकि उनके समर्थन में सिर्फ 85 वोट डाले गए।

संसद में राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पारित होने के बाद उनकी शक्तियां तत्काल रूप से निलंबित हो गईं। अब प्रधानमंत्री हान डक-सू कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में काम कर रहे हैं।

अब, संवैधानिक न्यायालय के पास यह तय करने के लिए 180 दिनों का समय है कि यून को राष्ट्रपति पद से हटाया जाए या उनकी शक्तियां बहाल की जाएं। यदि उन्हें पद से हटा दिया जाता है, तो उनके उत्तराधिकारी को चुनने के लिए 60 दिनों के भीतर राष्ट्रीय चुनाव कराना होगा।

मशहूर लेखिका बाप्सी सिधवा का अमेरिका में निधन

पाकिस्तान की सबसे बड़ी लेखिकाओं में थीं शुमार

वॉशिंगटन, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। दक्षिण एशियाई साहित्य की अग्रणी लेखिका बाप्सी सिधवा का अमेरिका के ह्यूस्टन में निधन हो गया है। बाप्सी सिधवा 86 साल की थीं। बाप्सी सिधवा को उनके प्रतिष्ठित उपन्यास 'आइस कैंडी मैन' के लिए जाना जाता है। बाप्सी सिधवा के परिवार ने उनके निधन की पुष्टि की है।

बाप्सी के भाई फिरोज भंडारा ने बताया कि तीन दिनों तक बाप्सी के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। बाप्सी का अंतिम संस्कार ह्यूस्टन में किया जाएगा।

11 अगस्त, 1938 को पाकिस्तान के कराची में जन्मीं बाप्सी सिधवा पाकिस्तान के एक प्रमुख पारसी परिवार से ताल्लुक रखतीं थीं। अपने जन्म के कुछ समय बाद ही वे लाहौर चलीं गईं, जहां उन्होंने अपने जीवन का अधिकांश समय बिताया। बाप्सी को पाकिस्तान की सबसे प्रभावशाली लेखिकाओं में से एक माना जाता है। अपनी रचनाओं में इतिहास और संस्कृति के कमाल के चित्रण के लिए उन्हें पूरी दुनिया में प्रशंसा मिली। उनके उपन्यास आइस कैंडी मैन पर भारतीय-कनाडाई फिल्म निर्माता दीपा मेहता ने चर्चित फिल्म अर्थ का निर्माण किया था। बीबीसी ने बाप्सी सिधवा के उपन्यास आइस कैंडी मैन को दुनिया के 100 सबसे प्रभावशाली उपन्यासों की सूची में शामिल किया था। बाप्सी सिधवा की साहित्यिक शुरुआत 'द क्रो ईटर्स' नामक उपन्यास से हुई, जिसमें पारसी जीवन और इतिहास चित्रण किया गया था। इनके अलावा बाप्सी ने क्रैकिंग इंडिया, एन अमेरिकन ब्रैट, द पाकिस्तानी ब्राइड और वाटर जैसी कृतियों की भी रचना की।

साहित्य में उनके योगदान के लिए उन्हें पाकिस्तान के प्रतिष्ठित 'सितारा-ए-इम्तियाज' पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। पाकिस्तानी अखबार डॉन ने लिखा है कि, 'उनका जाना साहित्य जगत, पाकिस्तान, भारत और दुनिया भर के पारसी समुदाय के लिए एक गहरा नुकसान है।'

इजरायली एक्सपर्ट का कमाल

1000 साल पुराने बीज से जमा दिया पौधा, बाइबल से जुड़ा है कनेक्शन

तेल अवीव, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। इजरायल में 1,000 साल पुराना एक बीज जमकर 'शेबा' नाम का पेड़ बन गया है। यरुशलम के हदस्सा अस्पताल में प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान की निदेशक सारा सल्लोन ने एक हजार साल पुराने बीज को अंकुरित कर ये अनोखा पौधा उगाया है। यह बीज 1980 के दशक में जूडियन रेगिस्तान में एक गुफा से मिला था। सल्लोन को उम्मीद थी कि यह बाइबल में वर्णित गिलियड के बलसम का स्रोत हो सकता है, जिसका इस्तेमाल दवाओं में होता था और अपनी सुगंध के लिए जाना जाता था। इस बीज से उगाए गए पौधे को शेबा नाम दिया गया, हालांकि ये सुगंधित नहीं है। इस शोध के बारे में साल सितंबर में कम्युनिकेशंस बायोलॉजी जर्नल में प्रकाशित हुआ था। सल्लोन ने इस शोध को 14 साल तक गुप्त रखा ताकि शेबा की पहचान सुनिश्चित हो सके। उनका मानना है कि यह खोज सल्लोन के बाइबिल और दूसरे प्राचीन ग्रंथों में वर्णित औषधीय पौधों पर शोध का एक हिस्सा है। उन्होंने इससे पहले 2000 साल पुराने खजूर के बीजों को भी अंकुरित किया था। सारा सल्लोन ने एक हजार साल पुराने बीज को जीवन में वापस लाया है।

इजरायली हमले में पांच पत्रकारों की मौत

गाजा सिटी में अस्पताल के बाहर खड़े वाहन पर किया गया हमला

यरुशलम, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। इजरायल की तरफ से गाजा सिटी में किए गए एक हमले में पांच पत्रकारों की मौत का दावा किया जा रहा है। सीएनएन के मुताबिक, गाजा सिटी के एक अस्पताल ने दावा किया है कि अल-अवदा अस्पताल के बाहर खड़े एक प्रेस वाहन पर हुए हमले में सभी पत्रकारों की मौत हुई है। जानकारी के मुताबिक, अल कुद्स टुडे टीवी के वाहन में हमले के वक्त पांचों पत्रकार सो रहे थे। वहीं मौके पर एक पत्रकार ने बताया कि, अयमान अल-जादी, फैसल अबू अल-क्यूमसान, मोहम्मद अल-लादा, इब्राहिम अल-शेख अली और फादी हसौउना नाम के पत्रकार हमले के वक्त प्रेस वाहन में सो रहे थे। इस हमले के बाद सामने आए तस्वीरों में साफ दिख रहा है कि एक वाहन आग की लपटों में घिरा हुआ है। जिस पर बड़े-बड़े अक्षरों में टीवी और प्रेस लिखा हुआ है। अल कुद्स टुडे टीवी ने इजरायल के इस हमले की निंदा की और कहा कि पांच लोग अपने पत्रकारिता धर्म और मानवीय कर्म को निभाते हुए मारे गए हैं।

एक बयान में, इजरायली सेना ने कहा कि उसने नुसेरत के क्षेत्र में 'इस्लामिक जिहाद आतंकवादी सेल' नाम के एक संगठन पर हमला किया। हालांकि, इसने अपने आरोपों के लिए कोई सबूत नहीं दिया। वहीं अमेरिका में मौजूद गैर-लाभकारी समूह, कमेटी टू प्रोटेक्ट जर्नलिस्ट्स (सीपीजे) ने कहा है कि पिछले साल सात अक्तूबर से गाजा, इजरायल, वेस्ट बैंक और लेबनान में कम से कम 141 पत्रकार और मीडियाकर्मी मारे गए हैं, सीपीजे की तरफ से 1992 में आंकड़ा एकत्र करना शुरू करने के बाद से यह पत्रकारों के लिए सबसे घातक समयावधि है।

सीएनएन ने बताया, इन सभी 141 पत्रकारों में से 133 फलस्तीनी थे, जो इस संघर्ष को कवर करने की कोशिश करते मारे गए। इस महीने की शुरुआत में, गाजा में हवाई हमले में अल जजीरा के एक फोटो पत्रकार की मौत हो गई थी। घायलों का इलाज करने वाले अल-अवदा अस्पताल के अनुसार, गाजा के नुसेरत कैंप क्षेत्र में नागरिक सुरक्षा सेवा के एक कार्यालय को निशाना बनाकर किए गए हमले में अहमद अल-लौह और चार अन्य लोग मारे गए। अल जजीरा ने इस हमले की निंदा की और कहा कि अल-लौह की 'क्रूरतापूर्वक हत्या' की गई, जब वह एक परिवार को बचाने के लिए सिविल डिफेंस के प्रयास को कवर कर रहा था, जो पहले हुए बम विस्फोट में घायल हो गया था। जबकि इजरायली सेना ने कहा कि उसने सिविल डिफेंस कार्यालयों को 'सटीक हमले' में निशाना बनाया और कहा कि इस साइट का इस्तेमाल हमास की तरफ से 'कमांड-एंड-कंट्रोल सेंटर' के रूप में किया जा रहा था। इसने आगे कहा कि अल-लौह एक 'आतंकवादी' था, जो पहले इस्लामिक जिहाद के साथ काम कर चुका था। आईडीएफ ने अपने आरोपों के लिए कोई सबूत साझा नहीं किया।

14 लोगों को विदेशों में बनाया साइबर गुलाम

रायपुर, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। दक्षिण-पूर्व एशियाई देश म्यांमार, कंबोडिया, फिलीपींस और थाईलैंड में अजीबोगरीब ट्रेंड चल रहा है। वहां भारत से विजिटर वीजा पर जाने वालों को गुलाम बनाकर उनसे ऑनलाइन ठगी कराई जा रही है। उन्हें साइबर गुलाम (साइबर स्लेवरी) बनाने के लिए उन देशों के ठग गैंग उनका पासपोर्ट-वीजा जब्त कर रहे हैं। केंद्रीय गृहमंत्रालय ने छत्तीसगढ़ के 17 लोगों की सूची भेजी है। इनमें रायपुर के 5 और दुर्ग-भिलाई के 7 हैं। पुलिस का दावा है कि इनमें 14 से संपर्क कर लिया गया है। एक ही परिवार के तीन लोग कहां हैं? इस पर सस्पेंस है। भास्कर ने पड़ताल के दौरान 14 लोगों से संपर्क किया। इनमें से केवल 3 से ही बात हो सकी। बाकी के लोकेशन के बारे में पुलिस भी पुख्ता तौर पर कुछ नहीं बता रही है। साइबर गुलामी का खुलासा केंद्र सरकार की चिट्ठी से हुआ है। गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों को चिट्ठी जारी की थी। पुलिस अब तक भिलाई निवासी रजिंद्र कौर से संपर्क नहीं कर पाई है। रजिंद्र कौर 2023 में थाईलैंड गए थे।

राजस्थान में आज से तीन दिन बारिश-ओले का येलो-ऑरेंज अलर्ट

जयपुर समेत भरतपुर, अजमेर, कोटा और उदयपुर में दिखेगा असर, दिन का तापमान भी गिरेगा

जयपुर, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में आज से तीन दिन यानी 28 दिसंबर तक बारिश का दौर रहेगा। ओले भी गिरेंगे और शीतलहर भी चलेगी। जयपुर सहित 18 जिलों में आज बारिश होगी। मौसम विभाग ने 27 दिसंबर के लिए 7 जिलों में ऑरेंज, जबकि 22 जिलों में बारिश-ओलावृष्टि का येलो अलर्ट जारी किया है। इसी तरह 28 दिसंबर को राजधानी जयपुर सहित 23 जिलों में बरसात होगी। शीतलहर चलने के दौरान दिन का अधिकतम तापमान 20 डिग्री से नीचे रहने की संभावना है। 28 दिसंबर के बाद से प्रदेश में कोहरे का प्रभाव रहेगा और अगले एक-

दो दिन में उत्तरी हवाएं चलने से शीतलहर चलेगी। उधर, जयपुर, सीकर, सवाई माधोपुर, कोटा सहित तमाम जिलों में गुरुवार सुबह कोहरा छाया रहा। विजिबिलिटी भी 30 से 50 मीटर की रही। जयपुर में गुरुवार को घना कोहरा छाया। इससे विजिबिलिटी सुबह 7 बजे के समय करीब 200 मीटर तक रही। आलम यह रहा कि सुबह 11 बजे भी लोगों को सूर्यदेव के दर्शन नहीं हुए। जगतपुरा इलाके में 10 बजे तक कोहरा छाया रहा। सीकर के फतेहपुर शेखावाटी में गुरुवार को घना कोहरा छाया रहा। इस कारण विजिबिलिटी 40 मीटर से भी कम रही। घने कोहरे के कारण गाड़ियों की रफ्तार कम रही। हेडलाइट जलाकर गाड़ियां चलानी पड़ीं। फतेहपुर शेखावाटी में आज न्यूनतम तापमान 3.5 डिग्री दर्ज हुआ है।

मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया- एक प्रेरित चक्रवाती हवाओं का सिस्टम दक्षिण-पूर्वी राजस्थान के ऊपर एक्टिव हो गया है।

इसके असर से आज (26 दिसंबर) से राज्य में बारिश का दौर शुरू हो रहा है। इस सिस्टम का सर्वाधिक प्रभाव 27 दिसंबर को देखने को मिलेगा।

प्रेम विवाह करने पर दुश्मन बने परिजन

बूंदी, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। बूंदी में नर्सिंग कर रही युवती ने अपने की गांव के युवक से जोधपुर के आर्य समाज में प्रेम विवाह कर लिया। इसके बाद से युवती के परिजन आए दिन युवक के परिजनों के साथ मारपीट और हमला कर रहे हैं। युवती को वैश्यावृति कराने की तो युवक को जान से मारने की धमकियां मिल रहीं हैं। युवती ने वीडियो जारी कर अपनी सुरक्षा की मांग की है। वहीं पुलिस पर आरोपियों से मिलीभगत का आरोप लगाया है। घटना बूंदी के दबलाना थाना क्षेत्र के शंकरपुरा की है।

दबलाना क्षेत्र के शंकरपुरा में बूंदी से नर्सिंग की पढ़ाई कर रही इस युवती ने अपने प्रेमी जसपाल सिंह के साथ आर्य समाज जोधपुर में 16 दिसंबर को शादी कर ली।

युवती ने सोशल मीडिया पर की सुरक्षा की अपील, पुलिस पर लगाया मिलीभगत का आरोप

इसके बाद से ही युवती के परिवार वाले दोनों के दुश्मन बन गए। जो आए दिन युवक के परिजनों से मारपीट करते हैं। यही नहीं युवती के परिजनों ने 25 दिसम्बर को युवक के नाना के घर पर भी धारदार हथियारों के साथ हमला कर दिया। इसके चलते युवक-युवती सहित युवक के परिजन भयभीत है। युवक के परिजनों का कहना है कि पुलिस मे शिकायत करने के बावजूद भी ठोस कार्रवाई नहीं हो रही है। प्रेम विवाह करने वाले युवक-युवती ने कही भी सुनवाई नहीं हुई तो तो सोशल मीडिया पर विडियो पोस्ट कर सुरक्षा और मदद की गुहार लगाई है। युवती का कहना है कि उसके परिजन कहते हैं कि इससे तो वेश्यावृत्ति करवाएंगे और लड़के को जान से मार देंगे। उसने समाज में फैली कुरीतियों से मुक्त होकर अपनी मर्जी से शादी की है। इसमें किसी का कोई दबाव नहीं है। इसके बावजूद मेरे परिजन मेरे पति और ससुराल वालों को परेशान कर उनसे मारपीट करते हैं। उन लोगों ने मेरी सास को किडनैप कर लिया। जिसे पुलिस ने छुड़ाया, लेकिन आरोपियों पर कोई कार्रवाई नहीं की उल्टा मेरे पति और ससुराल वालों पर मुकदमा दर्ज करने की बात कह रहे हैं। अगर आप लोगों ने हमें ज्यादा परेशान किया तो हम आत्महत्या कर लेंगे। जिसकी जिम्मेदारी मेरे परिजनों और पुलिस प्रशासन की रहेगी। उसे समाज और प्रशासन से सहयोग नहीं मिल पा रहा है। इसके चलते उसे अपनी और अपने पति व ससुराल वालों की सुरक्षा को लेकर लोगों से फरियाद करनी पड़ रही है। शंकरपुरा के युवक-युवती ने 16 दिसंबर को बूंदी से भागकर जोधपुर मे शादी रचाई थी। इस घटनाक्रम के बाद सदर थाने में दोनों की गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज हुई थी। इस शादी के बाद से युवती के परिजन युवक और उसके परिवार वालों को लगातार परेशान कर युवती को उनके हवाले करने का दबाव बना रहे हैं।

एसआई भर्ती रद्द करने की तैयारी,अगली कैबिनेट में फैसला संभव

गृह विभाग सीएम को भेज चुका भर्ती रद्द करने का प्रस्ताव, हाईकोर्ट को भी देना है जवाब

जयपुर, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। सरकार एसआई भर्ती परीक्षा 2021 को रद्द करने की तैयारी में है। अगली कैबिनेट बैठक में एसआई भर्ती रद्द करने पर फैसला हो सकता है। मंत्रियों की समिति भर्ती को रद्द करने की रिपोर्ट दे चुकी है। मंत्रियों की सब कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर गृह विभाग एसआई भर्ती को रद्द करने का प्रस्ताव सीएम को भेज चुका है। अब इस पर कैबिनेट में

फैसला होना है। पिछले दिनों हाईकोर्ट ने एसआई भर्ती परीक्षा पर सरकार को दो सप्ताह में फैसला करने के आदेश दिए थे। हाईकोर्ट की समय सीमा पूरी हो चुकी है। जनवरी में अगली सुनवाई के दौरान सरकार को हाईकोर्ट में जवाब के साथ स्टेटस रिपोर्ट पेश करनी है। ऐसे में अब एसआई भर्ती रद्द करने पर फैसला जल्द होने के आसार हैं।

कैबिनेट सब कमेटी ने अपनी सिफरिश में भर्ती को रद्द करने की सिफारिश की थी। इसके साथ ही कमेटी ने 2021 के आवेदकों की ही नए सिरे से एग्जाम लेने की भी सिफारिश की थी। मंत्रियों की कमेटी ने माना था कि एसआई भर्ती में भारी धांधली हुई है। कई डमी कैंडिडेट बैठाने और पेपर लीक के मामले सामने आने का तर्क देकर मंत्रियों की कमेटी ने भर्ती रद्द करने की सिफारिश की थी।

इसी साल अगस्त में एसओजी जी आरपीएससी के पूर्व मेंबर रामूराम राईका को भी पेपरलीक के आरोपों में गिरफ्तार किया था। राईका पर अपने बेटे-बेटी को फर्जीवाड़े से परीक्षा में पास करवाने का आरोप है। इसी साल अगस्त में एसओजी जी आरपीएससी के पूर्व मेंबर रामूराम राईका को भी पेपरलीक के आरोपों में गिरफ्तार किया था। राईका पर अपने बेटे-बेटी को फर्जीवाड़े से परीक्षा में पास करवाने का आरोप है।

हाईकोर्ट इस मामले की लगातार सुनवाई कर रहा है। हाईकोर्ट सरकार को एसआई भर्ती पर तय सम सीमा में फैसला करने के आदेश दे चुका है। हाईकोर्ट के आदेश के बाद आब जल्द फैसला करने का दबाव है। कैबिनेट सब कमेटी ने दिवाली से पहले सीएम को रिपोर्ट दे दी थी।

जिस पत्नी की देखभाल के लिए रिटायरमेंट लिया, वही नहीं रही

30% ही काम करता था दिल, पति बोले- बीकानेर में मनाने वाले थे न्यू ईयर

कोटा, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। दीपिका को कार्डियक प्रॉब्लम थी। हमारे कोई बच्चा नहीं है। मैं ऑफिस में होता तो वो (दीपिका) घर पर अकेली होती थी। हमेशा उसकी चिंता रहती थी। इसीलिए मैंने वॉलेंट्री रिटायरमेंट (VRS) का फैसला लिया। सोचा हम हर पल साथ रहेंगे। 24 दिसंबर को वीआरएस पार्टी से पहले सुबह ऑफिस आते समय वो मुझे कार तक छोड़ने आई। 'बेस्ट ऑफ लक' कहा था। मुझे क्या पता था कि होनी को कुछ और ही मंजूर है। वो मुझे अकेला छोड़कर चली गई। कितनी कुछ प्लानिंग की थी। दीपिका की बड़ी बहन का 31 दिसंबर को बीकानेर में रिटायरमेंट था। हम 30 दिसंबर को बीकानेर

जाने वाले थे। नया साल वहीं मनाने वाले थे। ये कहते हुए सेंट्रल वेयर हाउस के मैनेजर की पोस्ट से वीआरएस लेने वाले पति देवेंद्र संदल की आंखें छलक गईं। बोले- अब न जाने दीपिका के बिना कैसे जीवन बीतेगा।

मंगलवार (24 दिसंबर) को ऑफिस में देवेंद्र संदल की वीआरएस की पार्टी चल रही थी। दीपिका (56) भी ऑफिस आई थी। रिटायरमेंट की पार्टी में एक-दूसरे को माला पहनाने के बाद अचानक तबीयत बिगड़ी और दम तोड़ दिया। उन्हें कार्डियक अरेस्ट आया था।

देवेंद्र संदल बताते हैं- दीपिका को 10-12 साल से डायबिटीज, हाइपरटेंशन, कार्डियक की प्रॉब्लम थी। साल भर पहले डॉक्टर ने एंजियोग्राफी करवाने की एडवाइज दी थी।

40 करोड़ रुपए के घोटाले पर विधायक-पूर्व संसदीय सचिव आमने-सामने

मीणा बोले-हुड़ला से बड़ा झूठा कोई नहीं, गंदा राजनेता; जवाब मिला-जो डर गया, वो मर गया

दौसा, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। दौसा के महवा में 40 करोड़ रुपए के घोटाले को लेकर विधायक और पूर्व संसदीय सचिव आमने-सामने है। दोनों के बीच सोशल मीडिया पर जुबानी जंग छिड़ी है।

विधायक राजेन्द्र मीणा ने जल जीवन मिशन में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए है। उन्होंने फेसबुक पर लिखी पोस्ट में पूर्व विधायक ओमप्रकाश हुडला को गंदा राजनेता बताया। लिखा- उनकी दुकान बंद हो गई है। जवाब में पूर्व संसदीय सचिव और पूर्व विधायक हुडला ने बालाहेडी थाने में एक शिक्षक के खिलाफ बेटियों से अनैतिक व्यवहार के मामले में आरोपी टीचर को विधायक का परिचित बताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि विधायक के कारण कार्रवाई नहीं हो रही है। उन्होंने फेसबुक पर लिखा कि उनकी होटल को तोड़ने की तैयारी की जा रही है। लेकिन मैं डरने वाला नहीं हूं, जो डर गया सो मर गया, डर के आगे जीत है।

विधायक राजेन्द्र मीणा ने लिखा- जिस पूर्व एमएलए ने अपने गांव हुडला में 10 वर्ष में एक पैसे का काम नहीं किया, उससे क्या उम्मीद कर सकते हैं। केवल अपने राजनैतिक स्वार्थ के लिए भाई को भाई को लड़ाने का काम किया। क्षेत्र की जनता अच्छे से रह रही है, इसे पच नहीं रहा। इसलिए ये क्षेत्र का माहौल खराब करना चाहता है, लेकिन हम ऐसा नहीं होने देंगे।

ये ईमानदारी की बात करता है, इससे बड़ा झूठा नेता इस दुनिया में नहीं हुआ। जनता को गुमराह करना ही इसका मकसद है। इसके पास महवा में एक हजार बीघा ज़मीन है। ये पूरी तरह से पागल हो गया है, इसको सिर्फ और सिर्फ पैसा चाहिए, अब इसकी दुकान बंद हो गई है। दुबारा इसकी दुकान चालू नहीं होने देंगे। मैंने पूरा जीवन ईमानदारी से सेवा की है, जब तक जनता का आशीर्वाद प्राप्त है, ईमानदारी से सेवा करते रहेंगे।

मुनीम से तीन लाख रुपए लूट का मामला

देवगढ़ थाना पुलिस ने तीन आरोपियों को बापर्दा किया गिरफ्तार

प्रतापगढ़, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रतापगढ़ जिले के देवगढ़ थाना क्षेत्र में 6 महीने पहले हुई लूट की बड़ी वारदात का पुलिस ने खुलासा किया है। देवगढ़ थाना अधिकारी मिश्रीलाल चौहान ने बताया कि 23 जून को मोटाखोरा निवासी रूपलाल मीणा ने शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायत में उन्होंने बताया कि वह देवगढ़ में हसमुख जैन की किराना दुकान पर मुनीम का काम करता है। 23 जून की सुबह वह बाइक से देवाक माता गया था और वहां फुटकर दुकानदारों से 3 लाख रुपए की उधारी एकत्रित कर लौट रहा था। खूंटगढ़ से चिकलाड़ मार्ग पर जंगल के बीच में दो बाइक पर सवार चार नकाबपोश बदमाशों ने उसकी बाइक रोक ली। बदमाशों ने मारपीट कर रूपलाल को नीचे गिरा दिया और उसका मोबाइल फोन, 3 लाख रुपए से भरा बैग और बाइक की चाबी छीनकर फरार हो गए।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और मुखबिरों की सूचना के आधार पर कार्रवाई की। पुलिस ने आज तीन संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें आरोपियों ने अपराध कबूल कर लिया। तीनों को बापर्दा गिरफ्तार कर लिया गया है।

थाना अधिकारी चौहान ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों का एक और साथी अभी फरार है। पुलिस उसकी तलाश में लगातार दबिश दे रही है।

अजमेर में 2 नाबालिग लड़कियां हुई लापता

अजमेर, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। अजमेर शहर के 2 थाना क्षेत्रों में 2 नाबालिग के लापता होने का मामला सामने आया है। मामले में दोनों नाबालिक के परिवारों ने संबंधित थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है। गंज और अलवर गेट थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गंज थाना पुलिस के अनुसार थाना क्षेत्र के रहने वाले पीड़ित ने थाने पर मुकदमा दर्ज करवाया है। पीड़ित ने शिकायत देकर उसके भाई की बेटी 9वीं कक्षा में पढ़ रही है। भतीजी भजन कीर्तन में गई थी, जो कि वापस घर नहीं पहुंची थी।

ज्वेलर व्यापारी से मारपीट और लूट

1.80 लाख रुपए और सोने-चांद की ज्वेलरी ले गए बदमाश

आसींद, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। आसींद में दौलतगढ़ चौकी क्षेत्र के रतनपुरा-लाछुड़ा मार्ग पर ज्वेलर्स के साथ बुधवार शाम चार-पांच बदमाशों ने मारपीट कर लाखों रुपए लूट लिए। वारदात को अंजाम देने के बाद व्यापारी को घायल हालत में जंगल में छोड़कर फरार हो गए। ज्वेलर्स व्यापारी भैंरूलाल सोनी ने बताया कि वह अपनी दुकान बंद कर शाम करीब 7:30 बजे बाइक से घर लौट रहा था। इसी दौरान लाछुड़ा मार्ग पर एक कार ने उसका रास्ता रोक लिया। कार में सवार चार-पांच बदमाश अचानक बाहर निकले और व्यापारी के साथ मारपीट कर लूटपाट शुरू कर दी।

भैंरूलाल सोनी ने बताया कि बदमाशों ने उसे कार में खींचकर लादुवास के जंगल में ले जाकर मारपीट की और 8 किलो चांदी, 80 ग्राम सोने के आभूषण, 1.80 लाख रुपए, सोने की चेन और अंगूठी लूट ली। लुटेरों ने उसे गंभीर रूप से घायल कर अंधेरे में जंगल में छोड़ दिया।

घायल व्यापारी ने जैसे-तैसे सड़क तक पहुंचकर राहगीरों से मदद मांगी। राहगीरों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। भैंरूलाल को गंभीर हालत में चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। दौलतगढ़ चौकी पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण कर आरोपियों की तलाश के लिए टीमें गठित की हैं। प्रारंभिक जांच में लूट की इस घटना में संगठित गिरोह के शामिल होने की आशंका जताई गई है। इधर, घटना के बाद स्थानीय व्यापारियों में रोष है। व्यापारियों ने सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार करने की मांग की है।

बच्चा होने का झांसा देकर रुपए ठगे,एक साल बाद लौटी

ठग महिला को पकड़ा, पीड़ित और पड़ोसियों ने लात-घूसों से पीटा-

अलवर, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। अलवर में दवा देकर बच्चा होने का दावा करने वाली महिला को पकड़ा गया है। महिला झांसा देकर पीड़ित के कानों के टॉप्स और रुपए ठगकर भागी थी। अब एक साल बाद वापस पीड़ित के घर पहुंची तो उसे लात-घूसों से पीटा गया।

पड़ोसियों ने भी ठग महिला को घेरकर मारा, जिसका वीडियो भी सामने आया है। मामला अरावली विहार थाना क्षेत्र के नयाबास का है। एएसआई सुरेंद्र सिंह ने बताया- मामला आज सुबह करीब 11 बजे का है। ठग महिला गुड्डी महवा निवासी दौसा को थाने लेकर आए है। उसने कबलू किया है कि वह पीड़ित महिला की कुंडन और रुपए लेकर गई थी।

नयाबास में जैन बीएडी कॉलेज के पास रहने वाली पीड़ित महिला ने बताया- उसके 9 साल से बच्चा नहीं हुआ था। दिसंबर 2023 को ठग महिला उनके घर आई। उसने दावा किया कि उसकी दवा से बच्चा हो जाएगा।

उसकी बातों पर विश्वास कर लिया। पहले ठग महिला ने दवा के एक हजार रुपए मांगे थे। इसके बाद गारंटी से बच्चा होने का दावा कर साढे. 17 हजार रुपए लिए। इसके बाद दवा लाने का कहकर चली गई। उसके बाद कानों के टॉप्स भी गायब मिले थे। परिवार वालों ने उसे ढूंढा लेकिन नहीं मिली।

एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें महिलाएं उसे पीटते नजर आ रही है।

मामले की जानकारी पर पुलिस मौके पर पहुंची और ठग महिला को पकड़कर थाने लेकर गई।

बोरवेल में चेतना, खुदाई पूरी

अब रैट माइनर्स नीचे उतरेंगे

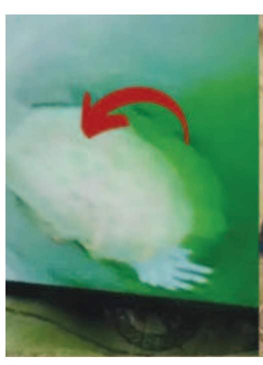

72 घंटे बाद बच्ची के नजदीक पहुंचेगी टीम; मासूम की हालत को लेकर प्रशासन की चुप्पी

कोटपूतली, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। कोटपूतली में 4 दिन से चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन में अब भी चेतना (3) तक नहीं पहुंच सकी हैं। नए गड्ढे के तैयार होने के बाद रैट माइनर्स को पाइप से 170 फीट नीचे उतारा जाएगा। इसके बाद वे एक 20 फीट की सुरंग खोदेंगे। बुधवार सुबह 8 बजे से 170 फीट का गड्ढा खोदा जा रहा है। मेजरमेंट सही नहीं होने के कारण 30 घंटे से खुदाई जा रही है। सोमवार दोपहर करीब 2 बजे से 700 फीट गहरे बोरवेल में फंसी चेतना 72 घंटे से भूखी-प्यासी है। मंगलवार के बाद से उसका मूवमेंट भी कैमरे में नहीं दिखा। उसकी वर्तमान कंडीशन को लेकिर अधिकारी कुछ भी नहीं कह रहे हैं। देसी जुगाड़ के कारण वह शुरुआती जगह से केवल 30 फीट ही ऊपर आ सकी है।

बीते करीब 48 घंटे से चेतना एक हुक 120 फीट की गहराई पर अटकी है। उसे बाहर निकालने की अब तक 4 कोशिशें फेल रही हैं। परिवार ने बुधवार को प्रशासन पर लापरवाही का भी आरोप लगाया था।

25 हजार का डिनर, कमरा 14 लाख का

297 साल पुराने महल में सोने का बिस्तर, न्यू ईयर पर राजस्थान के 90% होटल बुक

जयपुर, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। एक होटल रूम का एक रात का किराया करीब 15 लाख रुपए। वजह... इसमें लगा है सोने का बेड, खाने के लिए थाली भी सोने की। इतना ही नहीं बाथरूम में नल भी सोने-चांदी के। दूसरा होटल, जिसमें डिनर करना है तो इसके लिए आपको 25 हजार रुपए खर्च करने पड़ेंगे।

नया साल दस्तक देने वाला है। न्यू ईयर सेलिब्रेशन के लिए राजस्थान शानदार डेस्टिनेशन बन चुका है। स्पेशल रिपोर्ट में पढ़िए न्यू ईयर सेलिब्रेशन के लिए प्रदेश के प्रमुख शहरों में क्या खास तैयारी की गई है...। सुविधाएं : वेलकम ड्रिंक, कॉन्टिनेंटल ब्रेकफास्ट, स्विमिंग पूल, जिम और फ्रूट बास्केट।

खासियत : राज पैलेस का यह सुइट चार फ्लोर पर फैला हुआ है। सोने के लिए गोल्ड (सोना)

के बेड। यहां तक बाथरूम में नल भी सोने का। मेहमानों को खाना खास सोने-चांदी के बने बर्तनों में सर्व किया जाता है। इसी के साथ यहां हर मंजिल पर अलग बगीचा है।

यह पैलेस 1727 में बना था। तब इसे 'चौमूं हवेली' के नाम से जाना जाता था। 1996 में इसे लग्जरी होटल के रूप में बदल दिया गया। राज पैलेस की दीवारों पर गोल्ड वर्क इसके इंटीरियर को खास बनाता है। यहां कम से कम किराए वाला रूम भी 55 हजार रुपए का है।

खासियत : यह महल सालों पहले होटल में तब्दील हो चुका है। होटल के लग्जरी सुइट में नए साल पर एक रात रुकने का टैरिफ करीब साढ़े 14 लाख रुपए है।

रैतु भरोसा पर असर पड़ने की संभावना

जमीनी स्तर के कर्मचारियों की कार्यभार को लेकर चिंता

हैदराबाद, 26 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। केसीआर के रैतु बंधु के संशोधित संस्करण रैतु भरोसा की सफलता मुख्य रूप से प्रभावी फसल गणना पर निर्भर करती है, लेकिन पर्याप्त स्टाफिंग सहायता के अभाव में मौजूदा चुनौतियां काफी गंभीर प्रतीत होती हैं। सरकार इस कार्यक्रम को एक पखवाड़े से भी कम समय में शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है लेकिन कृषि विभाग जमीनी स्तर के कर्मचारियों द्वारा व्यक्त की जा रही कार्यभार संबंधी वैध चिंताओं से चिंतित है। उनके समर्थन के अभाव में यह एक जटिल कार्य होने जा रहा है। कृषि विस्तार अधिकारी (एईओ) और अन्य कर्मचारी अपर्याप्त स्टाफ और अत्यधिक कार्यभार का हवाला देते हुए फसल गणना का कार्य करने में असमर्थता व्यक्त कर रहे हैं। यह एक बार-बार किया जाने वाला कार्य है और इसके लिए गांवों और बस्तियों के दूरदराज के इलाकों सहित हर भूमि पर कई बार जाना पड़ता है।

कुछ महीने पहले डिजिटल कृषि मिशन के तहत केंद्र सरकार की पहल डिजिटल फसल सर्वेक्षण के संचालन में एईओ के एक वर्ग के असहयोग के कारण गंभीर व्यवधान उत्पन्न हुए थे। प्रत्येक एईओ को अपने परिचालन क्षेत्राधिकार में लगभग 5,000 एकड़ का सर्वेक्षण करने का काम सौंपा गया था। 2,600 से अधिक एईओ की मौजूदगी के साथ, विभाग 1.30 करोड़ एकड़ से अधिक भूमि पर फसलों को सूचीबद्ध कर सकता था।

तेलंगाना में प्रति किसान भूमि जोत का औसत आकार 1.12 हेक्टेयर (2.77 एकड़) है, और राज्य में 55.54 लाख परिचालन जोत हैं, जो 61.97 लाख हेक्टेयर (153.16 लाख एकड़) क्षेत्र को कवर करते हैं। क्षेत्र-स्तरीय कृषि कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले संघों ने डिजिटल फसल सर्वेक्षण करने के लिए निजी एजेंसियों को शामिल करने पर जोर दिया है, जो निश्चित रूप से नहीं हुआ।

डिजिटल सर्वेक्षण में भाग लेने से इनकार करने वाले विभिन्न जिलों के एईओएस के कारण 156 अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया, जिससे व्यापक विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। प्रत्येक किसान द्वारा उगाई गई फसलों की गणना करना और भी कठिन कार्य माना जाता है, जिसके लिए खेतों में कई बार जाना पड़ता है। जबकि राज्य के 907 कृषि क्षेत्र में मुख्य रूप से धान, कपास और मिर्च की फसलें हैं, कुछ इलाकों में मक्का, ज्वार, रागी, दालें, फलियां, फल, सब्जियाँ और मूंगफली की खेती होती है। अधिकांश फील्ड स्टाफ ने बेहतर शिक्षा के अवसरों और मंडल मुख्यालयों तक आसान आवागमन के लिए अपने परिवारों को पास के शहरी केंद्रों में स्थानांतरित कर दिया है। इसके अलावा, पारंपरिक पहानी, जिसमें प्रत्येक मौसम में किसानों द्वारा उगाई गई फसलों को दर्ज किया जाता था, में भी भारी बदलाव आया है, जिसमें कार्यक्षमता के लिए कई कॉलम हटा दिए गए हैं।

ग्राम राजस्व अधिकारी (वीआरओ) प्रणाली को खत्म करने से फसल गणना प्रक्रिया और जटिल हो गई है। इन चुनौतियों के जवाब में, सरकार 11,000 से अधिक गांवों के लिए ग्राम-स्तरीय अधिकारियों की नियुक्ति करके एक समान प्रणाली को पुनर्जीवित करने की योजना बना रही है। इस कदम से कृषि विभाग पर कुछ बोझ कम होने और गणना कार्य को सुविधाजनक बनाने की उम्मीद है।

नानकरामगुडा में मरने वालों की संख्या हुई दो

हैदराबाद, 26 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। नानकरामगुडा में कार और बाइक की टक्कर में मरने वालों की संख्या दो हो गई, क्योंकि गंभीर रूप से घायल वेंकट रमण रेड्डी की इलाज के दौरान मौत हो गई। रमण अपने मित्र आई श्रावणी के साथ बाइक पर जा रहे थे, तभी रविवार रात नानकरामगुडा स्लिप रोड पर श्री कैलाश द्वारा चलाई जा रही कार ने बाइक को टक्कर मार दी। गंडिपेट स्थित सीबीआईटी कॉलेज की छात्रा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी सहेली रमना गंभीर रूप से घायल हो गई। उन्हें गांधी अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने साईं कैलाश के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने का मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। साईं कैलाश हाल ही में लंदन से लौटे हैं, जहां उन्होंने एक विश्वविद्यालय में अध्ययन किया था।

बाघ की आवाजाही से ग्रामीणों में दहशत

नदी किनारे दर्ज किए गए बाघ के पैरों के निशान

कुमराम भीम आसिफाबाद, 26 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। पेंचिकलपेट मंडल के कई गांवों में गुरुवार को बाघ की आवाजाही से लोगों में दहशत फैल गई। वन अधिकारियों ने गोंटलापेट गांव में नदी के किनारे एक बाघ के पैरों के निशान दर्ज किए। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ दिनों से पेंचिकलपेट वन क्षेत्र के जंगलों में बाघ अपने इलाके की तलाश में घूम रहा था। उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि वे वन्यजीवों द्वारा फसलों को नुकसान से बचाने के लिए बिजली से चलने वाली बाड़ लगाकर बाघ को नुकसान न पहुँचाएँ।

अधिकारियों ने निवासियों से बाघ से सावधान रहने को कहा। वे बैठकें और घोषणाएँ करके ग्रामीणों में जागरूकता पैदा कर रहे हैं। उन्होंने किसानों से सुबह 10 बजे तक खेतों में प्रवेश न करने को कहा। उन्होंने किसानों को सलाह दी कि वे खेती-बाड़ी के काम करते समय समूहों में घूमें। उन्होंने जंगल के किनारे के गाँवों के निवासियों से अनुरोध किया कि वे जलाऊ लकड़ी और अन्य ज़रूरतों के लिए जंगल में प्रवेश न करें।

हालांकि, बाघ की गतिविधि से गोंटलापेट, एर्रागुंटा, बॉम्बेगुडा, पोथेपल्ली, लोदपल्ली, कोंडापल्ली, जयहिंदपुर, दरोगापल्ली, अगरगुडा और एल्लुर के निवासियों में दहशत फैल गई। बाघ की गतिविधि के बाद ग्रामीणों ने कपास की फसल की कटाई धीमी कर दी। उन्होंने वन अधिकारियों से मानवीय क्षति को रोकने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया।

29 नवंबर को, मोरले लक्ष्मी (21) को महाराष्ट्र से आए एक प्रवासी बाघ ने मार डाला, जब वह कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के इसगांव में कपास की फसल की कटाई कर रही थी। संदेह है कि इसी बाघ ने 30 नवंबर को डुब्बागुडेम में राउथु सुरेश पर हमला किया था।

सड़क दुर्घटना में एक की मौत, तीन घायल

राजन्ना-सिरसिल्ला, 26 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। वेंकटरावपेट के निकट गुरुवार सुबह सड़क दुर्घटना में एक महिला की मौत हो गई तथा तीन अन्य घायल हो गए। यह घटना उस समय घटी जब एक कार, जिसमें पीड़ित यात्रा कर रहे थे, सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से टकरा गई। अलेक्या की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अशोक, बाबू और मंगा गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को 108 सेवा की एम्बुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया। करीमनगर शहर के निकट एलएमडी कॉलोनी के निवासी वेमुलावाड़ा में श्री राजा राजेश्वर स्वामी मंदिर से लौटते समय दुर्घटना के शिकार हुए।

मिलावटी ताड़ी पीने से 6 लोग अस्पताल में भर्ती

नलगोंडा, 26 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। शालिगोवरम मंडल के पेरिका कोंडाराम गांव में गुरुवार को मिलावटी ताड़ी पीने से छह लोग बीमार हो गये। सभी छह लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और पी. पिचैया की हालत गंभीर बताई जा रही है। उन्हें इलाज के लिए हैदराबाद ले जाया गया है। अन्य प्रभावित व्यक्तियों, डी. अचैया, जी. राम चंद्र, वी. लिंगैया, एम. बिक्षम और के. नरेश को स्थानीय अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। आबकारी विभाग के अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं।

तेलंगाना में और भी बदतर होने वाला है सी-सेक्शन संकट

हैदराबाद, 26 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रमुख पहलों को कम करने के कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार के फैसले से तेलंगाना राज्य में सी-सेक्शन पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ने का खतरा है। अपने कार्यकाल के एक वर्ष बाद भी, कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार तेलंगाना राज्य में सिजेरियन प्रसव की समस्या से निपटने के लिए किसी ठोस विचार से वंचित प्रतीत होती है।

सिजेरियन सेक्शन के संबंध में सार्वजनिक स्वास्थ्य वकालत की पूर्ण कमी को देखते हुए, वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी, जो पहले इसी तरह की पहल में शामिल थे, चिंता व्यक्त करते हैं कि तेलंगाना राज्य में सिजेरियन सेक्शन की अत्यधिक उच्च दर बनी रह सकती है, और आने वाले वर्षों में यह स्थिति और भी खराब हो सकती है।

सी-सेक्शन को विनियमित करने के लिए लगातार बड़े पैमाने पर जागरूकता कार्यक्रमों सहित एक ठोस बहुआयामी प्रयास, जिसे पिछली बीआरएस व्यवस्था के तहत क्रियान्वित किया गया था, तेलंगाना राज्य में अभी तक शुरू नहीं किया गया है। मामले से परिचित वरिष्ठ डॉक्टरों ने कहा कि केसीआर किट, एनीमिया से पीड़ित गर्भवती महिलाओं के लिए पोषण संबंधी पूरकता, निलोफर अस्पताल में मौजूदा दूध बैंकों के अलावा और अधिक दूध बैंकों की स्थापना और समाज के विभिन्न वर्गों को शामिल करके जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने जैसी अद्वितीय माँ और बच्चे केंद्रित पहलों का धीरे-धीरे क्षरण हो रहा है, जिससे तेलंगाना राज्य में सिजेरियन सेक्शन की स्थिति और खराब होने की आशंका है।

सामान्य प्रसव को प्रोत्साहित करने के लिए, पिछली बीआरएस सरकार ने निजी स्वास्थ्य सेवा प्रतिष्ठानों के साथ कई बैठकें की थीं ताकि उन्हें अनावश्यक सी-सेक्शन से बचने और अधिक से अधिक सामान्य प्रसव करवाने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। वर्तमान कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार में, सत्ता में एक साल बाद भी, इस तरह के प्रयास पूरी तरह से नदारद हैं।

ईश्वर-अल्लाह तेरो नाम-भजन पर हंगामा

गायिका को माफी मांगनी पड़ी : सिंगर को 'जय श्रीराम' के नारे लगाने पड़े, पटना में 'मैं अटल रहूंगा' कार्यक्रम की घटना

पटना, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के पटना में गुरुवार को अटल जयंती समारोह में महात्मा गांधी के भजन रघुपति राघव राज राम... को लेकर हंगामा हो गया। भजन गायिका देवी को माफी मांगनी पड़ी। जय श्रीराम के नारे लगाने पड़े, तब जाकर मामला शांत हुआ और कार्यक्रम दोबारा शुरू हुआ। उधर, इस घटना पर आरजेडी नेता लालू प्रसाद यादव ने आपत्ति जताई।

उन्होंने कहा कि गांधी जी का भजन गाया तो नीतीश कुमार के भाजपाई साथियों ने हंगामा कर दिया। ओछी समझ के लोगों की भावनाएं आहत हो गईं। पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता अश्विनी चौबे ने 25 दिसंबर को पटना के बापू सभागार में 'मैं अटल रहूंगा' कार्यक्रम आयोजित किया था।

सिरवी समाज के खिलाडियों का सम्मान

हैदराबाद, 26 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय सीरवी समाज का बेंगलूरू में आयोजित वालीबॉल प्रतियोगिता में कुल 64 टीमों ने भाग लिया।

फाइनल मुकाबले में जेडिमेटला टीम ए विजेता रही। गुरुवार को जेडिमेटला वडेर में समाज की ओर से विजेता खिलाड़ियों को साफा पहनाकर सम्मान किया गया। इस मौके पर मेडचल टीम चैम्पियन क्रिकेट खिलाड़ियों का भी सम्मान किया गया। राज्य स्तर पर स्वर्ण पदक जीतने पर कविता का सम्मान किया गया। समस्त सीरवी समाज जिडिमेटला बडेर के पदाधिकारी चैनाराम चोयल, मांगीलाल काग, अर्जुनलाल बर्फा, प्रेम पंवार, भीमाराम काग, जीवाराम हाम्बड़, मोहनलाल मुलेवा, राजुराम बर्फा, सुशीला भायल, मोहन हाम्बड़, उम्मेद चोयल, मुलाराम पंवार, देवाराम मुलेवा, लुंबाराम, मांगीलाल सोलंकी संस्था के चेनाराम चोयल ने सभी विजेताओं को शुभकामनाएं दी।

कूड़ेदान में मिला नवजात का शव

निर्मल, 26 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। यहां बंगालपेट इलाके में गुरुवार को एक नवजात का शव कूड़ेदान में फेंक दिया गया। बंगालपेट में सुबह कूड़ा उठाते समय सफाई कर्मचारियों को कूड़ेदान में पॉलीथीन कवर में लिपटी एक बच्ची का शव मिला। उन्होंने स्थानीय पुलिस को घटना की जानकारी दी।

पुलिस मौके पर पहुंची और शव को फेंके जाने की जांच शुरू की। स्थानीय लोगों को संदेह है कि किसी महिला ने बिना शादी किए बच्चे को जन्म देने के कारण शव को यहां फेंक दिया होगा।

वीर बाल दिवस का आयोजन किया गया

हैदराबाद, 26 दिसंबर(स्वतंत्र वार्ता)। भारी संख्या में सिख भाइयों एवं भाजपा नेताओं की उपस्थित में मौजमजाही बाजार में वीर बाल दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा तेलंगाना के संगठन मंत्री चन्द्रशेखर तिवारी मुख्य अतिथि के रूप श्री गुरू गोबिन्द सिंह के चारों साहिबजादों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। जामबाग के पार्षद राकेश जायसवाल ने मुख्य अतिथि का भव्य स्वागत किया। उन्होंने अपने सम्बोधन में गुरू गोबिन्द सिंह के चारों साहिबजादों के बलिदान पर प्रकाश डाला ओर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस कार्यक्रम में केन्द्रीय गुरूद्वारा साहिब प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार इंदर सिंह, उपाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह ठकराल, गुरदयाल सिंह गुल्लु, अमित करवन्दा, आनंद चौधरी, चन्दुशारदा, सरदार मोना सिंह, अविनाश देवडा, विनोद चौधरी, संदीप जैन के साथ-साथ भारी संख्या में सिख समाज के बंधुओं तथा भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

28 दिसंबर को कुछ हिस्सों में बिजली बाधित रहेगी

हैदराबाद, 26 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रिड इंडिया अभियान के तहत पूर्ववर्ती करीमनगर जिले के कई इलाकों में 28 दिसंबर को सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे के बीच कभी भी आधे घंटे के लिए बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। टीजीट्रांसको द्वारा गुरुवार को जारी एक बयान के अनुसार, ग्रिड इंडिया 28 दिसंबर को एक मॉक अभ्यास आयोजित करने की योजना बना रहा है, ताकि दक्षिणी क्षेत्र के सभी राज्यों में बिजली आपूर्ति पूरी तरह से बाधित होने की स्थिति में बिजली आपूर्ति की बहाली से जुड़ी किसी भी आपात स्थिति के लिए तैयारी की जा सके।

गोविंददेव गिरि महाराज की जीवनी आध्यात्मिकता से ओतप्रोत

हैदराबाद, 26 दिसंबर(स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्र निर्माण के प्रकाशस्तंभ स्वामी श्री गोविंददेव गिरि महाराज की जीवनी आध्यात्मिकता से ओतप्रोत है। स्वामी गोविंददेव गिरि महाराज, मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि उपाध्यक्ष एवं श्रीराम जन्मभूमि न्यास कोषाध्यक्ष, भारत तथा विदेशों में अपनी आध्यात्मिक विभूति एवं प्रेरणादायक प्रवचनों के लिए प्रसिध्द हैं। उनका जीवन धर्मरक्षण, संस्कृति संवर्धन, समाज सेवा एवं राष्ट्र निर्माण को समर्पित भक्ति, कर्म व ज्ञान योग की अनुपम गाथा है। 25 जनवरी 1949 को, महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के गांव बेलापूर के ब्राह्मण परिवार में जन्मे स्वामीजी ने अपनी साधना, विद्या व समाजसेवा से असंख्य लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है।

स्वामीजी की प्रारंभिक शिक्षा गांव में प्राप्त करने के पश्चात् ठाणे के तत्त्वज्ञान विद्यापीठ में अध्ययन किया। उन्होंने काशी के वाराणसी संस्कृत विश्वविद्यालय से आचार्य की उपाधि अर्जित करने के बाद वेदों,उपनिषदों एवं प्राचीन शास्त्रों का गहन अध्ययन किया। वाराणसी में् प्रसिध्द वैदिक विद्वान डा. विश्वनाथजी देव के मार्गदर्शन में दर्शनाचार्य की उपाधि से सम्मानित हुए। उन्होंने 120 वर्ष पुरानी पारिवारिक परंपरा को आगे बढाते हुए, 15 वर्ष की आयु में भगवदगीता पर एवं 1% वर्ष की आयु में श्रीमद्भागवत पर अपना पहला प्रवचन दिया, जो उनके पैतृक गांव बेलापुर में हुआ। तब से अबतक स्वामीजी करीब 50 वर्षों से श्रीमद्भागवत, रामायण, महाभारत, ज्ञानेश्वरी, दासबोध, योगवाशिष्ठ, शिवपुराण, हनुमान कथा तथा अन्य ग्रंथों पर प्रवचन दे रहे हैं। कांची कामकोटि शंकराचार्य पीठाधीश्वर पूज्य स्वामी जयेंद्र सरस्वती महाराज के अनुग्रह दीक्षा और महामंडलेश्वर परमपूज्य गुरुदेव स्वामी श्री सत्यमित्रानंद गिरि महाराज से संन्यास दीक्षा प्राप्त करने के बाद, आचार्य किशोर व्यास को औपचारिक रूप से स्वामी श्री गोविंददेव गिरि महाराज के रुप में संबोधित किया जाने लगा।

स्वामीजी ने संन्यासपूर्व अवस्था से ही भारतीय संस्कृति की विविध आवश्यकताओं के अनुसार, कई कार्य, शासकीय सहायता के बिना, केवल जनाश्रय से सफलतापूर्वक संचालित किए हैं। गीता परिवार की स्थापना वर्ष 1986 में होने के दौरान, आचार्यश्री ने संगमनेर में स्थापित गीता परिवार द्वारा बाल संस्कार केंद्रों एवं बाल संस्कार शिविरों को प्रारंभ किया। विगत 32 वर्षों से संचालित तत्संबंधित कार्य जो भारत के विविधा 16 राज्यों में पहुंचा है। स्वामीजी के दिव्य मार्गदर्शन में वर्ष 2020 में गीता परिवार द्वारा निःशुल्क आनलाइन गीता कथाएं आरंभ हुई, जिनमें 186 देशों के 12 लाख से अधिक साधकों को गीता का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। महर्षि वेदव्यास प्रतिष्ठान की स्थापना वर्ष 1990 में होने के दौरान, 3% नूतन वेद विद्यालयों की स्थापना एवं संचालन किया जा रहा है।

सनातन व हिन्दू समाज की विभूति हैं हमारे ग्रन्थ : पूज्य महाराजश्री

> बारिशों के बीच हुआ पूज्य गुरुदेव का कलश यात्रा से स्वागत अभिनन्दन

* ललित कला तोरणम में बोले राष्ट्र सन्त श्री सुधांशुजी महाराज
* मोतियों का शहर हैदराबाद में आगाज हुआ चार दिवसीय विराट भक्ति सत्संग महोत्सव

हैदराबाद, 26 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व जागृति मिशन के तेलंगाना के स्थित अमृतधाम हैदराबाद द्वारा ललित कला तोरणम परिसर में आयोजित चार दिवसीय विराट भक्ति सत्संग महोत्सव में बारिशों के बीच परम पूज्य गुरुदेव श्री सुधांशुजी महाराज का आगमन हुआ।

इस अवसर पर मण्डल के प्रधान एवं पूर्व विधायक प्रेम सिंह राठौड़ ने मंच पर अभिनन्दन करते हुए स्वागत किया। इस मौके पर परम पूज्य महाराजश्री जी ने कहा कि सनातन धर्म एवं हिन्दू समाज के लिए हमारे ग्रन्थ पूजनीय हैं, अपने घरों में ग्रन्थों को रखें और उसका पाठन भी करें। राष्ट्र के प्रति एकजुट होकर हिन्दू समाज को जागृत करने के लिए सतत प्रयास करें। उन्होंने कहा कि जब गुरु की कृपा अपने भक्तों के ऊपर होती है तब जीवन में नवीन रूपांतरण होने लगता है।

सदगुरुदेव महाराज ने कहा कि जीवात्मा को भगवान ने शरीर दिया है और शक्तिशाली बनाया है लेकिन संतुष्टि नहीं है। पूज्य महाराजश्री ने बारिशों के मध्य उपस्थित अपने सभी भक्तों के अगाध श्रद्धा और समर्पण को देखते हुए अपना स्नेह भरा आशीष देते हुए गुरु कृपा प्राप्त होने की कामना की।

हैदराबाद मण्डल के प्रधान एवं पूर्व विधायक प्रेम सिंह राठौड़ ने बताया कि चार दिवसीय सत्संग का समापन 29 दिसंबर को सायंकालीन विधिवत सम्पन्न होगा। सत्संग का समय सायं 4.30 से 7.30 बजे तक है। उन्होंने जानकारी देते हुए भारी संख्या में उपस्थित होकर पूज्य महाराजश्री जी द्वारा दिए जा रहे अमृत सन्देश को ग्रहण कर जीवन को धन्य करने को कहा।

विश्व जागृति मिशन के राष्ट्रीय प्रधान प्रेमसिंह राठौड़, हैदराबाद मंडल के महामंत्री अशोक कुमार अग्रवाल, शंकरलाल अग्रवाल, बंकटलाल गिल्डा, कैलाश नारायन भांगडीया, नरेश बब्बानी, जसमत भाई पटेल, सज्जनलाल श्रीवास्तव, पी.रघुवीर, सुमेरसींह राठौड़, सुखदेव जोशी, रामनिवास जोशी, डी.गोपाल, राजकुमार दायमा, डॉ.सवरूपानंद नायक, राजू भागचंदानी, शिवराज पाटिल, मानमल सैन, प्रकाश देवकर, भरत सुत्रवे, सनातन, गोरखनाथ भोसले, कैलाश खेमलानी, सुरेश बिरादर, प्रदीप लेले, जी.ओमप्रकाश, श्यामराव बागाडे, सुनील गोस्वामी, जे.भिक्षापती, भाग्यनारायण, रामचंदर राव, श्रीमती आसमान कंवर राठौड़, कांता अग्रवाल, शिबानी मैथी, कालींदी चिंतावार, इंद्रानी भोपे, ममता ठाकुर, बबीता नागरे, नागेश्वरी, मंजु अग्रवाल, सरोज अग्रवाल, वंदना श्रीवास्तव, एम. शांती, शोभा भोसले, राणी देवकर, स्मीता दायमा, कांता बिरादर, कविता दायमा एवं अन्य उपस्थित थे।

गाद निकालने और ड्रेजिंग का काम जोरों पर, खत्म हो गया 25 से 30 प्रतिशत पानी

हैदराबाद, 26 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार द्वारा पिछले एक साल से भी अधिक समय से प्रमुख सिंचाई परियोजनाओं से गाद हटाने के लिए भव्य योजनाएं बनाई गई हैं, जहां गाद जमने से उनकी भंडारण क्षमता का लगभग 25 से 30 प्रतिशत पानी खत्म हो गया है, लेकिन इस मुद्दे पर अभी तक कोई ध्यान नहीं दिया गया है। इस मामले में बहुत कुछ सिर्फ़ दिखावटी विचार बनकर रह गया है। प्रस्तावित अभ्यास अभी तक शुरू नहीं हुआ है, यहां तक कि कद्देम, मिड मनियर और लोअर मनियर जैसी परियोजनाओं में भी नहीं, जहां सरकार ने इसे पायलट आधार पर लागू करने की योजना बनाई थी। भंडारण क्षमता को बहाल करने की तत्काल आवश्यकता को समझते हुए, राज्य सरकार ने कडेम परियोजना से गाद निकालने का काम पायलट पहल के रूप में करने का फैसला किया है। गाद निकालने की इस प्रक्रिया से जल भंडारण क्षमता में वृद्धि, जल गुणवत्ता में सुधार और जल संसाधन प्रबंधन को टिकाऊ बनाने की उम्मीद है। इस पहल का एक प्रमुख पहलू 9 अगस्त, 2024 को आयोजित कैबिनेट उप-समिति की बैठक की सिफारिशों पर आधारित राजस्व सृजन मॉडल है। मॉडल का उद्देश्य तलछट प्रबंधन गतिविधियों से वित्तीय लाभ को अनुकूलित करना है लेकिन सिंचाई परियोजनाओं से गाद निकालने की प्रक्रिया वास्तव में जटिल और लंबी है, इसलिए तत्काल परिणाम की उम्मीद नहीं की जा सकती।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaartha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaartha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष चार बल्लेबाजों ने ठोके अर्धशतक, बुमराह ने भारत की वापसी कराई

मेलबर्न, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने अंतिम सत्र में देर से विकेट लेकर भारत की वापसी की अगुआई की, जबकि स्टीव स्मिथ ने नाबाद 68 रन की पारी खेलकर ऑस्ट्रेलिया को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर भारत के खिलाफ चौथे टेस्ट के पहले दिन गुरूवार को स्टंप्स तक 86 ओवर में 311/6 का स्कोर बनाने में मदद की।

पहले सत्र में डेब्यू करने वाले बल्लेबाज सैम कोंस्टास द्वारा बाउंड्री लगाने के बाद, भारत दिन के आखिरी सत्र में खुश था, जहां उन्होंने 23 गेंदों के अंतराल में तीन विकेट सहित चार विकेट लिए - उनमें से दो बुमराह के थे, जिन्होंने 3-75 विकेट लिए। लेकिन स्मिथ ने पांच चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 68 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया को 300 के पार पहुंचा दिया।

दूसरी नई गेंद के छह ओवर पुराने होने के साथ, भारत शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया को 400 तक पहुंचने से रोकने की उम्मीद करेगा। अंतिम सत्र की शुरुआत मार्नस लाबुशेन ने रवींद्र जडेजा की गेंद पर दो चौके लगाकर की और 114 गेंदों पर श्रृंखला का अपना दूसरा अर्धशतक पूरा किया।

दूसरे छोर से, स्मिथ ने जडेजा और वाशिंगटन सुंदर की गेंदों पर तीन चौके लगाने के लिए अपने पैरों का अच्छा इस्तेमाल किया। लेकिन पहले ड्रिंक्स ब्रेक के बाद, लाबुशेन ने सुंदर के सिर के ऊपर से हिट करने के लिए पिच पर आगे आये, लेकिन मिड-ऑफ पर एक आसान कैच देकर 72 रन पर आउट हो गए, इस तरह स्मिथ के साथ उनकी 83 रन की साझेदारी समाप्त हो गई।

बुमराह ने बैक ऑफ द लेंथ बॉल को तेजी से ट्रैविस हेड के पास पहुंचाया, जिन्होंने अपने हाथों को उठाया और गेंद को छोड़ दिया लेकिन लेकिन गेंद पड़कर राउंड द विकेट एंगल के साथ अंदर आती चली गई और ऑफ स्टंप का टॉप उड़ गया। इसके बाद उन्होंने मिशेल मार्श को शॉर्ट बॉल पर विकेटकीपर ऋषभ पंत के पास कैच लेने के लिए कहा। आकाशदीप को आखिरकार अपनी दृढ़ता का इनाम मिला, जब उन्होंने राउंड द विकेट से एलेक्स कैरी (31) को पंत को कैच देने के लिए मजबूर किया। इस तरह छठे विकेट के लिए 53 रनों की साझेदारी खत्म हुई।

इस पूरी उथल-पुथल के बीच स्मिथ ने अपनी अडिग स्थिति बनाए रखी और टेस्ट मैचों में अपना 42वां अर्धशतक पूरा किया। इस ऐतिहासिक मैदान पर उनका दसवां अर्धशतक उनके और पैट कमिंस (नाबाद आठ) के लिए महत्वपूर्ण था, जिन्होंने 87,242 दर्शकों के सामने शेष समय सुरक्षित निकाल लिया।

इससे पहले पदार्पण कर रहे युवा बल्लेबाज सैम कोंस्टास (60) और उस्मान ख्वाजा (57) ने अर्धशतक ठोके तथा ओपनिंग साझेदारी में 89 रन जोड़े। कोंस्टास को रवींद्र जडेजा ने लंच से पहले पगबाधा किया जबकि ख्वाजा को बुमराह ने केएल राहुल के हाथों कैच कराया।

स्कोरः ऑस्ट्रेलिया ने 86 ओवर में 311/6 (मार्नस लाबुशेन 72, स्टीव स्मिथ 68 नाबाद; जसप्रीत बुमराह 3-75, वाशिंगटन सुंदर 1-37)

सबसे कम उम्र के शतरंज प्लेयर को बाल पुरस्कार : उम्र 3 साल, 17 बच्चे सम्मानित

नई दिल्ली , 26 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को राष्ट्रपति भवन में 17 बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया। इस बार 14 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के 17 बच्चों को इस पुरस्कार के लिए चुना गया था। इनमें 7 लड़के और 10 लड़कियां शामिल हैं।

बाल पुरस्कार सात कैटेगरी में दिए गए हैं। जिसमें आर्ट एंड कल्चर, बहादुरी, इनोवेशन, साइंस एंड टेक्नोलॉजी, सोशल वर्क, स्पोर्ट्स एंड एनवॉयरमेंट शामिल है। खेल कैटेगरी से चर्चित नाम 3 साल के अनीश सरकार का है। जो फिडे (वर्ल्ड चेस फेडरेशन) रैंकिंग हासिल करने वाले दुनिया के सबसे कम उम्र के शतरंज प्लेयर हैं।

उधर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित वीर बाल दिवस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में मोदी ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार विजेताओं से मुलाकात की।

पीएम मोदी ने कहा- अगर हम मैन्यूफैक्चरिंग पर काम करें तो उसमें हम दुनिया में बेस्ट हों। अगर स्पेस सेक्टर में काम करें तो दुनिया में बेस्ट हों। बेस्ट ही हमारा स्टैंडर्ड होना चाहिए।

कोलकाता में रहने वाले अनीश सरकार की उम्र 3 साल, आठ महीने और 19 दिन है। राष्ट्रपति मुर्मू ने अनीश को मेडल और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया।

कोलकाता में रहने वाले अनीश सरकार की उम्र 3 साल, आठ महीने और 19 दिन है। राष्ट्रपति मुर्मू ने अनीश को मेडल और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया।

बिहार के नालंदा की गोल्डी कुमारी को राष्ट्रपति मुर्मू ने बाल पुरस्कार दिया। दिव्यांग गोल्डी ने थाईलैंड में विश्व पैरा ओलंपिक यूथ गेम्स में गोल्ड और सिल्वर मेडल जीता है।बिहार के नालंदा की गोल्डी कुमारी को राष्ट्रपति मुर्मू ने बाल पुरस्कार दिया। दिव्यांग गोल्डी ने थाईलैंड में विश्व पैरा ओलंपिक यूथ गेम्स में गोल्ड और सिल्वर मेडल जीता है।

बिहार के शेखपुरा जिले के सौरभ कुमार को बहादुरी के लिए अवार्ड मिला। 9 साल के सौरभ ने तीन लकड़ियों को तालब में डूबने से बचाया था।बिहार के शेखपुरा जिले के सौरभ कुमार को बहादुरी के लिए अवार्ड मिला। 9 साल के सौरभ ने तीन लकड़ियों को तालब में डूबने से बचाया था।

वीर बाल दिवस हमें प्रेरणाओं से भरता है और नए संकल्पों के लिए प्रेरित करता है। मैंने लाल किले से भी कहा था कि अब बेस्ट ही हमारा स्टैंडर्ड होना चाहिए। हमारे युवा जिस सेक्टर में हों वहां बेस्ट का प्रयास करें।

इतिहास से वर्तमान तक, भारत की प्रगति में हमेशा युवा ऊर्जा की बड़ी भूमिका रही है। आजादी की लड़ाई से लेकर 21वीं सदी के जनांदोलनों तक, भारत के युवा ने हर क्रांति में अपना योगदान दिया है।

आज की तेजी से बदलती दुनिया में, नई आवश्यकताएं, नई अपेक्षाएं, अपवाद और भविष्य के लिए नए दृष्टिकोण हैं। यह युग मशीनों से आगे बढ़कर मशीन लर्निंग की ओर बढ़ रहा है।

जिम्बाब्वे ने अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी टेस्ट मैचों में दर्शकों के लिए निशुल्क प्रवेश की घोषणा की

बुलावायो, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। जिम्बाब्वे क्रिकेट (जेडसी) ने अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए बुलावायो में क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में दर्शकों के लिए निशुल्क प्रवेश की घोषणा की है, जिसकी शुरुआत गुरुवार को बॉक्सिंग डे गेम से होगी।

एक बयान में, जेडसी ने कहा कि यह निर्णय 28 वर्षों में देश के पहले बॉक्सिंग डे टेस्ट को घरेलू मैदान पर मनाने के प्रयासों के मद्देनजर लिया गया है। इसके बाद जिम्बाब्वे का पहला नए साल का टेस्ट होगा, जो 2-6 जनवरी, 2025 को निर्धारित है।

जेडसी के प्रबंध निदेशक गिवमोर माकोनी ने कहा, ₹यह जिम्बाब्वे क्रिकेट और हमारे प्रशंसकों के लिए एक असाधारण मील का पत्थर है। निशुल्क प्रवेश की पेशकश करके, हम इस ऐतिहासिक अवसर को अधिक से अधिक क्रिकेट प्रेमियों के साथ साझा करना चाहते हैं, ताकि हमारे खिलाड़ियों को प्रेरित करने और खेल की भावना का जश्न मनाने के लिए एक शानदार माहौल बनाया जा सके।"

आखिरी बार जिम्बाब्वे ने 1996 में घरेलू बॉक्सिंग डे टेस्ट खेला था, जो हरारे स्पोर्ट्स क्लब में इंग्लैंड के खिलाफ बारिश से प्रभावित ड्रॉ मैच में समाप्त हुआ था। तब से, जिम्बाब्वे ने केवल 2000 में न्यूजीलैंड और 2017 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विदेश में बॉक्सिंग डे टेस्ट खेला है, बाद में पोर्ट एलिजाबेथ में गुलाबी गेंद से दिन-रात का मैच खेला गया था।

गुरुवार का मैच, सभी पांच दिनों में बारिश के खतरे के बावजूद, जुलाई में बेलफास्ट में आयरलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट खेलने के बाद 2024 में जिम्बाब्वे का दूसरा टेस्ट होगा, जहां वे चार विकेट से हार गए थे। जिम्बाब्वे ने अफगानिस्तान से टी20 सीरीज 2-1 से गंवा दी और इसके बाद मेहमान टीम से वनडे सीरीज भी 2-0 से हार गई।

स्टीव स्मिथ ने एमसीजी पर 10वीं बार बनाया 50+ स्कोर

डॉन ब्रैडमैन की खास सूची में हुए शामिल

मेलबर्न, 26 दिसंबर (एजेंसियां)।ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने भारत के खिलाफ चौथे टेस्ट के पहले दिन अर्धशतकीय पारी खेली और ब्रिसबेन टेस्ट की फॉर्म में मेलबर्न में भी बरकरार रखा। स्मिथ इसके साथ ही डॉन ब्रैडमैन की एलीट सूची में शामिल हो गए हैं। दरअसल, स्मिथ का मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर यह 10वां 50+ स्कोर है और वह इस मैदान पर सबसे ज्यादा बार 50 या इससे अधिक का स्कोर बनाने वाले ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं।

स्मिथ के अलावा ग्रेग चैपल, ब्रैडमैन और रिकी पोंटिंग ने भी एमसीजी पर 10 या इससे अधिक बार 50+ स्कोर किया है। चैपल इस सूची में शीर्ष पर हैं जिन्होंने 17 टेस्ट मैचों में एमसीजी पर 13 50+ स्कोर बनाया है। ब्रैडमैन और पोंटिंग क्रमशः 12 और 11 50+ स्कोर के साथ सूची में दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। वहीं, स्मिथ चौथे स्थान पर हैं। स्मिथ ने बॉक्सिंग डे टेस्ट के पहले दिन 71 गेंदों पर अर्धशतक जड़ा।

स्मिथ 10000 टेस्ट रन बनाने के करीब

स्मिथ इस टेस्ट के दौरान एक और उपलब्धि अपने नाम हासिल कर सकते हैं। वह 10000 टेस्ट रन बनाने के करीब हैं और अगर स्मिथ ऐसा करने में सफल रहे तो वह ऑस्ट्रेलिया के चौथे ऐसे बल्लेबाज होंगे जिन्होंने टेस्ट में

10000 रन बनाए हैं। ऑस्ट्रेलिया के लिए ऐसा अब तक पोंटिंग, एलन बॉर्डर और स्टीव वॉ ने ही किया है। स्मिथ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले दो मैचों में प्रभावित नहीं कर सके थे, लेकिन उन्होंने ब्रिसबेन में खेले गए तीसरे टेस्ट की पहली पारी में शतक जड़ा था और वापसी करने में सफल रहे थे।

मेलबर्न में बॉक्सिंग डे टेस्ट के पहले दिन का खेल खत्म हो चुका है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अपनी पहली पारी में छह विकेट गंवाकर 311 रन बना लिए हैं। स्टीव स्मिथ 68 रन और कप्तान पैट कमिंस आठ रन बनाकर नाबाद हैं। पहले दिन बराबरी की टक्कर रही। जहां पहला सत्र ऑस्ट्रेलिया के नाम रहा। वहीं, दूसरे सत्र में ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच मजबूत प्रतिद्वंद्विता दिखी। तीसरे सत्र में भारत पूरी तरह से हावी रहा।

गुकेश की जीत से विश्व शतरंज की महाशक्ति के रूप में उभरा भारत

ओलंपियाड में छह स्वर्ण रहे ऐतिहासिक

नई दिल्ली, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। चेहरे पर जीत की चमक लिए दोनों बाजू खोलकर मुस्कुराते हुए डी गुकेश की तस्वीर एक अरब से अधिक भारतवासियों की यादों में हमेशा के लिए चस्पा हो गई। सिंगापुर में विश्व शतरंज चैंपियनशिप मुकाबले में चीन के डिंग लिरेन को हराने के ठीक बाद खींची गई तस्वीरें विश्वनाथन आनंद के दौर के बाद विश्व शतरंज के मानचित्र में भारत के बढ़ते कद की गवाह हैं।

वर्ष 2024 भारतीय शतरंज के उत्थान का रहा जिसका खाका खुद आनंद ने तैयार किया। गैरी कास्पारोव के मुताबिक, 'विशी के लड़ाके' बेखौफ और महत्वाकांक्षी युवा हैं जिनके पास चेन्नई के 18 वर्ष के गुकेश के रूप में अब एक नया रोलमॉडल है। गुकेश शतरंज के इतिहास में सबसे युवा विश्व चैंपियन बने। इस सफर की शुरूआत अप्रैल में फिडे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के जरिये हुई। वह टूर्नामेंट जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने और इसके साथ ही 32 वर्ष के लिरेन के खिलाफ विश्व चैंपियनशिप मुकाबले में भी जगह बनाई।

इसके बाद 14 दौर के खिताबी मुकाबले से पहले ही गुकेश को प्रबल दावेदार माना जा रहा था जिससे दबाव बनना लाजमी था। तीसरे, 11वें और 14वें दौर में जीत

दर्ज करके गुकेश ने विश्व चैंपियन का खिताब जीता। पूरे देश की उम्मीदों के बोझ का डटकर सामना करते हुए गुकेश ने जबर्दस्त प्रदर्शन किया। इसका श्रेय उनके सहयोगी स्टाफ को भी जाता है जिसमें भारत में शतरंज की क्रांति का सूत्रपात करने वाले आनंद और मशहूर मानसिक अनुकूलन कोच पैडी अपटन शामिल थे।

गुकेश की जीत से पहले सितंबर में बुडापेस्ट में भारत ने शतरंज ओलंपियाड में टीम और व्यक्तिगत वर्ग में छह स्वर्ण पदक जीते। पुरूष टीम फाइनल में भारत ने स्लोवेनिया को और महिला वर्ग में अजरबैजान को हराया। एक ही ओलंपियाड में महिला और पुरूष दोनों खिताब जीतने वाले दूसरे दो देश चीन और पूर्व सोवियत संघ हैं। व्यक्तिगत वर्ग में गुकेश, अर्जुन एरिगैसी, दिव्या देशमुख और वंतिका अग्रवाल ने स्वर्ण पदक जीते।

पिछले साल 2500 ईएलओ रेटिंग पार करने वाले ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद और आर वैशाली कैंडिडेट्स में खेलने वाली भाई बहन की पहली जोड़ी रही। ग्रैंडमास्टर नॉर्म हासिल करने वाले भी वे पहले भाई बहन हैं। प्रज्ञानंद ने मई में नॉर्वे शतरंज में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को उनकी ही धरती पर क्लासिकल प्रारूप में हराया।

एरिगैसी 2800 ईएलओ रेटिंग अंक पार करने वाले आनंद के बाद दूसरे भारतीय बने। वह इस समय कार्लसन (2831), फेबियानो कारूआना (2805) और हिकारू नकामूरा (2802) के बाद 2801 अंक लेकर चौथे स्थान पर हैं। भारत फिडे टीम रैंकिंग में चौथे स्थान पर हैं। भारत में 64 ग्रैंडमास्टर हैं और उनमें से अधिकांश 25 वर्ष से कम के हैं। ये फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंडस्लैम टूर, फिडे महिला जीपी, फिडे महिला विश्व कप और एशियाई चैम्पियनशिप में अगले साल चुनौती पेश करेंगे। लिहाजा पिक्चर अभी बाकी है।

कोंस्टास मामले में विराट कोहली पर कार्रवाई?

मैच फीस का 20% जुर्माना और एक डिमेरिट अंक की खबर

मेलबर्न, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मेलबर्न में खेले जा रहे चौथे टेस्ट के पहले दिन ही मैदान पर हाईवोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। ऑस्ट्रेलियाई पारी के 11वें ओवर में विराट कोहली और 19 साल के सैम कोंस्टास के बीच भिड़ंत हुई। दोनों के कंधे से कंधा टकराया। अब इस मामले ने आईसीसी का भी ध्यान खींचा है। आईसीसी इस मामले की समीक्षा की है। विराट पर कार्रवाई हुई है और उन्हें सजा भी दी है।

10वें और 11वें ओवर के बीच भिड़े कोहली और कोंस्टास

ऑस्ट्रेलियाई पारी के 10वें ओवर के बाद और 11वें ओवर के बीच में यह घटना घटी। कोंस्टास ने बुमराह की गेंद पर दो चौके और एक छक्का लगाया। 10वें ओवर के बाद कोहली नॉन स्ट्राइकर एंड से वापस आ रहे थे। वहीं, कोंस्टास क्रीज से आगे निकल रहे थे। तभी कोहली का कंधा कोंस्टास के कंधे से जा लड़ा। दोनों की टक्कर हुई। इस पर कोंस्टास ने पीछे मुड़कर कोहली को कुछ शब्द कहे और फिर कोहली ने भी जवाब दिया। दोनों के बीच तूतूमैंमैं का वीडियो सामने आया है। इसके बाद अंपायर को आकर दोनों को दूर किया और मामला शांत कराया। इसके बाद कोंस्टास ने 11वें ओवर में 18 रन बटोरे थे।

इस दौरान उन्होंने दो चौके और एक छक्का लगाया था।

आईसीसी ने मामले की समीक्षा की है

अब इस मामले में आईसीसी ने समीक्षा की है। आईसीसी की आचार संहिता में कहा गया है कि 'किसी भी प्रकार का अनुचित शारीरिक संपर्क क्रिकेट में बैन है। एक सीमा तक इसकी इजाजत है, लेकिन अगर कोई खिलाड़ी जानबूझकर या लापरवाही से किसी अन्य खिलाड़ी या अंपायर से टकराता है या कंधे से कंधा को ठोकर मारता है तो उसे नियम का उल्लंघन माना जाएगा।'

हालांकि, इस मामले में उल्लंघन की गंभीरता का आकलन करते समय कुछ कारकों (बिना किसी सीमा के) को भी ध्यान में रखा गया। इनमें पहला- जब यह घटना घटी उस वक्त क्या स्थिति थी। क्या संपर्क जानबूझकर से किया गया या लापरवाही में हुआ और क्या इसे टाला जा सकता था। दूसरा- किस बल से कंधा मारा गया। तीसरा- क्या टक्कर लगने वाले लोगों को कोई चोट आई या नहीं और चौथा- वह व्यक्ति जिसके साथ कंधा टकराया था। इन सभी चीजों को देखा गया। 2018 दक्षिण अफ्रीका-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज के दौरान स्टीव स्मिथ को धक्का देने के लिए कगिसो रबाडा को तीन डिमेरिट पॉइंट्स मिले थे। हालांकि, बाद में अपील पर इस सजा को हटा दिया गया था।

कोंस्टास को जडेजा ने आउट किया

कोंस्टास को बाद में जडेजा ने एल्बीडब्ल्यू आउट किया। उन्होंने 65 गेंद में छह चौके और दो छक्के की मदद से 60 रन बनाए। कोंस्टास ने अपनी पारी के दौरान कई स्कूप और रिवर्स स्कूप शॉट्स लगाए। कोंस्टास टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के लिए अर्धशतक जड़ने वाले दूसरे सबसे युवा बल्लेबाज भी बन गए। उन्होंने 19 साल 85 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाया। उनसे ऊपर सिर्फ इयान क्रेग हैं। क्रेग ने 1953 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मेलबर्न में 17 साल 240 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाया था।

हिमा दास के निलंबन पर नाडा के अपडेट से असमंजस की स्थिति

नई दिल्ली, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता फर्राटा धाविका हिमा दास को ठिकाने की जानकारी देने में नाकाम रहने के मामले में दोषमुक्त करार दिए जाने के बाद राष्ट्रीय डोपिंग निरोधक एजेंसी (नाडा) ने असामान्य घटनाक्रम में उन पर पूर्वव्यापी निलंबन लगा दिया। 16 महीने की निलंबन अवधि 22 जुलाई 2023 से 21 नवंबर 2024 तक थी और एथलीट अब टूर्नामेंटों में भाग लेने के लिए स्वतंत्र है लेकिन हैरानी की बात यह है कि वह इस साल जून में भी प्रतियोगिताओं में भाग ले रही थी।

नाडा ने हाल ही में घोषणा की है कि उसे अपने ठिकाने की जानकारी नहीं देने के कारण उसके डोपिंग निरोधक पैनल द्वारा निलंबित कर दिया गया था। नाडा की वेबसाइट के अनुसार 'धींग एक्सप्रेस' के रूप में जानी जाने वाली हिमा को मामले के समाधान समझौते के तहत निलंबन दिया गया था। वह वर्तमान में तिरुवनंतपुरम में प्रशिक्षण ले रही है।

उनके निलंबन की अवधि ने असमंजस की स्थिति पैदा कर दी है क्योंकि वह इस साल अप्रैल से ही प्रतिस्पर्धा कर रही हैं जिसमें बेंगलुरु में इंडियन ग्रां प्री मीट और जून में पंचकूला में राष्ट्रीय अंतर-राज्यीय मीट शामिल है जबकि उनका निलंबन 21 नवंबर 2024 तक था। सबसे दिलचस्प बात यह है कि उन्होंने जून में चार रेस में भाग

लिया। बुधवार को उनके प्रशिक्षण सत्र के बाद जब उनसे संपर्क किया गया तो हिमा ने इस मुद्दे पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के एक सूत्र ने भी पुष्टि की कि उनका निलंबन नवंबर में समाप्त हो गया था। जब दोनों पक्ष सहमति देते हैं तो डोपिंग निरोधक एजेंसी और खिलाड़ी के बीच 'मामले के समाधान का समझौता ' किया जाता है और खिलाड़ी आगे की अपील किए बिना लगाए गए परिणामों को स्वीकार करने के लिए सहमत होता है।यह घटनाक्रम हिमा को नाडा की डोपिंग निरोधक पैनल से पूरी तरह से मंजूरी मिलने के कुछ हफ़्ते बाद हुआ है । पैनल ने इस बारे में कोई विवरण नहीं दिया कि वह किस तरह इस निष्कर्ष पर पहुंची कि हिमा की ओर से 'ठिकाने' संबंधी कोई चूक नहीं हुई है।च ौबीस बरस की हिमा को पिछले साल नाडा ने 12 महीनों में तीन बार अपने ठिकाने के बारे में जानकारी नहीं देने के कारण अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया था। मार्च में सुनवाई के बाद डोपिंग निरोधक अनुशासन पैनल (एडीडीपी) ने उन्हें बरी कर दिया था। वह 30 अप्रैल को बेंगलुरु में इंडियन ग्रां प्री एक में 200 मीटर स्पर्धा में फिर से उतरीं। चार सितंबर के फैसले में डोपिंग निरोधक अपील पैनल ने अनुशासन पैनल के उस फैसले को बरकरार रखा जिसमें उन्हें डोपिंग के आरोपों से मुक्त किया गया था।

'हंस कर बात नहीं करना...', जब कोहली ने मैच के दौरान सिराज को दी सलाह; सामने आया वीडियो

मेलबर्न , 26 दिसंबर (एजेंसियां)। सैम कोंस्टास के साथ हुए विवाद को विराट कोहली भूलने के मूड में नजर नहीं आ रहे हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मेलबर्न में खेले जा रहे बॉक्सिंग डे टेस्ट के पहले दिन कोहली को तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को निर्देश देते सुना गया। कोहली की आवाज स्टंप माइक पर रिकॉर्ड हुई। दरअसल, मैच के दौरान कोहली की युवा बल्लेबाज सैम कोंस्टास से धक्का-मुक्की हो गई थी।

सिराज और ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन हंस कर कुछ बात कर रहे थे इस पर कोहली को सिराज से बोलते सुनाई दिया गया, 'हंस कर बात नहीं करना इनसे।' सिराज और लाबुशेन पहले भी ऐसा कर चुके हैं, लेकिन जिस तरह कोहली ने सिराज को टोका इससे यह स्पष्ट है कि यह भारतीय बल्लेबाज विवाद को पीछे छोड़ने के मूड में नहीं हैं। चौथे टेस्ट मैच के पहले दिन कोहली और कोंस्टास के बीच विवाद ने सुर्खियां बटोरी थी। इस बीच, कप्तान रोहित शर्मा भी रवींद्र जडेजा को सलाह देते सुनाई दिए। उन्होंने जडेजा से कहा, 'जड्डू गेंद बाउंस हो रही है, टर्न भी हो रही है।' दरअसल, ऑस्ट्रेलियाई पारी के 11वें ओवर में कोंस्टास ने जसप्रीत बुमराह की गेंद पर दो चौके और एक छक्का लगाया। ओवर की तीसरी गेंद के बाद कोहली नॉन स्ट्राइकर एंड से वापस आ रहे थे। वहीं, कोंस्टास क्रीज से आगे निकल रहे थे। तभी कोहली का कंधा कोंस्टास के कंधा से लड़ा। दोनों की टक्कर हुई। इस पर कोंस्टास ने पीछे मुड़कर कोहली को कुछ शब्द कहे और फिर कोहली ने भी जवाब दिया। इसके बाद विवाद बढ़ा और अंपायर ने आकर बीच बचाव किया। इस पर विवाद काफी बढ़ गया है जिसे लेकर कई दिग्गजों ने अपनी राय रखी है।

तेलंगाना में फिल्म उद्योग को बढ़ावा देंगे : रेवंत रेड्डी

> मुख्यमंत्री रेवंत ने तेलंगाना में फिल्म उद्योग को हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया

> फिल्मी हस्तियों ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की > 50 फिल्मी हस्तियों ने बैठक में भाग लिया

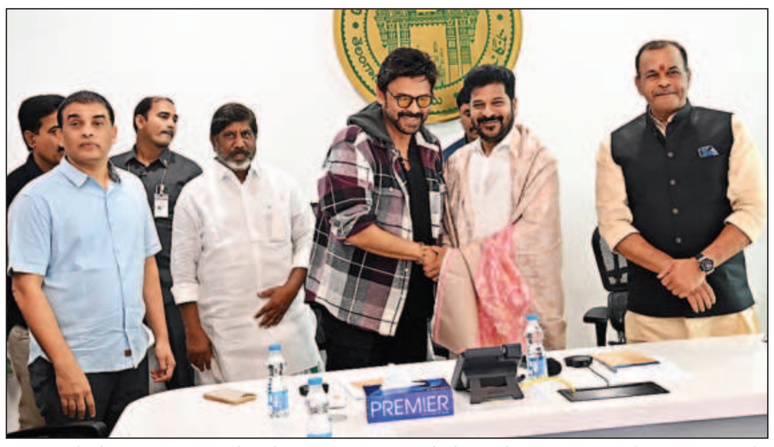

हैदराबाद, 26 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने दोहराया है कि राज्य सरकार तेलंगाना में फिल्म उद्योग को हरसंभव सहायता देने के लिए तैयार है। तेलंगाना फिल्म विकास निगम (टीएफडीसी) के अध्यक्ष और निर्माता दिल राजू के नेतृत्व में करीब 50 फिल्मी हस्तियों ने गुरुवार को बंजारा हिल्स स्थित पुलिस कमांड कंट्रोल सेंटर में मुख्यमंत्री से मुलाकात की और फिल्म उद्योग के मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, सिनेमैटोग्राफी मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी, डीजीपी जितेंद्र और अन्य शामिल हुए।

संध्या थिएटर में भगदड़ और फिल्म अभिनेता अल्लू अर्जुन की गिरफ्तारी के बाद की स्थिति को देखते हुए यह बैठक महत्वपूर्ण हो गई है। इस अवसर पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य फिल्म उद्योग को बढ़ावा देना है और उन्होंने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार उद्योग को समर्थन देने के लिए हर संभव मदद करेगी। रेवंत रेड्डी ने कहा, मुख्यमंत्री के तौर पर कानूनों को लागू करना मेरी जिम्मेदारी है। मेरी कोई व्यक्तिगत प्राथमिकता नहीं है। आइए हम सब मिलकर फिल्म उद्योग को केवल तेलुगु तक सीमित न रखते हुए विकसित करें। फिल्मों के लाभ के लिए राज्य सरकार द्वारा अब तक आठ विशेष आदेश जारी किए जाने और पुष्पा-2 फिल्म को पुलिस ग्राउंड दिए जाने की याद दिलाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने तेलुगु फिल्म उद्योग के लिए एक नई ब्रांड छवि बनाने का फैसला किया है, जिससे उद्योग समृद्ध हो सके। रेवंत रेड्डी ने कहा, आईटी और फार्मा की तर्ज पर सरकार ने फिल्म उद्योग को भी समान महत्व दिया है। इसने पहले ही गद्दर फिल्म पुरस्कार प्रदान करने की घोषणा की है और सरकार और फिल्म उद्योग के बीच समन्वय के लिए प्रसिद्ध फिल्म निर्माता दिल राजू को एफडीसी अध्यक्ष नियुक्त किया है। मुख्यमंत्री ने आगे बताया कि फिल्म उद्योग की समस्याओं के समाधान के लिए एक कैबिनेट उप-समिति का गठन किया जाएगा और फिल्म हस्तियों को सुझाव दिया कि उद्योग को भी एक समिति बनानी चाहिए। हैदराबाद सभी महानगरीय शहरों में सबसे अच्छा शहर है। हॉलीवुड और बॉलीवुड को हैदराबाद लाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। इसी तरह, अन्य फिल्म उद्योगों को हैदराबाद में आकर्षित करने के लिए बड़े सम्मेलन आयोजित करने का प्रयास किया जा रहा है। सरकार का मुख्य उद्देश्य फिल्म उद्योग को अगले स्तर तक बढ़ावा देना है, रेवंत रेड्डी ने खुलासा किया।

उन्होंने आगे कहा कि फिल्म क्रू और अभिनेता शूटिंग पूरी करने के बाद 2 घंटे के भीतर हैदराबाद पहुंच सकते हैं और उन्होंने फिल्म उद्योग से तेलंगाना में इको-टूरिज्म और मंदिर पर्यटन को बढ़ावा देने की अपील की, साथ ही कहा कि मुंबई वहां की अनुकूल परिस्थितियों के कारण बॉलीवुड का केंद्र बन गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि फिल्म उद्योग को लोगों को शिक्षित करने और ड्रग्स और गांजा खतरे सहित सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता पैदा करने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि पिछली कांग्रेस सरकारों ने फिल्म उद्योग के विकास के लिए बहुत कुछ किया था और दोहराया कि मौजूदा सरकार विरासत को जारी रखेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा मुख्य उद्देश्य तेलंगाना में फिल्म उद्योग को बढ़ावा देना है।

हैदराबाद में छाए रहेंगे बादल और बनी रहेगी ठंड

हैदराबाद, 26 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में लोगों को लगातार दूसरे दिन गुरुवार को बादल छाए रहने और ठंड का सामना करना पड़ा। हल्की बारिश, आसमान में बादल छाए रहने और छिटपुट बूंदाबांदी ने हैदराबाद और जिलों के कुछ हिस्सों को प्रभावित किया। गुरुवार को भी मौसम का यही मिजाज जारी रहने की उम्मीद है। आईएमडी -हैदराबाद ने गुरुवार के लिए पूर्वानुमान में कहा कि आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय धुंध, धुंध छाए रहने की संभावना है। शाम के समय हल्की बारिश, बूंदाबांदी होने की संभावना है।

पुलिस ने बीआरएस नेता इरोला श्रीनिवास को किया गिरफ्तार

विपक्ष की आवाज दबाने का प्रयास कर रही कांग्रेस : श्रीनिवास

हैदराबाद, 26 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने राज्य अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति आयोग के पूर्व अध्यक्ष एरोला श्रीनिवास को गुरुवार को पश्चिम मर्रेदपल्ली स्थित उनके आवास से गिरफ्तार कर लिया।

उन पर पिछले महीने जुबली हिल्स इंस्पेक्टर को उनके कर्तव्यों का पालन करने से रोकने का आरोप है। इसी मामले में बीआरएस विधायक पाडी कौशिक रेड्डी को भी पहले गिरफ्तार किया गया था और बाद में जमानत पर रिहा कर दिया गया था। बीआरएस सूत्रों ने बताया कि पुलिस गुरुवार सुबह करीब 5 बजे श्रीनिवास को गिरफ्तार करने उनके घर पहुंची। उन्होंने बताया कि पुलिस ने न तो कोई नोटिस जारी किया था और न ही वारंट्। कानून के मुताबिक कोई नोटिस जारी नहीं किया गया था। परिवार के सदस्यों के फोन आने के बाद, कई बीआरएस नेता और पार्टी के कानूनी प्रकोष्ठ के सदस्य भी उनके घर पहुंचे और पुलिस की कार्रवाई की निंदा की। उन्होंने पुलिस से गिरफ्तारी वारंट पेश करने या जाने की मांग की। पुलिस और बीआरएस कार्यकर्ताओं के बीच तीखी बहस हुई, जबकि अन्य लोग पुलिस को श्रीनिवास के फ्लैट में घुसने से रोकने के लिए पहरा दे रहे थे। हालांकि, पुलिस श्रीनिवास को गिरफ्तार करने में कामयाब रही और उसे थाने ले गई। इस अवसर पर मीडिया से बात करते हुए श्रीनिवास ने झूठे आरोपों के तहत अपनी गिरफ्तारी को कांग्रेस सरकार द्वारा विपक्ष की आवाज दबाने का प्रयास बताया। उन्होंने घोषणा की कि वे अपने खिलाफ दर्ज मामलों के बावजूद सरकार से उसके झूठे वादों और विफल नीतियों पर सवाल उठाते रहेंगे। उन्होंने सवाल उठाया कि पुलिस द्वारा उन्हें गिरफ्तार करने और उनके परिवार को आतंकित करने के लिए सुबह 4 बजे उनके दरवाजे खटखटाने की क्या जरूरत थी।

एरोला श्रीनिवास की गिरफ्तारी की निंदा

हैदराबाद, 26 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव और वरिष्ठ विधायक टी हरीश राव समेत पार्टी के नेताओं ने गुरुवार सुबह हैदराबाद में अपने आवास से वरिष्ठ बीआरएस नेता और पूर्व एससी-एसटी आयोग के अध्यक्ष एरोला श्रीनिवास की गिरफ्तारी की निंदा की। उन्होंने इसे विपक्षी नेताओं के खिलाफ उत्पीड़न और धमकी का एक स्पष्ट कृत्य बताया। केटी रामा राव ने एक बयान में कांग्रेस सरकार पर दलित और बहुजन समुदायों से अधूरे चुनावी वादों पर सवाल उठाने के लिए बीआरएस नेताओं को निशाना बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने श्रीनिवास की तत्काल रिहाई और राजनीतिक विरोधियों तथा उत्पीड़न पर सवाल उठाने वालों के खिलाफ झूठे मामले दर्ज करने की 'विषाक्त संस्कृति' को समाप्त करने की मांग की।

वीएच ने अंबेडकर पर टिप्पणी के लिए अमित शाह से माफी की मांग की

हैदराबाद, 26 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व सांसद और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वी हनुमंत राव ने मांग की है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को बीआर अंबेडकर के बारे में अपनी हालिया अपमानजनक टिप्पणी के लिए बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए। गुरुवार को गांधी भवन में मीडिया से बात करते हुए वी हनुमंत राव ने कहा कि अगर कोई अन्य व्यक्ति अंबेडकर का अपमान करता है, तो उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे जेल में डाल दिया जाएगा। वीएच ने इस बात पर दुख जताया कि अंबेडकर की इतनी आलोचना करने वाले अमित शाह के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई। उन्होंने कहा, मैंने अपने राजनीतिक जीवन में डॉ.बी आर अंबेडकर का इतना बड़ा अपमान कभी नहीं देखा। कम से कम अब तो केंद्रीय गृह मंत्री को अपनी गलती स्वीकार करनी चाहिए और देश से माफी मांगनी चाहिए। अगर अमित शाह माफी नहीं मांगते हैं तो लोग विद्रोह कर देंगे।

कांग्रेस नेता ने मांग की कि अंबेडकर का अपमान करने के लिए अमित शाह के खिलाफ एससी और एसटी का मामला दर्ज किया जाना चाहिए और पूछा कि आरएसएस और भाजपा नेता इस मामले पर बात क्यों नहीं कर रहे हैं।

उन्होंने फिल्म अभिनेता अल्लू अर्जुन पर संध्या थिएटर भगदड़ की घटना में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को ब्लैकमेल करने का भी आरोप लगाया।

सरकार और फिल्म उद्योग अब से मिलकर काम करेंगे : दिल राजू

हैदराबाद, 26 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना फिल्म विकास निगम (टीएफडीसी) के अध्यक्ष और निर्माता दिल राजू ने कहा कि राज्य सरकार और फिल्म उद्योग अब से मिलकर काम करेंगे और वह इन दोनों के बीच समन्वय की जिम्मेदारी लेंगे।

बंजारा हिल्स में पुलिस कमांड कंट्रोल सेंटर में गुरुवार को मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद मीडिया से बात करते हुए दिल राजू ने कहा कि तेलुगु सिनेमा का राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान है और मुख्यमंत्री ने सुझाव दिया कि तेलुगु सिनेमा को भारतीय स्तर पर नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर काम करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया है कि हैदराबाद में हॉलीवुड फिल्मों की शूटिंग के लिए सभी सुविधाओं की व्यवस्था की जाएगी।

उन्होंने फिल्म उद्योग से ड्रग्स के मुद्दे पर जागरूकता पैदा करने के लिए कदम उठाने को भी कहा है। बदले में, फिल्म हस्तियों ने वादा किया है कि वे ड्रग्स के उन्मूलन पर जागरूकता पैदा करेंगे। दिल राजू ने खुलासा किया कि ऐसी गलत धारणाएं हैं कि फिल्म उद्योग और सरकार के बीच दूरी है और संध्या थिएटर की घटना ने इस तरह की चर्चा को जन्म दिया। दिल राजू ने कहा कि उद्योग, टीएफडीसी और सरकार द्वारा संयुक्त रूप से एक समिति बनाई जाएगी और समिति उद्योग के मुद्दों पर निर्णय लेगी। उन्होंने खुलासा किया कि मुख्यमंत्री के साथ फिल्म उद्योग की हस्तियों की एक और बैठक होगी। लाभकारी शो और टिकट की कीमतों में बढ़ोतरी बहुत छोटी बात है। वास्तव में, लाभकारी शो और टिकट की कीमतों का वास्तविक विषय बैठक में चर्चा के लिए नहीं आया। डीजीपी ने हमें बाउंसरों के उपद्रव के बारे में बताया और सुझाव दिया कि सब कुछ जवाबदेह होना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री ने एक बड़ा काम दिया है और फिल्म उद्योग के लोग इसे हासिल करना चाहते हैं। टीएफडीसी के अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री इस बारे में सोच रहे हैं कि हैदराबाद को फिल्मों के लिए अंतर्राष्ट्रीय केंद्र कैसे बनाया जाए और उन्होंने सभी से इस दिशा में प्रयास करने को कहा है।

सीपीआई विधायक ने पार्टी के शताब्दी समारोह में हिस्सा लिया

खम्मम, 26 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीआई के राज्य सचिव और कोत्तागुडेम के विधायक कुणामनेनी संबाशिव राव ने आज जिले में पार्टी के शताब्दी समारोह में हिस्सा लिया। उन्होंने तेलंगाना सशस्त्र संघर्ष सेनानी चकली ऐलम्मा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और हजारों लोगों के साथ रैली की शुरूआत की। बाद में उन्होंने बस स्टैंड सेंटर में पार्टी के झंडे का अनावरण किया और भक्त रामदासु कलाक्षेत्रम में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ साथियों का अभिनंदन किया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि सीपीआई भारतीय धरती पर 100 साल के इतिहास वाली पार्टी है और हर गरीब व्यक्ति की धड़कन है, जो मुश्किलों में है। उन्होंने कहा कि सीपीआई एकमात्र ऐसी पार्टी है जो लोगों के कल्याण के लिए काम करती है।

मिथिला सांस्कृतिक परिषद, हैदराबाद

(साहित्यिक - सांस्कृतिक कार्य हेतु 1992 से लगातार सेवारत एकमात्र प्रतिनिधि मैथिल संस्था)

विद्यापतिपर्व - समारोह

रविवार, 29 दिसम्बर 2024 अपराह्न 3.00 बजे से

स्थान: आर.टी.सी. कलाभवन, आर.टी.सी. क्रास रोड

मुख्य अतिथि : मा. श्री अरविंद ठाकुर

(प्रसिद्ध लेखक, कवि, आलोचक, सम्पादक एवं मैथिली आंदोलनी)

प्रमुख आकर्षण 1. मैथिली प्रश्नमंच (तत्काल पुरस्कार) 2. उद्घाटन सत्र एवं तिरहुत साहित्य सम्मान 3. मैथिली कलाकार सर्व श्री विकास झा, स्वाती झा, देवकीनंदन ठाकुर एवं समूह द्वारा गीत-संगीत एवं नृत्य का भव्य रंगारंग कार्यक्रम।

नोट: केवल पंजीकृत सदस्यों को ही प्रवेश रहेगा।

स्थान उपलब्ध रहने पर ही नये सदस्यों के लिए सभास्थल पर पंजीकरण की व्यवस्था की जायेगी।

संपर्क सूत्र : 9989312492, 9490666760

भारतीय रिज़र्व बैंक
संपदा विभाग, हैदराबाद

भारतीय रिज़र्व बैंक, हैदराबाद के लिए सिविल, इलेक्ट्रिकल और अन्य सामान्य कार्य/खरीद करने के लिए आपूर्तिकर्ताओं और ठेकेदारों का पैनल बनाना

भारतीय रिज़र्व बैंक, हैदराबाद ने अपने विभिन्न स्थानों पर बैंक की संपत्तियों में सिविल, इलेक्ट्रिकल और अन्य सामान्य कार्य/खरीद करने के लिए आपूर्तिकर्ताओं और ठेकेदारों के पैनल में शामिल होने के लिए आवेदन आमंत्रित करने का नोटिस दिनांक 27 नवंबर 2024 को प्रेस विज्ञापन और भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) की वैबसाइट के माध्यम से प्रकाशित किया था।

सभी सहायक दस्तावेजों के साथ विधिवत भरे हुए आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि को 03 जनवरी 2025 को अपराह्न 03:00 बजे तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया है।

किसी भी स्पष्टीकरण के मामले में, संपदा विभाग, भारतीय रिज़र्व बैंक, सैफाबाद, हैदराबाद, तेलंगाना से संपर्क करने की सलाह दी जाती है।

क्षेत्रीय निदेशक तेलंगाना

तिब्बत युवा कांग्रेस की बाइक रैली हैदराबाद पहुंची

हैदराबाद, 26 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तिब्बत युवा कांग्रेस (टीवाईसी) के अध्यक्ष तामो गम्पो ने कहा कि टीवाईसी के नेतृत्व में बाइक रैली का आयोजन किया गया, जिसमें चीन से तिब्बत की आजादी का आग्रह किया गया। रैली में 50 और 60 साल पहले तिब्बत को भारत के समर्थन के लिए आभार भी व्यक्त किया गया।

भारत-तिब्बत सीमा पर अरुणाचल प्रदेश से शुरू हुई बाइक रैली 26 दिसंबर को तेलंगाना के हैदराबाद पहुंची। सिकंदराबाद पहुंचने पर बाइक रैली का प्रमुख जादूगर, फिल्म सेंसर बोर्ड के सदस्य और राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता समाला वेणु सहित अन्य लोगों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने एकजुटता व्यक्त की और प्रतिभागियों को सम्मानित किया।

अंतर्राष्ट्रीय जादूगर समाला वेणु ने मंत्रमुग्ध कर देने वाले जादू के प्रदर्शन के साथ रैली को आधिकारिक रूप से हरी झंडी दिखाई, जिसमें उन्होंने विभिन्न देशों के झंडों को एक बड़े भारतीय राष्ट्रीय ध्वज में बदल दिया, जो तिब्बत के मुद्दे के साथ एकता और एकजुटता का प्रतीक है। तिब्बत से कुल 15 टीवाईसी युवा नेता दो महीने से पूरे भारत में यात्रा कर रहे हैं, जिसमें 19 राज्यों में 20,000 किलोमीटर की दूरी तय की गई है।

समाला वेणु ने उनके साहस और समर्पण की प्रशंसा की और इसे उनकी कृतज्ञता का प्रमाण बताया। बाइक रैली अरुणाचल प्रदेश, असम, नागालैंड, मेघालय, पश्चिम बंगाल, झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़, ओडिशा, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना से होकर गुजरी और अब कर्नाटक की यात्रा जारी रखेगी।

दो स्थानों पर हुआ रक्तदान शिविर का आयोजन

हैदराबाद, 26 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विकलांग निगम के अध्यक्ष मुथिनेनी वीरैया ने दो स्थानों निम्स हॉस्पिटल पंजागुट्टा और मंसूराबाद एलबी नगर, प्रसिद्धि अस्पताल रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया। इस अवसर पर वीरैया ने कहा कि रक्तदान कर दूसरे के जीवन को रोशनी दें। राज्य सरकार के सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित शिविर में उन्होंने मुख्य अतिथि के रूप में कहा कि महान व अपने पसंदीदा नेताओं के जन्मदिन पर लोगों को एक परंपरा के रूप में रक्तदान शिविर का आयोजन करना चाहिए। एक आदर्श, नेक दिल और किसी भी समस्या का समाधान करने वाले मानवीय व्यक्ति के रूप में कार्य करना चाहिए।

मंत्री ने सिद्धेश्वर को रुद्र कवच भेंट किया

हैदराबाद, 26 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन व बीसी कल्याण मंत्री मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने हुस्नाबाद की अन्नपूर्णा के साथ भगवान सिद्धेश्वर को रुद्र कवच भेंट किया। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने हुस्नाबाद एल्लम्मा मंदिर में पूजा की और रुद्रकवच को पदयात्रा के रूप में सिद्धेश्वर स्वामी मंदिर तक ले गए। सिद्धेश्वर मंदिर में विशेष पूजा कर स्वामी को रुद्रकवच भेंट किया गया। पूजा कार्यक्रम में कांग्रेस पार्टी के प्रमुख नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.